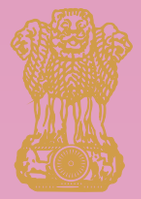

भारत सरकार

परिणाम बजट
2024-2025

वित्त मंत्रालय

जुलाई, 2024

निर्गम परिणाम रूपरेखा 2024-25

(प्रमुख केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाएं)

प्रस्तावना

पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा व्यय संबंधी प्रमुख सुधार किए गए हैं। इसमें न केवल मूल्यांकन और अनुमोदन प्रक्रियाओं का सरलीकरण शामिल है, बल्कि बजट की प्रक्रिया में संरचनात्मक परिवर्तन भी शामिल हैं, जैसे,- आयोजना और आयोजना-भिन्न भेद को दूर करना। नतीजतन, लागत-केंद्रों को केवल सांविधिक राजस्व पूंजी ढांचे के भीतर एक एकीकृत रुप में देखा जा रहा है। यह एक और प्रमुख संरचनात्मक सुधार को सक्षम करता है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक योजनाओं और परियोजनाओं को एक अनुवीक्षणीय निर्गम- परिणाम ढांचे के तहत लाना है।

2017-18 के बाद से, बजट दस्तावेज़ में इंगित की जा रही मंत्रालयों की योजनाओं की वित्तीय रूपरेखा के अलावा, योजनाओं के अपेक्षित आउटपुट और परिणाम भी बजट सहित समेकित परिणामी बजट दस्तावेज में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के निष्पादन में शामिल एजेंसियों को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए इन परिव्ययों, निर्गमों और परिणामों को संसद में माप्य रुप में प्रस्तुत किया जा रहा है। परिव्यय वह राशि है जो बजट में किसी योजना या परियोजना के लिए प्रदान की जाती है; जबकि निर्गम (आउटपुट) कार्यक्रम संबंधी कार्यों के प्रत्यक्ष और माप्य उत्पाद को संदर्भित करता है, जिसे अक्सर भौतिक शब्दों या इकाइयों में व्यक्त किया गया है। परिणाम का आशय इन सेवाओं के वितरण में सामूहिक परिणाम या गुणात्मक सुधार से है।

परिणाम बजट में वर्ष 2024-25 के लिए (क) वित्तीय परिव्यय (ख) स्पष्ट रूप से परिभाषित निर्गम और परिणाम (ग) माप्य निर्गम और परिणाम संकेतक और (घ) विशिष्ट निर्गम और परिणाम लक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं। इससे सरकार की विकास कार्यसूची की पारदर्शिता, पूर्वानुमेयता और समझने में आसानी बढ़ जाएगी।

सरकार का लक्ष्य इस अभ्यास के माध्यम से शासन की एक खुली, जवाबदेह, सक्रिय और उद्देश्यपूर्ण शैली को बढ़ावा देने के लिए महज नतीजों पर ध्यान न देकर परिणामोन्मुख निर्गम और परिणामों पर अधिक ध्यान दिया जाना है। इस प्रयास से मंत्रालयों को योजना के उद्देश्यों पर नज़र रखने और उनके द्वारा निर्धारित विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने में सुविधा होगी। यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा दस्तावेज़ परिणाम बजट 2024-25 का एक उद्धरण है और इसमें वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 500 करोड़ रूपए से अधिक परिव्यय वाली मुख्य सीएस और सीएसएस योजनाओं के लिए निर्गम-परिणाम रुपरेखा शामिल है। अतः यह दस्तावेज़ 159 सीएस/सीएसएस योजनाओं को कवर करता है।

अभिस्वीकृतियाँ

निर्गम-परिणाम अनुवीक्षण रूपरेखा 2024-25, विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में विभिन्न हितधारकों की सहकारिता, टीमवर्क और सहयोग का परिणाम है।

सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के नेतृत्व में उनके नोडल अधिकारियों तथा विभिन्न सीएस और सीएसएस योजनाओं के प्रभारी प्रभागाध्यक्षों की अथक सहयोग और समर्थन के बिना इस संपूर्ण रूपरेखा को उपलब्ध कराना संभव नहीं होता।

श्री सुमन बेरी, उपाध्यक्ष, नीति आयोग और श्री बीवीआर सुब्रमण्यम, सीईओ, नीति आयोग तथा श्री संजय कुमार, डीजी, डीएमईओ, नीति आयोग के नेतृत्व में विषय वस्तु वर्टिकल एवं विकास अनुवीक्षण और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) टीम द्वारा प्रदान की गई सहायता से इस रूपरेखा को व्यापक रूप से लाभ हुआ है।

इसके अलावा, मैं आर्थिक कार्य विभाग में बजट प्रभाग के सभी अधिकारियों को इस रूपरेखा को तैयार करने के संबंध में उनके दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा। मैं व्यय विभाग में अपनी टीम के सभी सदस्यों और विशेष रूप से मंत्रालयों और विभागों में वित्तीय सलाहकारों द्वारा इस दस्तावेज के संबंध में दर्शाए गए दृढ़ विश्वास के लिए उनका भी आभार व्यक्त करता हूं।

और अंत में, मैं माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन तथा माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी का विशेष रूप से धन्यवाद करूंगा जिन्होंने पारदर्शी और जवाबदेह व्यय प्रबंधन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में हमें यह महत्वपूर्ण कदम उठाने में सक्षम बनाने के लिए अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री टी.वी.सोमनाथन

(वित्त सचिव एवं सचिव, व्यय विभाग)

वित्त मंत्रालय

भारत सरकार

विषय सूची

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
1.	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि और किसान कल्याण विभाग	1	5
2.	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग	2	21
3.	आयुर्वेद, योग और नेचुरोपैथी, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय	लागू नहीं	4	22
4.	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	उर्वरक विभाग	6	25
5.	रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय	औषधि विभाग	7	26
6.	नागर विमानन मंत्रालय	लागू नहीं	8	29
7.	कोयला मंत्रालय	लागू नहीं	9	30
8.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	वाणिज्य विभाग	10	31
9.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	11	35
10.	संचार मंत्रालय	डाक विभाग	12	38
11.	संचार मंत्रालय	दूरसंचार विभाग	13	39
12.	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	उपभोक्ता मामले विभाग	14	43
13.	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग	15	48
14.	सहकारिता मंत्रालय	लागू नहीं	16	50
15.	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय	लागू नहीं	23	51
16.	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	लागू नहीं	24	55
17.	शिक्षा मंत्रालय	स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग	25	60
18.	शिक्षा मंत्रालय	उच्चतर शिक्षा	26	68
19.	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	लागू नहीं	27	73
20.	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	लागू नहीं	28	83

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
21.	वित्त मंत्रालय	आर्थिक कार्य विभाग	30	85
22.	वित्त मंत्रालय	वित्तीय सेवाएं विभाग	32	87
23.	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	मत्स्यपालन विभाग	43	88
24.	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	पशुपालन और डेयरी विभाग	44	90
25.	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	लागू नहीं	45	92
26.	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग	46	96
27.	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय	भारी उद्योग विभाग	48	118
28.	गृह मंत्रालय	लागू नहीं	49	119
29.	गृह मंत्रालय	पुलिस विभाग	51	121
30.	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	60	129
31.	सूचना और प्रसारण मंत्रालय	लागू नहीं	61	145
32.	जल शक्ति मंत्रालय	जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग	62	147
33.	जल शक्ति मंत्रालय	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग	63	157
34.	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय	लागू नहीं	64	159
35.	विधि और न्याय मंत्रालय	विधि और न्याय विभाग	65	160
36.	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय	लागू नहीं	68	162
37.	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	70	167
38.	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	लागू नहीं	71	169
39.	पंचायती राज मंत्रालय	लागू नहीं	72	174
40.	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	लागू नहीं	76	176
41.	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय	लागू नहीं	78	179
42.	विद्युत मंत्रालय	लागू नहीं	79	180
43.	रेल मंत्रालय	लागू नहीं	85	184
44.	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय	लागू नहीं	86	189
45.	ग्रामीण विकास मंत्रालय	ग्रामीण विकास विभाग	87	190

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
46.	ग्रामीण विकास मंत्रालय	भूमि संसाधन विभाग	88	199
47.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	89	200
48.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	बायोटेक्नोलॉजी विभाग	90	215
49.	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	लागू नहीं	92	226
50.	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग	93	228
51.	अंतरिक्ष विभाग	अंतरिक्ष विभाग	95	232
52.	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय	लागू नहीं	96	236
53.	वस्त्र मंत्रालय	लागू नहीं	98	238
54.	पर्यटन मंत्रालय	लागू नहीं	99	240
55.	जनजातीय कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	100	241
56.	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	लागू नहीं	101	248
57.	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय	खेल विभाग	102	256

मांग संख्या 1

कृषि और किसान कल्याण विभाग

1. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम - किसान) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
60,000	1. योजना के कवरेज में वृद्धि	1.1 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा नामांकित पात्र लाभार्थियों की संख्या (करोड़ में)	0.10	1. कृषि योग्य भूमि वाले सभी भूमि धारक किसानों को सुनिश्चित आय सहायता	1.1 सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर वित्तीय लाभ (%)	100
		1.2 पीएम किसान पोर्टल पर अपलोड किए गए पात्र किसानों के विवरण की संख्या (करोड़ में)	10.0			
	2. उन्नत भुगतान सुविधा	2.1 प्रायोजक बैंक द्वारा गंतव्य बैंक को प्रेषित कुल राशि (करोड़ में)	60,000			

2. संशोधित ब्याज छूट योजना (एमआईएसएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
22,600	1. नए खाते खोलना	1.1 केसीसी के माध्यम से अल्पकालिक क्रेडिट (एसटीसी) ऋण दिए गए किसानों के नए खातों (नवीनीकरण और उन्नयन सहित) की संख्या (लाख में)	95	1. ऋण तक पहुंच	1.1 पीआरआई और आईएस का लाभ पाने वाले केसीसी खाताधारक किसानों की संख्या (करोड़ में)	7

		1.2 केसीसी के माध्यम से कवर किए गए एसएमएफ के नए खातों (नवीनीकरण और उन्नयन सहित) की संख्या (लाख में)	76		1.2 के सी में वितरित कुल ऋण राशि (करोड़ में)	8
		1.3 केसीसी में जम्मू एवं कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र और सेवा अधीन क्षेत्र के तहत कवर किए गए नए खातों (नवीनीकरण और उन्नयन सहित) की संख्या (लाख में)	2.20			

3. फसल बीमा योजना: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2024-25**			**परिणाम 2024-25**		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
14,600						
	1. कवरेज में वृद्धि	1.1 फसल बीमा (खरीफ के लिए 15 अगस्त तक और रबी सीजन के लिए अगले वर्ष 15 जनवरी तक) के तहत किसानों के आवेदनों की संख्या (करोड़ में)	12	1. बीमित किसानों के लिए जोखिम कवरेज	1.1 कुल बीमित राशि (लाख करोड़ रुपये में)	2.25
		1.2 फसल बीमा पीएमएफबीवाई कार्यान्वयन राज्यों के तहत (खरीफ के लिए 15 अगस्त और रबी सीजन के लिए अगले वर्ष 15 जनवरी तक) बीमित क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	5.50			
	2. प्रौद्योगिकी और दावा निपटान तंत्र के माध्यम से प्रभावी दावा मूल्यांकन	2.1 येस-टेक नियमावली के अनुसार- यस-टेक (प्रौद्योगिकी पर आधारित उपज आकलन प्रणाली) को क्रियान्वित करने वाले जिलों की संख्या	200	2. समय पर कार्रवाई और दावों का निपटान करना	3.1राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा फसल क्षति डेटा और उपज डेटा प्रदान करने के एक महीने के भीतर निपटाए गए दावों का प्रतिशत (%)योजना के तहत किसानों के नामांकन में वृद्धि (%)	90
		2.2 विंड्स नियमावली के अनुसार स्थापित एडब्ल्यूएस और एआरजी की संख्या	5,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		2.3 डिजी-क्लेम के माध्यम से चालू सीजन के लिए बीमा कंपनियों द्वारा किसानों को भुगतान किए गए अनुमोदित दावों का प्रतिशत (प्रगति की सूचना सीजन की समाप्ति के बाद अगली तिमाही में दी जाएगी अर्थात् खरीफ के लिए दिसंबर और रबी के लिए अगले वर्ष जून को समाप्त होने वाले महीनों के रूप में देखते हुए) (%)	90			
	3. हितधारकों और लाभार्थियों में जागरूकता और क्षमता वर्धन	3.1 विभाग के साथ-साथ बीमा कंपनियों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों और क्षमता वर्धन कार्यक्रमों की संख्या	180			10
		3.2 आयोजित की गई फसल बीमा पाठशालाओं की संख्या	30,000			
		3.3 आरंभिक स्तर के ज्ञान सहायता के लिए प्रशिक्षित रिसोर्स व्यक्तियों की संख्या	10,000			
		3.4 प्रिंट और सोशल मीडिया पहलों के माध्यम से पहुंचे गए किसानों की संख्या (करोड़ में)	5			

4. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
7,553	1. कृषि और संबद्ध योजनाओं की योजना बनाने और निष्पादित करने में राज्यों को ढील और स्वायत्तता प्रदान करना	1.1 आरकेवीवाई योजनाओं का उपयोग करने वाले राज्यों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[1]	1. किसानों के प्रयासों को मजबूत करने, जोखिम को कम करने और कृषि-उद्यमिता को बढ़ावा देने के माध्यम से खेती को एक लाभकारी आर्थिक गतिविधि बनाना	1.1 कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में राज्यों द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या	380-400
		1.2 राज्यों द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[2]		1.2 वित्तीय सहायता प्रदान किए गए उद्यमियों/ स्टार्टअप्स की संख्या	500
	2. संभावित राज्यों में कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देना	2.1. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमियों को प्रदान किए गए प्रशिक्षणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[3]			
	क. प्रति बूंद अधिक फसल					
	1. कुशल जल संवहन और सुव्यवस्थित जल अनुप्रयोग उपकरण - स्प्रिंकलर, ड्रिप आदि।	1.1 सूक्ष्म सिंचाई (एमआई) के अंतर्गत कवर किया गया क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	10	1. बढ़ी हुई जल उपयोग दक्षता।	1.1 सूक्ष्म सिंचाई अपनाने वाले किसानों की संख्या (लाख में)	9.5
	ख. फसल अवशेषों के स्व-स्थाने प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देना।					
	1. यंत्रीकृत स्व-स्थाने फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा	1.1 फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की कस्टम	9347	1. किसानों के बीच स्व-स्थाने फसल अवशेष प्रबंधन को अधिक से अधिक अपनाना	1.1 इस योजना के अंतर्गत मशीनरी के माध्यम से	25

[1] *वास्तविक आंकड़े सूचित कर दिए जाएंगे*

[2] *वास्तविक आंकड़े सूचित कर दिए जाएंगे*

[3] *वास्तविक आंकड़े सूचित कर दिए जाएंगे*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	देना	हायरिंग के लिए स्थापित फार्म मशीनरी बैंकों की संख्या			प्रबंधित फसल अवशेषों की मात्रा (एमटी)	
		1.2 सब्सिडी पर वितरित फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की संख्या	19145		1.2 भूमि का क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में) जिस पर इस योजना के तहत फसल अवशेष प्रबंधन अपनाया गया है	41
	ग. कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन					
	1. कृषि उपकरणों की खरीद और किराए पर लेने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता	1.1 कृषि मशीनरी/उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता दिए गए किसानों/लाभार्थियों की संख्या	1,34,000	1. लक्ष्यित लाभार्थियों के बीच कृषि मशीनीकरण की पहुंच में वृद्धि	1.1 खेती किए गए क्षेत्र की प्रति इकाई कृषि बिजली की उपलब्धता (किलोवाट/हेक्टेयर में)	0.1-0.2
		1.2 स्थापित सीएचसी, हाई-टेक हब की संख्या	1,967			
	2. लाभार्थियों और अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता में वृद्धि	2.1. प्रशिक्षित किसानों और अन्य हितधारकों की संख्या	10,000	2. लाभार्थी / हितधारक में जागरूकता में सुधार	2.1. यंत्रीकृत कृषि पद्धतियों में लगे छोटे और सीमांत किसानों की संख्या	1,14,500
		2.2. ऐसे गांवों की संख्या जहां कृषि-यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया गया	1,524			
	3. कृषि उपकरण परीक्षण और प्रमाणन क्षमता बढ़ाना	3.1. उत्पाद परीक्षण और प्रमाणन आयोजित करने वाले संस्थानों की संख्या	5			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	घ. वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास और जलवायु परिवर्तन					
	1. वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण का कवरेज बढ़ाया	1.1 एकीकृत कृषि प्रणाली - वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास (लाख हेक्टेयर) के अंतर्गत लाया गया कुल क्षेत्र	0.50	1. अधिक उत्पादक, सतत, लाभकारी और जलवायु अनुकूल कृषि	1.1 लाभान्वित किसानों की संख्या (लाख में)	0.30
	ड. परंपरागत कृषि विकास योजना (बीपीकेपी सहित)[4]					
	1. जैविक और गैर-रासायनिक/ प्राकृतिक खेती के तहत कवरेज बढ़ाना	1.1 जैविक और प्राकृतिक खेती के तहत लाया गया कुल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	1.50	1. जैविक/प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूकता बढ़ाना	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में जैविक खेती क्षेत्र में प्रतिशत परिवर्तन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[5]
		1.2 जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों की संख्या (लाख)	1.50		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में जैविक खेती क्षेत्र के तहत किसानों में प्रतिशत वृद्धि।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
	च. राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता परियोजना					
	1. मृदा नमूना संग्रह में वृद्धि और किसानों के बीच जागरूकता।	1.1 एकत्रित किये गये मिट्टी के नमूनों की संख्या (लाख)	50	1. एसएचसी उत्पादन में वृद्धि	1.1 उत्पन्न मृदा स्वास्थ्य कार्ड की संख्या (लाख)	50

[4] *2024-25 के लिए तिमाही लक्ष्य अस्थायी आंकड़ा है जो ईएफसी में प्रस्तावित है और जो ईएफसी के अनुमोदन के अध्यधीन है। इसमें भिन्नता हो सकती है क्योंकि पीकेवीवाई योजना त्रिवर्षीय कार्यक्रम है और योजना से संबंधित कार्य समान क्षेत्रों में तीन क्रमिक वर्षों के लिए जारी रहता है।*

[5] *कृषि लक्ष्य तिमाही रूप से निर्धारित नहीं किया जा सकता है क्योंकि फसल प्रणाली मौसम पर आधारित होती है। इसलिए, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए तिमाही परिणामों के आंकड़ों की भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.2 किसानों के खेतों में प्रदर्शनों, प्रशिक्षण और ज्ञान साझा करने की संख्या।	30,000			
		1.3 प्रशिक्षित किसानों की संख्या (लाख)	6			

5. कृषोन्नति योजना (सीएसएस)[6]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
7,447	**क. खाद्य एवं पोषण सुरक्षा**					
	1. खेती के अंतर्गत अतिरिक्त क्षेत्र	1.1 दलहन की खेती के लिए चावल के परती राज्यों में अतिरिक्त सकल फसल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	14	1. खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता	1.1 चावल के परती क्षेत्रों में अतिरिक्त दलहन उत्पादन (मिलियन टन में)	1
	2. उपज/उत्पादकता में वृद्धि	2.1 समग्र खाद्यान्न फसलों की उत्पादकता (किलो/हेक्टेयर में)	2,439		1.2 अतिरिक्त खाद्यान्न उत्पादन (मिलियन टन में)	4.60
		2.2 पोषक अनाजों की उत्पादकता (किलो/हेक्टेयर में)	1,350			
		2.3 मोटे अनाजों की उत्पादकता (किलो/हेक्टेयर में)	3,400			

[6] *सभी उपयोजनाएं कृषोन्नति योजना के घटक हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		2.4 दलहन की उत्पादकता (किलो/हेक्टेयर में)	900			
	क (i) बीज एवं रोपण सामग्री					
	1. बीज अवसंरचना सुविधाओं का निर्माण	1.1 कुल स्वीकृत बीज प्रसंस्करण क्षमता (लाख क्विंटल में)	0.25	1. पिछले वर्षों की तुलना में बीज की उपलब्धता में वृद्धि, उत्पादकता में वृद्धि और बीज प्रतिस्थापन में सुधार	1.1 बीज की उपलब्धता में प्रतिशत परिवर्तन	0.5
	2. बीज भण्डारण क्षमता में सुधार	2.1 कुल स्वीकृत बीज भंडारण क्षमता (लाख क्विंटल में)	0.25			
		2.2 आरक्षित बीज की मात्रा (लाख क्विंटल में)	3.65			
	3. बीज ग्राम कार्यक्रम - बीज के उपयोग के बारे में बेहतर जागरूकता उत्पन्न करना	3.1 बीज ग्रामों की संख्या जिनमें बीज ग्राम कार्यक्रम आयोजित किए गए	20,000			
	ख. खाद्य तेल-तिलहन एवं ऑयल-पाम					
	1. खाद्य तिलहन के उत्पादन में वृद्धि	1.1 तिलहन के अंतर्गत क्षेत्र कवरेज (मिलियन हेक्टेयर में)	30.40	1. देश में खाद्य तेल उत्पादन में वृद्धि	1.1 घरेलू खाद्य तेल उत्पादन (एमटी में)	47.10
		1.2 प्राथमिक स्रोतों से तिलहन का उत्पादन (एमटी में)	10.9		1.2 खाद्य तेल के आयात में % की गिरावट	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
	2. द्वितीयक स्रोतों से खाद्य तेलों के उत्पादन में वृद्धि	2.1 आयल पाम के अंतर्गत क्षेत्र विस्तार (लाख हेक्टेयर में)	2.30		1.3 क्रूडपाम तेल के आयात में % की गिरावट	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		2.2 संचयी कुल क्षेत्रफल (लाख हेक्टेयर में)	5.43[7]		1.4 द्वितीयक स्रोतों से खाद्य तेलों का उत्पादन (एमटी में)	9.16[8]
	ग. पूर्वोत्तर क्षेत्र जैविक मूल्य श्रृंखला विकास					
	1. जैविक खेती के तहत कवरेज में वृद्धि	1.1 जैविक खेती के अंतर्गत लाया गया कुल क्षेत्र (हेक्टेयर में)	15,000	1. जैविक/प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता में वृद्धि	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में जैविक खेती क्षेत्र में प्रतिशत परिवर्तन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		1.2 जैविक खेती अपनाने वाले किसानों की संख्या	15,000		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में जैविक खेती क्षेत्र के तहत किसानों की संख्या में परिवर्तन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		1.3 गठित किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ/एफपीसी) की संख्या	30	2. उत्पादन एवं संवर्धन हेतु संस्थागत विकास	2.1 सक्रिय एफपीओ की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
					2.2 योजना के तहत एफपीओ का टर्नओवर (एमटी में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
	घ. समेकित बागवानी विकास					
	1. नर्सरी की क्षमता में	1.1 विकसित नई नर्सरियों की संख्या	80	1. बागवानी फसलों का अधिक	1.1 बागवानी उपज का	355

[7] *वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक संचयी कुल क्षेत्रफल का लक्ष्य (लाख हेक्टेयर में)*

[8] *वर्ष 2024-25 में द्ववितीयक स्रोतों से खाद्य तेल के उत्पादन का लक्ष्य (एमटी में)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	वृद्धि	1.2 नई नर्सरियों के माध्यम से जोड़े गए पौधों की संख्या (लाख में)	20	उत्पादन	कुल उत्पादन (एमटी में)	
	2. खेती क्षेत्र का विस्तार	2.1. नए बगीचे के माध्यम से जोड़ा गया खेती का कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	1,40,000			
	3. जीर्ण पौधों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र का पुनरुद्धार किया गया	3.1 खेती के तहत कुल क्षेत्र जहां जीर्ण पौधों का पुनरुद्धार किया गया (हेक्टेयर में)	10,000			
	4. संरक्षित खेती	4.1 खेती के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल जहां संरक्षित खेती की जाती है (हेक्टेयर में)	16,000			
	5. फसलोपरांत प्रबंधन बढ़ाना	5.1 कोल्ड स्टोरेज इकाइयों की क्षमता (लाख मीट्रिक टन में)	1.2			
		5.2 कोल्ड स्टोरेज इकाइयों की संख्या	4,000			
	6. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण/विस्तार/जागरूकता	6.1 कवर किये गये किसानों की संख्या	80,000			
	घ. i. राष्ट्रीय बांस मिशन					
	1. बाँस का प्रचार-प्रसार एवं खेती	1.1 गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के लिए स्थापित नर्सरियों की संख्या	25	1. गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की उपलब्धता से उत्पादन में हुई वृद्धि	1.1 पौध उत्पादन क्षमता उत्पन्न (लाख में)	15
	2. उत्पाद विकास/प्रसंस्करण इकाइयाँ	2.1 निर्मित उत्पाद श्रृंखलाओं/इकाइयों की संख्या	50		1.2 बांस वृक्षारोपण के तहत कवर किया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में)	8,000
	3. क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण	3.1 कुशल किसानों/उद्यमियों की संख्या	2,000	2. अगरबत्ती उद्योग को समर्थन	2.1 गोल छड़ियों का उत्पादन (एमटी में)	2,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	ङ. कृषि विस्तार					
	1. ईईआई, कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से विस्तार पदाधिकारियों के ज्ञान और कौशल का उन्नयन	1.1 मैनेज एवं ईईआई द्वारा प्रशिक्षित किए जाने वाले विस्तार पदाधिकारियों की संख्या	13,275	1. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र विभाग में राज्य के कार्यरत वरिष्ठ एवं मध्यम स्तर के विस्तार कर्मियों का क्षमता निर्माण।	1.1 नई कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		1.2 एनएसडीएम के तहत प्रशिक्षित ग्रामीण युवाओं और किसानों की संख्या	22,500		1.2 नए कौशल को अपनाना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
	2. एटीएमए के अंतर्गत किसानों का प्रशिक्षण और विस्तार सहायता	2.1 कृषि प्रशिक्षण के तहत लाभार्थियों की संख्या (लाख)	10	2. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में किसानों का क्षमता निर्माण।	2.1 नई कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		2.2 प्रदर्शनों में लाभान्वित किसानों की संख्या (लाख)	4.25			
		2.3 किसान के अंतर्गत आगंतुकों की संख्या मेला / गोष्ठी /किसान-वैज्ञानिक संवाद (लाख)	12			
		2.4 फार्म स्कूलों के तहत प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या (लाख)	3.75			
	3. कृषि उद्यमी का प्रशिक्षण	3.1. एसीएंडएबीसी योजना के तहतप्रशिक्षण प्राप्त कृषि उद्यमियों की संख्या	5,209	3. एसीएंडएबीसी द्वारा स्थापित नये उद्यम	3.1 एसीएंडएबीसी द्वारा स्थापित किए जाने वाले कृषि उद्यमों की कुल संख्या	2,605
		3.2. इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा (डीएईएसआई) के लिए बैचों की संख्या	300			
	4. किसानों के लिए आउटरीच कार्यक्रम	4.1 संस्थापित किसान कॉल सेंटरों की संख्या	21	4. किसानों के लिए संवर्धित आउटरीच कार्यक्रम	4.1 किसान कॉल सेंटर द्वारा कॉल सेवाओं की	58

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		4.2 डीडी एंड एआईआर के माध्यम से प्रसारित कार्यक्रमों की कुल संख्या	18,408		कुल संख्या (लाख में)	
	च. डिजिटल कृषि					
	1. बोई गई फसल की रजिस्ट्री	1.1 डिजिटल माध्यम से की गई फसल सर्वेक्षण के अनुसार बोई गई फसल का विवरण	10[9]	1. डिजिटल रूप से संचालित फसल सर्वेक्षण वाले राज्यों की संख्या	1.1 उपज और उत्पादन अनुमान के लिए प्रमाणित बोई गई फसल रजिस्ट्री बनाई गई।	100 [10]
	2. कृषि-निर्णय सहायता प्रणाली	2.1 कृषि निर्णय सहायता प्रणाली (केडीएसएस) का उद्देश्य आम तौर पर समय पर और प्रासंगिक जानकारी प्रदान कर कृषि उत्पादकता, स्थिरता और दक्षता में सुधार करना है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[11]	2. चालू किए गए मॉड्यूल की संख्या	2.1 मॉड्यूल से सृजित प्रमाणित जानकारी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[12]
	3. उपज अनुमान	3.1. जिला स्तर पर प्रमुख फसलों की उपज का अनुमान	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते[13]	3. उपज का अनुमान	3.1. प्रमाणित फसल उपज अनुमान	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते [14]
	छ. कृषि विपणन					

[9] *10 राज्य: 5/फसल सीजन (खरीफ 2023 में 5 + अगले रबी सीजन में 5)*

[10] *सभी 10 राज्य*

[11] *मॉड्यूल का विकास (दो तिमाही में एक)*

[12] *1 तिमाही में 1 मॉड्यूल*

[13] *ख़रीफ़ 2024 और रबी 2024 में सभी प्रमुख फसलें*

[14] *वर्ष 2024-25 में सभी प्रमुख राज्य*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	छ.I. उप- योजना कृषि विपणन आधारभूत संरचना (एएमआई)					
	1. कृषि विपणन अवसंरचना का विकास/सुदृढ़ीकरण	1.1 संस्वीकृत भंडारण अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या (लाख मीट्रिक टन में)।	10	1. कृषि विपणन अवसंरचना में निजी निवेश को बढ़ावा	1.1 कृषि विपणन अवसंरचना में निजी निवेश (करोड़ में)	400
		1.2 संस्वीकृत भंडारण अवसंरचना परियोजनाओं के अलावा अन्य की संख्या	72	2. महिला उद्यमियों का आर्थिक सशक्तिकरण	2.1 महिला उद्यमियों द्वारा प्रचारित परियोजनाओं की संख्या	400
	छ.II. उप - योजना: राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (एनएएम)					
	1. ई-नाम के माध्यम से साझा करने पर अधिक जानकारी	1.1 ई-नाम के माध्यम से जुड़ी मंडियों की संख्या	200	1. नए ई-नाम मंडियों में ई-नाम के माध्यम से ऑन-लाईन व्यापार को अपनाना	1.1 ई-नाम के माध्यम उपज के व्यापार की मात्रा उपज की मात्रा (मीट्रिक टन) (%वृद्धि)	5
		1.2 किसानों की संख्या, भाग लेने वाले व्यापारी एवं अन्य दांव धारकों को जागरूकता कैम्प का आयोजन	1,00,000			
		1.3 संख्या का किसानों प्रशिक्षित अंतर्गत ई-नाम	50,000			

6. 10,000 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन और संवर्धन(सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
581.67	1. उत्पादक संगठन की पहुँच में वृद्धि	1.1 गठित एवं पंजीकृत नये एफपीओ की संख्या	0	1. एफपीओ की ऋण उपलब्धता और वित्तीय योग्यता में	1.1 एफपीओ द्वारा प्राप्त क्रेडिट गारंटी फंड (सीजीएफ) का कुल मूल्य (करोड़ रुपये में)	150
		1.2 एफपीओ के अंतर्गत शामिल किसानों की संख्या	5,00,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण	2.1. आयोजित किये जा रहे संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	4,000	वृद्धि	1.2 एफपीओ द्वारा प्राप्त इक्विटी अनुदान निधि (ईजीएफ) का कुल मूल्य (करोड़ रुपये में)	100
		2.2. प्रशिक्षित मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की संख्या (सीईओ)	4,000			
		2.3. प्रशिक्षित निदेशक मंडल (बीओडी)/ सदस्यों की संख्या	12,000			

7. कृषि अवसंरचना निधि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
600	1. कृषि अवसंरचना के निर्माण और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना	1.1 योग्य संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत परियोजनाओं की संख्या	30,000	1. कृषि अवसंरचना के लिए संसाधनों की व्यवस्था में सुधार	1.1 पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं में उपयोग की गई निधियों का प्रतिशत	50
		1.2 पात्र परियोजनाओं/निवेश के लिए निधियों का संवितरण (करोड़ रुपये में)	20,000		1.2 कृषि अवसंरचना निधि कार्यक्रम के कारण अतिरिक्त निवेश का लाभ (करोड़ रुपये में)	10,000
	2. दी गई छूट और ऋण गारंटी की मात्रा में वृद्धि।	2.1. ब्याज छूट के रूप में जारी राशि (करोड़ रुपये में)	1,105	2. कृषि अवसंरचना क्षमता में वृद्धि	2.1. अवसंरचना गतिविधियों के वित्तपोषण के कारण कृषि क्षेत्र में कुल क्षमता में वृद्धि (एलएमटी)	60
		2.2. ब्याज अनुदान प्राप्त करने वाली परियोजनाओं (योजना के तहत ऋण देने वाली कुल परियोजना) का प्रतिशत	100			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		2.3. ऋण गारंटी कवरेज के रूप में जारी निधि (करोड़ रुपये में)	249		2.2. फसलोपरांत नुकसान और खाद्य अपशिष्टों में कमी (%) - शुष्क भंडारण[15]	4[16]
		2.4. योजना के तहत प्रदान किए गए कुल ऋण के क्रेडिट गारंटी कवरेज का औसत प्रतिशत	35		2.3. फसलोपरांत नुकसान और खाद्य अपशिष्टों में कमी (%) - कोल्ड स्टोरेज[17]	10[18]

8. प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना (पीएम-आशा) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
6437.50	1. किसानों की संख्या में वृद्धि	1.1 भावांतर भुगतान स्कीम के तहत किसानों का पंजीकरण (पीडीपीएस)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	1. किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य	1.1 एमएसपी/ खरीद मूल्य और मंडी मूल्य के बीच औसत भावांतर (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते

[15] *भारत में कृषि उपज के फसलोपरांत नुकसान को निर्धारित करने के लिए नैबकॉन्स अध्ययन (2022) के अनुसार उचित भंडारण अवसंरचना के माध्यम से औसतन 4% खाद्यान्न और 10% बागवानी उपज को रखा जा सकता है। अतएव, 60 एलएमटी की अतिरिक्त भंडारण क्षमता के माध्यम से 2.5 एलएमटी तक खाद्यान्न और बागवानी उपज को रखा जा सकता है।*

[16] 2.28 एलएमटी (शुष्क भंडारण क्षमता में 4% की वृद्धि)

[17] *भारत में कृषि उपज के फसलोपरांत नुकसान को निर्धारित करने के लिए नैबकॉन्स अध्ययन (2022) के अनुसार उचित भंडारण अवसंरचना के माध्यम से औसतन 4% खाद्यान्न और 10% बागवानी उपज को रखा जा सकता है। अतएव, 60 एलएमटी की अतिरिक्त भंडारण क्षमता के माध्यम से 2.5 एलएमटी तक खाद्यान्न और बागवानी उपज को रखा जा सकता है।*

[18] *26 टीएच मीट्रिक टन (कोल्ड स्टोरेज क्षमता में 10% की वृद्धि)*

		1.2 पीडीपीएस के तहत किसानों को उनकी उपज की प्राप्ति के बाद किए गए भुगतान में औसत विलंब (दिनों में)	0	सुनिश्चित करना	1.2 पीडीपीएस के तहत भुगतान प्राप्त करने वाले पंजीकृत किसान (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
	2. निजी खरीद एवं स्टॉकिस्ट स्कीम (पीपीएसएस)	2.1. चयनित जिलों/ जिले के एपीएमसी में अग्रगामी परियोजनाओं की संख्या, जिसमें निजी स्टॉकिस्ट की भागीदारी शामिल है	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	2. क्रय-विक्रय में वृद्धि	2.1. इस पहल के तहत, निजी क्षेत्र की कुल खरीद की मात्रा (%) की तुलना में खरीदी गई मात्रा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		2.2. प्राइवेट प्लेयरों द्वारा कुल खरीद की मात्रा मीट्रिक टन में।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते		2.2. पीपीएसएस के माध्यम से कुल एपीएमसी खरीद का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

1. खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए फसल विज्ञान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
930.22	1. विकसित किए गए ज्ञान उत्पाद	1.1 सीवीआरसी द्वारा जारी की जाने वाली किस्में	140	1. व्यापार मानदंडों का रूपांतरण	1.1 वर्ष के दौरान प्रजनक बीज श्रृंखला में दर्ज की जाने वाली किस्में	105
		1.2 जीएपी सहित विकसित की जाने वाली प्रक्रियाएं	100		1.2 किस्में/ फार्मुलेशन/ निदान/टीके/ प्रौद्योगिकियां आदि सहित ज्ञान उत्पाद जिनका व्यावसायीकरण किया जाना है	25
		1.3 संयोजनों (फार्मुलेशन) की संख्या/अनुसंधान एवं विकास में सफलताएं	12	2. बाधाओं का दूर किया जाना	2.1 पिछले वर्ष/ राज्य औसत (कि.ग्रा.) की तुलना में उत्पादन/ उत्पादकता में वृद्धि	80
		1.4 पीओपी में शामिल की जाने वाली प्रक्रियाएं/प्रौद्योगिकियां	32		2.2 प्रौद्योगिकी के कारण लाभ (किस्म, नस्ल आदि) (%)	0.5
	2. क्षमता निर्माण	2.1 सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किए गए किसानों की संख्या	9,000		2.3 बीज/किस्म प्रतिस्थापन दर में वृद्धि (%)	2
		2.2 वैज्ञानिक, सहायक प्रोफेसर आदि के रूप में नियुक्त किए गए छात्र	25	3. परिणाम (आउटकम) की गुणवत्ता	3.1 प्रकाशित किए जाने वाले शोध लेखों/रिपोर्टों का एच-स्कोर/जे-स्कोर	1,050
					3.2 ज्ञान उत्पादों के व्यावसायीकरण के माध्यम से सृजित होने वाला राजस्व (करोड़ रुपये)	85

1. राष्ट्रीय आयुष मिशन (सीएसएस)[19]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**परिणाम**	**लक्ष्य 2024-25**
1,200	1. आयुष सेवाओं का प्रावधान	1.1. आयुष अवसंरचना के उन्नयन/नई अवसंरचना की स्थापना के लिए सहायता प्राप्त आयुष सुविधाओं की संख्या [आयुष अस्पताल, आयुष औषधालय, एकीकृत आयुष अस्पताल, आयुष शैक्षणिक संस्थान, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) के साथ स्थापित इकाइयां, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जिला अस्पताल (डीएच)]	280	1. आयुष स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ हुई	1.1. आयुष सुविधाओं में आयुष सेवाओं का लाभ उठाने वाले लाभार्थियों की संख्या (करोड़ में)	20
		1.2. आयुष दवाओं/औषधियों की आपूर्ति के लिए सहायता प्राप्त आयुष सुविधाओं की संख्या	30,050		1.2 ऑस्टियोआर्थराइटिस और अन्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत आयुष उपचार से दर्द, चलने की सीमा आदि से संबंधित जीवन की गुणवत्ता में सुधार प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या	47,000
		1.3. ऑस्टियोआर्थराइटिस और अन्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत नामांकित लाभार्थियों की संख्या	1,25,000		1.3 कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के साथ आयुष के एकीकरण के अंतर्गत आयुष जीवन शैली परामर्श, योग, ध्यान और आयुष दवाओं से लाभान्वित एनसीडी मामलों की	50,000

[19] ***टिप्पणी:*** *एनएएम योजना का कार्यान्वयन राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से किया जा रहा है और तदनुसार, आउटपुट और आउटकम के अनुमानित लक्ष्य राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के पिछले वर्षों के रुझानों के साथ-साथ विभिन्न अनुमोदित गतिविधियों/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के प्रदर्शन पर आधारित हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	परिणाम	लक्ष्य 2024-25
					कुल संख्या	
		1.4. कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के साथ आयुष के एकीकरण के तहत एनसीडी के लिए जांचे गए/नामांकित हुए लाभार्थियों की कुल संख्या	5,00,000		1.4 आयुर्विद्या (स्कूली बच्चों के लिए आयुष के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली) के तहत आयुष पद्धतियों से स्वस्थ जीवन शैली के प्रति संवेदनशील हुए और सामान्य औषधीय पौधों के बारे में जागरूक हुए छात्रों की संख्या	12,00,000
		1.5. आयुर्विद्या (स्कूली बच्चों के लिए आयुष के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली) के तहत शामिल किए गए स्कूलों की संख्या	18,000		1.5 सुप्रजा के तहत नामांकित लाभार्थियों की संख्या: आयुष मातृ एवं नवजात शिशु उपचार, वयो मित्र: आयुष जेरियाट्रिक हेल्थकेयर सर्विसेज, आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट, कारुण्य: आयुष उपशामक सेवाएं और लिम्फेटिक फाइलेरिया (लिम्फोएडेमा) संबंधी रुग्णता के प्रबंधन और असक्तता की रोकथाम (एमएमडीपी) हेतु आयुष पर राष्ट्रीय कार्यक्रम	65,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	परिणाम	लक्ष्य 2024-25
		1.6. सुप्रजा के तहत नामांकित लाभार्थियों की संख्या: आयुष मातृ एवं नवजात शिशु उपचार, वयो मित्र: आयुष जेरियाट्रिक हेल्थकेयर सर्विसेज, आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट, कारुण्य: आयुष उपशामक सेवाएं और लिम्फेटिक फाइलेरिया (लिम्फोएडेमा) संबंधी रुग्णता के प्रबंधन और असक्तता की रोकथाम (एमएमडीपी) हेतु आयुष पर राष्ट्रीय कार्यक्रम	1,27,000			

उर्वरक विभाग

1. **यूरिया सब्सिडी (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
1,19,000	1. यूरिया का संवर्धित घरेलू उत्पादन	1.1. यूरिया का कुल घरेलू उत्पादन (एलएमटी में)	316.83	1. यूरिया की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता	1.1. यूरिया की कुल बिक्री (एलएमटी में)	357.81
		1.2. यूरिया के आयात पर निर्भरता को कम करना (% में)।	8.0		1.2. यूरिया की उपलब्धता (एलएमटी में)	381.83
	2. यूरिया संयंत्रों की संवर्धित ऊर्जा कार्यकुशलता	2.1. एनयूपी-15, यूरिया संयंत्र जिन्होंने लक्ष्य ऊर्जा खपत मानदंडों को प्राप्त कर लिया है (% में)।	76			
	3. यूरिया की कमी के संबंध में शिकायत निवारण	3.1. स्टॉक खत्म होने की शिकायतों का डीबीटी पोर्टल के माध्यम से समाधान (% में)।	100			

2. पोषकतत्व आधारित सब्सिडी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
45,000	1. पीएंडके उर्वरकों का संवर्धित घरेलू उत्पादन	1.1. पीएंडके उर्वरकों का कुल घरेलू उत्पादन (एलएमटी में)।	208.04	1. पीएंडके उर्वरकों की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता	1.1. पीएंडके उर्वरकों की कुल बिक्री (एलएमटी में)	288.42
		1.2. पीएंडके उर्वरकों के आयात पर निर्भरता को कम करना (% में)	5.0		1.2. पीएंडके उर्वरकों की उपलब्धता (एलएमटी में)	309.36
	2. पीएंडके उर्वरकों की कमी के संबंध में शिकायत निवारण	2.1. स्टॉक खत्म होने की शिकायतों का डीबीटी पोर्टल के माध्यम से समाधान (% में)।	100			

औषध विभाग

1 उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
2,143	**क. बल्क औषधियों के लिए पीएलआई योजना**					
	1. बल्क दवाओं के विनिर्माण के लिए क्षमता वृद्धि	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 के लिए क्षमता वृद्धि लक्ष्य (मी.टन/वर्ष में)	2,000	1. अनुमोदित बल्क दवाओं के उत्पादन / बिक्री में वृद्धि	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 में थोक औषधियों का उत्पादन (रूपए करोड़ में)	900
	ख. चिकित्सा उपकरणों के लिए पीएलआई योजना					
	1. नई चिकित्सा उपकरण परियोजनाओं को शुरू करना (संख्या)	1.1 शुरू की गई नई चिकित्सा उपकरण परियोजनाएं (संख्या)	4	1. चिकित्सा उपकरणों के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत उत्पादन	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 में चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन (रूपए करोड़ में)	4,500
	ग. औषध के लिए पीएलआई योजना					
	1. औषध के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत निवेश	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रतिबद्ध निवेश (रूपए करोड़ में)	5,000	1. औषध के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत उत्पादन	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 में औषध का उत्पादन (रूपए करोड़ में)	90,000

2 औषध उद्योग का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
1,300.00	**क. औषध एवं चिकित्सा उपकरण संवर्धन विकास योजना (पीएमपीडीएस)**					
	1. औषध उद्योग के विकास के लिए प्रासंगिक सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन	1.1 आयोजित सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाओं की संख्या	10	1. औषध उद्योग के लिए प्रासंगिक मुद्दों पर फार्मा उद्योग की संवर्धित जागरूकता/संवेदीकरण	1.1 आयोजित सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाओं में भागीदारी	1,000
	2. पीपीडीएस योजना के अंतर्गत औषध और मेडिटेक उद्योग पर अध्ययन करना	2.1 किए गए अध्ययनों की संख्या	4	2. औषध और मेडिटेक उद्योगों पर पूर्ण की गई अध्ययन रिपोर्ट	2.1 पूर्ण किए गए अध्ययन और अंतिम रूप दी गई रिपोर्टों की संख्या	4
	ख. औषध प्रौद्योगिकी उन्नयन सहायता योजना (पीटीयूएएस)					
	1. डब्ल्यूएचओ-जीएमपी मानक के अनुरूप दवा इकाइयों की संख्या में वृद्धि	1.1 डब्ल्यूएचओ-जीएमपी मानकों के उन्नयन के लिए अनुमोदित फार्मा इकाइयों की संख्या	200	1. फार्मा उद्योग की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार	1.1 वर्ष 2023-24 के दौरान जीएमपी शिकायत संयंत्रों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (% में)	10
	ग. साझा सुविधाओं (एपीआई-सीएफ) के लिए औषध उद्योग को सहायता					
	1. फार्मास्युटिकल क्लस्टरों में साझा सुविधा केंद्र (सीएफसी) का विनिर्माण	1.1 वित्त वर्ष 2022-23 में स्वीकृत परियोजनाओं को पूरा करना (परियोजनाओं की संख्या)	3	1. साझा सुविधाओं से औद्योगिक इकाइयों को लाभ	1.1 विनिर्मित साझा सुविधाओं से लाभान्वित औद्योगिक इकाइयों की संख्या (संख्या में)	15
	घ. बल्क औषधि पार्क					
	1. चयनित बल्क औषधि पार्कों में विश्व स्तरीय सुविधाओं के विनिर्माण के लिए सहायता प्रदान करना	1.1 बल्क औषधि पार्कों में अवसंरचनात्मक सुविधाओं को पूरा करना (% में)	25	1. बल्क औषधि पार्कों में अवसंरचनात्मक सुविधाओं का विनिर्माण	1.1 बल्क औषधि पार्कों से लाभान्वित उद्योग	10

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	ङ. चिकित्सा उपकरण पार्क					
	1. चयनित चिकित्सा उपकरण पार्कों में विश्व स्तरीय सुविधाओं के निर्माण के लिए सहायता प्रदान करना	1.1 चिकित्सा उपकरण पार्कों में बुनियादी सुविधाओं को पूरा करना (% में)	25	1. चिकित्सा उपकरण पार्कों में अवसंरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण	1.1 चिकित्सा उपकरण पार्क से लाभान्वित उद्योग	10
	च. साझा सुविधाओं के लिए चिकित्सा उपकरण क्लस्टरों को सहायता (एएमडी-सीएफ)					
	1. साझा सुविधा/परीक्षण प्रयोगशालाओं का निर्माण	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 में एएमडी-सीएफ परियोजनाओं का अनुमोदन	10	1. वित्त वर्ष 2024-25 में एएमडी-सीएफ परियोजनाओं को पूरा करना	1.1 एएमडी-सीएफ परियोजनाओं से लाभान्वित उद्योग	20
	छ. चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में मानव संसाधन विकास					
	1. अवसंरचना विकास और चिकित्सा उपकरणों में प्रशिक्षण।	1.1 चयनित संस्थानों में स्नातकोत्तर स्तर पर दाखिला लेने वाले छात्र	200	1. चिकित्सा उत्पाद क्षेत्र में कुशल श्रमशक्ति की बेहतर उपलब्धता।	1.1 चयनित संस्थानों में मेडिटेक पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्र (संख्या में)	100
		1.2 चिकित्सा उपकरण तकनीशियन के लिए आयोजित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों	10		1.2 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों द्वारा सफलतापूर्वक उन्नयन किए गए तकनीशियनों की संख्या	1,000

1. क्षेत्रीय संपर्क योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
502	1. हवाईअड्डे का बुनियादी ढांचा: योजना के तहत अधिनिर्णित प्रस्तावों के आधार पर एएआई और राज्यों द्वारा अपेक्षित बुनियादी ढांचे का उन्नयन/जीर्णोद्धार किया जाना है।	1.1. आरसीएस हवाईअड्डों/हेलिपेडों/जल एयरड्रोमों की संख्या जिन्हें उन्नत/पुनरुद्धार किया जाना है।	12	1. बेहतर क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी	1.1. आरसीएस उड़ानों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या (लाख में)	20
		1.2. वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आरसीएस मार्गों की संख्या	110		1.2. परिचालित आरसीएस उड़ानों की संख्या	40,000
	2. मार्गों के माध्यम से हवाई अड्डों/हेलीपोर्टों/जल एयरोड्रोमों को जोड़कर आरसीएस हवाई कनेक्टिविटी	2.1 चालू किए गए आरसीएस हवाईअड्डों की संख्या	10			
	3. आरसीएस के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी	3.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र में सम्पर्कता प्रदान किए गए आरसीएस हवाई अड्डों/हेलीपोर्ट/जल-एयरोड्रोमों की संख्या	4	2. पूर्वोत्तर क्षेत्र में क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी बेहतर हुई।	2.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र में परिचालित आरसीएस उड़ानों की संख्या	5,000
		3.2 पूर्वोत्तर क्षेत्र में आरसीएस मार्गों की संख्या	20		2.2 पूर्वोत्तर क्षेत्र में जुड़े गंतव्यों की संख्या	4

1. **कोयला और लिग्नाइट का अन्वेषण (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
730[20]	1. कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉकों में संवर्धनात्मक (क्षेत्रीय) अन्वेषण	1.1. 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के साथ ड्रिलिंग की लंबाई (लाख मीटर में) (24 गुना सीडीपी के साथ लाइन-किमी में)	4.5	1. नए संसाधनों को जोड़ा जाना	1.1. नए संसाधनों का संयोजन (बिलियन टन में)	3
		1.2. वर्ष के दौरान अन्वेषित क्षेत्र (वर्ग किमी में)	350			
	2. गैर-सीआईएल ब्लॉकों में विस्तृत अन्वेषण	2.1. ड्रिलिंग की लंबाई (लाख मीटर में)	2	2. प्रमाणित श्रेणी में संसाधन को जोड़ा जाना	2.1. प्रमाणित संसाधन को जोड़ना (बिलियन टन में)	2
		2.2. वर्ष के दौरान अन्वेषित क्षेत्र (वर्ग किमी में)	120			

[20] *500+230=730*

वाणिज्य विभाग

1. निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट (आरओडीटीईपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
16,575	1. 01.04.2024 से 31.03.2025की अवधि में एसबी के लिए आईसीईजीएटीई/सीबीआईसी पर ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से स्क्रोल किए गए पात्र शिपिंग बिलों के निर्गमन का प्रतिशत जिसके लिए निर्यातकों द्वारा आरओडीटीईपी दावे फाइल किए गए हैं।	1.1. 01.04.2024 से 31.03.2025 की अवधि में शिपिंग बिलों की संख्या जिनके लिए ई-स्क्रिप जारी किए गए। 1.2. 01.04.2024 से 31.03.2025 की अवधि में आरओडीटीईपी दावा/ स्कीम के साथ फाइल किए शिपिंग बिलों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[21]	1. आरओडीटीईपी स्कीम, करों का निर्यात नहीं किया जा सकता और उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निर्यात की शून्य रेटिंग सुनिश्चित करने के सिद्धांत पर आधारित है।[22]	1.1. आंबटित निधि से निधि उपयोग का प्रतिशत (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[23]

[21] *शिपिंग बिलों का प्रतिशत जिसके लिए ई-स्क्रिप जारी नहीं किए गए हैं, आरओडीटीईपी दावे के साथ 30.04.22025 तक फाइल किए गए सभी शिपिंग बिलों का 0.5% से अधिक नहीं होना चाहिए।*

[22] अतः स्कीम को लागू करने हेतु किसी प्रकार के परिणामी लक्ष्य की योजना नहीं बनाई जा सकती। निर्यात कई कारकों पर निर्भर करता है तथा आरओडीटीईपी के तहत किसी प्रकार की निर्यात वृद्धि के लिए दिए गए सहयोग के साथ अलग-अलग सहसंबंध तकनीकी रूप से सही नहीं भी हो सकते हैं।

[23] *एक वित्तीय वर्ष के भीतर बजट उपयोग का प्रतिशत आबंटित बजट के 95% तक पहुंच जाना चाहिए ताकि रोल-ओवर न्यूनतम रहे और चलनिधि निर्यातक अधिक रहें।*

2. ब्याज समतुल्यीकरण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
1,700	1. एमएसएमई सेक्टर के सभी विनिर्माता निर्यातकों को 1.10.2021 से 3% की दर से ब्याज समकरण और विनिर्दिष्ट 410 टैरिफ लाइनों के विनिर्माता निर्यातकों को ब्याज समकरण की 2% की दर उपलब्ध कराई गई ।	1.1. आरबीआई द्वारा अन्य बैंकों को प्रतिपूर्ति किए गए दावों का कुल मूल्य (करोड़ रुपये में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[24]	1. एमएसएमई क्षेत्र के विनिर्माता निर्यातकों और अभिज्ञात 410 टैरिफ लाइनों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी ऋण प्रदान करना	1.1. पिछले वर्ष की तुलना में दावों के कवरेज (आवेदकों की संख्या) में % परिवर्तन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[25]
		1.2. एमएसएमई निर्यातकों द्वारा दायर किए गए प्रतिपूर्ति दावों का कुल मूल्य (करोड़ रुपये में)			1.2. कुल प्रतिपूर्ति में एमएसएमई निर्यातको का % हिस्सा	
		1.3. क्षेत्र-वार निर्यात प्रतिपूर्ति (वार्षिक आधार) (करोड़ रूपये में)			1.3. कुल प्रतिपूर्ति में गैर-एमएसएमई निर्यातकों का % हिस्सा	

[24] *यह योजना मांग आधारित है। तथापि, आउटरीच कार्यक्रमों में लाभ प्राप्त करने के लिए निर्यातकों के बीच जागरूकता लाने के प्रयास किए जाते हैं ताकि वे कम लागत वाले ऋण तक पहुंच प्राप्त कर सकें।*

[25] *यह योजना मांग आधारित है। तथापि, आउटरीच कार्यक्रमों में लाभ प्राप्त करने के लिए निर्यातकों के बीच जागरूकता लाने के प्रयास किए जाते हैं ताकि वे कम लागत वाले ऋण तक पहुंच प्राप्त कर सकें।*

3. चाय बोर्ड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
721.50	1. उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि	1.1 चाय उत्पादन की मात्रा (एम.के.जी.)	1,445	1. उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि	1.1 वर्ष दर वर्ष उत्पादन में वृद्धि %	2.48
		1.2 उत्पादकता (के.जी./एचए)[26]	2,331		1.2 वर्ष दर वर्ष उत्पादकता में वृद्धि	2.48
		1.3 पारंपरिक चाय और ग्रीन टी उत्पादन की मात्रा (एम.केजी)	140		1.3 वर्ष दर वर्ष पारंपरिक चाय और ग्रीन टी में वृद्धि %	2.94
		1.4 पुर्नरोपण (एचए)	1,000			
	2. भारत से निर्यात की गई चाय में वृद्धि।	2.1 निर्यात की गई चाय की मात्रा (एम.केजी)	281	2. भारत से निर्यात की गई चाय में वृद्धि।	2.1 वर्ष दर वर्ष चाय के निर्यात में वृद्धि %	2.55
	3. अनुसंधान	3.1 पौधे की किस्म का विमोचन एवं पंजीकरण	2			
	4. एसएचजी, एफपीओ का गठन	4.1 गठित होने वाले एसएचजी की संख्या	400			
		4.2 गठित होने वाले एफपीओ की संख्या	140			

[26] *वैश्विक स्तर पर चाय का उत्पादन करने वाले देशों में भारत की उत्पादकता सबसे अधिक है। वर्ष 2022 में वैश्विक औसत उत्पादकता 1213 के.जी./एचए है जबकि भारत की उत्पादकता 2205 केजी/एचए है। वर्ष 2022 में भारत के अन्य प्रतिस्पर्धी अर्थात् चीन की उत्पादकता 955 केजी/एचए, श्रीलंका की उत्पादकता 941 केजी/एचए तथा केन्या की उत्पादकता 1937 केजी/एच ए है।*

		4.3 स्थापित होने वाली लघु फैक्ट्रियों की संख्या	5			
	5. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण	5.1 व्यवस्थित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	100			
	6. कल्याणकारी गतिविधियां	6.1 प्रतिभाशाली छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, अवार्ड	4,000			
	7. गुणवत्ता आश्वासन	7.1 विश्लेषण किए गए सैंपलों की संख्या	2,500[27]			

[27] *2023 में विश्लेषण किए गए सैंपलों की संख्या 212 है।*

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

1. फंड ऑफ फंड्स (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,200	1. स्टार्टअप्स में निवेश के लिए वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) को प्रदान किया गया फंड ऑफ फंड्स	1.1. वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) द्वारा प्रतिवर्ष ड्राडाउन (करोड़ रुपए में)।	1,200	1. एआईएफ के माध्यम से स्टार्टअप्स को सहायता।	1.1. एआईएफ द्वारा वित्त पोषित स्टार्टअप्स की संख्या।	160
		1.2. स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एआईएफ इकोसिस्टम में सृजित किए गए उद्यम (वेंचर) निधियों की संख्या।	7			

2. पूर्वोत्तर क्षेत्र और हिमालयी राज्यों में औद्योगिक इकाइयों को केन्द्रीय और एकीकृत जीएसटी लौटाना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,382.35	1. सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित इकाइयों की सहायता करना	1.1. वित्तीय वर्ष के दौरान स्कीम के तहत पात्र पाई गई नई इकाइयों की संख्या	8[28]	1. इकाइयों को सहायता	1.1. वित्त वर्ष के दौरान स्कीम के तहत लगाई गई लिक्वीडिटी राशि	1,382

[28] *वर्ष के दौरान पहले से पंजीकृत इकाइयों द्वारा दावे दायर करने के अध्यधीन*

3. हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए औद्योगिक विकास स्कीम (आईडीएस), 2017 (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25[29]
567	1. हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की पात्र इकाइयों को प्रदान की गई सहायता	1.1. हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में सहायता प्राप्त इकाइयों की संख्याः हिमाचल प्रदेश-184, उत्तराखंड - 220 कुल - 404	404	1. हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में औद्योगीकरण को बढ़ावा देना	1.1. हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से प्राप्त दावों के संबंध में प्रोसेस की गई कुल राशि (करोड़ रुपए में): हिमाचल प्रदेश -352 करोड़, उत्तराखंड -215 करोड़ कुल- 567 करोड़	567

4. राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास और कार्यान्वयन न्यास (एनआईसीडीआईटी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
500	1. औद्योगिक कॉरिडोर नोड्स में मुख्य अवसंरचना पैकेजों को पूरा करना और 11 औद्योगिक कॉरिडोर के तहत नई परियोजनाओं जैसे सीएससी, सीबीआईसी जिसका	1.1. मूल्यांकन की गई परियोजनाओं की संख्या	4[30]	1. क्षेत्र में अवसंरचना सुविधाओं के विकास से ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्र के विकास के अवसर प्राप्त होंगे और इससे क्षेत्र के भावी	1.1. सृजित रोजगारों की संख्या (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष)	10,000
		1.2. अनुमोदित और स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या (सीसीईए)	3[31]		1.2. भूमि के आबंटन से प्राप्त कुल निवेश (करोड़ रुपए में)	2,000
		1.3. चल रही परियोजनाओं की	4[32]			

[29] उपर्युक्त आंकड़े परिवर्तनीय हैं, जो इकाइयों द्वारा दावों की प्रस्तुति, राज्य सरकारों द्वारा दावों के मूल्यांकन और दावों के अनुमोदन के अध्यधीन, समय-समय पर बदल सकते हैं।

[30] आंध्र प्रदेश में ओर्वाकल नोड, आंध्र प्रदेश में कोप्पार्थी नोड, बिहार में आईएमसी गया, राजस्थान में केबीएनआईआर।

[31] हरियाणा में आईएमसी हिसार, उत्तर प्रदेश में आईएमसी आगरा और प्रयागराज।

[32] 4 पैकेज पूरे किए जाने हैं: क. ति 1: शेन्द्रा औद्योगिक क्षेत्र में 1 पैकेज; ख. ति 2: धोलेरा एक्टिवेशन क्षेत्र में 1 पैकेज, ति 3: धोलेरा एक्टिवेशन क्षेत्र में 1 पैकेज, ति 4: धोलेरा एक्टिवेशन क्षेत्र में 1 पैकेज

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	विस्तार कोयंबटूर, वीसीआईसी आदि के रास्ते होते हुए कोच्चि तक प्रदान करने के लिए मास्टर प्लानिंग और प्रारंभिक इंजीनियरिंग शुरू करने के साथ-साथ उसे अनुमोदित करना और मंजूरी देना।	संख्या जो पूरी की गई।		विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।		
		1.4. औद्योगिक इकाइयों को भूखंडों के रूप में आवंटित भूमि, एकड़ में	400			

डाक विभाग

1. आईटी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0 (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
748.02	1. प्रत्येक कार्यालय को कम से कम दो भिन्न नेटवर्क प्रदाताओं से जोड़ने के लिए नेटवर्क की निरंतर उपलब्धता	1.1. ऐसे विभागीय डाकघरों की संख्या, जिनमें नेटवर्क की निरंतरता बनाए रखने के लिए नेटवर्क हार्डवेयर को अपग्रेड किया गया है।	5,000	1. आम नागरिकों को डाकघरों में निर्बाध काउंटर सेवाएँ प्राप्त करने में सहूलियत	1.1. विभागीय डाकघरों में नेटवर्क की निरंतर उपलब्धता (% में)	99
	2. नवीनतम प्रौद्योगिकियों के माध्यम से डाक सेवाओं का उन्नयन	2.1. ऐसे डाकघरों की संख्या जिनमें नवीनतम प्रौद्योगिकियों की मदद से सुविधाओं को अपग्रेड किया गया है जैसे मेल की रियल-टाइम ट्रैकिंग, सेवाओं की ऑनलाइन बुकिंग और कागज रहित लेन-देन।	1,00,000	2. ग्राहकों की सुविधा के लिए डाक संबंधी लेन-देन कार्यों के डिजिटलीकरण में वृद्धि	2.1. डाक विभाग में किए गए डिजिटल लेन-देन कार्यों जैसे सीबीएस, आईएमएस और डाक-वस्तुओं की बुकिंग आदि की संख्या में वृद्धि की प्रतिशतता	20
	3. सभी पीओएसबी योजनाओं के लिए ई-केवाईसी समाधान लागू करना	3.1. ऐसे डाकघरों की संख्या जहां वित्त वर्ष में ई-केवाईसी समाधान लागू किया गया है।	1,00,000	3. इलेक्ट्रॉनिक सत्यापन प्रणाली के फलस्वरूप सुचारू एवं सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं तथा ग्राहक संतुष्टि	3.1. सफलतापूर्वक पूरे किए गए ई-केवाईसी आधारित लेन-देन की प्रतिशतता	80
		3.2. ई-केवाईसी के माध्यम से खोले गए पीओएसबी खातों की संख्या।(करोड़ रुपए में)	1	4. आम नागरिकों को ई-केवाईसी के माध्यम से पीओएसबी खाते खोलने में सहूलियत	4.1. पीओएसबी खाता खोलने में लगने वाले औसत समय में कमी (% में)	50

दूरसंचार विभाग

1. घरेलू उद्योग प्रोत्साहन स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1910.80[33]	**क. डीआईआईएस - डिजिटल कम्युनिकेशन इनोवेशन स्क्वायर (डीसीआईएस)[34]**					
	1. पायलट स्कीमों के लिए प्रौद्योगिकी विकास,संवर्धन और विचारों का समर्थन	1.1. वित्त पोषित किए जाने वाले स्टार्टअप, एमएसएमई की संख्या।	70	1. आईपीआर के साथ विकसित की गई प्रौद्योगिकी और नवीन विचारों वाली पायलट स्कीमों को पूर्ण पैमाने पर संचालन में परिवर्तित करना।	1.1. सृजित किए गए आईपी की संख्या	30
	ख. डीआईआईएस- प्रौद्योगिकी विकास और निवेश संवर्धन (टीडीआईपी) निधि					
	1. वैश्विक मानक निर्धारण निकायों में भारतीय दूरसंचार मानक विकास सोसायटी (टीएसडीएसआई) का योगदान।	1.1 भारत में आयोजित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानक बैठकों की संख्या	14	1. भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप दूरसंचार मानकों का विकास	1.1. वैश्विक मानकों में भारत का योगदान (संख्या में)	4,600
		1.2 वैश्विक मानक-निर्धारण निकायों में भारतीय प्रतिभागियों की संख्या।	1,800			
	ग. डीआईआईएस- दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम					

[33] *नोट: डीआईआईएस के लिए 775.06 करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल से अगस्त, 2024 की अवधि के लिए आवंटित बीई के अनुसार है।*

[34] *नोट: व्यय विभाग ने चैंपियन सेवा क्षेत्र स्कीम (सीएसएसएस) (वाणिज्य विभाग की एक अम्ब्रेला स्कीम)को केवल 31 जुलाई, 2024 तक बढ़ाने की अनुमति दी है, सीएसएसएस की एक उप-योजना होने के कारण डीसीआईएस भी उल्लिखित समयसीमा के बाद समाप्त हो जाएगा। हालाँकि, दूरसंचार विभाग यह संभावना तलाश रहा है कि इस योजना को किसी न किसी रूप में जारी रखा जाए ।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	1. घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना और दूरसंचार तथा नेटवर्किंग उत्पादों के लक्षित क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना।	1.1 स्कीम के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली कंपनियों की संख्या	42	1. "मेड इन इंडिया" के अंतर्गत दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए भारत को विनिर्माण केंद्र बनाना	1.1 निर्यात का मूल्य (करोड़ रुपये में)	12,635.20
		1.2 निवेश (करोड़ रुपये में)	1,204.08	2. रोजगार सृजन	2.1 अतिरिक्त रोजगार सृजन (संख्या में)	9,760
		1.3 बिक्री का मूल्य (करोड़ रुपये में)	53,398.12			

2. दूरसंचार अवसंरचना के निर्माण और संवर्धन के लिए सेवा प्रदाताओं को मुआवजा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,000	**क. भारतनेट परियोजना**					
	1. हाई स्पीड ब्रॉडबैंड से जुडी ग्राम पंचायतें	1.1. वित्त वर्ष में हाई स्पीड ब्रॉडबैंड से जुडी ग्राम पंचायतों की संख्या (संख्या में)	2,26,000	1. भारतनेट अवसंरचना के उपयोग की स्थिति	1.1. डार्क फाइबर का उपयोग (कुल किलोमीटर)	1,00,000
		1.2. बिछाई गई कुल ओएफसी (कुल किलोमीटर में)	7,68,588		1.2. उपयोग किया गया डाटा (तिमाही औसत टीबी में)	15,00,000
					1.3. एफटीटीएच कनेक्शनों की कुल संख्या (कुल संख्या में)	18,00,000
	ख. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना (सीटीडीपी)					
	1. अरूणाचल प्रदेश में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1 वित्त वर्ष में स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या	556	1. अरूणाचल प्रदेश में सेवा से वंचित गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी की	1.1. वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी के प्रावधान वाले सेवा से वंचित गावों की संख्या	1,033

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
				उपलब्धता		
	2. असम के 2 जिलों में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	2.1 वित्त वर्ष में स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या	239	2. असम के 2 जिलों में सेवा से वंचित गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी की उपलब्धता	2.1 वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी के प्रावधान वाले सेवा से वंचित गावों की संख्या	322
	3. मेघालय में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	3.1 वित्त वर्ष में स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या	450	3. मेघालय में सेवा से वंचित गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी की उपलब्धता	3.1 वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी के प्रावधान वाले सेवा से वंचित गावों की संख्या	638
	ग. वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल संचार सेवाओं की स्कीम (चरण-II)					
	1. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों (चरण - II) में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1 स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या	1,224	1. इन क्षेत्रों में विशेष रूप से गृह मंत्रालय की सुरक्षा एजेंसियों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ मोबाइल पहुंच बढ़ाना और इसके परिणाम स्वरूप खतरों से निपटने के लिए सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमता में वृद्धि होगी।	1.1 वित्त वर्ष में मोबाइल सेवाओं से युक्त सुरक्षा कैंपों की संख्या	1,283
	घ. आकांक्षी जिला परियोजना					
	1. आकांक्षी जिलों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1 वित्त वर्ष में स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या	3,851	1. आकांक्षी जिलों में उन्नत प्रौद्योगिकी युक्त मोबाइल सेवाओं	1.1 वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी के प्रावधान वाले सेवा से वंचित गावों की	5,563

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
				की पहुंच बढ़ाना	संख्या	
	ङ. 4 जी सेचुरेशन परियोजना					
	1. 4 जी सेचुरेशन स्कीम	1.1 वित्त वर्ष में स्थापित मोबाइल टावरों की संख्या	17,171	1. सेवा से वंचित गाँवों को 4जी के साथ मोबाइल सेवा से कवर करना, जिसे 5जी में अपग्रेड किया जा सकता है।	1.1 वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी के प्रावधान वाले सेवा से वंचित गावों की संख्या	23,862

उपभोक्ता मामले विभाग

1 उपभोक्ता संरक्षण: मूल्य स्थिरीकरण निधि (पीएसएफ) स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
10,000	1. अखिल भारतीय औसत मूल्य (रु./किग्रा) को निर्धारित सीमा (न्यूनतम और उच्चतम मासिक अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्यों के बीच अंतर) में रखकर दालों की कीमतों को स्थिर करना। 2018-19 से 2022-23 (अक्टूबर तक का डेटा) तक के औसत अस्थायी प्रसार को लक्ष्य के रूप में लिया गया है। (2015-16 से 2017-18 तक मूल्य भिन्नता असाधारण रूप से अधिक थी, इसलिए इसे बाहर रखा गया है)[35]	1.1 चने की खुदरा कीमतें निर्धारित सीमा में रखना	0.03-5.68	1. सीपीआई में दालों एवं उत्पादों की मुद्रास्फीति दर को 4% के भीतर बनाए रखना	1.1 दालों और उत्पादों की वार्षिक मुद्रास्फीति दर (%)	4
		1.2 तूर की खुदरा कीमतें निर्धारित सीमा में रखना	0.42-12.16			
		1.3 उड़द की खुदरा कीमतें निर्धारित सीमा में रखना	0.16-17.98			
		1.4 मूंग की खुदरा कीमतें निर्धारित सीमा में रखना	0.12-5.37			
		1.5 मसूर की खुदरा कीमतें निर्धारित सीमा में रखना	0.06-5.15			
	2. राज्य मासिक औसत मूल्य (रु./किग्रा) को निर्धारित सीमा (सबसे कम मासिक खुदरा मूल्य	2.1 चना की खुदरा कीमतों में अंतर-राज्यीय भिन्नता को निर्धारित	28.78 - 90.05			

[35] *दलहन- 2018-19 से 2023-24 तक औसत अस्थायी और स्थानिक प्रसार को लक्ष्य के रूप में लिया गया है। (2015-16 से 2017-18 तक मूल्य भिन्नताएं असाधारण रूप से अधिक थीं, इसलिए इसे बाहर रखा गया)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	वाले राज्य और सबसे अधिक मासिक औसत खुदरा मूल्य वाले राज्य के बीच का अंतर) में रखते हुए अंतर-राज्यीय प्रसार के संबंध में दालों की कीमतों को स्थिर करना। 2014-15 से 2022-23 (अक्टूबर 2022 तक का डेटा) तक के औसत स्थानिक प्रसार को लक्ष्य के रूप में लिया गया।[36]	सीमा में रखना				
		2.2 तूर की खुदरा कीमतों में अंतर-राज्यीय भिन्नता को निर्धारित सीमा में रखना	29.70 - 67.00			
		2.3 उड़द की खुदरा कीमतों में अंतर-राज्यीय भिन्नता को निर्धारित सीमा में रखना	36.90 - 128.00			
		2.4 मूंग की खुदरा कीमतों में अंतर-राज्यीय भिन्नता को निर्धारित सीमा में रखना	29.12-79.64			
		2.5 मसूर की खुदरा कीमतों में अंतर-राज्यीय भिन्नता को निर्धारित सीमा में रखना	32.09 - 69.98			
	3. दालों के मूल्य को दाल सूचकांक के अनुसार स्थिर करना। दालों के मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 2014-15) को निर्धारित औसत विचलन	3.1 विगत वर्ष की तुलना में दाल सूचकांक में परिवर्तन को सकारात्मक और	0.54-62.47			

[36] *दलहन- 2018-19 से 2023-24 तक औसत अस्थायी और स्थानिक प्रसार को लक्ष्य के रूप में लिया गया है। (2015-16 से 2017-18 तक मूल्य भिन्नताएं असाधारण रूप से अधिक थीं, इसलिए इसे बाहर रखा गया)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	में रखना। 2014-15 से 2022-23 (अक्टूबर 2022 तक का डेटा) तक के औसत को लक्ष्य के रूप में लिया गया।[37]	नकारात्मक विचलन की निर्धारित सीमा में रखना(%)				
		3.2 अधिकतम एवं न्यूनतम राष्ट्रीय औसत की सीमा को परिभाषित निरपेक्ष सीमा में रखना	0.50-12.33			
	4. दालों के मूल्य को दाल सूचकांक के अनुसार स्थिर करना। दालों के मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 2014-15) को निर्धारित औसत विचलन में रखना।[38]	4.1 दाल के मासिक उतार-चढ़ाव को 95% कॉन्फिडेंस के साथ सामान्य वितरण की निर्धारित सीमा में रखना (%)	5.00-7.00			
	5. अखिल भारतीय औसत मूल्य (रुपये/किग्रा) को निर्धारित सीमा (न्यूनतम और उच्चतम मासिक अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्यों के बीच अंतर) में रखकर प्याज की कीमतों को स्थिर करना। 2014-15 से 2022-23 (अक्टूबर 2022 तक का डेटा) तक	5.1 प्याज की खुदरा कीमतें निर्धारित सीमा में रखना (%)	5.00-7.00			

[37] *दलहन सूचकांक के मामले में 2014-15 से 2022-23 तक का औसत लिया गया।*

[38] *दलहन सूचकांक के मामले में 2014-15 से 2022-23 तक का औसत लिया गया।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	के औसत स्थानिक प्रसार को लक्ष्य के रूप में लिया गया।[39]					
	6. राज्य के मासिक औसत मूल्य (रु./किग्रा.) को निर्धारित सीमा (सबसे कम मासिक खुदरा मूल्य वाले राज्य और सबसे अधिक मासिक औसत खुदरा मूल्य वाले राज्य के बीच का अंतर) में रखकर अंतर-राज्यीय प्रसार के संबंध में प्याज की कीमतों को स्थिर करना।	6.1 प्याज की खुदरा कीमतों के अंतर-राज्यीय अंतर को निर्धारित सीमा में रखना	23.45-77.68			
	7. प्याज सूचकांक के सापेक्ष प्याज की कीमतों को स्थिर करना। प्याज मूल्य सूचकांक (2014-15 को आधार वर्ष) को निर्धारित औसत विचलन में रखना।[40]	7.1 पिछले वर्ष की तुलना में प्याज सूचकांक की भिन्नता को सकारात्मक और नकारात्मक विचलन की निर्धारित सीमा में रखना(%)	1.77-140.80			
		7.2 अधिकतम एवं न्यूनतम राष्ट्रीय औसत की सीमा को परिभाषित निरपेक्ष सीमा में रखना	14.19-36.56			

[39] *प्याज के लिए 2019-2020 का आउटलीयर वर्ष हटाया गया*

[40] *प्याज के लिए 2019-2020 का आउटलीयर वर्ष हटाया गया*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	8. प्याज सूचकांक के सापेक्ष प्याज की कीमतों को स्थिर करना। प्याज मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 2014-15) को निर्धारित औसत विचलन में रखना।	8.1 प्याज के मासिक उतार-चढ़ाव को 95% कॉन्फिडेंस के साथ सामान्य वितरण की निर्धारित सीमा में रखना (%)	30.00 - 55.00			

खाद्य और सार्वजनिक वितरण

1. **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	निर्गम संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	परिणाम संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,05,250	1. पीएमजीकेएवाई के तहत एमएसपी पर किसानों से खरीदे गए खाद्यान्न की मात्रा	1.1 खरीदे गए खाद्यान्नों की कुल मात्रा (चावल, गेहूं और मोटे अनाज) (लाख मीट्रिक टन में)	780	1. एमएसपी के माध्यम से खाद्यान्नों की खरीद से लाभान्वित किसान	1.1 खाद्यान्नों की खरीद प्रक्रिया में लाभान्वित किसानों की संख्या (लाख में)	127
		1.2 किसानों को भुगतान किए गए एमएसपी का अनुमानित मूल्य (करोड़ रुपए में)	2,36,874		1.2 इन खरीद से लाभान्वित होने वाले किसानों की % वृद्धि (पिछले वर्ष की तुलना में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[41]
	2. एनएफएसए के अंतर्गत वितरित किया गया खद्यान्न	2.1. एनएफएसए के तहत आवंटित और वितरित किए गए नि:शुल्क खाद्यान्न की मात्रा (लाख टन में)	549.9[42]	2. एनएफएसए के तहत नि:शुल्क खाद्यान्नों के वितरण के माध्यम से पात्र लाभार्थियों की खाद्य सुरक्षा	2.1. एनएफएसए के अंतर्गत लाभार्थियों की कुल पात्र संख्या में से खाद्यान्न प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	100
	3. एफसीआई के प्रचालनों में दक्षता	3.1 वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 में % के संदर्भ में एफसीआई की ऊपरी लागत (% में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[43]	3. भारतीय खाद्य निगम के प्रचालनों की दक्षता में सुधार	3.1 पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में % के रूप में भुगतान किए गए कुल न्यूनतम समर्थन मूल्य की तुलना में भारतीय खाद्य निगम द्वारा वहन की गई ऊपरी लागत	1

[41] *पीडीएस और ओडब्ल्यूएस के लिए खाद्यान्नों की मात्रा का सीधा संबंध खरीद से है जो निर्धारित है। तदनुसार, % लगभग निश्चित है।*

[42] *वितरण 100% का लक्ष्य है।*

[43] *तिमाही लक्ष्य हैः क्यू 1: 9.56%, क्यू 2: 41.78%, क्यू 3: 21.31%, क्यू 4: 7.85%*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	निर्गम संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	परिणाम संकेतक	लक्ष्य 2024-25
					में कमी (% में)	
	4. कम खरीद करने वाले राज्यों जैसे असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में गेहूं और चावल की खरीद में वृद्धि	4.1 वित्त वर्ष 2024-25 में खरीदे गए गेहूं की कुल मात्रा (लाख मीट्रिक टन में)	39.1	4. कम खरीद करने वाले राज्यों जैसे असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में गेहूं किसानों को लाभकारी मूल्य प्रदान करना	4.1 इन राज्यों में खरीद प्रक्रिया से लाभान्वित गेहूं के किसानों की संख्या (लाख में)	3
		4.2 वित्त वर्ष 2024-25 में खरीदे गए चावल की कुल मात्रा (लाख मीट्रिक टन में)	110.54		4.2 इन राज्यों में खरीद प्रक्रिया से लाभान्वित चावल के किसानों की संख्या (लाख में)	24
		4.3 पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में गेहूं की खरीद में वृद्धि/कमी (%)	>500			

2. एनएफएसए के तहत खाद्यान्नों के अंतरा-राज्यीय संचलन और एफपीएस डीलरों के मार्जिन के लिए राज्य एजेंसियों को सहायता (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	निर्गम संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	परिणाम संकेतक	लक्ष्य 2024-25
7,075	**1.** लाभार्थियों के कवरेज में वृद्धि पर ध्यान देने के साथ खाद्यान्नों की प्रमाणीकृत डिलीवरी	1.1 प्रमाणीकृत लेनदेन के माध्यम से वितरित खाद्यान्न की मात्रा (% में)	100	**1.** लीकेज को कम करना और लक्षित आबादी तक खाद्यान्नों की पहुंच सुनिश्चित करना	1.1 प्रमाणीकृत लेनदेन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का % (% में)	100
		1.2 सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र रूट आप्टिमाइजेशन प्रक्रिया का कार्यान्वयन	31			

1. प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का कंप्यूटरीकरण (पीएसीएस) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2023-24			परिणाम 2023-24		
2023-24	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2023-24	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2023-24
500[44]	1. कम्प्यूटरीकृत पैक्स की संख्या	1.1 पैक्स को प्रदान किए गए कंप्यूटर /लैपटॉप आदि जैसे हार्डवेयर की संख्या	20,338	1. पैक्स की कार्यकुशलता में वृद्धि तथा उनके कार्य में पारदर्शिता, जवाबदेही	1.1 कॉमन एकाउंटिंग सिस्टम (सीएएस) तथा मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) का अनुपालन करने वाले पैक्स की संख्या	67,010
		1.2 सक्रिय इंटरनेट/ब्रॉडबैंड कनेक्शन वाले पैक्स की संख्या	28,338			
	2. पैक्स के कम्प्यूटरीकरण हेतु क्षमता निर्माण	2.1 प्रौद्योगिकी के उपयोग पर पैक्स कर्मचारियों की सहायता के लिए आयोजित प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	4,467	2. बैंक रहित गांवों/ क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं का विस्तार	2.1 कम्प्यूटरीकृत पैक्स द्वारा संवितरित ऋणों/उधार की संख्या (करोड़ में)	3.53[45]
		2.2 प्रशिक्षण सत्रों के दौरान प्रशिक्षित किए जाने वाले स्टाफ की संख्या (पैक्स के स्टाफ)	1,34,020		2.2 प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस)/ मोबाइल पीओएस (एमपीओएस)/क्यूआर कोड रीडर/ ग्रीन पिन सॉल्यूशन/ भीम आधार पे डिवाइस/ मोबाइल सिग्नल बूस्टर, मोबाइल डेमो वैन/ माइक्रो एटीएम जैसे डिजिटल अवसंरचना का प्रयोग करने के लिए समर्थित पैक्स का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[44] *20,338 पैक्स के लिए बजट की गणना।*

[45] *नाबार्ड के पैक्स डाटाबेस के अनुसार औसत संख्या. प्रति PACS उधारकर्ताओं की संख्या 528 है।*

1. उत्तर पूर्व विशेष अवसंरचना विकास स्कीम (एनईएसआईडीएस) - (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2491.00	**क. एनईएसआईडीएस-सड़कें**					
	1. सड़क नेटवर्क में सुधार	1.1. निर्मित सड़कों की लंबाई (किलोमीटर में)	266	1. आउटपुट में दर्शाए अनुसार जुड़े गांव/बस्तियां	1.1. निर्मित सड़कों से जुड़े गांवों और कस्बों की संख्या	348
					1.2. सड़कों के निर्माण से लाभान्वित लोगों की संख्या	40,13,811
	ख. एनईएसआईडीएस-ओटीआरआई					
	1. सब-स्टेशनों/ट्रांसमिशन लाइनों की स्थापना/उन्नयन	1.1. निर्मित/उन्नत किये जाने वाले सब-स्टेशनों की संख्या	6	1. बेहतर विद्युत उपलब्धता	1.1. 24X7 विद्युत उपलब्ध कराए जाने वाले कुल घरों की संख्या	3,700
	2. प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य क्षेत्र की अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	2.1. निर्मित/उन्नत किए जाने वाले अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केंद्रों में से पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	6	2. स्वास्थ्य सेवा तक बेहतर पहुंच	2.1. प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवा से लाभान्वित किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या	2,80,000
					2.2. जिला अस्पतालों की संख्या जिनमें प्रति एक लाख जनसंख्या पर कम से कम 22 बेड हैं	6
	3. प्राथमिक एवं माध्यमिक क्षेत्र की शिक्षा अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	3.1. निर्मित/उन्नत किए जाने वाले स्कूलों में से पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	4	3. स्कूली शिक्षा तक बेहतर पहुंच	3.1 लाभान्वित होने वाले छात्रों की संख्या	77,000
	4. जल आपूर्ति अवसंरचना	4.1. पूरी की जाने वाली जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	9	4. पेयजल की बेहतर आपूर्ति	4.1 सुरक्षित पेयजल के लिए घरों को प्रदान किए जाने वाले कनेक्शनों की संख्या	13,465

2. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रधान मंत्री की विकास पहल (पीएम-डिवाइन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2200	1. अवसंरचना, सामाजिक विकास और आजीविका परियोजनाओं के वित्तपोषण से पूर्वोत्तर क्षेत्र का तीव्र और समग्र विकास	1.1. पूर्ण की गई सामाजिक विकास परियोजनाओं की संख्या	1	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर में सुधार	1.1. सामाजिक विकास स्कीम से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	11,486
		1.2. पूर्ण की गई आजीविका परियोजनाओं की संख्या	3		1.2. आजीविका स्कीम से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	35,275
		1.3. पूर्ण की गई अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	1		1.3. अवसंरचना स्कीम से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	1,400

3. पूर्वोत्तर परिषद एनईसी की स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
820	1. पर्यटन अवसंरचना में सुधार	1.1. पूर्ण की गई अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	10	1. पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में वृद्धि	1.1. पर्यटकों की संख्या में % वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	5
	2. खेल और शिक्षा अवसंरचना में सुधार	2.1. पूर्ण की गई शैक्षिक अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	39	2. शैक्षिक सुविधाओं का विकास	2.1. वित्त वर्ष के दौरान समाप्त परियोजनाओं से लाभान्वित विद्यार्थियों/युवाओं की संख्या	22,034
		2.2. पूर्ण की गई खेल अवसंरचना परियोजनाओं	3			

		की संख्या				
	3. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र को सहायता	3.1. पूर्ण की गई कृषि अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	64	3. आउटपुट में दर्शाई गई परियोजनाओं के लिए जिलों की खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन।	3.1. उप-मंडल और उससे उच्चतर स्तर के खेलों में जीते गए पदकों की संख्या	5
					3.2. खेल परियोजनाओं से लाभान्वित होने वाले विद्यार्थियों और युवाओं की संख्या	2,150
	4. उन्नत औद्योगिक ईको-सिस्टम	4.1. पूर्ण की गई औद्योगिक अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	20	4. पूर्वोत्तर क्षेत्र में कृषि एवं संबद्ध कार्यकलापों के संवर्धन के लिए क्षेत्र/इकाई/लाभार्थी की कवरेज की बढ़ोतरी	4.1. बागवानी/क्षेत्र फसलों के अंतर्गत स्थापित क्षेत्र हैक्टेयर में	3,256
					4.2. लाभार्थियों की संख्या	64,098
	5. बेहतर जागरूकता और प्रभावी सार्वजनिक पहुंच	5.1. सहायता प्रदत्त प्रमुख आयोजनों की संख्या	10	5. लाभकारी आर्थिक कार्यकलापों से लाभान्वित लोगों की संख्या	5.1. नए सृजित रोजगार की संख्या	2,85,383
	6. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग के कारण बेहतर उत्पाद एवं प्रक्रियाएं	6.1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के संबंध में पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	21	6. आयोजनों में बेहतर भागीदारी	6.1. आयोजनों में प्रतिभागियों की कुल संख्या	1,000
	7. एनईआर संबंधी अंतःक्षेपों को बढ़ावा देना	7.1. पूर्ण की गई अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	9	7. बेहतर उत्पाद एवं प्रक्रियाएं	7.1. निर्मित नए उत्पादों/समुन्नत प्रक्रियाओं की संख्या	2
	8. बाढ़ नियंत्रण और कटाव-रोधी कार्य	8.1. बाढ़ नियंत्रण और कटाव-रोधी कार्यों के संबंध में पूर्ण की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	3	8. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग के कारण कौशल में सुधार	8.1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाओं से लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	6,38,851
	9. बेहतर तृतीयक स्वास्थ्य सेवा	9.1. पूर्ण की जाने वाली स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं की संख्या	7	9. जागरूकता और प्रचार संबंधी उद्यमों में सुधार	9.1. एनईआर संबंधी अंतःक्षेपों से संबंधित परियोजनाओं के संवर्धन से लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	1,20,050

	10. बेहतर विपणन	10.1. पूर्ण की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	1	10. बाढ़ और कटाव के प्रभावों को कम करना	10.1. बाढ़ नियंत्रण और कटाव-रोधी परियोजनाओं से लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	10,207
				11. स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता	11.1. लाभान्वित रोगियों की संख्या	1,79,000
				12. बाजार तक बेहतर पहुंच	12.1. लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	5,000

1. डीप ओशन मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
600	1. पानी में 6,000 मीटर की गहराई के लिए रेटिंग की गई मानवयुक्त पनडुब्बी का डिजाइन और विकास	1.1 पर्सनेल स्फीयर, प्रणोदन प्रणालियों, सेंसरों और नियंत्रकों का एकीकरण (% में)	100	1. 6000 मीटर की गहराई पर मानवयुक्त पनडुब्बी के अभियांत्रिकी परीक्षण	1.1 500 मीटर तक की गहराई पर मानवयुक्त पनडुब्बी का प्रदर्शन (% में)	10
		1.2 बंदरगाह एवं समुद्री परीक्षणों का पूरा होना (% में)	40		1.2 6,000 मीटर तक की गहराई पर मानवयुक्त पनडुब्बी का प्रदर्शन (% में)	40
	2. गहरे समुद्र में खनिजों के खनन हेतु अंतर्जलीय खनन मशीन का विकास एवं परीक्षण	2.1 खनन मशीन (% में)	90	2. बहुधात्विक पिंडों का प्रायोगिक दोहन (% में)	2.1 गहरे पानी में राइजर सिस्टम का प्रदर्शन (% में)	75
		2.2 यूम्बिलिकल केबल और होज युक्त राइजर सिस्टम (% में)	80			
		2.3 एकीकृत खनन प्रणाली के समुद्री परीक्षण (% में)	50			
	3. महासागर जलवायु परामर्शिका का विकास	3.1 क्षेत्रीय जलवायु डाउनस्केलिंग के लिए समुद्री मॉडलों का विकास (%)	80	3. भारतीय तटीय क्षेत्रों पर समुद्री जलवायु के प्रभाव की बेहतर समझ	3.1 जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के संबंध में तटीय क्षेत्रों के लिए जलवायु परिवर्तन रिपोर्ट, प्रकाशन (रिपोर्टों/प्रकाशनों की संख्या)	4
		3.2 बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर में ग्लाइडर ट्रांजैक्ट को पूरी तरह संचालित किया जाना	100			
	4. हिंद महासागर की चट्टानों की गहरे समुद्र की वनस्पतियों एवं जीवों का संग्रह एवं डीएनए बैंक तथा गहरे-समुद्र के	4.1 गहरे समुद्र में किए गए जैव विविधता सर्वेक्षणों की संख्या।	1	4. गहरे समुद्र की जैवविविधता के लिए संरक्षण योजना, डीएनए आधारित	4.1 वर्गीकरण कैटलॉग और रिपोर्ट की संख्या	1
		4.2 गहरे समुद्र से एकत्रित एवं सूचीबद्ध जीवों की संख्या	50		4.2 शोधकर्ताओं द्वारा डीएनए संसाधनों तक पहुंच (संसाधनों की संख्या)	30

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	जीवाणुओं के प्रजनन के लिए प्रौद्योगिकी	4.3 दबाव बनाए रखने योग्य नमूना/संवर्धन प्रणाली का कार्यान्वयन	1	अनुसंधान हेतु ऑनलाइन संदर्भ सुविधा तथा जैविक अणुओं हेतु नवीन गहरे-समुद्री जीवाणुओं की प्रोफाइलिंग एवं जांच	4.3 पृथक किए गए एवं जांचे गए सिम्बायोएंट्स, गहरे समुद्री पाइजोटोलरेंट पाइजोफिलिक जीवाणुओं की संख्या	25
	5. उष्णजलीय निक्षेपों का अन्वेषण	5.1 पिच्छकों का अन्वेषण और पहचान - मूल्यांकन और सर्वेक्षण (% में)	50	5. अन्वेषण क्षेत्र में उष्णजलीय वितरण की समझ	5.1 पुष्टि किए गए पिच्छकों की संख्या (% में)	50
	6. नए अनुसंधान पोत का अधिग्रहण	6.1 बुनियादी डिजाइन, निर्माण गतिविधियां (% में)	25	6. महासागर अनुसंधान पोत को चालू करना	6.1 पोत का निर्माण (% में)	25
	7. ओटेक से चलने वाले अपतटीय विलवणीकरण संयंत्र के लिए विस्तृत डिजाइन दस्तावेज	7.1 बंद और खुले चक्र वाले औटेक प्रणाली संयंत्र के घटकों की डिजाइन (% में)	60	7. अपतटीय नवीकरणीय ऊर्जा एवं पेयजल के लिए प्रौद्योगिकी	7.1 ऊर्जा और पेयजल के लिए डिजाइन और प्रयोग (% में)	60
	8. महासागर जीवविज्ञान हेतु एक उन्नत समुद्री केन्द्र की स्थापना	8.1 अवसंरचना का विकास (% में)	25	8. समुद्री जीवविज्ञान में क्षमता निर्माण	8.1 समुद्री जीव विज्ञान में उच्च स्तरीय क्षमता निर्माण (% में)	25
		8.2 उच्चस्तरीय कार्यक्रम एवं अन्तरराष्ट्रीय सहयोग का प्रारंभ	10			

2. वायुमण्डल एवं जलवायु अनुसंधान्माडलिंग प्रेक्षण प्रणालियां एवं सेवाएं (अक्रॉस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25	परिणाम 2024-25

2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
500	1. भारत में वायुमण्डलीय प्रेक्षण नेटवर्क का विस्तार	1.1 डॉपलर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर), स्वचालित मौसम केंद्र (एडब्ल्यूएस), न्यू डिजिटल करेंट वेदर इंस्ट्रूमेंट सिस्टम (डीसीडब्ल्यूआईएस) तथा नए दृश्यता सेंसरों समेत विभिन्न वायुमण्डल प्रेक्षण प्रणालियों की संस्थापना एवं चालू किया जाना	292	1. विमानन सुरक्षा तथा चरम मौसमी घटनाओं से जान-माल की सुरक्षा के लिए बेहतर मौसम सेवाएं	1.1 विमानन मौसम सेवाएं - वर्तमान मौसम एवं क्षैतिज दृश्यता सूचना - हवाई-अड्डों एवं हेलीपोर्ट को प्रदान की गई।	25
					1.2 वर्षा की निगरानी एवं स्थानीय पूर्वानुमान सेवाओं के लिए कवर किए गए शहरों / कस्बों की संख्या में वृद्धि	300
					1.3 रडार कवरेज के कारण तत्काल पूर्वानुमान केन्द्रों की संख्या में वृद्धि	50
	2. जलवायु सेवाएं	2.1 जलवायु डेटा सृजन करने वाले केन्द्रों (एडब्ल्यूएस, कृषि एडब्ल्यूएस, विमानन केन्द्र, डीआरएमएस) की संख्या में वृद्धि	400	2. क्षेत्रीय अनुप्रयोगों के लिए जलवायु निदान	2.1 डेटा पोर्टल के माध्यम से जलवायु डेटा तक पहुंच (उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि)	2,500
		2.2 जलवायु डेटा रिकॉर्ड तैयार करना (संख्या में वृद्धि)	6,00,000			
	3. प्रचालन मौसम विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञानों में प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण	3.1 विश्व मौसम विज्ञान संगठन के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में संचालित किए गए प्रशिक्षणों/पाठ्यक्रमों/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की संख्या	15	3. मौसम विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञानों में कौशल विकास	3.1 प्रशिक्षित किए गए व्यक्तियों की संख्या	600
	4. ऋतुनिष्ठ और विस्तारित अवधि पूर्वानुमानों में सुधार	4.1 विभिन्न प्रारंभिक स्थितियों के साथ पूरी तरह से परीक्षण के बाद साप्ताहिक युग्मित डेटा समावेशन सहित अगली पीढी के मॉडल का	100	4. विभिन्न क्षेत्रों के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा विस्तारित (4 सप्ताह	4.1 ऐसे समांगी क्षेत्रों की संख्या जिनके लिए अगली पीढ़ी के मॉडल के साथ ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान प्रदान किए जाएंगे	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		कार्यान्वयन (% में)		तक) एवं ऋतुनिष्ठ (अगले 3 महीने) समय पैमानों पर युग्मित मॉडल पूर्वानुमानों का उपयोग	4.2 दूसरी पीढ़ी के ईआरपी सिस्टम से उप-खण्ड स्तर पर वर्षा पर एवं तापमान का प्रायोगिक विस्तृत अवधि पूर्वानुमान जारी करना (उप-खण्डों की संख्या)	34
	5. मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान प्रणाली में सुधार	5.1 मध्यम अवधि निर्धारणात्मक मौसम पूर्वानुमान हेतु युग्मित वैश्विक संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान प्रणाली का प्रयोग (% में)	100	5. युग्मित संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान प्रणाली का प्रयोग करते हुए मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान तैयार करना	5.1 युग्मित मध्यम अवधि पूर्वानुमान से 10 दिन के पूर्वानुमान उत्पाद तैयार करना (% में)	100
	6. 18पीएफ उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग प्रणाली - वी3.0 का प्रचालनात्मक उपयोग	6.1 उच्च विभेदन (6 किमी) पूर्वानुमान करने में सक्षम बनाने के लिए नए एचपीसी में एंड-टू-एंड संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान (एनडब्ल्यूपी) प्रणाली लगाना (% में)	100	6. उच्च विभेदन संख्यात्मक मौसम एवं जलवायु पूर्वानुमान	6.1 उच्चतर (6 किमी) विभेदन पर संख्यात्मक मौसम/ जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली का संचालन (% में)	100
	7. वायुमण्डलीय अनुसंधान डेटा केन्द्र	7.1 वायुमण्डलीय अनुसंधान डेटा केन्द्र में वायुमण्डलीय डेटा सेट (टेरा बाइट में) जोडना	10	7. एक ही प्लेटफॉर्म पर अनुसंधानकर्ताओं के पास प्रेक्षित एवं मॉडलिंग डेटा की सहज सुलभता	7.1 जोडे गए डेटा का प्रतिशत, जिसे विस्तृत क्यूसी/क्यूए के पश्चात आम जनता के लिए जारी किया जाएगा (% में)	75
	8. भारत में वायुमंडलीय अनुसंधान परीक्षण पटल (एआरटी)	8.1 मॉनसून प्रेक्षणात्मक अभियान संचालित करने के लिए उपकरणन के द्वितीय चरण में वायुमंडलीय अनुसंधान परीक्षण	8	8. प्रमुख मॉनसून क्षेत्र तथा पर्वतीय क्षेत्रों में जलवायु तथा मॉनसून सम्बन्धी प्रक्रियाओं की	8.1 डेटा प्रोसेसिंग, गुणवत्ता नियंत्रण तथा अभियान डेटा के प्रथम स्तर की तैयारी (% में)	60

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		पटल, मध्य भारत में आरंभ किए गए उपकरणों/ प्रेक्षण केंद्रों की संख्या		समझ में सुधार	8.2 एससीआई जर्नल्स में प्रकाशनों की संख्या	10
	9. मौसम परिवर्तन में अनुसंधान और विकास	9.1 एक प्रयोगशाला क्लाउड चैंबर तथा मापन प्रणालियों के साथ संवहन सेटअप अवसंरचना की स्थापना (% में)	30	9. उष्णकटिबंधीय स्थितियों में अंतिम सीमा गति विज्ञान, मेघ, संवहन तथा वर्षा प्रक्रियाओं की आधारभूत समझ	9.1 एससीआई जर्नल्स में प्रकाशनों की संख्या	10
		9.2 विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ मेघ एवं वर्षा भौतिक अनुसंधान सहयोग विकसित करना। (विश्वविद्यालयों की संख्या)	5		9.2 अनुसंधान सहयोगों की संख्या	5
	10. वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण	10.1 रसायन डेटा समावेशन क्षमताओं वाली उच्च विभेदन वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान प्रणाली (2 किमी) का विकास (% में)	100	10. भारत के ऐसे शहरों को उच्च विभेदन वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान सेवाएं प्रदान करना जिन्हें अब तक यह सेवा प्रदान नहीं की गई है	10.1 ऐसे शहर जिन्हें अब तक यह सेवा प्रदान नहीं की गई है, को शहर-विशिष्ट वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान प्रदान किया जाएगा, जिससे स्थानीय वायु गुणवत्ता के प्रभावी प्रबन्धन में सहायता मिलेगी। (शहरों की संख्या)	10

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

1. समग्र शिक्षा (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
37,010	1. सर्वसुलभ पहुँच, प्रतिधारण एवं आधारभूत गतिविधियां	1.1 खोले गए नए स्कूलों/क्रमोन्नत मौजूदा स्कूलों की संख्या	200	1. पहुंच, प्रतिधारण, अवस्थानांतरण को बढ़ाना और ड्रॉप आउट कम करना	1.1 माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन दर (जीईआर) (%)	81
		1.2 सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत आने वाले स्कूलों की संख्या (प्री-प्राइमरी कक्षाएँ)	8,000		1.2 उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) (%)	59
		1.3 सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत शामिल स्कूलों की संख्या (अतिरिक्त कक्षाओं और प्रयोगशालाओं सहित)	8,000		1.3 अवस्थानांतरण दर (कक्षा आठवीं से नौवीं) (%)	93
		1.4 एनआईओएस के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण (प्रारंभिक स्तर)/सहायता प्राप्त करने वाले स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या (लाख में)	6.00		1.4 अवस्थानांतरण दर (कक्षा X से XI) (%)	79
		1.5 परिवहन और एस्कॉर्ट सुविधा प्राप्त बच्चों की संख्या (लाख में)	8			
		1.6 धारा 12(1)(ग) के तहत कवर किए गए बच्चों की संख्या (12(1)(ग), आरटीई अधिनियम के तहत प्रवेश के 25% के लिए किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति) (लाख में)	22			
	2. आरटीई पात्रता, गुणवत्ता और नवाचार पहल	2.1 मुफ़्त पाठ्यपुस्तकें प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या (प्रारंभिक स्तर) (करोड़ में)	6	2. छात्रों के अधिगम परिणामों को बढ़ाना और सर्वसुलभ बुनियादी साक्षरता	2.1 प्राथमिक स्तर पर प्रतिधारण दर (%)	82.00
		2.2 बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान के	5			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		तहत शिक्षण अधिगम सामग्री प्राप्त करने वाले बच्चों की संख्या (करोड़ में)		और संख्याज्ञान कौशल प्राप्त करना।		
		2.3 अधिगम वृद्धि/संवर्द्धन कार्यक्रम प्राप्त छात्रों की संख्या (6वीं से 12वीं) (करोड़ में)	1.8			
		2.4 पुस्तकालय और खेल उपकरण सुविधा प्राप्त करने वाले स्कूलों की संख्या (लाख में)	7			
		2.5 आईसीटी और डिजिटल पहल (स्मार्ट क्लासरूम सहित) के तहत कवर किए गए स्कूलों की संख्या	32,000			
	3. शिक्षक शिक्षा एवं शिक्षक प्रशिक्षण	3.1 डीआईईटी को सुदृढ़ करना एवं इस वर्ष के दौरान कार्यात्मक बनाई गई डीआईईटी की संख्या	2			
		3.2 वर्ष के दौरान प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या (लाख में)	8			
	4. कौशल विकास	4.1 व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत शामिल नए स्कूलों की संख्या	1,600	3. व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना	3.1 प्रमाणित छात्रों की संख्या (लाख में)	3
		4.2 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की संख्या (कक्षा 9-12 में) (लाख में)	1		3.2 व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त उच्च प्राथमिक छात्रों की संख्या (लाख में)	5
		4.3 मिडिल स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव प्रदान करने के लिए कवर किए गए स्कूलों की संख्या	6,500			
	5. शिक्षा में लैंगिक	5.1 खोले गए नए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) और क्रमोन्नत	95	4. स्कूल शिक्षा में सामाजिक और	4.1 उच्च माध्यमिक स्तर पर जीपीआई	1

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	समानता, समता और समावेशन	केजीबीवी की संख्या		लैंगिक अंतर को पाटना		
		5.2 केजीबीवी की संख्या जिनमें सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन का प्रावधान है	300		4.2 कुल नामांकन के प्रतिशत के रूप में सीडब्ल्यूएसएन का नामांकन (%)	1.5
		5.3 लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाले स्कूलों की संख्या (लाख में)	2			
		5.4 वजीफा प्राप्त सीडब्ल्यूएसएन लड़कियों की संख्या (लाख में)	4			
		5.5 वित्तीय सहायता प्राप्त विशेष शिक्षकों की संख्या	26,000			

2. प्रधान मंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (पीएम-पोषण) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
12,467.39	1. पात्र कक्षा (I-VIII) और बालवाटिका के बच्चों हेतु भोजन का प्रावधान	1.1. वास्तविक लाभार्थियों की संख्या (करोड़)	9.49	1. बच्चों की उपस्थिति और पोषण स्तर में सुधार करना	1.1. गर्म पका हुआ भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की उपस्थिति दर (%)	100
					1.2. संयुक्त समीक्षा मिशन रिपोर्ट के अनुसार पका हुआ गर्म भोजन प्राप्त करने वाले कम वजन वाले बच्चों की संख्या में कमी का %	75

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. पीएम-पोषण दिशानिर्देशों का अनुपालन	2.1. प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अनुरूप पाए गए स्कूलों की कुल संख्या (लाख में)	10.76	2. शिक्षा में लैंगिक और सामाजिक अंतर में कमी	2.1. प्रारंभिक शिक्षा में एसटी/एससी और छात्राओं हेतु समायोजित जीईआर (%)	98
	3. स्कूलों में अवसंरचना और रसोइया- सह-सहायकों की क्षमता निर्माण का प्रावधान	3.1. रसोई-सह-भंडारगृह वाले स्कूलों का %	95	3. सभी पात्र विद्यालयों में भोजन तैयार करना	3.1. उपयोग किए गए खाद्यान्नों का %	100
		3.2. 10 वर्ष पहले निर्मित किए गए रसोई-सह-भंडारगृह की मरम्मत का %	10 [46]		3.2. भोजन में कम से कम एक स्थानीय रूप से उगाए गए खाद्य पदार्थ का उपयोग करने वाले स्कूलों का %।	100
		3.3. प्रशिक्षित रसोइया-सह-सहायकों की संख्या (लाख में)	25.00		3.3. स्कूलों में स्वच्छ तरीके से पोषण तत्वों की न्यूनतम हानि के साथ स्वस्थ, पोषित भोजन तैयार करना (% में)	100
	4. स्कूल पोषण उद्यान	4.1 स्कूल पोषण उद्यान वाले स्कूलों का %	50	4. बच्चों के पोषण स्तर में सुधार	4.1 कम कार्बन फुटप्रिंट का प्रयोग करते हुए भोजन में सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्कूल में स्थानीय सब्जियों का उपयोग	75
	5. आपदा/महामारी को कम करना	5.1 आपदा प्रबंधन योजना वाले स्कूलों की संख्या (लाख में)	10.76	5. जिन बच्चों को स्कूल बंद होने की स्थिति में भोजन या खाद्य सुरक्षा भत्ता प्रदान किया गया	5.1 सूखा प्रभावित क्षेत्र में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का % जिन्हें गर्मी की छुट्टियों के दौरान तथा आपदा के समय भोजन उपलब्ध कराया गया	100

[46] *पीएबी अनुमोदन के अनुसार*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	6. स्कूल स्वास्थ्य कार्ड	6.1 योजना के अंतर्गत पात्र बच्चे, जिनके पास स्कूल स्वास्थ्य कार्ड है, का %	100	6. बच्चों की स्वास्थ्य जांच और आईएफए गोलियों का वितरण (यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से किया जा रहा है)	6.1 राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत जांच किए गए बच्चों का %	100
					6.2 आयरन फोलिक एसिड की गोलियां वितरित किए जाने वाले पात्र बच्चों का %	100

3. राज्यों में शिक्षण-अधिगम एवं परिणाम को सुदृढ़ करना (स्टार्स) (सीएसएस) [47]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,250	**1.** शिक्षक के प्रदर्शन में सुधार	1.1 आवश्यकता-आधारित प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों का प्रतिशत	20	1. माध्यमिक स्कूल पूर्णता दर में सुधार करना	1.1 स्टार्स कार्यक्रम मूल्यांकन दस्तावेज़ के अनुसार बेसलाइन से चुने गए राज्यों में माध्यमिक पूर्णता दर में प्रतिशत सुधार	0.5[48]
		1.2 सेवाकालीन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों का प्रतिशत	20			

[47] *निर्गम संकेतक 1.1, 1.2, 2.1, 2.2, 3.1 और परिणामी संकेतक 1.1 यूडीआईएसई डेटा में उपलब्ध हैं तथा परिणामी संकेतक 2.1 पीजीआई डेटा में उपलब्ध है।*

[48] *सभी 6 राज्यों का औसत*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. स्कूल-टू-वर्क ट्रांजिशन को सुदृढ़ बनाना	2.1 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्रस्तुत किए जाने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकित किए गए बच्चों का %	20	2. शासन को सुदृढ़ बनाना और सेवा प्रदान करने में सुधार करना।	2.1 स्टार्स कार्यक्रम मूल्यांकन दस्तावेज़ के अनुसार बेसलाइन से चुने गए राज्यों के लिए चयनित संकेतकों के लिए पीजीआई रैंकिंग में सुधार करना	4[49]
	3. बेहतर शिक्षा प्रबंधन और प्रशिक्षण के लिए राज्य स्तरीय संस्थानों को सहयोग देना	3.1 चुने गए राज्यों में प्रशिक्षित किए गए बीआरसी और सीआरसी का %	20			

4. उभरते भारत के लिए पीएम स्कूल (पीएम श्री) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
6,050	1. वे स्कूल जिन्हें पीएम श्री स्कूल बनने के लिए सुदृढ़ किया गया	1.1 स्थापित पीएम श्री स्कूलों की कुल संख्या	4,000	1. शिक्षा तक पहुंच और अधिगम परिणामों में सुधार	1.1 स्कूल को पीएम श्री स्कूल में परिवर्तित करने के बाद परिवर्तित दर में वृद्धि (आठवीं से नौवीं तक) (%).	2
		1.2 समर्पित विज्ञान और गणित प्रयोगशालाओं वाले सभी माध्यमिक/उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों का प्रतिशत	90		1.2 कुल नामांकन के प्रतिशत के रूप में सीडब्ल्यूएसएन का नामांकन (%)	1.5

[49] *सभी 6 राज्यों का औसत*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. आरटीई पात्रता, गुणवत्ता और नवाचार उपाय	2.1. पीएम श्री स्कूलों का प्रतिशत (माध्यमिक से उच्च माध्यमिक तक) जिन्हें आईसीटी और डिजिटल पहल के तहत शामिल किया गया है और इसमें स्मार्ट कक्षाएं हैं	80		1.3 माध्यमिक/उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या (लाखों में)	2
		2.2. गणित/विज्ञान किट प्राप्त होने वाले पीएम श्री स्कूलों का प्रतिशत	80		1.4 व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव प्रदान किए जाने वाले उच्च प्राथमिक छात्रों की संख्या (लाख में)	1
		2.3. पीएम श्री स्कूलों का प्रतिशत जिनमें क्लब हैं (जैसे इको और यूथ क्लब)	90			
		2.4. पीएम श्री स्कूलों में निःशुक्क पौशाक और पाठ्यपुस्तकें प्राप्त करने वाले पात्र छात्रों की संख्या (लाख)	20			
	3. व्यावसायिक शिक्षा का प्रावधान	3.1 पीएम श्री स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों में नामांकित माध्यमिक छात्रों का प्रतिशत	50			
		3.2 व्यावसायिक शिक्षा की सुविधा वाले माध्यमिक/उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों का प्रतिशत	50			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	4. अध्यापक शिक्षा एवं अध्यापक प्रशिक्षण	4.1 वित्त वर्ष में कम से कम 50 घंटे के सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) अवसरों में भाग लेने वाले शिक्षकों का प्रतिशत	100			
	5. लैंगिक समानता, निष्पक्षता और शिक्षा में समावेशन	5.1 उन स्कूलों का प्रतिशत जहां सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन का सुविधा उपलब्ध है	100			
		5.2 लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाले स्कूलों का प्रतिशत	100			
		5.3 छात्रवृत्ति प्रदान की गई सीडब्ल्यूएसएन लड़कियों का प्रतिशत	100			

उच्चतर शिक्षा विभाग

1. विश्व स्तरीय संस्थान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,800	1. प्रतिष्ठित संस्थाओं के रूप में निजी संस्थाओं का चयन जो विश्व स्तरीय संस्थाओं के रूप में उभरेंगे	1.1. विश्व स्तरीय संस्थाओं के रूप में अधिसूचित निजी संस्थाओं की संख्या	5	1. डब्ल्यूसीआई की विश्व रैंकिंग में सुधार	1.1 विश्व रैंकिंग में शीर्ष 500 में स्थान प्राप्त डब्ल्यूसीआई की संख्या (टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग या क्यू एस या शंघाई का जिओ टोंग विश्वविद्यालय)	6
	2. स्वदेशी छात्रों को सस्ती दर पर देश के भीतर विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करना	2.1. विश्व स्तरीय संस्थाओं में औसत संकाय-छात्र अनुपात	1:13			
		2.2. भारतीय विश्व स्तरीय संस्थाओं में उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों की संख्या	2,500			
		2.3. भारतीय विश्व स्तरीय संस्थाओं में विदेशी संकायों की कुल संख्या[50]	500			
		2.4. समकक्ष समीक्षिती विदेशी पत्रिकाओं में प्रति संकाय सदस्य प्रकाशित शोध पत्रों की औसत संख्या	1.5			
		2.5. प्रस्तुत किए गए पेटेंटों की संख्या	700			

2. प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन (पीएम-यूएसपी) योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25	परिणाम 2024-25

[50] आईओई दिशानिर्देश 2017 के अनुसार कोई भी भारतीय नागरिक जिसने विदेश में शिक्षा के क्षेत्र में काफी समय बिताया हो तथा जिसकी शैक्षणिक योग्यता/अनुभव शीर्ष 500 संस्थानों से हो तथा जो प्रतिष्ठित विश्व रैंकिंग में शामिल हो, उसे विदेशी संकाय के रूप में माना जाएगा।

2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,558	**क. गारंटी निधि के लिए ब्याज सब्सिडी और अंशदान (सीएस)**					
	1. योजना के तहत ब्याज सब्सिडी के दावों को जारी करना	1.1 उन छात्रों की संख्या जिनके लिए वित्त वर्ष (नवीनतम) में ब्याज सब्सिडी के दावों का भुगतान किया गया था	1,10,000	1. व्यावसायिक/तकनीकी पाठ्यक्रमों तक उच्चतर पहुंच	1.1. उच्चतर शिक्षा के दिए गए स्तर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले लाभार्थी छात्रों की संख्या (ब्याज सब्सिडी धारकों (नवीनीकरण) की संख्या जिन्होंने पिछले वर्ष अपनी शिक्षा का स्तर पूरा किया है) (व्यावसायिक / तकनीकी पाठ्यक्रम)	1,00,000[51]
		1.2 उन छात्रों की संख्या जिनके लिए वित्त वर्ष (नवीनीकरण) में ब्याज सब्सिडी के दावों का भुगतान किया गया था	2,00,000			
	2. शिक्षा ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी निधि	2.1 छात्रों के कुल खातों की गारंटी दी जाएगी	1,98,000	2. ऋण देने वाले बैंकों पर एनपीए के बोझ को कम करना जिसके परिणामस्वरूप अधिक संख्या में पात्र छात्रों को कवर करने के लिए उनका विश्वास बढ़ेगा	2.1. पिछले वर्ष से गारंटी निधि के अंतर्गत कवर किए गए ऋणों की संख्या में वृद्धि का %	10[52]

[51] *सीएसआईएस योजना के तहत पोर्टल पर प्राप्त दावों की प्रवृत्ति के अनुसार।*

[52] *वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जारी की गई गारंटियों की कुल संख्या 1,79,983 थी*

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	ख. कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति (सीएस)					
	1. पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति जारी करना.	1.1 योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान जारी छात्रवृत्तियों की संख्या **(नए)**	74,000	1. विश्वविद्यालय शिक्षा तक बेहतर पहुंच।	1.1 उच्चतर शिक्षा के दिए गए स्तर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्रों की संख्या। (नवीकरण आवेदनों की संख्या या छात्रवृत्ति धारकों की संख्या जिन्होंने पिछले वर्ष में सफलतापूर्वक अपना शिक्षा स्तर पूरा कर लिया है)।	1,62,076[53]
		1.2 योजना के तहत वर्ष के दौरान जारी छात्रवृत्तियों की संख्या **(नवीनीकृत)**	1,10,000			
		1.3 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों में महिला छात्रों का**%**	50			
	ग. जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लिए विशेष छात्रवृत्ति					
	1. जम्मू-एवं कश्मीर के पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति जारी करना।	1.1 योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान जारी छात्रवृत्तियों की संख्या (नवीन)	4,260	1. विश्वविद्यालय शिक्षा तक बेहतर पहुंच।	1.1 राज्य के बाहर के संस्थानों से उच्चतर शिक्षा के दिए गए स्तर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्रों की संख्या (नवीकरण आवेदन या छात्रवृत्ति धारकों की संख्या जिन्होंने पिछले वर्ष में सफलतापूर्वक अपना	4,920
		1.2 योजना के तहत वर्ष के दौरान जारी छात्रवृत्तियों की संख्या (नवीनीकृत)	8,477			
		1.3 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों में महिला छात्रों का %	36			

[53] *वर्ष 2023-24 में वितरित नई छात्रवृत्ति की संख्या (वर्ष 2024-25 के लिए नवीनीकृत के रूप में गिना जाएगा): 74,738 (वर्ष 2023-24 मेधा में नए आवेदन) + वर्ष 2023-24 के दौरान वितरित नवीनीकृत छात्रवृत्ति की संख्या: 1,01,109 (अंतिम सत्यापित नवीनीकृत आवेदक) -वर्ष 2023-24 के दौरान अपना पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की संख्या: 13,771(74738+101109-13771 1,62,076)*

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25		परिणाम 2024-25			
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
					शिक्षा स्तर पूरा किया है)	

3. राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
600	1. युवाओं को उनके कार्यक्षेत्र में आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान और कौशल से लैस करना	1.1 गैर-इंजीनियरिंग डिग्री/गैर-तकनीकी डिप्लोमा छात्रों की संख्या जिन्हें वित्त वर्ष में प्रशिक्षुता का प्रस्ताव किया गया था (लाख)	1.5	1. प्रशिक्षुओं के लिए आजीविका के अवसरों में सुधार	1.1 वित्त वर्ष में प्रशिक्षुता पूरी होने के बाद स्व-रोज़गार करने वाले प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	3
		1.2 इंजीनियरिंग/तकनीकी डिप्लोमा छात्रों की संख्या जिन्हें वित्त वर्ष में प्रशिक्षुता का प्रस्ताव किया गया था (लाख)	2		1.2 वित्तीय वर्ष में प्रशिक्षुता पूरा होने के बाद उद्योग द्वारा नियोजित प्रशिक्षुओं का % (औसत)	70
		1.3 छात्र प्रशिक्षुओं की संख्या जिनके लिए डीबीटी लागू किया गया है	40,000			

4. प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,814.94	1. बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान	1.1 एमईआरयू में बदलने के लिए वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त करने वाले एचईआई की संख्या	26	1. बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान	1.1 दिए गए पेटेंट की संख्या	100
		1.2 स्वयं और अन्य मूक के माध्यम से शैक्षणिक	150		1.2 प्रकाशित पत्रों की संख्या	4,000

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	विश्वविद्यालय (एमईआरयू)	सामग्री प्रदान करने वाले पाठ्यक्रमों की संख्या				
		1.3 समर्थ ईआरपी का उपयोग करने वाले एचईआई की संख्या	50		1.3 अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) पर पंजीकृत और अकादमिक कार्यक्रमों में एकाधिक प्रवेश और निकास की प्रस्तुति वाले एचईआई की संख्या	50
	2. उच्चतर शैक्षिक संस्था के सुदृढीकरण करने के लिए अनुदान	2.1 वित्त वर्ष में वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या	40	2. मानकीकरण	2.1 गैर-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय जिन्हें मान्यता प्रदान की गई, की संख्या	5
		2.2 वित्त वर्ष में वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त गैर-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या	20		2.2 गैर-मान्यता प्राप्त महाविद्यालय जिन्हें मान्यता प्रदान की गई, की संख्या	15
		2.3 वित्त वर्ष में वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त कॉलेजों की संख्या	120		2.3 एनएएसी मान्यता ग्रेड में सुधार करने वाले एचईआई की संख्या	10
		2.4 वित्त वर्ष में वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त गैर-मान्यता प्राप्त कॉलेजों की संख्या	120			
	3. फोकस जिले	3.1 फोकस जिलों में वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त कॉलेजों, विश्वविद्यालयों की संख्या	200	3. इक्विटी, पहुँच और समावेशन	3.1 समानता, पहुंच और समावेशन में सुधार के लिए आयोजित कार्यशालाओं/सेमिनारों/प्रशिक्षणों/कार्यक्रमों में नामांकित महिला छात्रों की संख्या	2,000
		3.2 समानता, पहुंच और समावेशन में सुधार के लिए आयोजित कार्यशालाओं/ सेमिनारों/ प्रशिक्षणों/कार्यक्रमों की संख्या	200		3.2 समानता, पहुंच और समावेशन में सुधार के लिए आयोजित कार्यशालाओं/ सेमिनारों /प्रशिक्षणों/कार्यक्रमों में एससी/एसटी/ ओबीसी/ट्रांसजेंडर आदि छात्रों की भागीदारी की संख्या	400

1. भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए संशोधित कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
6,903	**क. भारत में सेमीकंडक्टर फैब्स की स्थापना के लिए योजना**					
	1. सेमीकंडक्टर फैब की स्थापना के लिए परियोजना लागत पर वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1 समर्थित किए जाने वाले सेमीकंडक्टर फैब्स की संख्या	1	1. सेमीकंडक्टर में निवेश और रोजगार सृजन	1.1 योजना के तहत वर्ष के दौरान निवेश (करोड़ रुपये में)	5,000
		1.2 संवितरित की जाने वाली वित्तीय सहायता की राशि (करोड़ रु में)	2,500		1.2 योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान सहायता प्राप्त इकाइयों द्वारा सृजित रोजगार (संख्या में)	300
	ख. भारत में डिस्प्ले फैब्स की स्थापना के लिए योजना					
	1. डिस्प्ले फैब की स्थापना के लिए परियोजना लागत पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना	1.1 समर्थित किये जाने वाले डिस्प्ले फैब्स की संख्या	1	1. प्रदर्शन में निवेश, उत्पादन, निर्यात और रोजगार सृजन	1.1 योजना के तहत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा निवेश (करोड़ रुपये में)	00
		1.2 संवितरित की जाने वाली वित्तीय सहायता की राशि (करोड़ रु में)	00		1.2 योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान समर्थित इकाइयों द्वारा सृजित रोजगार (संख्या में)	00
	ग. भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर फैब/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब्स और सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी)/ओएसएटी सुविधाओं की स्थापना के लिए योजना					
	1. कंपाउंड सेमीकंडक्टर/ एसआईपीएच/ सेंसर/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर्स फैब्स /एटीएमपी इकाइयों की स्थापना के लिए	1.1 कंपाउंड / एसआईपीएच/ सेंसर/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर्स फैब्स/एटीएमपी इकाइयों की संख्या जिनको सहायता दी जानी है	3	1. कंपाउंड सेमीकंडक्टर/एसआईपीएच/ सेंसर/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर/एटीएमपी में निवेश, उत्पादन, निर्यात और रोजगार सृजन	1.1 योजना के तहत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा निवेश (करोड़ रुपये में)	7,800
		1.2 संवितरित की जाने वाली	3,900		1.2 योजना के तहत वर्ष के	1,400

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	पूंजीगत व्यय पर वित्तीय सहायता प्रदान करना	वित्तीय सहायता की राशि (करोड़ रु में)			दौरान इकाइयों द्वारा उत्पन्न रोजगार (संख्या में))	
	घ. डिजाइन से संबद्धित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना					
	1. सेमीकंडक्टर चिप्स डिजाइन करने के लिए परियोजना लागत पर वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1 समर्थित किए जाने वाले सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियों की संख्या	20	1. योजना के तहत आईपी कोर का डिजाइन और विकास और रोजगार सृजन	1.1 समर्थित कंपनियों द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए सेमीकंडक्टर आईपी कोर की संख्या	15
		1.2 संवितरित की जाने वाली वित्तीय सहायता की राशि (करोड़ रु में)	200		1.2 समर्थित कंपनियों द्वारा सेमीकंडक्टर डिजाइन जनशक्ति की संख्या	10

2. उत्पादन संबद् प्रोत्साहन योजना [पीएलआई] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
6,200	**क. बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण हेतु उत्पादन से संबद्धित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना**					
	1. अनुमोदित कंपनियों द्वारा एक निश्चित अवधि में निर्मित वस्तुओं की बिक्री के आधार पर उत्पादन पर प्रोत्साहन प्रदान करना	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान वितरित किए जाने वाले प्रोत्साहन की राशि (करोड़ रुपये में)	6,044.33	1. इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र में सृजित रोजगार	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 में अनुमोदित कंपनियों द्वारा वृद्धिशील रोजगार	1,64,222
				2. विनिर्मित वस्तुओं की बिक्री।	2.1 वित्त वर्ष 2024-25 में योजना के तहत संचयी वृद्धिशील बिक्री (करोड़ रुपये में)	2,10,847
				3. पीएलआई योजना के तहत अनुमोदित मोबाइल फोन और	3.1 वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक योजना के तहत	7,000

				इलेक्ट्रॉनिकी घटकों की निर्माण इकाइयों द्वारा निवेश	निर्धारित आधार वर्ष की तुलना में संचयी वृद्धिशील निवेश (₹ करोड़ में)	
	ख. आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन से संबद्धित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना					
	1. अनुमोदित कंपनियों द्वारा एक निश्चित अवधि में निर्मित वस्तुओं की बिक्री के आधार पर उत्पादन पर प्रोत्साहन प्रदान करना	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान वितरित किए जाने वाले प्रोत्साहन की राशि (करोड़ रुपये में)	321	1. इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र में सृजित रोजगार	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 में अनुमोदित कंपनियों द्वारा वृद्धिशील रोजगार	1,744
				2. निर्मित वस्तुओं की बिक्री	2.1 आधार वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में योजना के तहत संचयी वृद्धिशील बिक्री (₹ करोड़ में)	4,925
				3. पीएलआई योजना के तहत अनुमोदित आईटी हार्डवेयर विनिर्माण इकाइयों द्वारा निवेश	3.1 आधार वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में योजना के तहत संचयी वृद्धिशील निवेश (₹ करोड़ में)	306

3. इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी हार्डवेयर विनिर्माण का संवर्द्धन (एमएसआईपीएस, ईडीएफ और विनिर्माण कलस्टर) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
750	**क. संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम-सिप्स)**					
	1. संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम - सिप्स)	1.1 अनुमोदित परियोजनाओं के अनुवर्ती चरणों में निवेश पर प्रोत्साहन प्रतिबद्धता (करोड़ रु में)	300	1. ईएसडीएम क्षेत्र में पूंजी निवेश और रोजगार सृजन	1.1 एम -सिप्स के तहत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा पूंजी निवेश (करोड़ रुपये में)	3,000
		1.2 वितरित प्रोत्साहन राशि (करोड़ रुपये में)	300		1.2 एम -सिप्स के तहत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा सृजित रोजगार (संख्या में)	25,000
	ख. इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) योजना					
	1. ईएसडीएम क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए	1.1 जारी की गई सहायता अनुदान की राशि (करोड़ रु	50	1. देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण इकोसिस्टम को	1.1 इकाइयों की संख्या जिनके लिए भूमि आबंटित की	15

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
	बुनियादी ढांचे के आधार का निर्माण और सुदृढ़ीकरण	में)		बढ़ावा देना	गई है	
		1.2 जारी की गई जीआईए के माध्यम से समर्थित परियोजनाओं की संख्या	08		1.2 इकाइयों द्वारा प्रतिबद्ध निवेश (₹ करोड़ में)	400
	ग. संशोधित इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना					
	1. ईएमसी के माध्यम से देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण कंपनियों को आकर्षित करने के लिए बुनियादी ढांचे के आधार को मजबूत करना	1.1 जारी की गई सहायता अनुदान की राशि (करोड़ रु में)	100	1. देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए मार्ग	1.1 इकाइयों की संख्या जिन्हें भूमि आबंटित की गई	10
					1.2 ईएमसी द्वारा प्रतिबद्ध निवेश (₹ करोड़ में)	1000
	घ. इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट फंड (ईडीएफ)					
	1. उद्यम निधि में ईडीएफ द्वारा विनिवेश	1.1 उद्यम निधियों की संख्या जिसमें ईडीएफ के माध्यम से विनिवेश (पूर्ण/आंशिक) किया जाएगा (संचयी)	04	1. इलेक्ट्रॉनिकी, नैनो-इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी में काम करने वाली कंपनियों के लिए जोखिम पूंजी की वापसी	1.1 पूर्ण/आंशिक विनिवेश के माध्यम से लौटाई गई पूंजी (ईडीएफ के सहायक निधियों के माध्यम से निवेश) वाले स्टार्टअप की संख्या।	30
		1.2 उद्यम निधि में ईडीएफ के विनिवेश की राशि (करोड़ रुपये में)	60		1.2 इन स्टार्टअप्स में डॉटर फंड के विनिवेश की राशि (₹ करोड़ में)	375
	ङ इलेक्ट्रॉनिक संघटक और सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना (एसपीईसीएस)					
	1. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को सहायता	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 में स्वीकृत प्रोत्साहन इकाइयों की कुल संख्या	15	1. इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में बढ़ा निवेश	1.1 योजना के तहत शामिल की गई इकाइयों द्वारा निवेश (करोड़ रुपये में)	1,500
		1.2 वित्त वर्ष 2024-25 में इकाइयों को किए गए संवितरण की राशि (करोड़ रुपये)	200	2. इलेक्ट्रॉनिक घटकों और सेमीकंडक्टर का बढ़ा हुआ उत्पादन	2.1 योजना के अंतर्गत शामिल की गई इकाइयों द्वारा उत्पादन (करोड़ रु में)	2,500
				3. इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में	3.1 योजना के तहत शामिल की	2,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
				प्रत्यक्ष रोजगार में वृद्धि	गई इकाइयों द्वारा रोजगार	

4. आईटी/इलेक्ट्रॉनिक्स/सीसीबीटी में आरएंडडी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,148.25	**क. इनक्यूबेटर, नवाचार और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)**					
	1. इनक्यूबेटरों और विशेष इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्कों को सहायता	1.1 इनक्यूबेटरों/स्टार्टअप्स के साथ हस्ताक्षरित आशय पत्र और समझौता ज्ञापन	10	1. नवाचार-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने के लिए समर्थित स्टार्ट-अप	1.1. सफलतापूर्वक क्रमित होने वाले स्टार्ट-अप की संख्या	15
		1.2 समर्थित स्टार्ट-अप की कुल संख्या	50			
	2. समर्थित स्टार्ट-अप द्वारा उत्पन्न आईपीआर	2.1 दायर किए गए पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या	20	2. आईसीटी उद्योग में रोजगार के अवसरों में वृद्धि	2.1 उत्पन्न नई नौकरियों की कुल संख्या	100
				3. समर्थित स्टार्ट-अप द्वारा उत्पन्न आईपीआर	3.1 प्रदान किए गए पेटेंट/कॉपीराइट की कुल संख्या	10
	ख. अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) समूह					
	1. सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), इलेक्ट्रॉनिकी और संचार अभिसरण और ब्रॉडबैंड प्रौद्योगिकी (सीसी और बीटी) में अनुसंधान और विकास	1.1 वित्त वर्ष 2024-25 में इस समूह के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	24	1. अवधारणाओं, प्रोटोटाइप, उत्पादों के प्रमाण और उल्लिखित क्षेत्रों में इनक्यूबेशन/स्टार्ट-अप शुरू करने के प्रयासों को पूरा करके नई प्रौद्योगिकियों का विकास	1.1 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की संख्या	12
		1.2 वित्त वर्ष 2024-25 में चल रही परियोजनाओं की संख्या	60		1.2 वित्त वर्ष 2024-25 में इस समूह के तहत सफलतापूर्वक पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	25
		1.3 वित्त वर्ष 2024-25 में दायर पेटेंट की संख्या	50			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.4 वित्त वर्ष 2024-25 में पीएचडी सहित परियोजना में प्रशिक्षित विज्ञान और प्रौद्योगिकी जनशक्ति की संख्या	500			
	ग. भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास (टीडीआईएल)					
	1. टीडीआईएल में अनुसंधान एवं विकास	1.1 शुरू की गई परियोजनाओं की कुल संख्या (चालू और नई परियोजनाएं) - टीडीआईएल में आर एंड डी	16	1. टीडीआईएल में नई प्रौद्योगिकियों का विकास	1.1 चैलेंज राउंड और प्रौद्योगिकी अंगीकरण (टीडीआईएल में आर एंड डी) के माध्यम से स्टार्टअप्स के साथ जुड़ाव (संख्या में)	20
					1.2 परिनियोजित की गई प्रौद्योगिकियाँ (टीडीआईएल में आर एंड डी) (संख्या में)	300
	घ. प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन और उद्यमियों का विकास (टीआईडीई) 2.0					
	1. स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र समर्थन के लिए आधार को सुदृढ़ बनाना	1.1 समर्थित इन्क्यूबेटरों की संख्या	51	1. स्टार्टअप सिस्टम में निवेश बढ़ाने से रोजगार में वृद्धि और उच्च स्टार्टअप विकास	1.1 कुल सृजित रोजगार (संख्या में)	300
		1.2 समर्थित स्टार्ट-अप की संख्या	200		1.2 विकसित उत्पादों की संख्या	50
		1.3 दायर किए गए पेटेंट की संख्या	20		1.3 दिए गए पेटेंट की संख्या	10
		1.4 इन्क्यूबेटरों के साथ हस्ताक्षरित एलओआई और एमओयू की संख्या	20			
	ङ आईओटी और उभरती प्रौद्योगिकियां					
	1. इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर उत्कृष्टता के नए केंद्र	1.1 नामांकित स्टार्ट-अप की संख्या	100	1. ओपन टेक्नोलॉजी स्टैक के उपयोग के लाभ में वृद्धि।	1.1 वास्तविक जीवन की समस्या के लिए निष्पादित	70

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	(सीओई) खोलना			एसएमई/स्टार्ट-अप के लिए कंपनियों को प्रोटोटाइप/परियोजना का प्रदर्शन करने वाले उद्योग विशेषज्ञों/सलाहकारों तक पहुंच	पायलटों/परियोजनाओं की संख्या	
		1.2 स्टार्ट-अप के साथ किए गए कार्यों की संख्या	160		1.2 दायर किए गए आईपी की संख्या	18
		1.3 दिए गए आईपी की संख्या	10		1.3 प्रकाशित आईपी की संख्या	15

5. साइबर सुरक्षा परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
759	1. भारतीय साइबर स्पेस को सुरक्षित करने के लिए समयोचित खतरे का आकलन और स्थितिजन्य जागरूकता	1.1 भाग लेने वाले संगठनों और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) से मेटाडेटा का एकत्रीकरण (389 साइटों के समग्र परियोजना दायरे के अनुसार कवर की गई साइटों का प्रतिशत) (% में)	100	1. खतरे के आकलन का औसत समय	1.1 खतरों की पहचान करने का औसत समय (मिनटों में)	30
		1.2 भाग लेने वाले संगठनों और आईएसपी पर डिस्ट्रीब्यूटेड डेनियल ऑफ़ सर्विस (डीडीओएस) हमले के ट्रैफ़िक का पता लगाना, वर्गीकरण करना	100		1.2 खतरे के आकलन और हितधारकों को सूचित करने के लिए औसत समय (घंटों में)	12

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		और ट्रेस करना (% में)				
		1.3 सहभागी संगठनों के नेटवर्क में मालवेयर/वायरस के प्रकोपों का पता लगाने का उपाय (% में)।	90			
	2. साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास	2.1 साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में शुरू की गई नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	04	2. साइबर स्पेस की सुरक्षा के लिए नई प्रौद्योगिकियों का विकास	2.1 साइबरस्पेस की सुरक्षा के लिए विकसित नई प्रौद्योगिकियां (संख्या में)	04
	3 डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम के अनुसार डिजिटल व्यक्तिगत डेटा का संचालन	3.1 डीपीडीपी अधिनियम, 2023 के तहत नियमों की अधिसूचना (अधिसूचित किए जाने वाले नियमों की कुल संख्या)	25	3. डेटा संरक्षण बोर्ड (डीपीबी) की स्थापना	3.1 बोर्ड के लिए डिजिटल कार्यालय की स्थापना (जनशक्ति भर्ती, मंच विकास आदि के लिए प्रगति का प्रतिशत)	50

6. इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
650	1. डिजिटल लॉकर की स्थापना	1.1 स्थापित डिजी-लॉकर की कुल संख्या (करोड़ में)	6	1. डिजिटल चैनलों और सेवाओं का बढ़ता उपयोग	1.1 डिजी-लॉकर उपयोगकर्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन (%)	33
	2 उमंग के माध्यम से अखिल भारतीय ई-गवर्नेंस सेवाओं तक	2.1 उमंग पर उपलब्ध कराई गई सेवाओं की संख्या	200	2. उमंग सेवाओं का बढ़ता उपयोग	2.1 उमंग प्लेटफॉर्म पर लेनदेन की संख्या में वृद्धि (करोड़ में)	60

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	पहुंच के लिए सभी भारतीय नागरिकों के लिए एक एकल मंच					
	3 मेघराज एप्लिकेशन को क्लाउड पर सेट करना	3.1 एनआईसी क्लाउड पर चल रहे अनुप्रयोगों की कुल संख्या	200	3. मेघराज क्लाउड पर एप्लिकेशन/उपयोगकर्ताओं की होस्टिंग	3.1 एनआईसी (मेघराज) क्लाउड पर होस्ट किए गए अनुप्रयोगों का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं/ग्राहकों की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन	200
		3.2 एनआईसी क्लाउड पर चलने वाले वर्चुअल सर्वर की कुल संख्या	10,400			

7. क्षमता निर्माण और कौशल विकास योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
537.50	**क. जनशक्ति विकास**					
	1. आईईसीटी डोमेन में जनशक्ति को कौशलयुक्त बनाना	1.1 विश्वेश्वरैया पीएच.डी. योजना चरण 2: वित्त वर्ष में चयनित पूर्णकालिक पीएचडी उम्मीदवारों की कुल संख्या	200[54]	1. ईएसडीएम और आईटी/आईटीईएस क्षेत्रों में अनुसंधान, विकास और आईपी निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना	1.1 विश्वेश्वरैया पीएच.डी. योजना चरण 2: विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2 के तहत पीएचडी पूरा करने वाले पूर्णकालिक विद्वानों की कुल संख्या (संचयी)	0[55]
		1.2 विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2: वित्त वर्ष	30[56]		1.2 विश्वेश्वरैया पीएच.डी. योजना चरण 2: विश्वेश्वरैया	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा

[54] संस्थाओं को पीएचडी सीटों की संख्या के आवंटन के लिए इनपुट प्रदान किया गया है।

[55] पीएचडी पूरा होने में आमतौर पर 5 वर्ष लगते हैं; लक्ष्य के अंतर्गत शून्य प्रावधान किया गया है।

[56] संस्थाओं को पीएचडी सीटों की संख्या के आवंटन के लिए इनपुट प्रदान किया गया है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		में चयनित अंशकालिक पीएचडी उम्मीदवारों की कुल संख्या (@ 30 सीटें/वर्ष)			पीएच.डी. योजना के तहत पीएचडी पूरा करने वाले अंशकालिक विद्वानों की कुल संख्या	सकते [57]
	2. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी)	2.1 'प्रशिक्षित' उम्मीदवारों की कुल संख्या - [पूर्वोत्तर सहित] (संख्या में)	9,80,000	2. सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षण क्षमता	2.1 'प्रमाणित' उम्मीदवारों की कुल संख्या - [पूर्वोत्तर सहित] (संख्या में)	5,27,000

[57] *पीएचडी पूरा होने में आमतौर पर 5 वर्ष लगते हैं; लक्ष्य के अंतर्गत शून्य प्रावधान किया गया है।*

1. प्रदूषण नियंत्रण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय, (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
858.50	1. प्रदूषण की निगरानी और नियंत्रण	1.1 राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल शहरों की कुल संख्या	131	1. वायु गुणवत्ता में सुधार	1.1 संबंधित शहर के लिए निर्दिष्ट लक्ष्य के अनुसार पीएम10 सांद्रता में कमी वाले शहरों का %	100
		1.2 शहरी कार्य योजना तैयार करने वाले शहरों का % सूक्ष्म विवरण के साथ	100		1.2 पीएम10 सांद्रता के मामले में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) प्राप्त करने वाले शहरों का %	37
		1.3 सिटी एक्शन प्लान के आवंटन के अनुसार वायु गुणवत्ता सुधार के उपायों को लागू करने वाले शहरों की संख्या और धन का आवंटन	100		1.3 कार्य योजना के अनुसार गतिविधियों को कार्यान्वित करने वाले शहरों का प्रतिशत	100
	2. पर्यावरण निगरानी नेटवर्क (हवा, पानी और शोर) को मजबूत करना	2.1 कार्यरत वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की कुल संख्या	1,585	2. एनएएमपी नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण	2.1 सीपीसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार शहरों में निगरानी स्टेशनों की पर्याप्त कवरेज वाले शहरों की संख्या	500
		2.2 जोड़े गए नए वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन	200	3. एनडब्ल्यूएमपी नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण	3.1 सीपीसीबी दिशानिर्देशों के अनुसार जल गुणवत्ता निगरानी स्थानों की कुल संख्या	4,684
		2.3 कार्यात्मक शोर निगरानी स्टेशनों वाले मिलियन से अधिक (एमपी) शहरों का %	70	4. एनएएनएम नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण	4.1 100% शोर डेटा निगरानी वाले मिलियन प्लस शहरों की संख्या	7
	3. अनुसंधान और आउटरीच कार्यक्रम	3.1 स्वीकृत/समर्थित नवीन समाधानों वाली नवीन परियोजनाओं की संख्या	5	5. खुशहाली और पर्यावरणीय स्थिरता में वृद्धि	5.1 जागरूक बनाये गये व्यक्तियों की संख्या	1,000

वित्तीय परिव्यय, (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		3.2 आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किये गये	2			

वित्त मंत्रालय

मांग सं. 30

आर्थिक कार्य विभाग

1. **भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना के अंतर्गत लाइन ऑफ क्रेडिट (आईडीईएएस)(सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य[58] 2024-25
3,849	1. विकासशील देशों को रियायती शर्तों पर ऋण देने में सक्षम बनाने के लिए एक्जिम बैंक को ब्याज समकारी सहायता (आईईएस)	1.1. एक्जिम बैंक को दी गई ब्याज समकारी सहायता की राशि (करोड़ रुपये में)	4,387.32	1. भारत के रणनीतिक और राजनीतिक हितों में सुधार	1.1. आईईएस के माध्यम से एक्जिम को सहायता देशों की कुल संख्या (संचयी)	68
		1.2. विस्तारित कुल स्वीकृत अधिकतम ऋण-सीमा (एलओसी) की संख्या	5-6		1.2. वर्ष के दौरान देशों के साथ हस्ताक्षरित अनुबंधों की संख्या	19
		1.3. उन देशों की संख्या जिन्हें नई स्वीकृत अधिकतम ऋण-सीमा प्रदान की गई	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[59]		1.3. वर्ष के दौरान एलओसी के माध्यम से समर्थित नए देशों की संख्या प्रतिशत में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[60]
		1.4. विस्तारित एलओसी का मूल्य (यूएस$ मिलियन में)[61]	3			
		1.5. एलओसी वाले देशों की कुल संख्या	68			
		1.6. एक वर्ष में विभिन्न देशों को एलओसी के तहत समर्थित परियोजनाओं की संख्या	107	2. भारत के माल और सेवा निर्यात में सुधार	2.1 वर्ष के दौरान एलओसी के माध्यम से भारत के निर्यात उत्पादों का मूल्य (करोड़ रुपये में)[62]	6,590
		1.7. एक वर्ष में (यूएसडी एमएन में) एलओसी के तहत परियोजनाओं का बढ़ाया गया मूल्य।	8,850		2.2 भारतीय निर्यातकों को उपार्जित व्यवसाय का मूल्य (करोड़ रुपये में)	9,280

[58] *वित्त वर्ष* 2024-25 *के अंत में वास्तविक परिणाम बताया जाएगा।*

[59] *मद संख्या 1.2 पर आश्रित आंकड़े*

[60] *68 देशों के साथ जुड़ाव पहले से ही चल रहा है और रणनीतिक उद्देश्य के कारण और अधिक देशों को जोड़ा जा सकता है*

[61] *नई एलओसी की घोषणा प्रति वर्ष 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल सीमा के भीतर होगी*

[62] *विनिमय दर* 1 *यूएसडी* = *भा.रु.* 83 *मानी गई*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य[58] 2024-25
		1.8. वर्ष के दौरान समर्थित नई परियोजनाओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [63]		2.3 भारतीय निर्यातकों को दिए गए नए अनुबंधों का मूल्य (भारतीय रुपये/अमरीकी डॉलर में)	1,070
		1.9. वर्ष के दौरान अनुबंध के माध्यम से लाभान्वित होने वाले नए निर्यातकों की संख्या	5	3. भागीदार देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार	3.1. पिछले वर्ष के संदर्भ में एलओसी के तहत कार्यान्वित परियोजनाओं के माध्यम से नौकरियों का % बढ़ा	15

2. व्यवहार्यता अंतराल निधियन (वीजीएफ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
500	1. वीजीएफ सहायता प्राप्त करने के लिए परियोजनाओं की संख्या	1.1. सैद्धांतिक स्वीकृति के लिए प्राप्त नई परियोजनाओं की संख्या।	4	1. अवसंरचना में निवेश	1.1. अंतिम स्वीकृति प्राप्त परियोजनाओं में प्रतिबद्ध कुल निजी अवसंरचना निवेश (करोड़ रुपए में)(कुल परियोजना लागत में से वीजीएफ घटाकर)।	5,627
		1.2. सफलतापूर्वक बिड-आउट परियोजनाओं की संख्या।	4			
		1.3. अंतिम स्वीकृति प्राप्त परियोजनाओं की संख्या।	8			
		1.4. आबंटित वीजीएफ बजट का उपयोग। (%)	100			

[63] *विभिन्न एलओसी की संविदा/खरीद की अनुसूची से आकलन*

वित्तीय सेवाएं विभाग

1. रूपे डेबिट कार्डों और कम मूल्य वाले भीम यूपीआई लेन्देन (व्यक्ति से व्यापारी) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,441	1. डिजिटल भुगतानों की बढ़ी हुई पहुंच	1.1 डिजिटल भुगतान स्वीकृति अवसंरचना में वृद्धि	10	1. डिजिटल भुगतान लेनदेन की वृद्धि	1.1 डिजिटल भुगतान लेनदेन की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (वित्तीय वर्ष 2023-24 से % वृद्धि)	30
		1.2 रूपे डेबिट कार्ड लेनदेन में साल दर साल वृद्धि (% में)	5.51			
		1.3 बैंक द्वारा रूपे डेबिट कार्ड जारी करने में साल दर साल वृद्धि (%)	3.59			
		1.4 भीम यूपीआई लेनदेन में साल दर साल वृद्धि (%)	55			
		1.5 भीम-यूपीआई के माध्यम से मर्चेंट डिजिटल भुगतान लेनदेन (पी2एम) की संख्या (करोड़ में)	12,969			
		1.6 यूपीआई लाइट सेवाएं प्रदान करने वाले बैंकों की संख्या	30			
		1.7 यूपीआई 123 पे सेवाएं प्रदान करने वाले बैंकों की संख्या	43			

मत्स्यपालन विभाग

1. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	2024-25	परिणाम	संकेतक	2024-25
2,352	1. मत्स्य पालन में नई प्रौद्योगिकी को अपनाना एवं क्षमता निर्माण करना	1.1 सहायता प्रदान करने के लिए पिंजरों, री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) और बायोफ्लॉक इकाइयां की संख्या	500	1. मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि जिसके परिणामस्वरूप आय और जीवन स्तर में सुधार	1.1. पिछले वर्ष की तुलना में मत्स्य उत्पादन में परिवर्तन[64] का %	9
				2. कम लागत और बेहतर कीमतों से निर्यात में वृद्धि, मत्स्य पालन क्षेत्र का विकास और रोजगार सृजन	2.1. पिछले वर्ष की तुलना में मत्स्य निर्यात के कारण विदेशी मुद्रा आय में % वृद्धि	10
		1.2 कौशल उन्नयन और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	80,000		2.2. मत्स्य पालन क्षेत्र में सृजित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार (रोजगार प्राप्त लोगों की संख्या (लाख में))	11,00,000
	2. जलीय कृषि के क्षेत्र में वृद्धि	2.1. जलीय के अंतर्गत लाया गया कुल अतिरिक्त क्षेत्र (हेक्टेयर)	10,000	3. फिश हैंडलिंग एवं परिवहन में सुधार	3.1. वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्यकर तरीके से हैंडल की गई कुल मात्रा (टन में)	3,25,400
	3. सुदृढ़ पोस्ट हार्वेस्ट इनफ्रास्ट्रक्चर का सृजन	3.1. संगठित फिश हारबरों और फिश लैंडिंग सेंटरों की संख्या	10	4. गुणवत्तापूर्ण एवं स्वास्थ्यकर मछली की उपलब्धता	4.1. गुणवत्तायुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक मत्स्य की बिक्री वृद्धिशील आधार पर (संख्या में)/(टन में)	14,471

[64] *वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान कुल मत्स्य उत्पादन (लाख टन में) का भी उल्लेख करना आवश्यक है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	2024-25	परिणाम	संकेतक	2024-25
		3.2. आईस प्लांट्स, कोल्ड स्टोरेजस,इंसुलेटिड/रेफ्रिजरेटर कंटेनरों/ट्रकों की कुल क्षमता (मीट्रिक टन में)	1,800	सुनिश्चित करना		
	4. मार्केट इनफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और आधुनिकीकरण तथा मार्केट संयोजन को सुविधाजनक बनाना	4.1 अतिरिक्त आधुनिक विपणन क्षमता (टन में)	17,025	5. सी वीड उत्पादन में वृद्धि	5.1. पिछले वर्ष की तुलना में सी वीड का अतिरिक्त उत्पादन (टन में)	15,000
		4.2 सहायता प्रदान किए गए मत्स्य किसान उत्पादक संगठन (एफएफपीओ) और सहकारी समितियों/संघों की संख्या	50			
	क. प्रधान मंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई)					
	1. जलीय कृषि बीमा कवरेज में वृद्धि	1.1 जलकृषि बीमा के अंतर्गत बीमित क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	15,000	1. दावों पर समय पर कार्रवाई और निपटान	1.1 दावों के भुगतान के लिए औसतन दिनों की संख्या में समय	90
		1.2 दिया गया कुल प्रोत्साहन (करोड़ रुपये में)	37.5	2. बीमित जलीय किसानों के लिए जोखिम कवरेज में वृद्धि	1.2 अनुमोदित दावों का प्रतिशत जिसका बीमा कंपनियों ने जलीय कृषि किसानों को भुगतान किया	70

पशुपालन और डेयरी विभाग

1. पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,465	1. पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स उन्मूलन कार्यक्रम (पीपीआर-ईपी) के तहत जुगाली करने वाले पशुओं की आबादी को पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित करना	1.1. पीपीआर के लिए टीका लगाए गए भेड़/बकरियों की संख्या (लाख में)	1,800	1. झुंड रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर रोग को दबाव कम करना	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में पीपीआर के लिए सीरो-कंवर्जन में वृद्धि (% में)	10
	2. क्लासिकल स्वाइन फीवर नियंत्रण कार्यक्रम (सीएसएफ-सीपी) के तहत सुअर आबादी का पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित करना	2.1 सीएसएफ के लिए टीका लगाए गए सूअरों की संख्या (लाख में)	70		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में सीएसएफ के लिए सीरो कंवर्जन में वृद्धि(% में)	10
	3. एफएमडी टीकाकरण कार्यक्रम के तहत पशुधन संख्या का पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित करना	3.1 एफएमडी के लिए टीका लगाए गए पशुधन की संख्या (लाख में)	5,000		1.3 पिछले वर्ष की तुलना में एफएमडी के लिए सीरो-कंवर्जन में वृद्धि(% में)	10
	4. ब्रुसेला टीकाकरण का बढ़ा हुआ कवरेज	4.1 टीका लगाए गए 4 से 8 माह की बोवाइन बछड़ियों की संख्या (लाख में)	300		1.4 पिछले वर्ष की तुलना में ब्रुसेलोसिस के लिए सीरो-कंवर्जन में वृद्धि(% में)	10

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	5. पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों की स्थापना और मौजूदा का सुदृढ़ीकरण - मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां (एमवीयू)	5.1 संचालित एमवीयू की संख्या (संख्या मे)	4,145	2. बेहतर पहुंच के माध्यम से पशु चिकित्सा सेवाओं का सुदृढ़ीकरण	2.1. उपचारित पशुओं और लाभान्वित किसानों की संख्या (लाख में)	100

2. राष्ट्रीय गोकुल मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
700	1. कृत्रिम गर्भाधान (एआई) कवरेज का विस्तार	1.1 पूर्ण किए गए कृत्रिम गर्भाधानों की संख्या (मिलियन में)	100	1. दूध उत्पादकता में वृद्धि	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में दूध की उत्पादकता में % परिवर्तन	2
	2. आधुनिक तकनीक द्वारा नस्ल सुधार	2.1 उपयोग की गई सेक्स सॉर्टेड वीर्य की खुराकें (लाख खुराक में)	20	2. देशी नस्लों की दूध उत्पादकता में वृद्धि	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में दूध की उत्पादकता में % परिवर्तन	3
		2.2 आईवीएफ गर्भाधानों की संख्या	4,000			
	3. देशी नस्लों का विकास और संरक्षण	3.1 पीटी, पीएस परियोजना और ईटीटी/आईवीएफ (जीनोमिक परीक्षण) के माध्यम से उत्पादित आईबी एचजीएम सांड (संख्या)	1,100			

1. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,444.02	1. प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद (आरटीई/आरटीसी /एफ एंड वी/मरीन/मोज़ारेला पनीर/नवीन/जैविक/मिलेट उत्पाद) के विनिर्माण को प्रोत्साहित करना	1.1 समर्थित आवेदकों की संख्या	99	1. आरटीई/आरटीसी/ एफ एंड वी/मरीन/मोज़ारेला पनीर/नवीन/जैविक/मिलेट उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ाना	1.1 समर्थित आवेदकों द्वारा बिक्री (निर्यात सहित) (करोड़ रुपए में)	1,18,000
					1.2 पिछले वर्ष की तुलना में समर्थित आवेदकों (संख्या) द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त रोजगार	10,000
	2. भारतीय ब्रांडों को विदेशों में ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए प्रोत्साहित करना	2.1. समर्थित आवेदकों की संख्या	76	2. विदेशों में ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए समर्थित भारतीय ब्रांडों के निर्यात को बढ़ाना।	2.1. पिछले वर्ष की तुलना में विदेश में समर्थित भारतीय ब्रांडों के निर्यात में % वृद्धि	8

2. प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई योजना) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
879.50	1. व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यमों को सहायता	1.1 चालू वर्ष में सहायता प्राप्त सूक्ष्म उद्यमों की संख्या	25,000	1. खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में सुधार	1.1 सृजित अतिरिक्त रोजगार अवसर (व्यक्तियों की संख्या)	75,000
		1.2 योजना के अंतर्गत समर्थित एसएचजी सदस्यों की संख्या	7,000			

3. प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
729	**क. खाद्य प्रसंस्करण और परिरक्षण सृजन/विस्तार योजना**					
	1. उन्नत खाद्य प्रसंस्करण और परिरक्षण क्षमता सृजन	1.1 प्रचालनरत खाद्य प्रसंस्करण/परिरक्षण इकाईयों की संख्या	100	1. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में सृजित नये रोजगार अववसरों की संख्या	1.1 खाद्य प्रसंस्करण और परिरक्षण /विस्तार के कारण सृजित कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	810
		1.2 योजित कुल कृषि - उत्पाद प्रसंस्करण और परिरक्षण क्षमता (लाख मीट्रिक टन)	15.75			
	ख. एकीकृत शीत शृंखला और मूल्य संवर्धन अवसंरचना योजना					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
	1. नई इकाईयों में सृजन/सहायता के माध्यम से संवर्धित शीत शृंखला क्षमता	1.1 स्थापित की गई शीत श्रृंखला इकाइयों की संख्या	39	1. शीत भंडारण सुविधाओं तक पहुँच हेतु किसानों के लिए अधिक भंडारण सुविधाएं, अधिक रोजगार और लाभ	1.1 स्थापित की गई शीत शृंखला इकाईयों के कारण सृजित रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	23,400
		1.2 सृजित शीत शृंखला इकाइयों की प्रसंस्करण क्षमता (लाख मीट्रिक टन. में)	21.50		1.2 शीत शृंखला इकाइयों के कारण लाभान्वित किसानों की संख्या	3,72,528
	ग. खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना योजना					
	1. एफटीएल की स्थापना/उन्नयन	1.1 एनबीबीएल प्रत्यायित प्रचालनरत एफटीएल की संख्या	15	1. संवर्धित गुणवत्ता सुनिश्चित खाद्य उत्पाद और एफटीएल को मजबूत बनाना	1.1. परीक्षण क्षमता (समर्थित लैब द्वारा परीक्षण किए गए नमूनों का औसत %)	100
	घ. मानव संसाधन और संस्थान योजना					
	1. खाद्य क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान और विकास कार्यकलाप	1.1 पूरी हो चुकी परियोजनाओं की संख्या	10	1. विकसित की गई नई प्रोद्योगिकियों का संवर्धित व्यवसायीकरण	1.1 व्यवसायीकृत नई प्रोद्योगिकियों, खाद्य उत्पादों/मशीनरी की संख्या	5
		1.2 विकसित की गई नई प्रोद्योगिकियों, खाद्य उत्पादों/मशीनरी की संख्या	5		1.2 इंडेक्स जर्नलों में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	10

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
	ङ. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर के लिए अवसंरचना योजना					
	1. वर्धित उत्पादन और मूल्य संवर्धन क्षमता, कच्चे माल/प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता (कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर)	1.1 समर्थकारी सामान्य प्रसंस्करण/परिरक्षण और अन्य सुविधाओं की स्थापना द्वारा विकसित क्षेत्र (एकड़ में)	169.97	1. वर्धित प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन सुविधाओं (कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर) के कारण अधिक उत्पादन, रोजगार और किसान स्तर पर प्रभाव	1.1 कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों से लाभान्वित किसानों की कुल संख्या	50,000
		1.2 कृषि-प्रसंस्करण समूहों से जोड़ी गई कुल प्रसंस्करण/संरक्षण क्षमता (मात्रा में) (लाख मीट्रिक टन)	2.975		1.2 कृषि-प्रसंस्करण समूहों में इकाई की स्थापना में उत्पन्न कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	1,600
	च. ऑपरेशन ग्रीन्स					
	1. फसलोपरांत संरक्षण/प्रसंस्करण सुविधाओं का निर्माण	1.1 सृजित प्रसंस्करण/संरक्षण सुविधाओं की संख्या	25	1. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में सृजित नये रोजगार अवसरों की संख्या	1.1 प्रसंस्करण/संरक्षण सुविधाओं की स्थापना के कारण उत्पन्न रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	7,500
		1.2 सृजित सुविधाओं की प्रसंस्करण/संरक्षण क्षमता (लाख मीट्रिक टन में)	2.96		1.2 प्रसंस्करण/संरक्षण सुविधाओं की स्थापना से लाभान्वित किसानों की संख्या (किसानों की संख्या)	10,000

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

1. आरसीएच और स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के लिए लचीला पूल (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
28,783	**क. एनएचएम के तहत स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण**					
	1. आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) द्वारा प्रदान की जाने वाली प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला	1.1 कार्यशील एएएम, एसएचसी, पीएचसी और यूपीएचसी की संख्या) (संचयी)	1,72,000	1. प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का बेहतर उपयोग और गैर-संचारी रोगों की जांच और प्रबंधन में सुधार।	1.1. उच्च रक्तचाप के लिए जांचे गए व्यक्तियों की संचयी संख्या (करोड़ में)	20
		1.2 प्रतिशत आयुष्मान आरोग्य मंदिर जिनमें विस्तारित पैकेज की न्यूनतम 9 सेवाएं शुरू की गई	78		1.2. उच्च रक्त शर्करा के लिए जांचे गए व्यक्तियों की संचयी संख्या (करोड़ में)	19
		1.3 प्रतिशत आयुष्मान आरोग्य मंदिर ने विस्तारित पैकेज की सभी 12 सेवाएं शुरू कीं	72		1.3. उच्च रक्तचाप के लिए जांचे गए ऐसे मरीजों की संचयी संख्या जो उपचाराधीन हैं। (करोड़ में)	1.50
					1.4. मधुमेह के लिए जांचे गए ऐसे व्यक्तियों की संचयी संख्या जो उपचाराधीन हैं। (करोड़ में)	0.80
	2. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डीवीडीएमएस का कार्यान्वयन	2.1. डीवीडीएमएस को लागू करने वाले पीएचसी का प्रतिशत	100	2. सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता में वृद्धि	2.1. सीपीएचसी दिशानिर्देशों के अनुसार 80% या उससे अधिक आवश्यक दवाएँ उपलब्ध कराने वाले सुविधा केंद्रों का प्रतिशत	50
	3. आईपीएचएस अनुपालक सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं	3.1 कुल आईपीएचएस अनुपालक सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं केंद्र (% में)	15	3. आईपीएचएस अनुपालक सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की कुल संख्या	3.1 आईपीएचएस अनुपालक सुविधाओं में ओपीडी के तहत प्रदान की जाने वाली विशेषज्ञ सेवाओं की संख्या में प्रतिशत	10

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
					वृद्धि	
	4. एनक्यूएएस प्रमाणित सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं	4.1 सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रतिशत जो एनक्यूएएस प्रमाणित हैं	20	4. गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण	4.1 एनक्यूएएस प्रमाणित सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में कुल (पुराने + नए) ओपीडी रोगियों में वार्षिक प्रतिशत वृद्धि	10
	5. एएएम में टेली-परामर्श	5.1 प्रति माह प्रति एएएम टेली परामर्शों की औसत संख्या।	50	5. सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के उपयोग में सुधार	5.1 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की कुल संख्या में प्रतिशत वृद्धि (31.03.2024 की तुलना में)	10
	ख. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (सीएसएस)					
	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर कवरेज	1.1 जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम वाले जिलों की संख्या	743	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर कवरेज	1.1. जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों में मानसिक विकार वाले लोगों के पंजीकरणों में % वृद्धि (पिछले वर्ष को आधार वर्ष माना जाए)	10
		1.2 संचालित जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों की संख्या	715			
	ग. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. एनपीसीबी एंड वीआई के तहत जिला स्तर और निचले स्तर पर प्राथमिक और मध्यम स्तर पर प्रदान की गई नेत्र देखभाल सेवाएं	1.1 की जाने वाली मोतियाबिंद सर्जरी की संख्या	1,05,00,000	1. एनपीसीबीवीआई के अंतर्गत लाभ	1.1 एनपीसीबीवीआई के तहत लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन (पिछले वर्ष को आधार वर्ष के रूप में माना जाए)- मोतियाबिंद की सर्जरी	17
		1.2 कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए दान की जाने वाली आँखों	80,000		1.2 एनपीसीबीवीआई के तहत लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या में	21

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		की संख्या			प्रतिशत परिवर्तन (पिछले वर्ष को आधार वर्ष के रूप में माना जाए)- कॉर्निया प्रत्यारोपण	
		1.3 अपवर्तक नेत्र दोषों से पीड़ित स्कूली बच्चों को मुफ्त दिए गए चश्मों की संख्या	17,00,000		1.3 एनपीसीबीवीआई के तहत लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन (पिछले वर्ष को आधार वर्ष के रूप में माना जाए)- अपवर्तक नेत्र दोष	51
	घ. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. तम्बाकू रोधी सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 तम्बाकू रोधी केन्द्रों की अतिरिक्त संख्या	30	1. तम्बाकू रोधी सेवाओं तक पहुंच	1.1 तम्बाकू रोधी सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या	1,50,000
	ङ. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम					
	1. सर्वेक्षणों में वृद्धि के परिणामस्वरूप पता लगाए गए जी2डी के मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है तथा उपचार पर रखे गए ऐसे मामलों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर नए मामलों में पाए गए ग्रेड II विकलांगता (जी2डी) वाले नए मामलों की प्रतिशतता में कमी (प्रतिशत अंक)	1.80	1. कुष्ठ रोग के कारण होने वाली ग्रेड II विकलांगता (जी2डी) का उन्मूलन	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर ग्रेड II विकलांगता (जी2डी) प्रति मिलियन जनसंख्या पर मामलों की संख्या)	1.20
	च. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) (सीएसएस)					
	1. जिला अस्पतालों में एनसीडी क्लीनिकों की स्थापना	1.1 जिला अस्पतालों में स्थापित एनसीडी क्लीनिकों की संचयी संख्या	753	1. एनसीडी स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच	1.1 एक वर्ष में एनसीडी क्लीनिक में सेवाओं का लाभ उठाने वाले व्यक्तियों की संख्या (करोड़ में)	9

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एनसीडी क्लीनिकों की स्थापना	2.1 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्थापित एनसीडी क्लीनिकों की कुल संख्या	6,300	2. शीघ्र निदान और उपचार शुरू	2.1 उच्च रक्तचाप के उपचाराधीन रोगियों की कुल संख्या (करोड़ में)	1.50
	3. उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा की जांच	3.1 उच्च रक्तचाप की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या (करोड़ में)	20		2.2 मधुमेह के उपचाराधीन रोगियों की कुल संख्या (करोड़ में)	0.80
		3.2 उच्च रक्त शर्करा की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या (करोड़ में)	19			
	4. कैंसर (मुख, स्तन और ग्रीवा) की जांच	4.1 मुख कैंसर की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या (करोड़ में)	18	3. कैंसर रोगियों का शीघ्र निदान और उपचार शुरू	3.1 एक वर्ष में मुख कैंसर से पीड़ित पाए गए ऐसे व्यक्तियों का प्रतिशत जिनका उपचार शुरू किया गया।	80
		4.2 ब्रेस्ट कैंसर की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या (करोड़ में)	9		3.2 एक वर्ष में स्तन कैंसर से पीड़ित ऐसे व्यक्तियों का प्रतिशत जिनका उपचार शुरू किया गया।	80
		4.3 ग्रीवा कैंसर की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या (करोड़ में)	5		3.3 एक वर्ष में ग्रीवा कैंसर से पीड़ित पाए गए ऐसे व्यक्तियों का प्रतिशत जिनका उपचार शुरू किया गया।	80
	छ. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी)					
	1. जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के स्तर पर दंत स्वास्थ्य परिचर्या इकाई स्थापित करने के लिए राज्यों को सहायता प्रदान करना।	1.1 जिला अस्पताल और उससे नीचे के स्तर पर दंत स्वास्थ्य परिचर्या इकाइयों की संख्या में वृद्धि	60	1. जिला अस्पताल और उससे नीचे के स्तर पर मरीजों के लिए किफायती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण मुख स्वास्थ्य परिचर्या की उपलब्धता	1.1 डीएच, सीएचसी, पीएचसी में लाभार्थियों की कवरेज में % परिवर्तन	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. सभी जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में दंत चिकित्सा ओपीडी में आने वाले तम्बाकू सेवनकर्ताओं को तम्बाकू सेवन छुड़वाने की सेवाएं प्रदान करना	2.1 ऐसे जिलों की संख्या में वृद्धि जहाँ दंत चिकित्सकों का क्षमता निर्माण किया गया।	100	2. तम्बाकू सेवन छुड़वाने वाली सेवाओं की उपलब्धता और तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता में वृद्धि (पिछले वर्ष को आधार वर्ष के रूप में माना जाए)	2.1. तम्बाकू रोधी निम्नलिखित ओपीडी में लाभार्थियों की कवरेज में प्रतिशत परिवर्तन: जिला अस्पताल (डीएच) और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी)	5
					2.2. तम्बाकू रोधी निम्नलिखित ओपीडी में लाभार्थियों की कवरेज में प्रतिशत परिवर्तन: डेंटल कॉलेज	5
	ज. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: बहरेपन की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीडी)					
	1. समुदाय में सक्रिय जांच	1.1 जांच किए गए लोगों की संख्या	5,52,377	1. सर्जरी, श्रवण यंत्र लगाकर और पुनर्वास उपायों द्वारा सुनने की समस्या वाले रोगी का प्रबंधन।	1.1. पुनर्वास के लिए संदर्भित व्यक्तियों की संख्या	79,210
					1.2. की गई सर्जरी की संख्या	32,520
					1.3. श्रवण यंत्र लगाए गए व्यक्तियों की संख्या	13,226
	झ. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: फ्लोरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीएफ)					
	1. सभी स्थानिक जिलों में कार्यक्रम संबंधी क्रियाकलापों का प्रभावी कार्यान्वयन	1.1. एनपीपीसीएफ क्रियाकलापों को प्रभावी ढंग से लागू करने वाले जिलों की संख्या	163	1. फ्लोराइड प्रभावित जिलों में नमूना (मूत्र और पानी) के परीक्षण में सुधार	1.1. फ्लोराइड से प्रभावित जिलों में परीक्षण किये जा रहे है पानी के नमूनों की संख्या	77,000
					1.2. फ्लोराइड से प्रभावित जिलों में परीक्षण किये जा रहे मूत्र के नमूनों की संख्या	75,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	ञ. आरएमएनसीएएच+एन (प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल, किशोर स्वास्थ्य और पोषण)					
	1. गर्भवती महिलाओं को आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) की 180 गोलियां दी गईं।	1.1 एएनसी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत जिन्हें 180 आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) की गोलियां दी गईं (लक्षित जनसंख्या में निर्धारित समयावधि में एएनसी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की संख्या शामिल है)	95	1. मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में कमी	1.1 प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर)	91[65]
	2. प्रसव के दौरान कुशल जन्म परिचर सुविधा को प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत (संस्थागत + घर)	2.1 कुल रिपोर्ट किए गए प्रसवों में एसबीए (कुशल जन्म परिचर) प्रसवों का प्रतिशत	95			
	3. सुमन के तहत अधिसूचित सार्वजनिक सुविधाएं	3.1 सुमन के तहत अधिसूचित सार्वजनिक सुविधाओं की संख्या (वार्षिक)	3,000			
	4. लक्ष्य प्रमाणित इकाइयां (प्रसव कक्ष)	4.1 राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित लक्ष्य इकाइयों की संख्या (प्रसव कक्ष) (वार्षिक) (स्रोत: एनएचएसआरसी रिपोर्ट)	300			
	5. लक्ष्य प्रमाणित इकाइयां (ऑपरेशन थिएटर)	5.1 राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित लक्ष्य इकाइयों की संख्या (ऑपरेशन थिएटर) (वार्षिक) (स्रोत: एनएचएसआरसी	200			

[65] *यह लक्ष्य प्रति 100,000 जीवित जन्म पर 70 एमएमआर के 2023 एसडीजी लक्ष्य के साथ संरेखित है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		रिपोर्ट)				
	6. पीपीआईयूसीडी स्वीकृति दर में वृद्धि	6.1 पीपीआईयूसीडी स्वीकृति दर (प्रतिशत में)	28	2. कुल प्रजनन दर (टीएफआर) घटकर 2.1	2.1. कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को बनाए रखना	2.1
	7. विशेष नवजात परिचर्या इकाई (एसएनसीयू) से सफल डिस्चार्ज दर	7.1 एसएनसीयू सफल डिस्चार्ज दर (प्रतिशत में)	80	3. एसएनसीयू में बीमार नवजात शिशुओं की अधिक संख्या के प्रबंधन से नवजात शिशुओं की मृत्यु में कमी आएगी	3.1 नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) (प्रति 1000 जीवित जन्मों पर)	18[66]
	8. पूर्ण टीकाकरण कवरेज	8.1 पूर्ण टीकाकरण कवरेज प्रतिशत (एफआईसी) (प्रतिशत में)	>90%	4. वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) में कमी	4.1 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) (प्रति 1000 जीवित जन्म)	28
	ट. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. मलेरिया: मामलों की संख्या में कमी	1.1 पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मामलों की संख्या में प्रतिशत की कमी (कैलेंडर वर्ष में कमी)	12	1. मलेरिया: एपीआई में कमी	1.1. कैलेंडर वर्ष के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एपीआई में प्रतिशत कमी (एपीआई कैलेंडर वर्ष के अनुसार परिकलित)[67]	राष्ट्रीय एपीआई <1% को बनाए रखने के लिए
	2. काला अजार: पीकेडीएल के मामलों में कमी	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में पीकेडीएल मामलों में	10	2. काला अजार: काला अजार उन्मूलन	2.1. आधार वर्ष 2016 के लिए ब्लॉक स्तर पर >1 केए मामले/10000	100

[66] बाल मृत्यु दर के लिए एसआरएस रिपोर्ट की अवधि 2 वर्ष की अंतराल अवधि है, इसलिए वर्ष 2024-25 में, यह उम्मीद की जाती है कि वर्ष 2021-22 के लिए एसआरएस रिपोर्ट जारी की जाएगी जिसे जारी होने के बाद लिया जा सकता है

[67] एपीआई की गणना कैलेंडर वर्ष के अनुसार की गई है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		प्रतिशत कमी			जनसंख्या की रिपोर्ट करने वाले स्थानिक- ब्लॉकों की संख्या में कमी (अनुमानित) (प्रतिशत में)	
	3. राष्ट्रीय स्तर पर नियमित टीकाकरण में जापानी एन्सेफलाइटिस (जेई) / जापानी इंसेफलाइटिस का कवरेज	3.1 जेई के लिए नियमित टीकाकरण के तहत कवर की गई पात्र आबादी का प्रतिशत (कैलेंडर वर्ष 2023 के लिए)	90	3. जेई : जेई मामलों में कमी	3.1. प्रति 1 लाख जनसंख्या पर मामलों की कुल संख्या	<1
	4. लसीका फाइलेरिया: एलएफ स्थानिक जिलों में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) द्वारा जनसंख्या की सुरक्षा	4.1 कैलेंडर वर्ष (2024) के लिए पात्र जनसंख्या में एमडीए की अनुपालना करने वाले एलएफ स्थानिक जिलों की संख्या	176	4. लसीका फाइलेरिया: टीएएस (ट्रांसमिशन असेसमेंट: सर्वे) सत्यापन के माध्यम से स्थानिक जिलों में एमडीए को रोकना	4.1. एलएफ स्थानिक जिलों की संख्या जिसने टीएएस द्वारा सत्यापित 1% एमएफ दर हासिल की <कैलेंडर वर्ष (2024)	31[68]
				5. डेंगू: केस मृत्यु दर (सीएफआर)	5.1. कैलेंडर वर्ष (2024) के लिए मृत्यु दर (सीएफआर) (प्रतिशत में)	<0.5
	ठ. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. हेपेटाइटिस सी - कार्यक्रम के तहत संचालनरत प्रयोगशालाएं	1.1 वायरल हेपेटाइटिस सी के जांच के लिए किए गए सीरोलॉजिकल परीक्षणों की संख्या	1,20,00,000	1. हेपेटाइटिस सी रोगियों के उपचार पूर्ण हुआ	1.1. एचसीवी का इलाज पूरा करने वाले नए रोगियों की संख्या (फालो अप के लिए 10 प्रतिशत रोगियों के नहीं आने का अनुमान)	72,000
	2. हेपेटाइटिस सी - कार्यक्रम के तहत संचालनरत उपचार स्थल	2.1 हेपेटाइटिस सी के उपचार हेतु नए रोगियों की संख्या	80,000			

[68] *लक्ष्य 2030 एसडीजी के साथ संरेखित है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	3. हेपेटाइटिस बी- कार्यक्रम के तहत संचालनरत प्रयोगशालाएं	3.1 वायरल हेपेटाइटिस बी की जांच किए गए सीरोलॉजिकल परीक्षणों की संख्या	1,80,00,000	2. हेपेटाइटिस बी रोगियों का प्रबंधन	2.1. हेपेटाइटिस बी के रोगियों की संख्या जिनका उपचार शुरु किया गया था और उपचार जारी रहा। (फालो अप के लिए 10 प्रतिशत रोगियों के नहीं आने का अनुमान)	91,200
	4. कार्यक्रम के तहत हेपेटाइटिस बी- संचालनरत उपचार स्थल	4.1 हेपेटाइटिस बी का उपचार शुरु किए गए नए रोगियों की संख्या	48,000			
	ड. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी)					
	1. टीबी के मामलो की अधिसूचना में वृद्धि	1.1 2023 से टीबी के मामले की अधिसूचना (सार्वजनिक और निजी) में प्रतिशत परिवर्तन	10	1. 2022 में चिन्हित रोगियों का सफल उपचार	1.1. सफल परिणाम वाले रोगियों का प्रतिशत (उन लोगों में से जिनके परिणाम बताए गए हैं)	90[69]
	2. टीबी के लिए रैपिड मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स का विस्तार	2.1 रिफैम्पिसिन प्रतिरोध के लिए परीक्षण के लिए पात्र रोगियों का प्रतिशत	80	2. टीबी के मामलों में दवा प्रतिरोधी घटनाओं में वृद्धि	2.1. डीआर-टीबी मामलों में प्रतिशत परिवर्तन (आधार वर्ष 2023)	5
	ढ. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य परिचर्या कार्यक्रम (एनपीएचसीई)					
	1. जिला अस्पताल और उससे नीचे के स्तर पर प्राथमिक और माध्यमिक जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रावधान	1.1 जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं वाले जिला अस्पतालों की संख्या (कुल)	725	1. जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जराचिकित्सा रोगियों को उपचार प्रदान किया गया	1.1 जिला अस्पतालों में जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं की संख्या में प्रतिशत वृद्धि।	10
		1.2 वृद्धजन मरीजों के लिए कम से कम 10 बिस्तर आरक्षित रखने वाले डी.एच. की संख्या (कुल)	600		1.2 जिला अस्पतालों में वृद्धावस्था में स्वास्थ्य परिचर्या हेतु आने वाले रोगियों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि।	10
		1.3 जराचिकित्सा ओपीडी सेवाएं प्रदान करने वाले सामुदायिक	4,400		1.3 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं में	10

[69] *लक्ष्य एनटीईपी-राष्ट्रीय सामरिक योजना 2017-25 और 2030 एसडीजी लक्ष्य के साथ संरेखित है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या			जराचिकित्सा रोगियों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	
	ण. राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन					
	1. शहरी भारत में स्वास्थ्य परिचर्या तक पहुँच में सुधार	1.1 कार्यशील आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (यूपीएचसी-एएएम)की संख्या	5,200	1. शहरी भारत में स्वास्थ्य परिचर्या सेवा तक पहुंच में सुधार	1.1. आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (यूपीएचसी-एएएम) में एनसीडी के लिए जांची गई 30+आयु वाली आबादी की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (पिछले वित्तीय वर्ष की उपलब्धि (आधार वर्ष 2023-24) में प्रतिशत वृद्धि)	5
					1.2. वर्ष 2023-24 से टीबी मामलों की अधिसूचना (सरकारी और निजी) में प्रतिशत वृद्धि।	10
	2. शहरी भारत में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करना।	2.1. यूपीएचसी में पूर्ण टीकाकरण प्राप्त करने वाले बच्चों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (पिछले वित्तीय वर्ष की उपलब्धि में प्रतिशत वृद्धि)। (स्रोत एचएमआईएस पोर्टल)।	5	2. शहरी भारत में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के उपयोग में वृद्धि।	2.1. सेवाओं का लाभ उठाने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत (अर्थात् कुल मरीज) (आधार वर्ष 2023-24)	7
		2.2. यूपीएचसी द्वारा आयोजित यूएचएनडी (शहरी स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस) आउटरीच/विशेष आउटरीच की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (पिछले वित्तीय वर्ष की उपलब्धि पर प्रतिशत वृद्धि (स्रोत एचएमआईएस पोर्टल)	5		2.2. आयुष्मान आरोग्य मंदिर (यूपीएचसी-एएएम) में आने वाली महिलाओं की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (पिछले वित्तीय वर्ष की उपलब्धि पर प्रतिशत वृद्धि)	7

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		2.3. उन यूएएएम (यूपीएचसी एवं यूएचडब्ल्यूसी) की संख्या में प्रतिशत वृद्धि जिनमें सेवाओं की विस्तारित श्रृंखला के 9 पैकेज शुरू किए गए। (स्रोत एएएम पोर्टल)	80		2.3. यू.पी.एच.सी.-ए.ए.एम. में 4 या अधिक ए.एन.सी. जांच की गई गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत।	78
		2.4. उन यूएएएम (यूपीएचसी एवं यूएचडब्ल्यूसी) की संख्या में प्रतिशत वृद्धि जिनमें सेवाओं की विस्तारित श्रृंखला के 12 पैकेज शुरू किए गए। (स्रोत एएएम पोर्टल)	70			

2. आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी - पीएमजेएवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में) 2024-25	निर्गम 2024-25	परिणाम 2024-25	वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25	परिणाम 2024-25	वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
7,300	1. अस्पताल में भर्ती	1.1 अस्पताल में भर्ती (लाख में)	200	1. अस्पताल में भर्ती होने की दर	1.1 प्रति लाख लाभार्थियों पर अस्पताल में भर्तियों की कुल संख्या (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि)	5

	2. लाभार्थी की पहचान	2.1	व्यक्तिगत तौर पर लाभार्थियों को जारी किए गए आयुष्मान कार्डों की अनुमानित संख्या (लाखों में)	900	2. योजना के तहत लाभार्थी परिवार अपने अधिकारों के बारे में जागरूक हुए।	2.1	आयुष्मान कार्ड वाले परिवारों की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि)	10
	3. दावा भुगतान	3.1	प्रस्तुत दावों की राशि (करोड़ में)	20,000	3. अधिक व्यय की बचत में वृद्धि	3.1	अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों में प्रतिशत परिवर्तन (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि)	5
	4. अस्पताल पैनलीकरण	4.1	वर्ष के दौरान पैनल में शामिल किए गए सरकारी एवं निजी अस्पतालों की कुल संख्या	2,100	4. योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या सेवा प्रदाताओं तक पहुंच में वृद्धि	4.1	पैनल में शामिल किए गए अस्पतालों की कुल संख्या में प्रतिशत परिवर्तन (कुल संख्या में वृद्धि) [70]	8

3. स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के लिए मानव संसाधन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में) 2024-25	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
1,274.79	**क. सरकारी मेडिकल कॉलेजों (यूजी सीटों) और केंद्रीय सरकार के स्वास्थ्य संस्थानों का सुदृढ़ीकरण**					
	1. सरकारी मेडिकल कॉलेजों (यूजी सीटों) और केंद्रीय सरकार के स्वास्थ्य संस्थानों का सुदृढ़ीकरण	1.1 एमबीबीएस सीटें बढ़ाने के लिए स्वीकृत मेडिकल कॉलेजों की संख्या	10[71]	1. डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाना।	1.1 एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या में वृद्धि हुई।	500[72]
	ख. नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन)					

[70] कुल संचयी की तुलना में पैनल में शामिल अस्पतालों की संख्या में वृद्धि

[71] राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार से व्यवहार्य डीपीआर/प्रस्ताव प्राप्त होने के आधार पर लक्ष्य भिन्न हो सकता है।

[72] राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार से व्यवहार्य डीपीआर/प्रस्ताव प्राप्त होने के आधार पर लक्ष्य भिन्न हो सकता है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में) 2024-25	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	1. नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन)	1.1 स्थापित किए गए मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या	24	1. मेडिकल सीटों की उपलब्धता बढ़ना	1.1 योजना के तहत जोड़ी गई यूजी सीटों की संख्या	2,400
		1.2 आकांक्षी जिलों में स्थापित किए गए मेडिकल कॉलेजों की संख्या।	5		1.2 आकांक्षी जिलों में योजना के तहत जोड़ी गई यूजी सीटों की संख्या	500

4. प्रधानमंत्री- आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम एबीएचआईएम) (सीएस + सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
3,756.57	**क. एबीएचआईएम-एनएचएम**					
	1. 10 उच्च फोकस वाले राज्यों अर्थात बिहार, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर और मेघालय के ग्रामीण क्षेत्रों में भवन रहित उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए बुनियादी ढांचे हेतु की सहायता	1.1 10 उच्च फोकस वाले राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में सहायता/निर्माण के लिए अनुमोदित उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या	2,000	1. प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का बेहतर उपयोग तथा गैर-संचारी रोगों की जांच एवं प्रबंधन में सुधार	1.1 स्कीम के अंतर्गत नवनिर्मित भवन रहित एसएचसी-एएएम में एनसीडी के लिए जांची गई कुल 30+ आयु वाली जनसंख्या (लाखों में)	5
	2. शहरी क्षेत्रों में आयुष्मान भारत-आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) द्वारा प्रदान की गई प्राथमिक स्वास्थ्य	2.1 शहरी क्षेत्रों में स्वीकृत शहरी - आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (शहरी-एएएम) की संख्या	1,200			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
	परिचर्या सेवाओं की विस्तारित श्रृंखला					
	3. 11 उच्च फोकस वाले राज्यों अर्थात असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, संघ राज्य क्षेत्र प्रदेश-जम्मू और कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में ब्लॉक स्तर पर जन स्वास्थ्य परिचर्या सेवा को सुदृढ़ करना	3.1 11 उच्च फोकस वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में निर्मित ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयों की संख्या	100	2. महामारी के प्रति तत्परता के लिए जन स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना	2.1 11 उच्च फोकस वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यशील बीपीएचयू की संख्या	30
		3.2 योजना के अंतर्गत निर्मित एकीकृत जिला सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की संख्या	50		2.2 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यरत आईपीएचएल की संख्या	10
	ख. एबीएचआईएम-एनसीडीसी (आईडीएसपी-आईएचआईपी से संबंधित)					
	1. प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण	1.1 प्रयोगशाला सुदृढ़ीकरण एवं स्थापना के लिए पीएमयू की स्थापना	1	1. परियोजना पूर्व-कार्यकलापों को पूरा किया जाना	1.1 उन प्रयोगशालाओं की संख्या जिनकी स्थापना की प्रक्रिया शुरू की गई है।	1
	2. एनसीडीसी का सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन	2.1 उन प्रभागों की संख्या जिन्होंने उपस्करों का प्रापण किया है और कौशल-सुधार आधारित प्रशिक्षण आयोजित किए हैं।	2	2. उभरते संक्रमणों के प्रकोप और निगरानी के लिए उन्नत कौशल सेट	2.1 एनसीडीसी द्वारा जांचे गए/सहायता प्राप्त प्रकोपों की संख्या	10
					2.2 महामारी विज्ञान, जन स्वास्थ्य घटनाओं की निगरानी में बेहतर	250

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
					कौशल वाले मानव संसाधन की संख्या	
					2.3 ऐसे रोगों/संक्रमणों/स्वास्थ्य संबंधी घटनाओं की संख्या जिनके लिए परीक्षण में बढ़ोतरी की गई है।	1
	3. क्षेत्रीय एनसीडीसी की स्थापना	3.1 क्षेत्रीय एनसीडीसी स्थलों पर मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं का मूल्यांकन पूरा करना	1	3. परियोजना-पूर्व कार्यकलापों का पूरा किया जाना	3.1 ऐसे क्षेत्रीय एनसीडीसी की संख्या जहां वित्तीय वर्ष में निर्माण कार्यकलाप शुरू किए गए हैं	1
					3.2 प्रकाशित रिपोर्टों की संख्या	1
	4. महानगर पीएच निगरानी इकाई	4.1 स्थापित कार्यनिष्पादन बेंचमार्क को पूरा करने वाली महानगरीय निगरानी इकाइयों (एमएसयू) की संख्या	10	4. महानगरीय पीएच निगरानी इकाई	4.1 एमएसयू से आईडीएसपी-आईएचआईपी पर रिपोर्टिंग प्रतिशत (प्रतिशत में)	50
	5. निगरानी का सुदृढ़ीकरण	5.1 राज्य शाखाओं की संख्या जिनके लिए साइट को अंतिम रूप दिया गया है।	5	5. परियोजना-पूर्व कार्यकलापों का पूरा किया जाना	5.1 उन एनसीडीसी शाखाओं की संख्या जिनका डिजाइन और निर्माण किया गया	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
	6. आईएचआईपी का विस्तार	6.1 सार्वजनिक क्षेत्र के आरयू और निजी क्षेत्र के अस्पतालों से बेहतर रिपोर्टिंग- सार्वजनिक क्षेत्र की आईडीएसपी निगरानी इकाइयां जो आईएचआईपी के माध्यम से तत्समय डेटा की रिपोर्टिंग कर रही हैं (प्रतिशत में)।	50	6. आईएचआईपी का विस्तार	6.1 वर्ष 2024-25 के लिए आईएचआईपी लक्ष्यों के अनुसार पी फॉर्म की रिपोर्टिंग प्रतिशतता	84
		6.2 सार्वजनिक क्षेत्र के आरयू और निजी क्षेत्र के अस्पतालों से बेहतर रिपोर्टिंग- आईएचआईपी के माध्यम से तत्समय डेटा की रिपोर्टिंग करने वाले निजी क्षेत्र के चिह्नित अस्पताल (प्रतिशत में)।	20		6.2 वर्ष 2024-25 के लिए आईएचआईपी लक्ष्यों के अनुसार एल फॉर्म की रिपोर्टिंग प्रतिशतता	81
	ग. एबीएचआईएम - आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ					
	1. केंद्र सरकार के अस्पतालों में आरोग्य मैत्री क्यूब्स के नेटवर्क के माध्यम से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में वृद्धि करना	1.1. केंद्रीय सरकारी अस्पतालों में आरोग्य मैत्री क्यूब्स की खरीद और आपूर्ति	10	1. चिह्नित केंद्रीय सरकारी अस्पतालों में आपदा तत्परता और प्रतिक्रिया क्षमताओं का परीक्षण	1.1 चिह्नित केन्द्रीय सरकारी अस्पतालों में आयोजित की गई मॉक ड्रिल अभ्यास की संख्या।	3
	2. स्वास्थ्य आपात प्रचालन केन्द्रों (एचईओसी) के माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र कमान और नियंत्रण प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करना	2.1. उन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जिन्होंने आपातकालीन प्रचालन केंद्रों (एचईओसी) के लिए स्थलों की पहचान की है तथा इस मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।	3	2. आपातकालीन/आपदा प्रतिक्रिया के लिए बेहतर कनेक्टिविटी	2.1 स्थापित स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केन्द्रों की संख्या।	2

5. राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,892	1. उच्च जोखिम वाले समूह (महिला यौन कर्मियों, पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों, हिजड़ा/ट्रांसजेंडर लोगों, इंजेक्शन दवा उपयोगकर्ताओं) और आवागमनरत (ब्रिज) जनसंख्या (ट्रक ड्राइवरों और प्रवासियों) की लक्षित उपायों के माध्यम से कवरेज	1.1 लक्षित उपायों/एलडबल्यूएस के माध्यम से कवर किए गए उच्च जोखिम वाले समूह और ब्रिज आबादी की संख्या(लाख में)	111.81	1. एचआईवी ग्रस्त लोग जो अपनी एचआईवी की स्थिति जानते हैं	1.1 एचआईवी से ग्रस्त लोगों का प्रतिशत जो अपनी एचआईवी की स्थिति जानते हैं	91
	2. नुकसान कम करने के कार्यक्रम की पहुंच	2.1. ओएसटी पर इंजेक्शन ड्रग उपयोगकर्ताओं (आईडीयू) की संख्या (लाख में)	0.54	2. एचआईवी ग्रस्त लोग जिन्हें अपनी एचआईवी की स्थिति पता है और जो एआरटी पर हैं	2.1. उन लोगों का प्रतिशत जो अपनी एचआईवी पॉजिटिव स्थिति को जानते हैं और एआरटी पर हैं	93
	3. एचआईवी की 'जोखिम में' आबादी (गर्भवती महिलाओं को छोड़कर) का परीक्षण	3.1 एचआईवी की 'जोखिम में' आबादी (गर्भवती महिलाओं को छोड़कर) परीक्षण की गई की संख्या (लाख में)	292	3. एआरटी पर पीएलएचआईवी और जिनमें वायरस का शमन हुआ है	3.1 पीएलएचआईवी का प्रतिशत, जो एआरटी पर है, जिनमें वायरस का शमन हुआ है	93

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
	4. एचआईवी और सीफिलस वाली गर्भवती महिलाओं की जांच	4.1 एचआईवी जांच की गई गर्भवती महिलाओं की संख्या (त्रैमासिक) (लाख में)	292	4. एचआईवी की जांच की गई अनुमानित गर्भवती महिलाएं	4.1 एचआईवी की जांच की गई अनुमानित गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत	≥ 95
		4.2 सिफलिस की जांच की गई गर्भवती महिलाओं की संख्या (लाख में)	221.9			
	5. एसटीआई/ आरटीआई रोगियों का प्रबंधन	5.1 एसटीआई/ आरटीआई रोगियों की संख्या जिनका प्रबंधन किया गया (लाख में))	117.7			
	6. एआरटी[73] पर एचआईवीग्रस्त लोग (पीएलएचआईवी)	6.1 एआरटी पर पीएलएचआईवी की संख्या (कुल) (लाख में)	19.72			
	7. एआरटी पर पीएलएचआईवी के बीच वायरल लोड जांच	7.1 एआरटी पर पीएलएचआईवी के बीच आयोजित वायरल लोड जांच की संख्या (लाख में)	18.50			

73

6. प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
2,200	1. एम्स और एम्स जैसे संस्थानों तक अभिगम्यता वृद्धि	1.1 कुल बिस्तरों की संख्या (20 एम्स में)	16,750	1. बेहतर विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा शिक्षा	1.1 नए एम्स में आईपीडी रोगी (प्रति वर्ष) (18 एम्स के लिए)	3,93,600
		1.2 विशेषज्ञता विभागों की कुल संख्या (20 एम्स में)	600		1.2 नए एम्स में ओपीडी के मामले (प्रतिवर्ष) (18 एम्स के लिए)	84,24,000
		1.3 यूजी सीटों की संख्या (20 एम्स में)	2,275		1.3 मेडिकल स्नातकों की संख्या (एम्स में किसी भी वर्ष में अध्ययनरत स्नातक)	700
		1.4 पीजी सीटों की संख्या (18 एम्स में)	1,000			
		1.5 1.5. नर्सिंग (बी.एससी.) सीटों की संख्या (13 एम्स में)	900			
	2. सस्ती/ विश्वसनीय विशिष्ट देखभाल और चिकित्सा शिक्षा की उपलब्धता।	2.1. जीएमसी में बनाए सुपर स्पेशिएलिटी विभागों की संख्या: 75 जीएमसी में सुपर स्पेशिएलिटी	497			
		2.2. जीएमसी में सुपर स्पेशियलिटी बेड की कुल संख्या (75 जीएमसी में लगभग अस्पताल बिस्तर)	17,278			
	3. चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान में वृद्धि	3.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	2,500			

7. परिवार कल्याण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
694.72	**क. नि:शुल्क आपूर्ति और सामाजिक विपणन योजना के तहत एफपी वस्तुओं की आपूर्ति**					
	1. परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार नि:शुल्क आपूर्ति (एफएस) और सामाजिक विपणन (एसएम) गर्भ निरोधकों की खरीद और उनका वितरण	1.1 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस कंडोम की संख्या - एमपीसी (लाख में)	271.59	1. परिवार नियोजन 2023 लक्ष्य प्राप्त करने के लिए गर्भनिरोधक सहायता संबंधी आपूर्ति	1.1 खरीद की तुलना में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति किए गए एफएस कंडोम की संख्या - एमपीसी (लाख में)	271.59
		1.2 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस ओसीपी की संख्या - (लाख साइकिल)	317.48		1.2 खरीद की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति किए गए एफएस ओसीपी की संख्या - लाख साइकिल	317.48
		1.3 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस आईयूसीडी की संख्या - (लाख पीस)	63.74		1.3 खरीद की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति किए गए एफएस आईयूसीडी की संख्या - लाख पीस	63.74
		1.4 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस ट्यूबल रिंग्स की संख्या (लाख जोड़े)	12.22		1.4 खरीद की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति की गई एफएस ट्यूबल रिंग्स की संख्या (लाख जोड़े)	12.22
		1.5 आवश्यकता की तुलना में खरीदी गई एफएस ईसी गोलियों की संख्या (लाख	45.05		1.5 खरीद की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति की गई	45.05

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
		पैक)			एफएस ईसी गोलियों की संख्या (लाख पैक)	
		1.6 आवश्यकता की तुलना में खरीदी गई एफएस पीटी किटों की संख्या (लाख किट)	215.07		1.6 खरीद की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति की गई एफएस पीटी किट की संख्या (लाख किट)	215.07
		1.7 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस इंजेक्टेबल गर्भनिरोधकों की संख्या (लाख खुराक)	36.28		1.7 खरीद की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति किए गए एफएस इंजेक्शन गर्भनिरोधकों की संख्या (लाख खुराक)	36.28
		1.8 आवश्यकता की तुलना में खरीदी गई एफएस सेंटक्रोमन गर्भनिरोधक गोलियों की संख्या - (लाख स्ट्रिप्स)	54.87		1.8 खरीद की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति की गई एफएस सेंटक्रोमन गर्भनिरोधक गोलियों की संख्या (लाख स्ट्रिप्स)	54.87
		1.9 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एसएम कंडोम की संख्या - एमपीसीएस	367.72		1.9 खरीद की तुलना में एसएमओ को आपूर्ति किए गए एसएम कंडोम की संख्या - एमपीसीएस	367.72
		1.10 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एसएम ओसीपी की संख्या- लाख साइकिल	113.55		1.10 खरीद की तुलना में एसएमओ को आपूर्ति किए गए एसएम ओसीपी की संख्या - लाख साइकिल	113.55

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
	ख. स्वस्थ नागरिक अभियान (एसएनए)					
	1. आयोजित आईईसी अभियानों/कार्यक्रमों/ की संख्या	1.1 आयोजित किए गए अभियानों की वास्तविक संख्या	160	1. आईईसी परिणाम राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों/कार्यक्रमों के परिणामों में परिलक्षित होते हैं	1.1 जागरूकता स्तर और स्वास्थ्योन्मुख व्यवहार में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[74]
	ग. जनसंख्या अनुसंधान केंद्र (पीआरसी)					
	1. पीआरसी द्वारा पूरा किए गए शोध अध्ययनों की संख्या	1.1 पीआरसी द्वारा पूरा किए गए शोध अध्ययनों की संख्या	85	1. अनुसंधान अध्ययनों का प्रसार और चयनित अध्ययनों के संग्रह का विमोचन	1.1 प्रसार कार्यशाला का आयोजन	1
	घ. स्वास्थ्य सर्वेक्षण और अनुसंधान अध्ययन					
	1. चरण II राज्यों में फील्डवर्क का आयोजन	1.1 चरण-II राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां मुख्य सर्वेक्षण फील्ड कार्य पूरा हो गया है।	15	1. राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय तथ्य पत्रक तैयार करना	1.1 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय तैयार तथ्य पत्रक की संख्या।	33

[74] जागरूकता स्तर और स्वास्थ्योन्मुखी व्यवहार में वृद्धि

1. ऑटोमोबिल और ऑटो घटकों के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
3,500	1. ऑटोमोबिल और ऑटो घटक उद्योग में घरेलू उत्पादन के लिए आर्थिक प्रोत्साहन के माध्यम से उद्योगों को प्रोत्साहित करना।	1.1. चैंपियन मूल उपकरण विनिर्माता खंड के तहत अनुमोदित पात्र कंपनियों की कुल संख्या	18	1. मोटर वाहन क्षेत्र में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनियों का उदय	1.1. योजना में शामिल अनुमोदित आवेदकों द्वारा वृद्धिशील बिक्री (करोड़ रुपए में)।	52,881
		1.2. घटक चैंपियन खण्ड के तहत अनुमोदित पात्र कंपनियों की कुल संख्या	67			
	2. लागत अधिकता पर काबू पाना, किफायती अर्थव्यवस्था का सृजन करना, उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पाद क्षेत्रों में एक सशक्त आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना।	2.1. चैंपियन मूल उपकरण विनिर्माता खंड के तहत अनुमोदित आवेदकों द्वारा किया जाने वाला संचयी निवेश (करोड़ रुपए में)	9,258			
		2.2. घटक चैंपियन खण्ड के तहत अनुमोदित आवेदकों द्वारा किया जाने वाला संचयी निवेश (करोड़ रुपए में)	6,441			
		2.3. वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में स्कीम के तहत संवितरित आर्थिक प्रोत्साहन (करोड़ रुपए में)।	3,150[75]			

[75] स्कीम के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में संवितरित किया जाने वाला अपेक्षित वार्षिक आर्थिक प्रोत्साहन परिव्यय 3,150 करोड़. रूपए है। इसके सापेक्ष वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बजटीकृत व्यय 3,613 करोड़ है।

गृह मंत्रालय

1. स्वतंत्रता सेनानी (पेंशन और अन्य लाभ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
603.33	1. स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों के लिए धनराशि का समय पर संवितरण	1.1. लाभार्थियों को धनराशि वितरित करने में औसतन विलंब (दिनों की संख्या)	0[76]	1. स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों एवं उनके परिवारों को वित्तीय सहायता एवं सम्मान प्रदान करना	1.1. श्रेणी के अनुसार पेंशन पाने वाले लोगों (स्वतंत्रता सेनानी, विधवा/विधुर, अविवाहित पुत्री) की संख्या	15,753

2. प्रवासियों और प्रत्यावर्तित लोगों के लिए राहत और पुनर्वास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
539.72	**क. श्रीलंका से प्रत्यवर्तित लोग**					
	1. तमिलनाडु और ओडिशा के शिविरों में रह रहे श्रीलंकाई शरणार्थियों को राहत सहायता	1.1. राहत पाने वाले श्रीलंकाई लाभार्थियों की संख्या राहत (भोजन, कपड़े, बर्तन) प्रदान किया गया	58,211	1. तमिलनाडु और ओडिशा में शिविरों में रह रहे विस्थापित परिवारों का पुनर्वास	1.1. तमिलनाडु और ओडिशा में शिविरों में रह रहे लाभार्थियों की संख्या जिन्हें राहत सहायता प्रदान किया गया	58,211
		1.2. नकद सहायता प्राप्त करने वाले श्रीलंकाई लाभार्थियों की संख्या	58,211			
	ख. आतंकवादी और सांप्रदायिक हिंसा से पीड़ित हुए सिविलियन को सहायता पहुंचाने हेतु केंद्रीय योजना					

[76] पेंशन का वितरण बैंकों द्वारा किया जाता है, इसलिए भुगतान में कोई देरी नहीं होती

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	1. संबंधित राज्य /जिला प्राधिकारियों को समय पर प्रतिपूर्ति	1.1. प्रतिपूर्ति के लिए समय पर किए गए भुगतानों का % (योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य/जिला प्राधिकरण से सभी प्रकार से पूर्ण प्रस्ताव प्राप्त होने के 20 कार्य दिवसों के भीतर)।	100	1. "आतंकवादी/सांप्रदायिक/ वामपंथी उग्रवादी हिंसा और भारतीय क्षेत्र में सीमा पार से गोलीबारी और बारूदी सुरंग/आईईडी विस्फोटों के सिविलियन पीड़ितों/पीड़ितों के परिवारों को सहायता पहुंचाने के लिए केंद्रीय योजना (सीएसएसीवी)" का प्रभावी कार्यान्वयन	1.1. वित्तीय सहायता प्राप्त लाभार्थी परिवारों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [77]
	2. डीबीटी के माध्यम से दावों का वितरण	2.1. वित्त वर्ष 2024-25 में प्राप्त कुल दावों में से डीबीटी के माध्यम से वितरित दावों का प्रतिशत	100			
	ग. जम्मू-कश्मीर में बसे पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों (डब्ल्यूपीआर) को वित्तीय सहायता[78]					
	1. जम्मू-कश्मीर में बसे डब्ल्यूपीआर परिवारों को प्रति परिवार 5.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान	1.1. दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य और जिला प्राधिकारियों से प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद प्रतिपूर्ति के लिए समय पर पूरा किए गए भुगतान का %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [79]	1. छोटे व्यवसाय चलाने या अन्य भूमि-आधारित गतिविधियों के लिए पात्र डब्ल्यूपीआर परिवारों की आय में वृद्धि	1.1. वित्तीय सहायता प्राप्त शरणार्थियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [80]

[77] *लक्ष्य* निर्धारित *नहीं किए जा सकते, क्योंकि प्राप्त दावों की संख्या घटनाओं की संख्या और संबंधित राज्य/जिला प्राधिकरण से प्राप्त प्रतिपूर्ति प्रस्तावों की प्राप्ति पर निर्भर करती है।*

[78] डब्लयूपीआर *योजना की समयसीमा 31/3/2024 से बढ़ाकर 31/3/2025 कर दी गई है*

[79] *इसमें कोई निश्चित लक्ष्य नहीं है क्योंकि सहायता का वितरण जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणित प्रस्तावों पर आधारित है।*

[80] *योजना की समय-सीमा अर्थात 31/03/2025 से पहले शेष पात्र डब्ल्यूपीआर परिवारों को वित्तीय सहायता का वितरण*

पुलिस

1. पुलिस अवसंरचना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
3,152.36	**क. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की भवन परियोजनाएं**					
	1. सीएपीएफ के लिए सुरक्षा, प्रशासनिक अवसंरचना और अस्पतालों का प्रावधान करना	1.1. चालू वित्त वर्ष में निर्मित बैरकों की संख्या.	57	1. निर्मित अवसंरचना का परिचालन	1.1. बैरकों में रहने वाले सीएपीएफ कर्मियों की औसत संख्या	7,064
					1.2. चालू वित्त वर्ष में चालू किए गए कार्यालय भवनों की संख्या[81]	102
		1.2. निर्मित कार्यालय भवनों की संख्या	102		1.3. अस्पताल की अधिभोग दर (%)[82]	6.21
		1.3. चालू वित्त वर्ष में योजना के अंतर्गत संचालित अस्पतालों की संख्या।	12		1.4. आईपीडी मरीजों की संख्या	5,842
					1.5. चालू वित्त वर्ष में अस्पतालों में डॉक्टर-रोगी अनुपात i. बीएसएफ ii. सीआईएसएफ iii. सीआरपीएफ iv. आईटीबीपी	 1:26 1:1002 1:312 1:34
	2. सीएपीएफ के लिए	2.1. चालू वित्त वर्ष में निर्मित मकानों	5,608	2. आवासीय भवनों	2.1. घरों और क्वार्टरों में	5,580

[81]अधिभोग में कार्यालय भवनों की संख्या/निर्मित कार्यालय भवनों की संख्या

[82]कुल दिनों की संख्या जब बिस्तर हैं / कुल उपलब्ध बिस्तर दिनों की संख्या

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	आवासीय भवनों का प्रावधान करना	की संख्या		का परिचालन	रहने वाले सीएपीएफ कर्मियों की संख्या	
	ख. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल आयुर्विज्ञान संस्थान (सीएपीएफआईएमएस)[83]					
	1. सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान करना	1.1. चालू वित्त वर्ष में निर्मित अधिभोग शयनगृहों की संख्या	450	1. निर्मित अवसंरचना का परिचालन	1.1. शयनगृहों की अधिभोग दर (%)[84]	100
		1.2. निर्मित कार्यालय भवनों की संख्या[85]	3		1.2. चालू वित्त वर्ष में चालू किए गए कार्यालय भवनों की संख्या	3
		1.3. चालू वित्त वर्ष में निर्मित अस्पतालों की संख्या[86]	1		1.3. अस्पताल की अधिभोग दर (%)	100
					1.4. अस्पतालों में उपलब्ध बिस्तरों की संख्या	970
					1.5. आईपीडी रोगियों [87]की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					1.6. अस्पतालों में डॉक्टर-रोगी अनुपात [7]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					1.7. घरों और क्वार्टरों की	100

[83] *एम्स नई दिल्ली के परिसर के रूप में संचालित करना प्रस्तावित है, एम्स के साथ करार ज्ञापन दिनांक 08.03.2024 को निष्पादित किया गया, जिसे सितंबर, 2024 से लागू किया जाना प्रस्तावित है।*

[84] *मरीजों के परिचारकों द्वारा उपयोग किया जाना।*

[85] *मेडिकल इंस्टीट्यूट (100 सीटें), नर्सिंग कॉलेज(60 सीटें), पैरामेडिक्स स्कूल (300 सीटें) का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।*

[86] *970 बिस्तरों, (500 सामान्य बिस्तर 300 सुपर स्पेशियलिटी बिस्तर और 170 आईसीयू/क्रिटिकल केयर बिस्तर वाले रेफरल और अनुसंधान अस्पताल का निर्माण)*

[87] *अस्पताल के चालू होने के बाद आंकड़े को अंतिम रूप दिया जाएगा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. आवासीय अवसंरचना का प्रावधान करना	2.1. निर्मित घरों और क्वार्टरों की संख्या	451		अधिभोग दर (%)	
	ग. पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो					
	1. सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान करना	1.1. सीडीटीआई, चंडीगढ़ के अवसंरचना के पुनर्वास और विकास कार्य के पूर्ण होने का प्रतिशत	18.16	1. पुलिस कर्मियों की क्षमता का निर्माण	1.1. प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों की संख्या	24,202
	2. पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण	2.1. पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	191			
	घ. स्वापक नियंत्रण ब्यूरो					
	1. कार्यालय परिसर का निर्माण (i) दिल्ली, (ii) अमृतसर (iii) बैंगलोर	1.1 नये कार्यालय भवनों की संख्या जहां निर्माण पूरा हो चुका है (कार्यालय) (कुल स्वीकृत परियोजनाओं में से संचयी)[88]	4	1. कार्यालय-सह-आवासीय परिसरों और कार्यालय परिसरों का परिचालन	1.1. कार्यालय-सह- आवासीय परिसरों की अधिभोग दर (%)	100
					1.2. निर्मित कार्यालय भवनों की अधिभोग दर (%) (संचयी)	100
		1.2 कार्यालय भवन के निर्माण कार्य पूर्ण होने का प्रतिशत	40		1.3. चालू वित्त वर्ष में निर्मित कार्यालय भवनों की अधिभोग दर (%)	100
	2. कार्यालय-सह -	2.1. भवनों की संख्या जहां निर्माण पूरा	4		1.4. आवासीय संतुष्टि	40.27

[88] *जोधपुर, इंदौर, भुवनेश्वर में कार्यालय परिसर, और (जम्मू में निर्माणाधीन कार्यालय भवन की खरीद)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	आवासीय परिसर का निर्माण:- (i) गुवाहाटी (ii) लखनऊ (iii) इंफाल (iv) अमृतसर (v) गोरखपुर (vi) रायपुर	हो चुका है (कार्यालय-सह-आवासीय परिसर) (कुल स्वीकृत परियोजनाओं में से संचयी)।[89]			सूचकांक स्तर (%)	
		2.2. कार्यालय-सह-आवासीय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने का प्रतिशत	30		1.5. कुल अंचल कार्यालयों की तुलना में परिचालनरत अंचल कार्यालयों का प्रतिशत	23.33
	ङ. पुलिस अवसंरचना: दिल्ली पुलिस					
	1. स्वयं के कार्यालय भवन का प्रावधान करना	1.1. निर्मित कार्यालय भवनों की संख्या (संचयी)	12	1. पुलिस स्टेशनों की अवसंरचना में सुधार	1.1. स्वयं के भवन वाले पुलिस स्टेशन में परिवर्तन का प्रतिशत	5.36
	2. आवासीय अवसंरचना का प्रावधान करना	2.1. स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण कार्य पूरा होने का प्रतिशत	222	2. आवास संतुष्टि सूचकांक स्तर में सुधार	2.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित स्टाफ क्वार्टरों की अधिभोग दर (%)	0.54[90]

2. वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम(सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25

[89] *अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और कोलकाता में कार्यालय-सह-आवासीय परिसर*

[90] *222 स्टाफ क्वार्टरों के पूरा होने/कब्जे में आने के बाद, अधिभोग दर 59.76% से बढ़कर 60.30% हो जाएगी*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,050	1. लक्षित गांवों में बुनियादी सुविधाओं का प्रावधान करना	1.1 वित्तीय वर्ष में निर्मित सड़कों की लंबाई (किमी में)	40	1. लक्षित गांवों में लाभार्थियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार	1.1. योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार सहायता प्रदान किए गए गांवों की संख्या	20

3. पुलिस बलों का आधुनिकीकरण [91](सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
3720.13	**क. फोरेंसिक क्षमताओं के आधुनिकीकरण की योजना**					
	1. सभी जिलों में एमएफवी की तैनाती	1.1. तैनात मोबाइल फोरेंसिक वैन की संख्या	100	1. दांडिक न्याय वितरण प्रणाली की भविष्य की आवश्यकताओं के लिए प्रशिक्षित कार्यबल	1.1. प्रशिक्षित कार्यबल की संख्या	3,500
	2. राज्य फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ बनाना	2.1. मशीनरी और उपकरण खरीदने वाले एसएफएसएल की संख्या	10	2. फोरेंसिक मामलों की समय पर जांच में सहायता करना	2.1. एनएफएसयू द्वारा जांचे गए फोरेंसिक मामलों की संख्या	400
	3. फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में सी.ओ.ई.	3.1. एनएफएसयू द्वारा स्थापित सीओई की	2	3. देश की फोरेंसिक आवश्यकताओं को	3.1. एनएफएसयू से स्नातक करने वाले छात्रों की संख्या	2,000

[91]इस योजना में निम्न के लिए छोटे आवंटन भी शामिल हैं: केंद्रीय अधिनियम एवं विनियमनों का प्रशासन (1.00 करोड़ रुपये); विदेशियों का पंजीकरण एवं निगरानी (5.00 करोड़ रुपये); तथा नागरिकता अधिनियमों के प्रशासन के लिए राज्यों को प्रतिपूर्ति (1.00 करोड़ रुपये), जिसके लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		संख्या		पूरा करने वाला विशिष्ट कुशल कार्यबल		
	ख. स्वापक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता[92]					
	1. राज्य की मादक पदार्थ विधि प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत करना	1.1 ड्रोन सहित खरीदे गए निगरानी उपकरणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. बेहतर निगरानी के लिए राज्यों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना	1.1. चालू वित्त वर्ष में अच्छी और गुणवत्ता वाले जब्ती के मामलों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2 खरीदे गए प्रयोगशाला उपकरणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.2. चालू वित्त वर्ष में गिरफ्तारियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.3 मौके पर परीक्षण के लिए खरीदी गई मोबाइल फोरेंसिक वैन, हस्तचालित या रसायन-आधारित नशीली दवा परीक्षण किटों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.3. उन मामलों का प्रतिशत जिनमें दर्ज हुए मामलों के विरुद्ध चार्जशीट दायर की गई है	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.4 प्रवर्तन के लिए खरीदे गए उपकरणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	2. डीएलईए की परिचालन दक्षता में सुधार करना	2.1 चालू वित्त वर्ष में अच्छी और गुणवत्तापूर्ण जब्ती के मामले	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.5 खतरनाक सामग्री और जब्त किए गए नशीले पदार्थों के विनाश के लिए खरीदे गए उपकरणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	3. अवैध फसल की खेती के विनाश हेतु बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना	3.1 अवैध फसल खेती क्षेत्र को नष्ट करने में बढ़ोतरी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[92] ड्रग लॉ लागू करने की क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए उपकरणों की खरीद हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की आवश्यकताओं के आधार पर मांग जनित योजना

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.6 प्रत्येक जिले या प्रत्येक पुलिस स्टेशन में अत्याधुनिक मालखाना/ई-मालखाना की स्थापना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	4. चोरी को रोकना तथा जब्त दवाओं का उचित भंडारण और निपटान सुनिश्चित करना	4.1 ऐसे मामलों की संख्या जहां जब्त दवाओं का निपटान किया गया है	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.7 चालू वित्त वर्ष में आयोजित प्रशिक्षण की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	5. मादक पदार्थ विधि प्रवर्तन के संबंध में अधिकारियों/ कर्मचारियों की क्षमता के निर्माण को सुदृढ़ करना	5.1 चालू वित्त वर्ष में प्रशिक्षित अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.8 प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए खरीदे गए उपकरणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	2. बेहतर फोरेंसिक क्षमताएं प्रदान करना	6.1 चालू वित्त वर्ष में सीआरसीएल के स्तर तक अपग्रेड किए गए सीएफएसएल/एसएफएसएल की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	6. एनडी और पीएस के नमूनों के परीक्षण में सीएफएसएल/एसएफएसएल की क्षमता को बढ़ाना	6.1 सीएफएसएल/एसएफएसएल में परीक्षण के लिए लंबित नमूनों के अनुपात में गिरावट का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	3. राज्यों को सहायता प्रदान करके गैर-प्रवर्तन गतिविधियों के लिए राज्य की क्षमताओं को मजबूत करना	3.1 चालू वित्त वर्ष में शुरू की गई वैकल्पिक विकास परियोजनाओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	7. वैकल्पिक आजीविका प्रदान करके किसानों को अवैध फसल की खेती से दूर करना।	7.1 पिछले वित्त वर्ष की तुलना में चालू वित्त वर्ष में अवैध फसल की खेती के क्षेत्रों में कमी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		3.2 उन नशामुक्ति केंद्रों की संख्या जिन्हें चालू वित्त वर्ष में वित्तीय सहायता प्रदान की गई है	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		3.3 नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा			

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	सकते			

1. स्मार्ट सिटीज मिशन (सीएसएस)[93]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
2,400	1. बेहतर स्मार्ट मोबिलिटी बुनियादी ढांचा	1.1. वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई स्मार्ट सड़क विकास/पुनः डिजाइन की गई परियोजनाओं लंबाई (किमी.)	30	1. स्मार्ट और पर्यावरण अनुकूल गतिशीलता अवसंरचना के साथ सभी के लिए बेहतर पहुंच	1.1 स्मार्ट सड़क परियोजनाएं शुरू करने वाले शहरों में एबीडी क्षेत्र में सड़क नेटवर्क की लंबाई के अनुसार स्मार्ट सड़कों की औसत लंबाई (कुल का %)	2
		1.2. वित्तीय वर्ष में विकसित/पुनः डिजाइन किया गया एनएमटी[94] बुनियादी ढांचा की लंबाई (फुटपाथ, साइकिल लेन) (किमी.)	50		1.2 एनएमटी परियोजनाएं शुरू करने वाले शहरों में एबीडी क्षेत्र में सड़क नेटवर्क की लंबाई के अनुसार एनएमटी अवसंरचना की औसत लंबाई (कुल का %)	2
	2. नागरिक सहभागिता और वास्तविक प्रशासन मंचों को सक्षम बनाना	2.1 स्मार्ट सिटी-स्तरीय सलाहकार फोरम (सीएलएएफ) वाले शहरों की कुल संख्या	100[95]	2. शहर के विकास और प्रशासन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी	2.1 वित्तीय वर्ष में आयोजित सीएलएएफ बैठकों की संख्या	30

[93] योजना जून, 2024 तक बढ़ाई गई

[94] एनएमटी: गैर-मोटर चालित परिवहन

[95] शहरों में सीएलएएफ स्थित है

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	3. स्मार्ट स्थानों का विकास - हरित और सार्वजनिक खुले स्थान	3.1 वित्तीय वर्ष में सार्वजनिक स्थलों के विकास/कायाकल्प हेतु पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	10	3. शहरों के भीतर हरे-भरे और सार्वजनिक खुले स्थानों तक पहुंच बढ़ाना	3.1 वित्तीय वर्ष में विकसित हरित एवं सार्वजनिक खुले स्थानों का कुल क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर में)	5
	4. जल निकायों, नदी तटों और झील तटों का विकास और पुनरुद्धार	4.1 वित्तीय वर्ष में जल निकायों, नदी तटों और झील तटों के विकास/पुनरुद्धार के लिए पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	4	4. शहरों के भीतर जल निकायों तक पहुंच और पहुंच की गुणवत्ता में सुधार	4.1 वित्तीय वर्ष में विकसित जल निकायों का कुल क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर में)	6
	5. पर्याप्त जल आपूर्ति और प्रबंधन अवसंरचना	5.1 वित्तीय वर्ष में पूरी की गई स्मार्ट जल परियोजनाओं की संख्या	5	5. विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति और बेहतर जल प्रबंधन तक पहुंच	5.1 वित्तीय वर्ष में पूर्ण किए गए स्मार्ट जल/मीटर परियोजनाओं के अंतर्गत कवर किए गए परिवारों की संख्या	6,000
	6. पर्याप्त अपशिष्ट जल प्रबंधन अवसंरचना	6.1 वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई स्मार्ट अपशिष्ट जल परियोजनाओं की संख्या	10	6. शहरों में बेहतर अपशिष्ट जल प्रबंधन	6.1 अपशिष्ट जल उपचार क्षमता की दक्षता (% उपयोग)	70
		6.2 वित्तीय वर्ष में संचालित अपशिष्ट जल उपचार क्षमता (एमएलडी)	4			
		6.3 वित्तीय वर्ष में निर्मित या नवीनीकृत स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या (ई-स्वास्थ्य समाधानों सहित)	2			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	7. विरासत और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले बुनियादी ढांचे का विकास	7.1 वित्तीय वर्ष में विरासत और स्थानीय पहचान को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं की संख्या	2	7. स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए विरासत तक पहुंच और स्टार्टअप के लिए सुविधा	7.1 विरासत और स्थानीय पहचान को बढ़ावा देने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में नागरिकों की औसत मासिक उपस्थिति	25,000
		7.2 वित्तीय वर्ष में पूर्ण किए गए बाजार पुनर्विकास परियोजनाओं की संख्या	7		7.2 पुनर्विकसित बाज़ारों में नागरिकों की औसत मासिक उपस्थिति (लाख में)	2 L
	8. जलवायु स्मार्ट बुनियादी ढांचे को मजबूत करना	8.1 शहरों में जलवायु संवेदनशील योजनाएं शुरू करें	100	8. स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, हरित आवरण एवं जैव विविधता, गतिशीलता एवं वायु गुणवत्ता, वायु एवं जल प्रबंधन के प्रति शहरों को संवेदनशील बनाना।	8.1 वित्तीय वर्ष में जलवायु कार्य योजना वाले शहरों की संख्या	8

2. स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम - शहरी) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
5,000	1. व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित कुल घरेलू शौचालयों की संख्या	1,60,000	1. सभी सांविधिक कस्बे खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) हो गए	1.1. वित्तीय वर्ष में ओडीएफ+ प्रमाणन वाले सांविधिक कस्बों का प्रतिशत (नए प्रमाणन के साथ-साथ पुराने प्रमाणन की स्थिति भी बरकरार रखी गई)	85[96]
	2. सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	2.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित सामुदायिक शौचालय सीटों की कुल संख्या	15,000			
		2.2. वित्तीय वर्ष में निर्मित सार्वजनिक शौचालय सीटों की कुल संख्या	20,000			
	3. घर-घर जाकर ठोस अपशिष्ट संग्रहण में सुधार	3.1. वित्तीय वर्ष में 100% डोर-टू-डोर संग्रहण वाले वार्डों का प्रतिशत ।	98	2. बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और प्रसंस्करण क्षमता	2.1. कुल उत्पन्न अपशिष्ट में से संसाधित अपशिष्ट का औसत %	75
	4. स्रोत पर ठोस अपशिष्ट पृथक्करण में सुधार	4.1. वित्तीय वर्ष में स्रोत पर 100% पृथक्करण का अभ्यास करने वाले वार्डों का प्रतिशत।	89		2.2. 3 स्टार जीएफसी (कचरा मुक्त शहर) प्रमाणपत्र वाले शहरों का प्रतिशत	20[97]

[96] ग्रामीण निकायों के शहरी नगर पालिकाओं में परिवर्तित होने के कारण पूरे देश में समय-समय पर शहरी स्थानीय निकायों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। चूंकि ऐसी नगर पालिकाओं की संख्या एसबीएम के तहत वास्तविक प्रगति को नहीं दर्शाएगा, इसलिए ऐसे शहरों का प्रतिशत पैरा संख्या 1.1, 4.1 और 4.2 में दर्शाया गया है।

[97] माप की इकाई के लिए लक्ष्य में सुधार की आवश्यकता है। मंत्रालय से प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है - 20% के रूप में सुधार किया गया

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	5. कम्पोस्ट के माध्यम से गीले अपशिष्ट का प्रसंस्करण	5.1 कम्पोस्ट संयंत्रों की स्थापित क्षमता (टीपीडी में)	9,000[98]			
	6. जैव-मीथेनेशन के माध्यम से गीले अपशिष्ट का प्रसंस्करण	6.1 सीबीजी (संपीड़ित बायो गैस) संयंत्रों की स्थापित क्षमता (टीपीडी में)	4,500[98]			
	7. सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाओं (एमआरएफ) के माध्यम से शुष्क अपशिष्ट प्रसंस्करण।	7.1 एमआरएफ की स्थापित क्षमता (टीपीडी में)	13,500[99]			
	8. निर्माण एवं नष्ट (सीएंडडी) अपशिष्ट प्रसंस्करण	8.1 154 शहरों में सीएंडडी अपशिष्ट प्रसंस्करण की स्थापित क्षमता (टीपीडी में)	3,000[100]			
	9. लिगेसी अपशिष्ट शोधन	9.1 शोधित लिगेसी अपशिष्ट की मात्रा (एलएमटी में)	500[101]	3. भूमि की पुनः प्राप्ति	3.1 पुनः प्राप्त भूमि का क्षेत्रफल (एकड़ में)	2100

[98] *राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं के पूरा होने के अधीन*

[99] *राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं के पूरा होने के अधीन*

[100] *राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं के पूरा होने के अधीन*

[101] *राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं के पूरा होने के अधीन*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	10. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)/एसटीपी सह मल कीचड़ उपचार संयंत्र (एफएसपी) का निर्माण	10.1 सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) सह मल कीचड़ उपचार संयंत्र (एफएसटीपी) की क्षमता (एमएलडी में)	500[102]	4. उपयोग किये गये जल का बेहतर प्रबंधन	4.1 वित्तीय वर्ष में जल + प्रमाणन वाले सांविधिक कस्बों का प्रतिशत (नए प्रमाणन के साथ-साथ पुराने प्रमाणन को बनाए रखा गया)	10[103]
					4.2 वित्तीय वर्ष में ओडीएफ++ प्रमाणन प्राप्त सांविधिक कस्बों का प्रतिशत (नए प्रमाणित तथा साथ ही पुराने प्रमाणन की स्थिति बरकरार रखी गई)	40[104]

[102] *राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं के पूरा होने के अधीन*

* *माप की इकाई के लिए लक्ष्य में सुधार की आवश्यकता है। मंत्रालय से प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है - नीचे विधिवत बताया गया है (12)*

[103] *ग्रामीण निकायों को शहरी नगर पालिकाओं में परिवर्तित होने के कारण पूरे देश में समय-समय पर शहरी स्थानीय निकायों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। चूंकि ऐसी नगर पालिकाओं की संख्या का संकेत एसबीएम के तहत वास्तविक प्रगति को नहीं दर्शाएगा, इसलिए ऐसे शहरों का प्रतिशत पैरा संख्या 1.1, 4.1 और 4.2 में दर्शाया गया है।*

[104] *ग्रामीण निकायों को शहरी नगर पालिकाओं में परिवर्तित होने के कारण पूरे देश में समय-समय पर शहरी स्थानीय निकायों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। चूंकि ऐसी नगर पालिकाओं की संख्या का संकेत एसबीएम के तहत वास्तविक प्रगति को नहीं दर्शाएगा, इसलिए ऐसे शहरों का प्रतिशत पैरा संख्या 1.1, 4.1 और 4.2 में दर्शाया गया है।*

3. एमआरटीएस[105] और मेट्रो परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
24,931.98	1. नई मेट्रो लाइनों का निर्माण	1.1. वित्त वर्ष 2024-25 में चालू की गई नई मेट्रो लाइनों की लंबाई (किलोमीटर में)	111.46	1. शहर के अर्बन क्षेत्रों में बेहतर गतिशीलता	1.1 नई मेट्रो लाइनों के चालू होने से दैनिक सवारियों में क्रमंश वृद्धि (प्रति घंटा प्रति दिशा ट्रैफिक)।	8,76,500
	2. क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ) लाइन का निर्माण	2.1 वित्त वर्ष 2024-25 में चालू की गई नई आरआरटीएस लाइनों की संख्या (किमी में)।	16	2. इससे दिल्ली-एनसीआर में भीड़भाड़ कम करने और प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।	2.1. चालू की गई नई आरआरटीएस लाइन की औसत दैनिक सवारियां (प्रति घंटा प्रति दिशा ट्रैफिक)	15000
	3. मेट्रो और गैर-मेट्रो परियोजनाओं के लिए शहरी परिवहन में परिवहन योजना और क्षमता निर्माण।	3.1. परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाली एजेंसियों की क्षमता बढ़ाने के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण के मानव घंटों की संख्या (मानव घंटों में)	2400	3. बेहतर प्रशिक्षित क्षमता (मानव)	3.1. प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	100

[105] एसबीई में उल्लिखित वास्तविक नाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) है। एमआरटीएस और मेट्रो परियोजनाएं दोनों समान प्रकृति की हैं।

4. अमृत (अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
8,000	1. शहरी परिवारों को चालू जल नल कनेक्शन का प्रावधान	1.1. वित्तीय वर्ष में नये जल नल कनेक्शन वाले आवासों/ठीक किए गए मौजूदा कनेक्शनों की संख्या[106] (लाखों में)	42	1. सभी मिशन शहरों के घरेलू परिसरों में जल आपूर्ति के लिए सार्वभौमिक कवरेज	1.1. जल नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए शहरी परिवारों का प्रतिशत	74.40[107]
	2. सीवेज शोधन क्षमता, तथा अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण/पुनः उपयोग क्षमता में सुधार	2.1. वित्तीय वर्ष में स्थापित और चालू की गई अतिरिक्त सीवेज शोधन क्षमता (एमएलडी में)	840	2. मिशन शहरों में परिवारों के लिए सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन तक बेहतर पहुंच।	2.1. सीवर कनेक्शन या सेप्टेज प्रबंधन सुविधा वाले परिवारों का प्रतिशत (%)[108]	50[109]
		2.2. वित्तीय वर्ष में स्थापित और प्रचालित अतिरिक्त अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण क्षमता (एमएलडी में)	50		2.2. 500 अमृत शहरों में उत्पन्न अपशिष्ट जल के लिए एसटीपी और मल कीचड़ प्रबंधन के माध्यम से शोधित कुल अपशिष्ट जल का %	44[110]

[106] मिशन जल सुरक्षा, तथा बुनियादी ढांचे के विस्तार/पुनर्वास पर केन्द्रित है, ताकि उन कनेक्शनों को पुनर्जीवित किया जा सके, जो अन्यथा उपयोग में नहीं थे/निष्क्रिय हो गए थे।

[107] सीडब्ल्यूबीपी में शहरों/राज्यों द्वारा प्रदान की गई 2021 की आधार जनसंख्या के अनुसार)

[108] इसमें सेप्टिक टैंक वाले घर शामिल हैं, जिनमें एफएसटीपी/सह-शोधन आदि के अभाव में उचित निपटान सुविधाओं से जुड़े नहीं सेप्टिक टैंक भी शामिल हैं।

[109] 2021 तक अमृत शहरों में आधार जनसंख्या के अनुसार % केवल शहरों द्वारा प्रदान किए गए।

[110] सीडब्ल्यूबीपी में राज्यों द्वारा प्रदान की गई अमृत योजना में 2021 तक आधार जनसंख्या के अनुसार

		2.3. वित्तीय वर्ष (केएलडी में) में स्थापित और चालू की गई कुल मल कीचड़ उपचार क्षमता	250		2.3. अमृत 2.0 शहरों में निर्मित कुल एसटीपी क्षमता के मुकाबले पुन: उपयोग किए जाने वाले शोधित सीवेज का प्रतिशत	*[111]
		2.4. वित्तीय वर्ष में परिवारों को प्रदान किए गए नए घरेलू सीवरेज कनेक्शनों की संख्या (लाख में) / ठीक किए गए मौजूदा कनेक्शनों की संख्या[112]	25		2.4. वित्त वर्ष में प्रयुक्त पुनर्चक्रित जल (एमएलडी में विकसित)	50
		2.5. सेप्टेज प्रबंधन सुविधा प्राप्त परिवारों की संख्या (लाखों में)	2			
	3. हरित क्षेत्रों और पार्कों का विकास	3.1. विकसित नये या उन्नत हरित स्थलों/पार्कों की संख्या	150[113]	3. मिशन शहरों में गुणवत्तापूर्ण हरित स्थानों तक पहुंच में वृद्धि	3.1. उन्नत हरित आवरण एवं विकसित गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक स्थल/पार्कों का क्षेत्र (एकड़ में)	200
	4. क्षमता निर्माण और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग	4.1 प्रशिक्षित नगरपालिका पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या	1,000	4. शहरी स्थानीय निकाय के वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए नगरपालिका पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता में वृद्धि	4.1 वित्तीय वर्ष में म्यूनिसिपल बांड जारी करने वाले शहरों की संख्या	2

*[111] *शहरों से पुनः उपयोग संबंधी डेटा एकत्र कर उसका सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन पूरा होने के बाद लक्ष्य तय किए जाएंगे।*

[112] *मिशन का ध्यान जल सुरक्षा, तथा बुनियादी ढांचे के विस्तार/पुनर्वास पर केन्द्रित है, ताकि उन कनेक्शनों को पुनर्जीवित किया जा सके, जो अन्यथा उपयोग में नहीं थे/निष्क्रिय हो गए थे।*

[113] *परियोजनाओं*

					4.2 बाजार वित्त (नगरपालिका बांड सहित) तक पहुंच के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाना (करोड़ रुपए में)	200
	5. जल निकायों का पुनरुद्धार	5.1 पुनर्जीवित जलाशयों की संख्या	200[114]	5. शहरों में बेहतर जल प्रबंधन और संरक्षण में सुधार	5.1 वित्तीय वर्ष में पुनर्जीवित किये गये जलाशयों का कुल क्षेत्रफल (एकड़ में)	1,460
	6. जल संरक्षण और प्रबंधन को बढ़ावा देना	6.1 वित्तीय वर्ष में प्रबंधन और जागरूकता के लिए किए गए कार्यक्रमों की संख्या	15			
		6.2 भाग लेने वाले लोगों की संख्या	100			

5. प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-शहरी) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2024-25**			**परिणाम 2024-25**		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
30,170.61	1. स्व-स्थाने स्लम पुनर्विकास - मौजूदा स्लम भूमि में विकसित किया गया बेहतर आवासीय बुनियादी ढांचा।	1.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित आवासों की संख्या(आईएसएसआर) (लाखों में)	0.2	1. पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन परिस्थितियों के कारण शहरी आबादी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए बेहतर जीवन परिस्थितियां	1.1 आवास के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जीने तथा बुनियादी नागरिक सुविधाओं से लाभान्वित परिवार के सदस्यों की संख्या (लाख में)	82.8
					1.2 आईएसएसआर के तहत कुल स्वीकृत में से पुनर्वासित झुग्गी आबादी का %	65

[114] *परियोजनाएं*

	2. साझेदारी में किफायती आवास - शहरी क्षेत्रों में ईडब्ल्यूएस आवास की बेहतर आपूर्ति	2.1 वित्तीय वर्ष में निर्मित आवासों की संख्या (एएचपी)।	1.8		1.3 कब्जा दिए गए आवास इकाइयों की संचयी प्रतिशतता (मिशन के अंतर्गत निर्मित कुल आवास इकाइयों में से)	95
	3. लाभार्थी आधारित व्यैक्तिक आवास निर्माण/संवर्द्धन - शहरी क्षेत्रों में ईडब्ल्यूएस आवास की बेहतर आपूर्ति	3.1 वित्तीय वर्ष में निर्मित आवासों की संख्या (बीएलसी)	16		1.4 कब्जा दिए गए आवास इकाइयों का प्रतिशत (एएचपी)	75
	4. किफायती किराये वाले आवास परिसर (एआरएचसी) विकसित किए गए	4.1 वित्तीय वर्ष में विकसित किराये के आवास इकाइयों की संख्या (एआरएचसी)	0.4		1.5 कब्जा दिए गए आवास इकाई का प्रतिशत (आईएसएसआर)	75
		4.2 सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से मौजूदा सरकारी वित्तपोषित खाली आवासों का उपयोग करके निजी क्षेत्र द्वारा विकसित एआरएचसी का प्रतिशत	8			
		4.3 सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से सार्वजनिक एजेंसियों द्वारा विकसित एआरएचसी का प्रतिशत	92	2. आवास के स्वामित्व के माध्यम से भूमि स्वामित्व की सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण	2.1 महिलाओं के नाम पर या संयुक्त स्वामित्व वाले आवासों की कुल संख्या (लाख में)।	85
				3. शहरी गरीबों/प्रवासियों के लिए किराये के आवास तक बेहतर पहुंच	3.1 विकसित किराये की आवासीय इकाइयों (एआरएचसी) के लिए कुल लाभार्थी	60,000

6. आवासीय (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
1,100	1. सामान्य पूल आवास का निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष में स्वीकृत आवासीय इकाइयों की संख्या	0	1. सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास तक बेहतर पहुंच	1.1. वित्तीय वर्ष में आवंटित और कब्जा की गई नई आवास इकाइयों का प्रतिशत	100[115]
		1.2. वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई आवासीय परियोजनाओं की संख्या	2		1.2. निवास मांग में अंतर की पूर्ति का % प्रतिशत (प्रतिशत में)	11.05
		1.3. वित्तीय वर्ष में सौंपी गई आवासीय इकाइयों की संख्या	2,396			

7. गैर-आवासीय (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
2,599.99	1. सामान्य पूल आवास की विकास अवसंरचना का निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्यालय स्थान का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	शून्य	1. केंद्रीय सरकार के विभागों और मंत्रालयों के लिए कार्यालय स्थानों तक बेहतर पहुंच	1.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित कुल कार्यालय/गैर-आवासीय स्थानों में से स्थानांतरित स्थान का %	100
		1.2. वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई गैर-आवासीय परियोजनाओं की संख्या	3		1.2. कार्यालय परिसर की मांग में अंतर की पूर्ति (कुल मांग का	60.56

[115] *यह देखते हुए कि आवंटित सभी इकाइयों पर कब्ज़ा ले लिया जाएगा*

		1.3. वित्तीय वर्ष में केंद्रीय सरकारी विभागों और मंत्रालयों को सौंपे गए कार्यालय स्थानों का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	5,02,436		प्रतिशत)	

8. राष्ट्रीय शहरी डिजिटल मिशन (एनयूडीएम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2024-25**			**परिणाम 2024-25**		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
1,150.02	1. मिशन का संचालन	1.1 राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों की संख्या	36	1. एसयूडीएम का संस्थाकरण	1.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र की संख्या जहां एसयूडीएम को संस्थागत रूप दिया गया है	36
		1.2 तैयार एवं स्वीकृत एसयूडीएम योजनाओं की संख्या	36	2. राष्ट्रीय डैशबोर्ड पर सभी राज्यों का डेटा एकत्रीकरण	2.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में यूएलबी के 33% कवरेज के लिए एकीकृत सेवाओं की संख्या	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. देश भर के सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में प्रमुख जी2सी, जी2बी और जी2जी सेवाओं की प्रदायगी।	2.1 क्या सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कम से कम 10 सेवाओं के साथ राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराया गया है? (संपत्ति कर मूल्यांकन और भुगतान, जल और सीवरेज कनेक्शन और बिलिंग सेवाएँ, व्यापार लाइसेंस, नगरपालिका शिकायत निवारण, ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान अनुमोदन प्रणाली, विविध संग्रह (गैर-कर), अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र, जन्म और मृत्यु पंजीकरण सेवाएँ, एनएमएएम-अनुरूप नगरपालिका वित्त और लेखा, मल निकासी सेवा)	जी, हां	3. सभी कस्बों और शहरों में सरकार से नागरिक (जी2सी), सरकार से व्यवसाय (जी2बी) और सरकार से सरकार (जी2जी) नगरपालिका ऑनलाइन सेवाओं तक समान पहुंच प्रदान करके ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूईंग को बढ़ाना।	3.1 सभी शहरी स्थानीय निकायों में नागरिकों के लिए उपलब्ध ई-गवर्नेंस सेवाओं की संख्या	2
		2.2 कम से कम 9 संदर्भों के साथ लाइव प्लेटफॉर्म तक पहुंच रखने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या	10			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
	3. शहरी सेवाओं के वास्तविक समय प्रबंधन और निगरानी के लिए लगभग 200 शहरों में सिटी ऑपरेशन प्लेटफॉर्म की स्थापना।	3.1 उन शहरों की संख्या जहां सिटी ऑपरेशन प्लेटफॉर्म के लिए खरीद पूरी हो चुकी है	20	4. सभी कस्बों और शहरों में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की शक्ति का उपयोग करके शहर के संचालन और प्रबंधन की दक्षता और प्रभावकारिता को बढ़ाना।	4.1 सिटी ऑपरेशन प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रबंधित सेवाओं की संख्या	2
	4. शहरी विकास विभागों की क्षमता बढ़ाने के लिए सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शहरी विश्लेषण केन्द्रों (यूएसी) की स्थापना	4.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां यूएसी की स्थापना के लिए खरीद पूरी हो चुकी है	10	5. कार्य निष्पादन को मापने तथा साक्ष्य आधारित योजना और नीति निर्माण में सहायता के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की क्षमताओं को बढ़ाना।		

9. पीएम-ई-बस सेवा योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
1,300	1. शहरी बस सेवाओं का विस्तार	1.1 वित्तीय वर्ष में स्वीकृत बसों की	1000[116]	1. सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में बसों की संख्या	1.1 वित्तीय वर्ष में संचालित बसों की कुल संख्या	1500

[116] *5000 बसें पहले ही मंजूर की जा चुकी हैं।*

		संख्या		में वृद्धि		
	2. बिहाईड द मीटर पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास	2.1 बिहाईड द मीटर पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	14[117]	2. इलेक्ट्रिक बस संचालन के लिए बिहाईंड द मीटर पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण	2.1 विद्युत अवसंरचना के साथ चालू किये गये डिपो की संख्या (बीटीएम में)	20
	3. डिपो सिविल अवसंरचना का विकास	3.1 सिविल डिपो बुनियादी ढांचे के लिए स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	32[118]	3. इलेक्ट्रिक बस संचालन के लिए सिविल अवसंरचना का सृजन	3.1 सिविल अवसंरचना के साथ चालू किये गये डिपो की संख्या	20

[117] *56 पहले ही मंजूर की जा चुकी हैं।*

[118] *38 पहले ही मंजूर की जा चुकी हैं।*

1. **प्रसारण अवसंरचना एवं नेटवर्क विकास (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
500	1. नए कार्यक्रमों का निर्माण: जनता को सूचित, शिक्षित करना और उनका मनोरंजन करना और उनकी क्षेत्रीय संस्कृति और इतिहास के लोकाचार को प्रस्तुत करना (डीडी किसान)	1.1. बनाए जाने वाले नए इंटरेक्टिव कार्यक्रमों के घंटों की संख्या (डीडी किसान घंटो में)	2190	1. देश में संवेदनशील क्षेत्रों में कवरेज को सुदृढ़ करना	1.1. सीमावर्ती और वामपंथ उग्रवाद के क्षेत्रों से इंटरेक्टिव कार्यक्रमों में दर्शकों की भागीदारी के प्रतिशत में बदलाव (वर्ष दर वर्ष)	1
	2. प्रसारण अवसंरचना का डिजिटलीकरण, आधुनिकीकरण और विस्तार	2.1 उन्नत किए जाने वाले/जोड़े जाने वाले विद्यमान निर्माण सेट-अप की संख्या (स्टूडियो, समाचार यूनिटें और ओबी वैन सहित)	72	2. निर्माण और प्ले-आउट सुविधाओं को मजबूत करना/बढ़ाना	2.1. बढ़ाई जाने वाली/नवीनीकृत की जाने वाली निर्माण और प्ले आउट सुविधाओं का प्रतिशत	68.7
		2.2 उन्नत किए जाने वाले/जोड़े जाने वाले निर्माण सेट-अप की संख्या (स्टूडियो, समाचार यूनिटें और ओबी वैन सहित)	16			
		2.3 उन्नत किए जाने वाले/जोड़े जाने वाले सैटेलाइट अपलिंक स्टेशनों की संख्या (भू केंद्रों, डीएसएनजी यूनिटों और डीटीएच भू केंद्रों सहित)	14	3. डीटीएच प्लेटफॉर्म के टीवी चैनलों की क्षमता में वृद्धि	3.1. डीटीएच प्लेटफॉर्म के टीवी चैनलों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि।	89.8
		2.4 एचडी में उन्नत/परिवर्तित किए जाने वाले विद्यमान निर्माण/ट्रांसमिशन केंद्रों की	11	4. दर्शकों को वास्तविकता के साथ एक बेहतर दृश्य अनुभव प्रदान	4.1. एचडी सामग्री (निर्माण और ट्रांसमिशन) में उन्नत/स्थानांतरित किए जाने	26.2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		संख्या		करना	वाले केंद्रों की प्रतिशत वृद्धि	
		2.5 दूरस्थ, जनजातीय और वामपंथी उग्रवाद क्षेत्रों के लिए खरीदे जाने वाले डीटीएच सेट टॉप बॉक्स (एसटीबी) की संख्या (लाख में)	7.5			
	3. तीन वर्षीय बीआईएनडी स्कीम (2017-20) की चल रही परियोजनाएं जो पूरी होनी हैं	3.1. स्थापित किए जाने वाले एफएम ट्रांसमीटरों की कुल संख्या	7	5. सीमावर्ती क्षेत्रों और ग्रामीण जनसंख्या क्षेत्रों पर विशेष जोर देते हुए पूरे भारत में कवरेज	5.1. जम्मू-कश्मीर और एलओसी सीमा सहित देश में एफएम स्थलीय प्रसारण के कवरेज क्षेत्र में प्रतिशत परिवर्तन,	2.9
	4. चल रही परियोजनाओं के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों के कवरेज को सुदृढ़ करना	4.1. जम्मू-कश्मीर और एलओसी सीमा पर कुल 5 किलोवाट मोबाइल एफएम ट्रांसमीटर स्थापित किए जाने हैं।	5			
	5. रणनीतिक/राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्र सहित सार्वजनिक सेवा की पहुंच का विस्तार	5.1. एक वर्ष में एफएम सेवाओं का विस्तार	26	6. लोगों तक तक पहुंच बनाने के लिए एफएम सेवा का विस्तार	6.1. देश में एफएम स्थलीय ट्रांसमिशन के कवरेज एरिया में प्रतिशत वृद्धि	4.5

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1. **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
9,339.37	**क. त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) तथा राष्ट्रीय/विशेष परियोजनाएं**					
	1. एआईबीपी कार्यों के कार्यान्वयन में तेजी लाना ।	1.1. पीएमकेएसवाई एआईबीपी परियोजनाओं की संचयी संख्या पूरी हो गई है।[119]	70	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन।	1.1. संचयी सिंचाई क्षमता का सृजन (लाख हेक्टेयर में)[120]	70.5
					1.2. पीएमकेएसवाई- एआईबीपी (लाख हेक्टेयर में) के तहत परियोजनाओं के माध्यम से कुल सिंचाई क्षमता का उपयोग (आईपीयू[121])	61
	ख. कमान क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन (सीएडीडब्ल्यूएम)					
	1. सीएडीडब्ल्यूएम चिन्हित प्राथमिकता वाली परियोजना में कार्य करता है।	1.1. पूरी की गई सीएडीडब्ल्यूएम की संचयी संख्या[122]	15	1. सृजित और उपयोग की गई सिंचाई क्षमता के बीच अंतर को कम करना।	1.1. अतिरिक्त कृषि योग्य कमान क्षेत्र शामिल किया गया (लाख हेक्टेयर में)	1.5
		1.2. पीएमकेएसवाई-सीएडीडब्ल्यूएम के तहत सृजित जल उपयोगकर्ता संघों की संचयी संख्या। (हजारों में)	10			
	ग. हर खेत को पानी					

[119] *एआईबीपी के तहत, अब तक 54 परियोजनाएं पूरी की गई।*

[120] *इसमें पहले से ही सृजित 67.75 हेक्टेयर का लक्ष्य तथा इस वर्ष के लिए 3.75 हेक्टेयर का लक्ष्य शामिल है।*

[121] *आईपीयू सीएडीडब्ल्यूएम कार्यों, कृषि विस्तार कार्यों आदि पर निर्भर है। सीएडी कवरेज प्राप्त करने वाले क्षेत्र अर्थात् 1641 लाख हेक्टेयर और शेष क्षेत्र में 80 प्रतिशत सिंचाई के लिए 100 प्रतिशत लेते हुए आईपीयू का आंकलन किया गया है।*

[122] *इन 15 परियोजनाओं में 5 परियोजनाएं शामिल है, जिसे पूरा कर लिया गया है और 10 परियोजनाओं को इस वर्ष में पूरा किया जना है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	1. योजना के आरआरआर/एसएमआई घटकों की प्रगति में तेजी लाना।	1.1. आरआरआर और एसएमआई परियोजनाओं की अतिरिक्त संख्या जिन्हें पूरी की जानी है। (परियोजनाएं/जल निकाय	125	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन।	1.1. संचयी सिंचाई क्षमता का सृजन[123]। (लाख हेक्टेयर में)	9.04
	घ. विदर्भ तथा मराठवाड़ा एवं महाराष्ट्र के अन्य क्रमिक सूखाग्रस्त क्षेत्रों वाले जिलों में कृषि संबंधी संकट के समाधन के लिए सिंचाई परियोजनाओं संबंधी विशेष पैकेज					
	1. प्रमुख और मध्यम सिंचाई (एमएमआई) और सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजना का शीघ्र कार्यान्वयन।[124]	1.1 प्रमुख और मध्यम सिंचाई (एमएमआई) परियोजना की अतिरिक्त संख्या जिन्हें पूरी की जानी है।	5	1. विशेष पैकेज के तहत परियोजनाओं की कमान में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन और उपयोग।	1.1. सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	1.0
		1.2 सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं की अतिरिक्त संख्या जिन्हें पूरी की जानी है।	27		1.2. संचयी सिंचाई क्षमता का उपयोग (लाख हेक्टेयर में)	2.0
	ङ. सिंचाई गणना- स्टैंडअलोन घटक[125]					
	1. क्षेत्रीय प्रशिक्षणों का संचालन	1.1. क्षेत्र में गणना के संचालन पर विस्तृत विस्तार के लिए आयोजित क्षेत्रीय प्रशिक्षणों की संख्या।	6	1. लघु सिंचाई क्षेत्र में सूचना आधारित योजना और नीति निर्माण।	1.1. गणना रिपोर्टों के डाउनलोड की संख्या - छठी एमआई गणना और जल निकायों की पहली गणना।	100

[123] *कुल 9.04 हेक्टेयर की संचयी सिंचाई क्षमता में 9.01 हेक्टेयर शामिल है, जिसे पहले ही पूरा कर लिया गया है और 0.3 हेक्टेयर इस वर्ष पूरा किया जाना है।*

[124] *18 एसएमआई परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं।*

[125] *वर्ष 2024-25 के संबंध में आउटपुट में 7वीं एमआई गणना और दूसरी गणना जल निकाय गणना के शुरूआत से पहले की जाने वाली कुछ प्रारंभिक गतिविधियां शामिल हैं जैसे मोबाइल ऐप का विकास, वास्तविक समय डेटा प्रविष्टि के लिए मोबाइल ऐप और सॉफ्टवेयर को अंतिम रूप देना और पायलट परीक्षण करना और अनुसूचियों का सत्यापन, क्षेत्रीय प्रशिक्षण कैलेंडर को अंतिम रूप देना और प्रशिक्षण कार्यशालाओं का प्रशिक्षण सामग्री संचालन आदि। 7वीं एमआई गणना और जल निकायों की दूसरी गणना के अलावा, एमआई (स्टेट) विंग को एक साथ "सिंचाई गणना" के तहत दो नए घटक अर्थात् स्प्रिंग्स की पहली गणना और प्रमुख और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की पहली गणना का संचालन भी लेने होंगे।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. सातवीं एमआई गणना के अभिसरण में जल निकायों की दूसरी गणना का संचालन।	2.1 उन राज्यों की संख्या जहां प्रारंभिक कार्यों के बाद 7वीं लघु सिंचाई और दूसरी जल निकाय गणना शुरू की गई है।	3		1.2. डेटा प्रसार के लिए गतिविधियों की संख्या ली जानी है।	3

2 नदियों को आपस में जोड़ना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
3,500[126]	1. परियोजना - केन-बेतवा लिंक परियोजना का प्राथमिकृत लिंक /कार्यान्वयन।	1.1. दौधन बांध के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा होने की सीमा[127]। (%)	100	1. खेती योग्य कमान क्षेत्र (सीसीए) में वृद्धि, बिजली उत्पादन और विभिन्न उपयोगों के लिए जल	1. कुल सीसीए। (हे. में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [128]
		1.2. परियोजना प्रभावित परिवारों के लिए आर एंड आर की सीमा[129]। (%)	50		2. पेयजल आपूर्ति	लक्ष्य निर्धारित

[126] *उपर्युक्त योजना के तहत आवंटन (रु.3500+500) करोड़ है जहां 500 करोड़ रुपए एआईडीएफ से ली जाएंगी।*

[127] *भूमि का कुल क्षेत्र 6380.67 हेक्टेयर है।*

[128] *इस परियोजना के पूरा होने में 8 वर्ष लगेंगे अर्थात् मार्च, 2030 तक का समय। इसलिए, परिणाम किसी आईएलआर परियोजना के कार्यान्वयन के बाद शूरू होगा। फिर भी, अनुमानित सीसीए मध्यप्रदेश का 6,53,368, उत्तरप्रदेश का 2,51,064 है।*

[129] *परियोजना प्रभावित परिवारों की संख्या 1913 है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.3. केबी लिंक नहर के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा होने की सीमा[131](%)	40	उपलब्ध कराना।		नहीं किए जा सकते [130]
		1.4. निविदा जारी करने और कार्य सौंपने की संख्या	3			
		1.5. केन नहर प्रणाली के नवीकरण और आधुनिकीकरण के लिए विभिन्न घटकों/कार्यों के लिए 5 डीपीआर की तैयारी और अंतिम रूप देने में प्रगति। (%)	50		3. बिजली उत्पादन।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [132]
					4. नियोजित लोगों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [133]
		1.6. केन नहर प्रणाली के नवीकरण और आधुनिकीकरण के लिए विभिन्न घटकों/कार्यों के लिए 3 डीपीआर की तैयारी और अंतिम रूप देने में प्रगति। (%)	100			

[131] भूमि अधिग्रहण का क्षेत्र 2492.32 है।

[130] मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 62.94 लाख लोगों को लाभ मिलेगा।

[132] अनुमानित विद्युत उत्पादन लक्ष्य जल विद्युत (103 मेगावाट) और जल विद्यत (27 मेगावाट) है।

[133] अनुमानित रोजगार सृजन 5,000 होगा।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.7. लोअर ऑरा बांध, कोठा बैराज और बीणा कॉम्पलेक्स की संपूर्ण वास्तविक प्रगति (मध्यप्रदेश परियोजना) (प्रतिशत)	65			

3. राष्ट्रीय गंगा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
3,345.70	1. गंगा में सीवेज के सीधे निर्वहन को रोकना और सीवेज का उपचार।	1.1. स्थापित सीवेज उपचार क्षमता। (एमएलडी में[134])	473	1. 2024 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करने के लिए जल की गुणवत्ता में वृद्धि।	1.1. औसत बी.ओ.डी[135] मात्रा। (≤ मिलीग्राम/लीटर)	3
		1.2. स्थापित सामान्य बहिःस्राव उपचार संयंत्रों की संख्या[137] (एमएलडी में)	10.75		1.2. औसत डी.ओ.[136] मात्रा। (≥ मिलीग्राम/ली)	5
	2. गंगा में औद्योगिक अपशिष्ट के	2.1 अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों का प्रतिशत अनुपालन। (% में)	100			

[134] प्रतिदिन मिलियन लीटर

[135] जैविक ऑक्सीजन मांग

[136] घुलित ऑक्सीजन

[137] लक्ष्य में दो स्थान नामतः बंथार (4.5 एमएलडी) और मथुरा (6.25 एमएलडी) शामिल हैं।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
	प्रत्यक्ष निर्वहन के विनियमन और जल की गुणवत्ता की निगरानी के माध्यम से प्रदूषण में कमी।	2.2 स्थापित वास्तविक समय जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों की संख्या[138]	30			
	3. हिल्सा सहित मछली स्टॉक में वृद्धि और गंगा नदी में सतत मत्स्य और संरक्षण के लिए आजीविका सुधार।	3.1 उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में गंगा के चुनिंदा क्षेत्रों में कार्प फिंगरलिंग का फार्मिंग किए गए की संख्या। (लाख में)	60	2. गंगा नदी में मछली जैव विविधता में सुधार।	2.1 प्रयास के प्रति यूनिट घंटे में बेहतर पकड़।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[139]
		3.2 विकसित महासीर (कीस्टोन प्रजाति) ब्रूडर की संख्या।	150			
		3.3 फरक्का धारा में वयस्क हिल्सा की खेती की संख्या। (हजारों में)	50			

[138] *इसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 के शेष लक्ष्य को शामिल है।*

[139] *विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रयासों के बेहतर कैच प्रति इकाई घंटा में अंतर हो सकता है, इसलिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है*

4 **अटल भूजल योजना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
1,778	1. बेहतर भूजल निगरानी और डेटा का प्रसार।	1.1. प्रकाशित प्रखंड-वार भूजल रिपोर्टों की संख्या।	229	1. समुदाय के बीच स्थानीय भूजल परिदृश्य के विषय में बेहतर जागरूकता।	1.1. बेहतर जागरूकता वाले समुदायों वाले ग्राम पंचायतों का %।	100
	2. चल रहीं/नई योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से जल सुरक्षा योजनाओं का सार्वजनिक वित्तपोषण।	2.1. अभिसरण के माध्यम से कार्यान्वित गतिविधियों की लागत (अनुमोदित जल सुरक्षा योजना के अनुसार) (करोड़ रुपए में)	1,600	2. स्थायी जल प्रबंधन की सुविधा के लिए उपलब्ध निधि का इष्टतम उपयोग।	2.1. योजनाओं का अभिसरण प्राप्त करने वाली ग्राम पंचायतों की संख्या।	3,000
	3. ड्रिप/स्प्रिंकलर फसल विविधीकरण।	3.1. ड्रिप/स्प्रिंकलर सिंचाई के तहत लाया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में)	75,000	3. कषि में बेहतर जल उपयोग दक्षता।	3.1 कशल सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत लाया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में)	1,00,000
		3.2. ड्रिप/स्प्रिंकलर सिंचाई का उपयोग करने वाले किसानों की संख्या।	5,000			
		3.3. विविध फसलों/कोई अन्य जल बचत तकनीक के साथ कुल क्षेत्र (हेक्टेयर में)	25,000			

5. **राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
661.20	1. एकीकृत जल संसाधन सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण।	1.1. स्थापित सतही और भू-जल के लिए लाइन पर जल डाटा के साथ अतिरिक्त रीयल टाइम हाइड्रोमेट स्टेशनों की संख्या।	2,200	**1.** त्रुटियों के कम मार्जिन के साथ वास्तविक समय डेटा अधिग्रहण के आधार पर स्वचालित प्रणाली संचालन।	1.1. लाभान्वित राज्यों और नदी बेसिन संगठनों की संख्या।	11
		1.2. मजबूत हाइड्रोमेट निगरानी प्रणालियों वाले राज्यों की संख्या।	20			
		1.3. भारत डब्ल्यूआरआईएस के मौजूदा मॉड्यूलों की संख्या को बढ़ाया जाना है।	13	2. बेहतर भूजल संसाधन अनुमान[140]	2.1 लाभ प्राप्त करने वाले राज्यों और नदी बेसिन संगठनों की संख्या।	8
		1.4. वृद्धिशील डेटा डाउनलोड की संख्या।	1,00,000			
	2. बेहतर जल संसाधन प्रबंधन के लिए पर्यवेक्षित नियंत्रण और डाटा अधिग्रहण प्रणाली (एससीएडीए) की स्थापना।	2.1 कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा शुरू की जा रही परियोजनाओं की संख्या।	18	3. बाढ़ पूर्वानुमान के लिए बढ़ी हुई प्रतिक्रिया।	3.1. परीक्षण बाढ़ सलाहकार के तहत कवर किया गया प्रतिशत क्षेत्र (वर्ग कि.मी. में)[141]	3.68

[140] (i) बेहतर भूजल प्रबंधन के लिए वास्तविक समय जल स्तर और गुणवत्ता निगरानी के लिए डीडब्ल्यूएलआर की स्थापना सहित, (ii) जलभृत प्रबंधन योजना के लिए भूजल बेसिन के न्यूमरिकल मॉडलिंग के लिए डेटा इनपुट।

[141] बाढ़ के लिए 10.8 प्रतिशत क्षेत्र की निगरानी और रूप देना। बाढ़ का पूर्वानुमान शूरू से कुल क्षेत्रों के लिए किया जाएगा। पूर्वानुमान कीसटीकता धीरे-धीरे बढ़ेगा।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	3. प्रभावी भूजल निगरानी के लिए पीजोमीटर का निर्माण।	3.1. कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा स्थापित किए जा रहें पीजोमीटर की संख्या।	149		3.2. बाढ़ के लिए निगरानी के तहत संचयी नदी बेसिन क्षेत्र (लाख वर्ग किमी में)	13.40
	4. संस्थागत सुदृढ़ीकरण।	4.1. स्थापित किए गए अतिरिक्त डाटा सेंटर की संख्या।	11			
		4.2. आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या (ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड दोनों)	150			
	5. बाढ़ पूर्वानुमान की स्थापना।	5.1. अतिरिक्त लीड-टाइम के साथ बाढ़ पूर्वानुमान के आधार पर परिचालन बाढ़ मानचित्रण के लिए शामिल किए जाने वाले बेसिनों की संख्या।	7			

6. राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना-अन्य बेसिन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
592.11	1. नदियों में अनुपचारित सीवेज	1.1. निर्धारित सीवर नेटवर्क की लंबाई (किमी में)	150	1. जल निकायों, भूमि आदि में अनुपचारित सीवेज के	1.1. अवरोधित/चैनलाइज़ किए गए अनुपचारित और शोधन के लिए	100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	के प्रवेश को रोकने के लिए सीवरेज प्रणाली।			प्रवेश की रोकथाम, और इस प्रकार जल प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण को कम करना।	एसटीपी की ओर डाइवर्ट किए गए सीवेज की मात्रा (एमएलडी में)	
		1.2. सीवेज उपचार क्षमता का सृजन किया गया। (एमएलडी में[142])	60	2. जैविक प्रदूषण भार में कमी।	2.1 एसटीपी में सीवेज प्रवाह की मात्रा और उपचार दक्षता (किग्रा/दिन)	10,350
				3. स्वच्छ जल संसाधनों पर प्रभाव को कम करना।	3.1. उपचारित सीवेज की मात्रा (एमएलडी में) ।	50
	2. संचार और आउटरीच कार्य।	2.1 संचालित किए गए अभियानों की संख्या।	4	4. नदी संरक्षण की आवश्यकता के संबंध में जागरूकता सृजन।	4.1. आम, जनता, छात्रों और अन्य हितधारकों द्वारा नदी में प्रदूषण के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूकता का सृजन किया गया ।	500

[142] *प्रति दिन मिलियन लीटर.*

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

1. जल जीवन मिशन (जेजेएम)/राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	2024-25	परिणाम	संकेतक	2024-25
70,162.90	1. परिसर के भीतर ग्रामीण परिवारों के लिए पेयजल सहायता हेतु सृजित स्थायी अवसंरचना	1.1 2024-25 में प्रदान किए गए कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (एफ एच टी सी) की संख्या	4,00,00,000	1. जल आपूर्ति की बेहतर नियमितता और गुणवत्ता	1.1 संसूचित चालू नल कनेक्शनों वाले परिवारों का प्रतिशत (पिछले 7 दिनों में कम से कम एक दिन पानी की आपूर्ति वाली अवसंरचना)	90
					1.2 संसूचित 55 एलपीसीडी या उससे अधिक आपूर्ति वाले परिवारों का प्रतिशत	80
					1.3 पीने योग्य जल वाले परिवारों का प्रतिशत (अर्थात नमूनों सहित जल गुणवत्ता के प्रासंगिक मापदंडों संबंधी अनुमेय सीमा के भीतर)	60
					1.4 आपूर्ति की नियमितता की सूचना वाले परिवारों का प्रतिशत (अर्थात दैनिक/ अनुसूची के अनुसार)	80
					1.5 आर्सेनिक/फ्लोराइड/लौह प्रभावित बसावट क्षेत्रों में नल जलापूर्ति वाले परिवारों का प्रतिशत	100
					1.6 जेई/एईएस जिलों में नल जलापूर्ति वाले परिवारों का प्रतिशत	80
					1.7 आकांक्षी जिलों में नल जलापूर्ति वाले परिवारों का प्रतिशत	80
					1.8 आकांक्षी खण्डों में नल जलापूर्ति	80

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	2024-25	परिणाम	संकेतक	2024-25
					वाले परिवारों का प्रतिशत	
					1.9 मिशन उत्कर्ष वाले जिलों में नल जलापूर्ति वाले परिवारों का प्रतिशत	75
					1.10 नल जलापूर्ति वाले स्कूलों का प्रतिशत	95
					1.11 नल जलापूर्ति वाले आंगनवाड़ी केन्द्रों का प्रतिशत	95

2. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
7,192	1. प्रभावी ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम)	1.1 ठोस कचरा प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) से कवर गांव की संख्या (संचयी)	3,75,000	1. संपूर्ण स्वच्छता एवं दृश्य स्वच्छता	1.1 खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस के रूप में घोषित गांवों का प्रतिशत (संचयी)	100
		1.2 ग्रे-वाटर प्रबंधन (जीडब्ल्यूएम) से कवर गांवों की संख्या (संचयी)	5,00,000		1.2 पूर्ण दृश्य स्वच्छता वाले गांवों का प्रतिशत (संचयी)	60
		1.3 प्लास्टिक कचरा प्रबंधन ईकाईयों वाले ब्लॉकों की संख्या (संचयी)	3,500			
		1.4 कुछ मलीय कचरा प्रबंधन (एफएसएम) व्यवस्थाओं वाले जिलों की संख्या (संचयी)	1,00,000			
	2. कचरे से धन सृजन पहल	2.1 कम से कम एक गोबर्धन परियोजना वाले जिले की संख्या (संचयी)	350			

1. कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम (2024-25)			परिणाम (2024-25)		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
10,950	1. पेंशन के प्रावधान	1.1. सरकारी अंशदान के लिए पात्र ईपीएफ सदस्यों का प्रतिशत (संचयी) [अंश: सरकारी अंशदान प्राप्त करने वाले कुल ईपीएफ सदस्य; हर: कुल ईपीएफ सदस्य]	95[143]	1. श्रमिकों के लिए बेहतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज	1. 1. ईपीएस के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने वाले औपचारिक क्षेत्र में कार्यरत कार्य बल का प्रतिशत [अंश = आउटपुट संकेतक 1.1 के अनुसार कुल ईपीएफ सदस्य; हर = देश में कार्यबल की कुल संख्या]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[144]
		1.2. न्यूनतम पेंशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत (संचयी) [अंश: ₹1,000 पेंशन प्राप्त करने वाले कुल ईपीएफ सदस्य; हर: कुल ईपीएस पेंशनभोगी]	25[145]			
		1.3. डिजिटल आधार आधारित जीवन प्रमाण पत्र के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	100[146]	2. गति	2. 1. कुल पेंशन के समय पर वितरण का प्रतिशत (7 दिनों के भीतर)	100

[143] अंश को 6,95,58,206 (वित्त वर्ष 2023-24 की उपलब्धि) और हर को 7,31,90,893 (ईपीएफओ डैशबोर्ड पर डेटा के अनुसार) मानकर लक्ष्य 95% निर्धारित किया गया है। प्रतिशत सभी तिमाहियों के लिए समान है क्योंकि सभी पात्र ईपीएस सदस्यों को पात्रता के अनुसार 1.16% का लाभ मिलता है। 100% का लक्ष्य रखा जा सकता है, हालाँकि, यह तभी प्रभावी होगा जब ईपीएस की सदस्यता सभी सदस्यों के लिए वेतन सीमा तक अनिवार्य कर दी जाएगी।

[144] औपचारिक क्षेत्र में कार्यरत कुल कार्यबल का डेटा ईपीएफओ के पास उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा, 1,000/- रुपये से कम आहरण करने वाले गरीब पेंशनभोगियों के संबंध में सरकार द्वारा ईपीएस, 95 से न्यूनतम पेंशन सहायता प्रदान करने के लिए इसका कोई संबंध नहीं है।

[145] यह उन लाभार्थियों की संख्या को दर्शाता है जिनकी पेंशन फॉर्मूले के अनुसार 1,000/- रुपये से कम है (कम अंशदान या कम पेंशन योग्य सेवा के कारण)। पेंशन को सरकारी अंशदान द्वारा 1,000/- रुपये तक लाया गया है। अत: सटीक लक्ष्य निर्धारण कठिन है। अंश को 19,87,338 (वित्तीय वर्ष 2023-24 की उपलब्धि) और हर को 78,66,628 (ईपीएफओ डैशबोर्ड पर डेटा के अनुसार) मानकर 25% का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

[146] लक्ष्य 100% रखा जा सकता है बशर्ते (i) केवल उन्हीं पेंशनभोगियों को लाभार्थी के रूप में माना जाएगा जो अपनी डीएलसी जमा करने के बाद पेंशन प्राप्त कर रहे हैं अर्थात जैसे ही डीएलसी के अभाव में पेंशन बंद हो जाती है, उस पेंशनभोगी को लाभार्थी के रूप में नहीं माना जाएगा; और (ii) 100% का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता है क्योंकि जीवन प्रमाण पत्र को कागज के रूप में जमा करने के कुछ मामले, जैसे चिकित्सा बाध्यता आदि, होंगे।

न्याय विभाग

1. ई-न्यायालय चरण-III (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**2024-25**
1,500	1. अतिरिक्त न्यायालय परिसरों में कनेक्टिविटी प्रदान करना	1.1 डब्ल्यूएएन के माध्यम से जुड़े जिला और अधीनस्थ न्यायालय परिसरों की संख्या	136	1. न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता और पहुँच ।	1.1 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से सुनवाई की संख्या में वृद्धि (लाख में)	20
	2. ई-सेवा केंद्रों की स्थापना	2.1 कोर्ट कॉम्प्लेक्स में कार्यात्मक ई-सेवा केंद्रों की संख्या	1,467	2. डिजिटल खाई को पाटना, ई-फाइलिंग को सुविधाजनक बनाना	2.1 अदालत के मामलों की ई फाइलिंग की संख्या में वृद्धि(लाख में)	4
	3. निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करके आईसीटी अवसंरचना की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सौर सुविधाएं	3.1 कोर्ट कॉम्प्लेक्स में सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों की संख्या	595[147]	3. सकारात्मक पारिस्थितिक प्रभाव के साथ हरित ऊर्जा के दोहन को बढ़ावा देना।	3.1 कुल उत्पादित ऊर्जा लाख (केडब्ल्यूएच)[148]	40
	4. न्यायालय के अभिलेखों का डिजिटलीकरण	4.1 डिजिटलीकृत पृष्ठों की संख्या[149] (करोड़ में)	621.6	4. डिजिटल रूप में डेटा, कागज में बचत, कार्बन फुटप्रिंट में कमी	4.1 निर्णय और आदेश खोज पोर्टल पर अपलोड किए गए निर्णयों की संख्या में वृद्धि(लाख)	4

[147] *चरण-III के लिए लक्ष्य, =1726,1131 मार्च 24 तक शेष 595 2024-25 में शुरू किया जा रहा है ।*

[148] *विशेष रूप से सौर ऊर्जा प्रतिष्ठान (पहली तिमाही =148) तिमाही 1 के अंत तक कार्यात्मक होंगे; इसलिए, पूरी क्षमता में बिजली उत्पादन बाद की तिमाहियों से शुरू हो सकता है।*

[149] *योजना के उद्देश्य के अनुसार, योजना की अवधि के दौरान 3108 करोड़ पृष्ठों का डिजिटलीकरण किया जाना है*

2. न्यायपालिका के लिए बुनियादी सुविधाएं (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य[150] 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,000	1. न्यायालय भवनों, आवासीय इकाइयों, वकील हॉल, शौचालय परिसरों, डिजिटल कंप्यूटर कमरों का निर्माण	1.1. वित्त वर्ष में पूर्ण की गई कार्यात्मक आवासीय इकाइयों की संख्या	730	1. न्यायिक अधिकारियों की स्वीकृत संख्या (25000) और उपलब्ध न्यायिक अवसंरचना के बीच के अंतर में कमी	1.1. 25000 की स्वीकृत संख्या और उपलब्ध कोर्ट हॉलों के बीच अंतर में % कमी[151]	22
		1.2. वित्त वर्ष में पूर्ण किए गए कार्यात्मक न्यायालय कक्षों की संख्या	700		1.2. 25000 की स्वीकृत संख्या और उपलब्ध आवासीय यूनिटों के बीच अंतर में % कमी[152]	12
		1.3. वित्त वर्ष में पूर्ण किए गए वकीलों के हॉल की संख्या	260			
		1.4. कुल संख्या अब तक उपलब्ध कोर्ट रूम की संख्या	22,960			
		1.5. अब तक उपलब्ध आवासीय इकाइयों की कुल संख्या	20,330			

[150] *निर्भरता कारक: योजना के तहत धन का वास्तविक आवंटन और राज्य सरकार/उच्च न्यायालयों के अंत में योजना का कार्यान्वयन।*

[151] *स्वीकृत संख्या (25,500) और उपलब्ध कोर्ट हाल (22,260) के बीच लगभग 3240 का अंतर है। 700 कोर्ट हाल से स्वीकृत संख्या और उपलब्ध आवासीय इकाइयों के बीच लगभग 24% अंतर में कमी आएगी।*
152 स्वीकृत संख्या (25,500) और उपलब्ध आवासीय इकाइयों (19,600) के बीच लगभग 5900 का अंतर है। 730 आवासीय इकाइयों से स्वीकृत संख्या और उपलब्ध आवासीय इकाइयों के बीच लगभग 12% अंतर में कमी आएगी।

1. प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,300	1. रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए उद्यमों की स्थापना	1.1 स्थापित किए गए नए उद्यमों की संख्या	66,290	1. नियमित और सतत रोजगार	1.1 कुल सृजित रोजगार (लाख में)	5.2
		1.2 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किए गए उद्यमों की संख्या	49,718			
		1.3 महिलाओं द्वारा स्थापित किए गए उद्यमों की संख्या	22,097			
	2. सूक्ष्म उद्यमियों को बड़े पैमाने पर उन्नयन करने /उन्नत बनाने में सहयोग हेतु वित्तीय सहायता	2.1 द्वितीय ऋण का लाभ उठाने वाले सूक्ष्म उद्यमों की संख्या	200			

2. पीएम विश्वकर्मा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
4,824	1. कारीगरों और शिल्पकारों को विश्वकर्मा के रूप में पहचान मिल सके	1.1 सृजित किए गए डिजिटल पहचान-पत्र और प्रमाण-पत्र की संख्या	18,00,000	1. विकास के नए अवसरों तक पहुंच बनाने में मदद करने के लिए ब्रांड प्रचार और बाजार संपर्क के लिए एक मंच प्रदान	1.1 स्थायी स्वरोजगार प्राप्त परंपरागत कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	18,00,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. कौशल उन्नयन के लिए	2.1 आधारभूत प्रशिक्षण दिया गया	10,50,000	करना।		
	3. उपकरणों की क्षमता, उत्पादकता बढ़ाने और उत्पादों और सेवाओं की गुणवता को बढ़ाने के लिए बेहतर और आधुनिक उपकरणों के लिए सहायता प्रदान करना।	3.1 टूलकिट द्वारा लाभान्वित कारीगरों की संख्या	18,00,000			
	4. लाभार्थियों को संपार्श्विक मुक्त ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करना और ब्याज छूट प्रदान करके ऋण की लागत को कम करना।	4.1 कोलेटरल मुक्त क्रेडिट के माध्यम से सहायता प्राप्त कारीगरों की संख्या	5,00,000			
	5. विश्वकर्माओं के डिजिटल सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना।	5.1 डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहित किए गए कारीगरों की संख्या	18,00,000			
	6. विकास के नए अवसरों तक पहुंच बनाने में मदद करने के लिए ब्रांड प्रचार और बाजार संपर्क के लिए एक मंच प्रदान करना।	6.1 विपणन सहायता प्राप्त किए गए कारीगरों की संख्या	12,00,000			

3. खादी और ग्रामोद्योग विकास योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1037.19	1. खादी और पॉलीवस्त्र के उत्पादन के आधार पर संशोधित बाजार विकास सहायता (एमएमडीए) के माध्यम से खादी का संवर्धन और विकास।	1.1 एमएमडी प्रदान किए गए संस्थानों की संख्या	995	1. खादी में सुधार	1.1 वर्ष के दौरान खादी और खादी से संबंधित उत्पादों का उत्पादन (करोड़ रुपए में)	3,705.29
		1.1 केआई और कारीगरों को संवितरित एमएमडीए (करोड़ रुपए में)	230.57			
	2. कमजोर खादी संस्थानों को सहायता और विपणन अवसंरचना प्रदान करना	2.1 सहायता प्राप्त कमजोर केआई की संख्या	42		1.2 वर्ष के दौरान खादी और खादी से संबंधित उत्पादों की बिक्री (करोड़ रुपए में)	7,586.15
					1.3 एमएमडीए और वर्कशेड के निर्माण के माध्यम से लाभान्वित कारीगरों की संख्या	1,61,399
		2.2 पुनर्निर्मित बिक्री आउटलेटों की संख्या	100	2. ग्रामोद्योग में रोजगार का संवर्धन	2.1 ग्रामोद्योग के तहत सृजित स्व-रोजगार की संख्या	52,830
	3. प्रौद्योगिकीय आधुनिकीकरण प्रशिक्षण आदि के माध्यम से ग्रामोद्योग का संवर्धन और विकास	3.1 प्रशिक्षित नए ग्रामोद्योग कारीगरों की संख्या	22,830			
		3.2 कारीगरों को वितरित टुल किटों की संख्या	32,465			

4. निधियों की निधि/आत्म निर्भर भारत फंड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
575	1. स्टॉक एक्सचेंजों पर एमएसएमई को सूचीबद्ध किए जाने के लिए एमएसएमई को इक्विटी/इक्विटी जैसे वित्तपोषण को बढ़ाना	1.1 स्कीम के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त एमएसएमई की संख्या।	65	1. एमएसएमई व्यवसायों की तीव्र वृद्धि का समर्थन करना और इस प्रकार अर्थव्यवस्था को गति देना और रोजगार के अवसर पैदा करना	1.1 निवेश प्राप्त एमएसएमई द्वारा निर्यात (करोड़ रु. में)	525
					1.2 निवेश प्राप्त एमएसएमई द्वारा उत्पादन का मूल्य (करोड़ रुपए में)	17,090
					1.3 निवेश प्राप्त एमएसएमई द्वारा अनुमानित कुल सृजित रोजगार	3740

5. एमएसएमई के कार्य-निष्पादन में तीव्रता एवं गतिवर्धन - रैम्प (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1170	1. संस्थागत कार्यनिष्पादन में वृद्धि और डिजिटल	1.1 एमएसएमई मंत्रालय के एकीकृत पोर्टलों की संख्या (%)	100	1. समाधान पोर्टल का डिजिटलीकरण	1.1 ओडीआर प्लेटफॉर्म के माध्यम से निपटाए गए	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	प्लेटफॉर्म का उपयोग	1.2 राज्य के एकीकृत पोर्टलों की संख्या	3		मामलों की संख्या	
	2. एमएसएमई केंद्र-राज्य के समन्वय को बढ़ाना	2.1 राज्यों/संघ राज्यों की संख्या जिन्होंनें रणनीतिक निवेश योजना (एसआईपी) को लागू किया है।	25			
	3. फर्म क्षमता स्कीमों की प्रभावशीलता बढ़ाना	3.1 जैड सिल्वर ग्रेजुएशन/लीन या जैड गोल्ड ग्रेजुएशन की संख्या	160			
	4. वित्त पोषण के लिए बाजार प्राप्तियों को सुदृढ़ करना	4.1 ट्रेड्स पर नए एनबीएफसी की संख्या में वृद्धि	10	2. ट्रेड्स पर इनवायस छूट की राशि में वृद्धि	2.1 ट्रेड्स पर इनवायस छूट का मूल्य (करोड़ रुपए में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

1. शैक्षणिक सशक्तीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,575.72[153]	**क. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति**					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति (लाख में)	5.6	1. शिक्षा के माध्यम से अल्पसंख्यक युवाओं का सशक्तीकरण	1.1. कक्षा 10 में पदोन्नत छात्रों का प्रतिशत जिन्होंने कक्षा 9 में छात्रवृत्ति प्राप्त की थी (%)	90
		1.2. छात्राओं को प्रदत्त छात्रवृत्ति (लाख में)	2.8		1.2. नवीनीकरण श्रेणी के अंतर्गत छात्राओं का कवरेज (%)	90
	ख. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति (लाख में)	6.5	1. शिक्षा के माध्यम से अल्पसंख्यक युवाओं का सशक्तीकरण	1.1. नवीनीकरण के लिए आवेदन करने वाले छात्रों का प्रतिशत (%)	90
		1.2. छात्राओं को प्रदत्त छात्रवृत्ति (लाख में)	3.25		1.2. नवीनीकरण श्रेणी के अंतर्गत छात्राओं का कवरेज (%)	90
	ग. व्यवसायिकों एवं तकनीकी पाठ्यक्रम वाले विद्यार्थियों (स्नातक एवं स्नातकोत्तर) के लिए मेरिट सह-साधन छात्रवृत्ति					
	1. सूचीबद्ध संस्थानों के अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। सूचीबद्ध संस्थानों की संख्या सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुमोदित सूची के अनुसार	1.1 पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	750		1.1 नवीनीकरण के लिए आवेदन करने वाले छात्रों का प्रतिशत	90
		1.2 छात्राओं को प्रदत्त छात्रवृत्ति	375		1.2 नवीनीकरण श्रेणी के अंतर्गत छात्राओं का कवरेज	90

[153] *326.16+1145.38+33.80*

2. प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
910.90	1. विकास में असंतुलन और अंतराल को कम करने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों, जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का विकास	1.1. ऐसे जिलों की संख्या जहां यह परियोजना स्वीकृत है	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [154]	1. अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों (एमसीए) में रहने वाले समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार होने से विकास घाटे में कमी आना	1.1. योजना के अंतर्गत प्रस्तावित सुविधाओं के सृजन से लाभार्थियों की संभावित संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[155]
		1.2. वर्ष 2024-25 के दौरान स्वीकृत इकाइयों की संख्या				
		1.3. 2024-25 तक अनुमोदित इकाइयों की संचयी संख्या में से पूरी की गई इकाइयों की संख्या				
	2. योजना की निगरानी में वृद्धि और पीएमजेवीके परिसंपत्तियों की पहचान	2.1. पीएमजेवीके परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[156]	2. जियो टैग की गई परिसंपत्तियों की संख्या में वृद्धि	2.1. पिछले वर्ष की तुलना में जियो टैग की गई संपत्तियों की संख्या में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[157]

[154] पीएमजेवीके एक मांग आधारित योजना होने के कारण डेटा अर्धवार्षिक आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा।

[155] पीएमजेवीके एक मांग आधारित योजना होने के कारण डेटा अर्धवार्षिक आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा।

[156] पीएमजेवीके एक मांग आधारित योजना होने के कारण डेटा अर्धवार्षिक आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा।

[157] पीएमजेवीके एक मांग आधारित योजना होने के कारण डेटा अर्धवार्षिक आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा।

1. सौर विद्युत (ग्रिड) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
8,500.35	1. देश में ग्रिड कनेक्टेड सौर विद्युत (ग्राउंड माउंटेड/रूफटॉप) चालू करना। (पीएम-कुसुम को छोड़कर)	1.1 सौर पार्कों में चालू की गई क्षमता (मेगावाट)	5,000	1. योजना के तहत सौर विद्युत परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन	1.1 योजना के तहत उत्पादित सौर ऊर्जा (बीयू)	13.98[158]
		1.2 केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसयू) योजना के तहत परियोजनाओं में चालू की गई क्षमता (मेगावाट)	2,600			
	2. सौर पैनलों और सौर सेलों के स्वदेशी निर्माण में वृद्धि	2.1 सीपीएसयू योजना चरण-II: एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण स्वदेशी तौर पर निर्मित सौर पैनलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट)	3,400	2. योजना के कारण आयात पर निर्भरता में कमी[159]	2.1 सीपीएसयू योजना चरण-II: योजना के कारण सौर पैनलों और सेलों के स्वदेशी निर्माण के कारण आयात मूल्य में कमी (करोड़ रु. में)	6,800
		2.2 पीएम-कुसुम घटक-ख: एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण स्वदेशी तौर पर निर्मित सौर मॉड्यूलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट)	1,000		2.2 पीएम-कुसुम घटक-ख: योजना के कारण सौर मॉड्यूलों और सेलों के स्वदेशी निर्माण के कारण आयात मूल्य में कमी (करोड़ रु. में)	2,000
		2.3 पीएम-कुसुम घटक-ग:	500		2.3 पीएम-कुसुम घटक-ग: योजना	1,000

[158] *सौर्य उद्यानों और सीपीएसयू योजनाओं के तहत परियोजनाओं के लिए सीयूएफके 21% के साथ*

[159] *आयतों के मूल्य में कमी = घरेलू सौर मॉड्यूल की संभावित मात्रा x औसत अंतर्राष्ट्रीय मूल्य (वर्तमान में इसे 2 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट लिया गया है।)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण स्वदेशी तौर पर निर्मित सौर मॉड्यूलों की क्षमता (मेगावाट)			के कारण सौर मॉड्यूलों और सेलों के स्वदेशी निर्माण के कारण आयातों के मूल्य में कमी (करोड़ रु. में)	
		2.4 रूफटॉप सौर चरण-II: एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण स्वदेशी तौर पर निर्मित सौर मॉड्यूलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट)	7,500		2.4 रूफटॉप चरण-II: योजना के कारण सौर मॉड्यूलों और सेलों के स्वदेशी निर्माण के कारण आयातों के मूल्य में कमी (करोड़ रु. में)	15,000

2. पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
6,250	1. रूफटॉप सोलर प्रणाली के माध्यम से ग्रिड से जुड़ी सौर ऊर्जा का उत्पादन	1.1 रूफटॉप सोलर में क्षमता	7,500	1. योजना के तहत सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली	1.1 योजना के तहत उत्पादित सौर ऊर्जा	11.17[160]

[160] *सौर रूफ़टॉप परियोजनाओं के लिए सीयूएफ़के 17% के साथ अनुमानित*

3. सौर ऊर्जा - किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (कुसुम) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,496	**क. ऑफ ग्रिड/वितरित और विकेंद्रित अक्षय विद्युत**					
	1. पीएम-कुसुम योजना के तहत स्टैण्डअलोन सौर चालित कृषि पंपों की स्थापना	1.1 वित्त वर्ष में स्थापित स्टैण्डअलोन सौर चालित कृषि पंपों की संख्या	2,00,000	1. डीजल बचत	1.1 सौर पंपों के उपयोग से लीटर में डीजल की बचत (मिलियन लीटर)	138
				2. लाभार्थियों की संख्या	2.1 सौर पंपों से लाभान्वित किसानों की संख्या	2,00,000
				3. कार्बन उत्सर्जन में बचत	3.1 सौर पंपों से कार्बनडाईऑक्साइड में कमी (मिलियन टन कार्बनडाइऑक्साइड)	0.71
	ख. ग्रिड इंटरएक्टिव नवीकरणीय ऊर्जा					
	1. पीएम - कुसुम योजना के तहत ग्रिड से जुड़े कृषि योग्य पंपों को सौर ऊर्जा से चालित करना	1.1 पीएम - कुसुम योजना के तहत ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा से चालित कृषि योग्य पंपों की संख्या	2,00,000	1. राज्य राजसहायता में बचत	1.1 फीडर सौर्यीकरण द्वारा राज्य राजसहायता में बचत (करोड़ रुपए में)[161]	540
	2. पीएम - कुसुम योजना के तहत विकेंद्रीकृत भूमि से ऊपर ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना	2.1 पीएम - कुसुम योजना के तहत स्थापित विकेंद्रीकृत भूमि से ऊपर ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता (एमडब्ल्यू)	500			

[161] *प्रति इकाई 3.3 रुपए के साथ तथा 7 रुपए प्रति इकाई की पारंपरिक दर का अनुमानित शुल्क*

4. ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम[162]	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
600	1. क्रियान्वयन कर रहे 10 राज्यों में संचारण प्रणाली का निर्माण	1.1 निर्मित की गई संचयी इंट्रा-स्टेट पारेषण लाइनें (सीकेएम)[163]	10,617	1. क्रियान्वयन कर रहे 10 राज्यों में बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता का ग्रिड-एकीकरण	1.1 क्रियान्वयन कर रहे 10 राज्यों के कारण संचयी अक्षय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि (मेगावाट)	24,000[164]
		1.2 चालू की गई संचयी सब-स्टेशन क्षमता (एमवीए)[165]	25,189			

5. राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
600	1. ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता	1.1. ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[166]	1. देश में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर उत्पादन क्षमता में सुधार हुआ।	1.1. आवंटित की गई ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता (एमएमटीपीए)	0.5

[162] *स्थापित आरई क्षमता के अनुसार परिणामी लक्ष्य जीईसी-1 ट्रांसमिशन परियोजनाओं से जुड़े हैं; जीईसी 2 की संगत क्षमताएँ 2025-26 से आनी शुरू हो जाएंगी*

[163] *सीकेएम = परिपथ किलोमीटर*

[164] *लक्ष्य जीईएस-1 के लिए है। जीईसी-2 के लिए आरई परियोजनाएं ट्रांसमिशन परियोजनाओं के पूरा होने पर शुरू की जाएंगी; अतः यह वित्त वर्ष 2025-26 में हो सकता है।*

[165] *एमवीए = मेगावोल्ट एम्पियर*

[166] *मोड - 1 के ट्रांच-2 के तहत हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए आरएफ़एस रिलीज़ किया जाना है और क्षमताएँ अधिनिर्मित की जानी हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.2. इलेक्ट्रोलाइजर उत्पादन क्षमता।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[167]		1.2. आवंटित की गई इलेक्ट्रोलाइजर उत्पादन क्षमता (मेगावाट)	1,500

[167] *ट्रांच-2 के तहत इलेक्ट्रोलाइजर के उत्पादन के लिए आरएफ़एस रिलीज़ किया जाना है और क्षमताएँ अधिनिर्मित की जानी हैं।*

1. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) - सीएसएस

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,063.67	1. पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण को मजबूत करना	1.1. चालू वर्ष में प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों (ईआर) और पंचायत पदाधिकारियों की संख्या	45,00,000	1. पंचायत प्रशासन, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और सेवा वितरण में सुधार लाने के उद्देश्य से बेहतर योजना के लिए पीआरआई की क्षमता का निर्माण	1.1. ई-ग्राम स्वराज के योजना मॉड्यूल पर तैयार और अपलोड की गई ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की संख्या	2,50,000
		1.2. एक्सपोज़र विजिट में प्रतिभाग करने वाले ईआर और पदाधिकारियों की संख्या	25,000		1.2. ई-ग्रामस्वराज के योजना मॉड्यूल पर तैयार और अपलोड की गई ब्लॉक पंचायत विकास योजना (बीपीडीपी) की संख्या	5,000
		1.3. विकसित पंचायत लर्निंग सेंटर (पीएलसी) की संख्या	500		1.3. ई-ग्रामस्वराज के योजना मॉड्यूल पर तैयार और अपलोड की गई जिला पंचायत विकास योजना (डीपीडीपी) की संख्या	500
		1.4. निर्मित पंचायत भवनों की संख्या	700			
		1.5. पंचायत भवनों में सह-अवस्थित सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) की संख्या	1,000			
		1.6. गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त पंचायतों की संख्या	200			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.7. कम्प्यूटर समर्थित ग्राम पंचायतों की संख्या	2,000			
		1.8. क्रियाशील राज्य पंचायत संसाधन केंद्रों (एसपीआरसी) की संख्या	30			
		1.9. क्रियाशील जिला पंचायत संसाधन केन्द्रों (डीपीआरसी) की संख्या	330			

1. गरीब परिवारों को एलपीजी कनेक्शन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
9,094	1. बीपीएल परिवारों को बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन (एचएचएस)	1.1 गरीब परिवारों को जारी किए गए अतिरिक्त कनेक्शनों की संख्या (करोड़ में)	0.25	1. स्वच्छ रसोई ईंधन अर्थात एलपीजी के इस्तेमाल में वृद्धि	1.1 उन बीपीएल परिवारों की संख्या का प्रतिशत जिन्हें योजना के तहत बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए और वे नियमित रूप से इनका इस्तेमाल कर रहे है (करोड़ में)	90
		1.2 योजना के तहत जिन बीपीएल परिवारों को बगैर जमानत राशि के कनेक्शन दिए गए हैं उनकी संचयी संख्या (करोड़ रुपए में)	9.85		1.2 पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए प्रतिवर्ष औसत रिफिल्स	3.8

2. प्रत्यक्ष लाभ अंतरण-एलपीजी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,500	1. अतिरिक्त नकद अंतरण अनुपालक लाभार्थी	1.1 जोड़े गए नकद अंतरण अनुपालक लाभार्थियों की संख्या (करोड़ में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [168]	1. सभी मौजूदा और नए घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के खातों में सीधे डीबीटी की प्राप्ति	1.1 लाभार्थी परिवारों एलपीजी कवरेज का प्रतिशत	100
					1.2 प्रति वर्ष औसत रिफिल	6.5
					1.3 एलपीजी (डीबीटी) लाभार्थियों की कुल संख्या (करोड़ों में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [1]
	2. लाभों का अपेक्षाकृत अधिक शीघ्रता से अंतरण	2.1 डीबीटी के लिए लिया गया औसत समय (घंटे की संख्या)	40[169]			
		2.2 एलपीजी सिलिंडर के लिए ऑर्डर देने के बाद डिलीवरी का समय (घंटे में)	48			
		2.3 घर पर डिलीवर किए गए सिलेंडरों की तुलना में एजेंसी पर रिफिल कराए गए सिलेंडरों का प्रतिशत	95[170]			

[168] *वर्तमान में, एलपीजी कवरेज 100% से अधिक है, इसलिए एलपीजी (डीबीटी) लाभार्थियों की कुल संख्या तथा अतिरिक्त नकद हस्तांतरण अनुवर्ती लाभार्थियों जिसे वर्ष, 2024-25 में जोड़ा जाएगा, वे ओएमसी द्वारा प्राप्त आवेदनों पर आधारित होंगे तथा इस प्रकार मांग आधारित होंगे। इस प्रकार कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते हैं।*

[169] *अब राजसहायता भारत सरकार की पीएफएमएस प्रणाली के माध्यम से अंतरित की जाती है, इसलिए यह पैरामीटर ओएमसीज/ एमओपी एंड एनजी के सीधे नियंत्रण में नहीं होगा।*

[170] *छोटे आकार के डीकेवी वितरकों को छोड़कर, सभी ओएमसीज वितरकों के लिए एलपीजी सिलिंडर की होम डिलीवरी अनिवार्य है।*

3. इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल)-पूर्वोत्तर प्राकृतिक गैस पाइप लाइन ग्रिड का भाग (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,000	1. 8 पूर्वोत्तर राज्यों को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ने के लिए प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड का निर्माण	1.1 बिछाई गई पूर्वोत्तर गैस ग्रिड (एनईजीजी) पाइपलाइन की कुल लंबाई (किलोमीटर में)	350	1. उपयोग के अधिकार (आरओयू) के अर्जन तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार से क्षेत्र का आर्थिक विकास हुआ है।	1.1 वितरण के लिए संवितरित किए गए मुआवजे की अथवा संवितरण के लिए सक्षम प्राधिकारियों के खाते में अंतरित की गई धनराशि	50
		1.2 पाइप लाइन परियोजना की वास्तविक प्रतिशत प्रगति	10		1.2 सृजित किए गए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार की संख्या	1,000[171]

4. अन्य देय राज सहायता - पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,200	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर में) एपीएम ग्राहकों को प्राकृतिक गैस राज सहायता की कवरेज (घरेलू गैस मूल्य का 40 प्रतिशत)	1.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र में उन ग्राहकों की कुल संख्या जिनके पास जीएलसी आवंटन हैं और जिन्हें राज सहायता प्राप्त घरेलू गैस की आपूर्ति की जा रही है।	33	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में राज सहायता प्राप्त प्राकृतिक गैस की निरंतरता	1.1 जीएलसी आवंटन वाले ग्राहकों केा आपूर्ति की गई गैस मात्रा (एमएमएससीएमडी)	7.81

[171] *प्रत्यक्ष रोजगार का निर्धारण वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भर्ती किए गए नियमित कर्मचारियों की संख्या से होगा। सृजित किए गए प्रत्यक्ष रोजगार में निर्माण अथवा परियोजना कार्यकलापों के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा नियुक्ति किए सभी संविदागत कर्मचारी शामिल हैं।*

1. सागरमाला (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
700	1. पत्तन की सड़क और रेल संपर्कता का संवर्धन	1.1 वर्ष के दौरान पूरी की जाने वाली सड़क परियोजनाओं की सं.	03	1. पत्तनों के निकासी अवसंरचना में सुधार	1.1.पत्तन से गंतव्य स्थानों तक माल की आवाजाही में औसत समय (घंटों में)	1
	2. पत्तनों पर अवसंरचना का निर्माण और पत्तनों का आधुनिकीकरण करना	2.1 वर्ष के दौरान पूरी की जाने वाली कार्गो बर्थ/ जेट्टी परियोजनाओं की सं.	1	2. पत्तनों की कार्गो हैंडलिंग क्षमता में वृद्धि	2.1 क्षमता संवर्धन (एमटीपीए)	1
		2.2 वर्ष के दौरान पूरी की जाने वाली रो-रो यात्री जेट्टी परियोजनाओं की सं.	7	3. पर्यटन में वृद्धि	2.2 वर्ष के दौरान पत्तनों पर घूमने वाले पर्यटकों की सं.	1,00,000
		2.3 वर्ष के दौरान पूरी की जाने वाली क्रूज टर्मिनल परियोजनाओं की सं.	1			
	3. मैरीटाइम क्षेत्र में कौशल विकास और अनुसंधान	3.1 वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित किए जाने वाले कौशल विकास पाठ्यक्रमों की सं.	20	4. मैरीटाइम क्षेत्र में कौशल विकास और अनुसंधान	3.1 प्रमाणित किए गए व्यक्तियों की सं.	5000

1. सुधार संबद्ध वितरण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
12,585	1. घाटा कम करने के तहत अवार्ड किए गए कार्यों की परियोजनाओं को पूरा करना	1.1 घाटा कम करने की योजना के तहत अवार्ड की गई परियोजनाओं में से पूरी की गई कुल परियोजनाओं की संख्या (%)	25	1. डिस्कॉम की परिचालन दक्षता में सुधार करना	1.1 डिस्कॉमों में एटी एंड सी हानि स्तर (%)	14.50
	2. देश में स्मार्ट मीटर लगाना.	2.1 लगाए गए स्मार्टड मीटरों की संख्या (संचयी) (करोड़ में)	5	2. डिस्कॉमों की वित्त स्थिरता में सुधार करना	2.1. नियामक परिसंपत्तियों और उदय अनुदानों को छोड़कर, प्राप्त सब्सिडी के आधार पर डिस्कॉम में एसीएस-एआरआर गैप लेवल। (रुपये/यूनिट)	0.30
	3. देश में ग्रामीण और शहरी फीडरों की निगरानी बढाना।	3.1 कुल फीडरों में से निगरानी किए गए ग्रामीण और शहरी दूरस्थ फीडरों की संख्या। (%)	100	3. डिस्कॉम में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता में सुधार करना	3.1. मॉनिटर किए गए शहरी फीडरों पर वार्षिक औसत दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे (घंटे/दिन)	23.80
	4. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण और अन्य सक्षमकारी तथा सहायक गतिविधियाँ	4.1 आरडीएसएस के तहत डिस्कॉम के प्रशिक्षित डिस्कॉम कर्मियों की संख्या	5,000		3.2. मॉनिटर किए गए ग्रामीण फीडरों पर वार्षिक औसत दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे (घंटे/दिन)	21.50

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	5. स्मार्ट वितरण अवसंरचना को लागू करना	5.1 निर्धारित स्मार्ट शहरों में स्मार्ट वितरण अवसंरचना के तहत प्रदान की गई कुल परियोजनाएं।	100			
	6. पीएम जनमन के तहत पीवीटीजी घरेलू विद्युतीकरण	6.1 कुल स्वीकृत के मद्देनजर पीवीटीजी घरेलू विद्युतीकरण कार्यों को पूरा करना	100			

2. विद्युत प्रणाली विकास निधि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,200	1. ग्रिड सुरक्षा और संचालन में सुधार लाने के लिए परियोजनाओं का वर्धित निष्पादन	1.1 पारेषण लाइन की कुल लंबाई जिसका नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (सीकेएम) किया गया।	96	1. ग्रिड सुरक्षा और संचालन में सुधार	1.1. विद्युत पारेषण क्षमता (एमवीए) में वृद्धि	850
		1.2 वोल्टेज प्रोफाइल को नियंत्रित करने के लिए प्रतिक्रियाशील विद्युत क्षमता में	1,500		1.2. विसंगतियों की दृष्टि से ठीक किए गए सबस्टेशनों की कुल संख्या।	612

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		उपलब्ध वृद्धि				
		1.3 नवीनीकृत एवं उन्नत किये गये सबस्टेशनों की संख्या	600			
		1.4 स्थापित विशेष ऊर्जा मीटर (एसईएम) और फेजर मापन इकाइयों (पीएमयू) की संख्या	2,000			

3. विद्युत प्रणाली का सुदृढ़ीकरण

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम			परिणाम		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,416.02	**क. अरूणाचल प्रदेश और सिक्किम राज्यों में ट्रांसमिशन प्रणाली का सुदृढ़ीकरण**					
	1. पैकेजों की परियोजनाओं को पूरा करना और उनका कार्यान्वयन	1.1 प्रदान किए गए पैकेजों (आरसीई लागत के अनुसार) पर संचयी प्रगति का प्रतिशत	82	1. क्षेत्रों में संशोधित ट्रांसमिशन क्षमता	1.1 क्षेत्र में विद्युत ट्रांसमिशन में वृद्धि (एमवीए): 180 एमवीए	180

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम			परिणाम		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	ख. पूर्वोत्तर राज्यों में विद्युत प्रणाली में सुधार (अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम को छोड़कर)-एनईआरपीएसआईपी					
	1. पैकेजों को प्रदान करना और उनका कार्यान्वयन	1.1 प्रदान किए गए पैकेजों (संशोधित लागत के अनुसार) पर संचयी प्रगति का प्रतिशत	90	1. क्षेत्रों में संशोधित ट्रांसमिशन क्षमता	1.1 क्षेत्र में विद्युत ट्रांसमिशन में वृद्धि (एमवीए): 15 एमवीए	15

1. नई लाइनें (सीएस)

2. आमान परिवर्तन (सीएस)

3. लाइन दोहरीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय[173] (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
68,634.44	1. नई लाइनों के निर्माण, आमान परिवर्तन और लाइन दोहरीकरण की गति में तेजी	1.1. नई लाइनों का निर्माण (किमी)	700	1. बिना संपर्कता वाले मार्गों विशेष रूप से एलडब्ल्यूई जिलों, सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जिलों, जनजातीय क्षेत्रों, आदि में बेहतर पंहुच।	1.1. नई लाइनों के निर्माण के कारण रेलवे से जुड़ने वाले स्थान (मानक अंतिम स्थान दूरी को मानकर)	14
		1.2. आमान परिवर्तन (किमी) कार्यों की कुल लंबाई	200			
		1.3. लाइन दोहरीकरण (किमी) की पूर्ण कुल लंबाई	2,900	2. अधिक संरक्षा और थ्रुपुट के साथ-साथ सघन मार्गों पर अधिक माल यातायात सेवाएं।	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में यात्री प्रवाह में % वृद्धि	12.7
					2.2 पिछले वर्ष की तुलना में माल ढुलाई में % वृद्धि	4.7

4. चल स्टॉक (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
40,313.78	**1.** प्रत्येक किस्म के चल स्टॉक का	1.1 वित्तीय वर्ष 24-25 में परिचालित विद्युत	1,380	**1.** माल ढुलाई और यात्री	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में	12.7

[172] *लक्ष्य वास्तविक बजटीय आवंटन के अधीन लक्ष्य अनंतिम हैं*

[173] *वित्तीय परिव्यय को अंतिम रूप दिया जाना है*

	अधिग्रहण	रेलइंजनों की संख्या		सेवाओं में बेहतर थ्रूपुट।	यात्री प्रवाह में % वृद्धि	
		1.2 वित्तीय वर्ष 24-25 में परिचालित एलएचबी सवारी डिब्बों की संख्या	7,784		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में माल प्रवाह में % वृद्धि	4.7
		1.3 परिचालित रेलपथ मशीनों की संख्या	218			

5. रेलपथ नवीनीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
17,651.98	1. नवीनीकृत रेलपथ की अधिक लंबाई	1.1. नवीनीकृत रेलपथ (किमी) की कुल लंबाई	5,000	1. संपत्ति की विश्वसनीयता में वृद्धि	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में रेल/वेल्ड विफलताओं की संख्या में कमी।	20

6. यात्री सुविधाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
15,510.75	1. यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाना	1.1 अपग्रेडेड स्टेशनों की संख्या	453	1. अधिक यात्री संतुष्टि सूचकांक	1.1 यात्री संतुष्टि सूचकांक	85%
		1.2 निर्मित पैदल पार पुलों की संख्या	150			

7. सड़क संरक्षा कार्य- समपार (सीएस)

8. सड़क संरक्षा कार्य- ऊपरी/निचले सड़क पुल (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
9,979.87	1. ऊपरी/निचले सड़क पुल का निर्माण	1.1 निर्मित आरओबी/ आरयूबी की संख्या	1,100	1. संवर्धित संरक्षा	1.1 समपारों पर दुर्घटनाओं की संख्या में कमी	0[174]
		1.2 हटाए गए चौकीदार वाले समपारों की संख्या	1,100			

9. यातायात सुविधाएं- यार्ड रिमाडलिंग एवं अन्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
8,982.94	1. कार्यों की अधिक कवरेज	1.1 शुरू किए गए कार्यों की संख्या	80	1. जहां यार्ड रिमॉडल किए गए हैं, उन मार्गों पर अधिक यात्री और माल यातायात थ्रुपुट	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में यात्री प्रवाह में % वृद्धि	12.7
					1.2 पिछले वर्ष की तुलना में माल प्रवाह में % वृद्धि	4.7

10. सिग्नल एवं दूरसंचार (सौएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25

[174] *रेलवे दुर्घटनाओं और असुरक्षित कामकाज के प्रति शून्य सहनशीलता रखता है।*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
4,647.28	1. सिगनलों को बदलने का कार्य	1.1 स्टेशनों की संख्या जहां आधुनिक सिगनलिंग कार्य शुरू/पूरे किए गए हैं।	400	1. स्टेशनों पर संरक्षा में वृद्धि जहां सिगनलों को बदलने के कार्य किए गए हैं।	1.1. सिगनल विफलताओं से उत्पन्न असुरक्षित कार्यप्रणाली की घटनाओं की संख्या	0[175]
	2. समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग	2.1 समपार गेटों की संख्या जहां इंटरलॉकिंग कार्य पूरे किए गए हैं।	100	2. समपार गेटों पर संरक्षा में वृद्धि जहां समपार गेटों में इंटलॉकिंग कार्य किए गए हैं।	2.1 गेटों पर होने वाली घटनाओं की संख्या जहां समपार गेट इंटलॉकिंग कार्य किए गए हैं।	

11. उत्पादन इकाइयों सहित कारखाने (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
4,903.68	1. परियोजनाओं को शीघ्र शुरू करना	1.1 वित्तीय वर्ष 24-25 में शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या	465	1. कारखानों और उत्पादन इकाइयों में रेल परिसंपत्तियों का समय से कुशल रख-रखाव	1.1 लक्षित उत्पादन में से % रोलिंग स्टॉक उत्पादन हासिल किया गया	100
					1.2 सेवित चल स्टॉक का बकाया अनुरक्षण	0

[175] *रेलवे दुर्घटनाओं और असुरक्षित कामकाज के प्रति शून्य सहनशीलता रखता है। इसलिए, इसके लिए लक्ष्य शून्य रखा गया है*

12. पुल संबंधी, सुरंग संबंधी कार्य एवं पहुंच मार्ग (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपयों में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2022-23		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,137.46	1. पुल संबंधी कार्यों में संवर्धित गति	1.1. शुरू किए गए/ पूरे किए गए पुल संबंधी कार्यों की संख्या	1,600	1. बेहतर औसत गति	1.1. वार्षिक रूप से वित्तीय वर्ष 24-25 में समाप्त किए गए गति प्रतिबंधों की संख्या	20

13. महानगर परिवहन परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपयों में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,090.12	1. उप-नगरीय रेलगाड़ियों की अधिकतम उपलब्धता	1.1. महानगर की नई लाइनों का निर्माण कार्य शुरू किया गया	20	1 इन परियोजनाओं के परिणामस्वरूप यात्रियों के थ्रूपुट में वृद्धि हुई	1.1 कुल उपनगरीय पीकेएम पूरा किया गया	2,93,095

14. मशीनरी एवं संयंत्र (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
715.02	1. नई मशीनरी को बदलना और संयंत्र का संस्थापन	1.1 प्रतिस्थापन खाते पर खर्च की जाने वाली मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य (करोड़ रुपये)	400	1. कारखानों और उत्पादन इकाइयों में रेल परिसंपत्तियों का समय से कुशल रख-रखाव	1.1 लक्षित उत्पादन में से % रोलिंग स्टॉक उत्पादन हासिल किया गया	100
		1.2 अतिरिक्त खाते पर खर्च की जाने वाली मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य (करोड़ रुपये)	500		1.2 सेवित चल स्टॉक का बकाया अनुरक्षण	0

1. सड़क स्कंध (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
27,557.19	1. सभी योजनाओं में देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का विकास	1.1 वर्ष के दौरान सभी योजनाओं में निर्मित कुल सड़क की लंबाई (राष्ट्रीय राजमार्ग) (किमी में)	12,000	1. गतिशीलता में सुगमता	1.1. कुल रारा नेटवर्क के 4 लेन राजमार्गों में % की वृद्धि	9%
		1.2 वर्ष के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में निर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई (किमी में)	1,000		1.2. एकल लेन/इंटरमीडिएट लेन राष्ट्रीय राजमार्ग में % की कमी	10%
		1.3 वर्ष के दौरान जनजातीय क्षेत्र में निर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई (किमी में)	1,100			
	2. निजी निवेश	2.1 सभी पीपीपी परियोजनाओं के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग विकास में निजी क्षेत्र के रियायतग्राहियों द्वारा निवेश की गई राशि (करोड़ रुपये में)	30,000	2. पीपीपी अनुबंधों में वृद्धि	2.1 कुल सौंपी लंबाई के % के रूप में सौंपे गए पीपीपी अनुबंध	30%
	3. राष्ट्रीय राजमार्ग का परिसंपत्ति मुद्रीकरण	3.1 विकसित राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के मुद्रीकरण से जुटाई गई धनराशि (करोड़ रुपये में)	30,000	3. अतिरिक्त संसाधन जुटाना	3.1 बजटीय परिव्यय का %	10%
	4. सड़क सुरक्षा	4.1 राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट हटाना (सं.)	1000	4. दुर्घटनाओं में कमी	4.1 राष्ट्रीय राजमार्ग पर वर्ष-दर-वर्ष दुर्घटनाओं में % की कमी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		4.2 वर्ष के दौरान संचालित राष्ट्रीय राजमार्गों की सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षा (किमी में)	40,000			

ग्रामीण विकास विभाग

1. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
86,000	1. रोज़गार उपलब्ध कराना, उन्नत संस्थागत क्षमता और टिकाऊ संपत्तियों का निर्माण	1.1 सृजित व्यक्ति दिवसों की संख्या (करोड़ में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[176]	1. आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना और ग्रामीण संपत्ति बनाना	1.1 की गई सूक्ष्म सिंचाई कार्य (हेक्टेयर में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[177]
		1.2 वर्ष के दौरान उत्पन्न संपत्तियों की कुल संख्या (संख्या में)			1.2 वनरोपण कार्य (संख्या में)	
		1.3 लोगों की प्रतिशत मांग की तुलना में प्रदान किए गए रोजगार का प्रतिशत			1.3 निर्माण/नवीकरण जल निकाय (संख्या में)	
	2. नए कार्य कार्यक्रम शुरू करना	2.1. वर्ष के दौरान पंजीकृत नये कार्यों की संख्या				

[176] *महात्मा गांधी नरेगा एक मांग आधारित कार्यक्रम है। ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य निष्पादित किए जाते हैं और निष्पादन के लिए ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है, इसलिए 2024-25 के लिए परिणाम/लक्ष्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। हालाँकि विभिन्न संकेतकों पर की गई उपलब्धियों की रिपोर्ट वर्ष के दौरान तिमाही आधार पर दी जाएगी।*

[177] *महात्मा गांधी नरेगा एक मांग आधारित कार्यक्रम है। ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य निष्पादित किए जाते हैं और निष्पादन के लिए ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है, इसलिए 2024-25 के लिए परिणाम/लक्ष्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। हालाँकि विभिन्न संकेतकों पर की गई उपलब्धियों की रिपोर्ट वर्ष के दौरान तिमाही आधार पर दी जाएगी।*

2. **प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2024-25**			**परिणाम 2024-25**		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
54,500.14	1. केंद्रीय योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं वाले पक्के आवासों का निर्माण	1.1 निर्मित मकानों की संख्या (शौचालय सहित) (लाख में)	40[178]	1. बुनियादी सुविधाओं और आजीविका के अवसरों तक पहुंच के साथ अधिक परिवार गरिमापूर्ण आवासों में रहते हैं।	1.1 आवासहीनता में कमी (% में)	80[179]
		1.2 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	24		1.2 आवासहीन होने के कारण मजबूरन प्रवास में बदलाव (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[180]
		1.3 महिला लाभार्थियों/महिला और पुरुष लाभार्थियों के स्वामित्व वाले आवासों का प्रतिशत	100		1.3 वित्त वर्ष 24-25 में योजनाओं के लाभार्थियों का संतुष्टि स्तर 80% से अधिक दर्ज किया गया है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[181]
					1.4 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों की अधिकतम संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [182]

[178] *ईएफसी/केंद्रीय मंत्रिमंडल के अनुमोदन के अध्यधीन*

[179] *अध्ययन के अनुसार*

[180] *अध्ययन के अनुसार*

[181] *अध्ययन आधारित: राष्ट्रीय स्तर निगरानी (एनएलएम) की रिपोर्ट*

[182] वार्षिक लक्ष्य के अनुसार

3. **प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
12,000	1. गुणवत्तापूर्ण हर मौसम सड़कों की उपलब्धता और उनका यथा समय रखरखाव	1.1 जोड़ी जाने वाली सड़क की लंबाई (किमी में)	32,000	1. पात्र बस्तियों को प्रत्येक मौसम के लिए सड़क सम्पर्क उपलब्ध कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और आवागमन तक पहुंच के लिए मार्ग उपलब्ध कराना।	1.1 पीएम जनमन के तहत 1.1% पात्र बस्तियां जुड़ीं	100
		1.2 एनक्यूएम द्वारा निरीक्षण किये गये कार्य	6,000			
		1.3 एनक्यूएम द्वारा वर्गीकरण के अनुसार पूर्ण परियोजनाओं का औसत असंतोषजनक प्रतिशत, पिछले वित्तीय वर्ष की शुरुआत में जिनका समाधान नहीं हो सका (प्रतिशत में)	<4			
		1.4 रखरखाव कार्यों को असंतोषजनक माना गया (एनक्यूएम द्वारा निरीक्षण किए गए कार्यों का प्रतिशत, पिछले 3 वर्षों का औसत) (प्रतिशत में)	<15			
		1.5 मेरी सड़क ऐप पर पंजीकृत शिकायतों की तुलना में पीएमजीएसवाई से संबंधित 3 महीने से अधिक पुरानी शिकायतों का अनुपात (%)	100			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.6 हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके निर्मित सड़क की लंबाई (किमी में)	15,000			
		1.7 जीवंत ग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत निर्मित सड़कों की लंबाई (किमी में)	100			
		1.8 पीएम-जनमन के तहत निर्मित सड़कों की लंबाई (किमी में)	375			

4. दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई -एनआरएलएम) (सीएसएस)[183]

वित्तीय परिव्यय (रु करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
15,047	1. स्वयं सहायता समूहों का पूंजीकरण	1.1 प्रदान की गई परिक्रामी निधि (आरएफ) और सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) की राशि	8,30,303.53	1. स्वंय सहायता समूहों का वित्तीय समावेशन	1.1 स्वंय सहायता समूहों द्वारा प्राप्त बैंक ऋण की राशि[184](रुपये करोड़ में)	1,25,000

[183] आगे यह उल्लेख किया गया है कि ये लक्ष्य परिवर्तनाधीन हैं जब राज्यों की वार्षिक कार्य योजनाओं को ग्रामीण विकास मंत्रालय की कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। अंतिम आंकड़े वार्षिक कार्य योजनाओं के अनुमोदन के बाद प्रस्तुत किए जाएंगे।

[184] बैंक ऋण के लिए लक्ष्य प्रतिवर्ष निर्धारित किये जाते हैं।

वित्तीय परिव्यय (रु करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		(रु लाखों में)				
	2. गरीबों के लिए स्थायी आजीविका सेवाएं	2.1. प्राकृतिक खेती के अंतर्गत शामिल महिला किसानों की संख्या (लाख में)	5		1.2 बैंक ऋण प्रदान किए गए स्वम सहता समूहों की संख्या[185] (लाख में)	41
		2.2. किसान उत्पादक संगठन (उत्पादक समूह और उत्पादक उद्यम) में संगठित महिला किसानों की संख्या (लाख में)	30			
	3. स्वंय सहायता समूह सदस्य लघु व्यवसाय चलाते हैं	3.1. एसवीईपी के माध्यम से समर्थित उद्यमों की संख्या	64,545			
	4. कौशल प्रशिक्षण एवं नियोजन	4.1. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (लाख में)।	2.00	2. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत नियोजित और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान योजना के माध्यम से रोजगार प्राप्त	2.1. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत नियोजित व्यक्तियों की संख्या (लाख में)।	1.40
		4.2. ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों के तहत प्रशिक्षित	4.50		2.2. ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों के तहत रोजगार प्राप्त व्यक्तियों की संख्या	3.152

[185] *बैंक ऋण के लिए लक्ष्य प्रतिवर्ष निर्धारित किये जाते हैं।*

वित्तीय परिव्यय (रु करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		व्यक्तियों की संख्या (लाख में)।			(लाख में)।	

5. **राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
9,652	**क. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (आईजीएनओएपीएस)**					
	1. योजना के अंतर्गत शामिल लाभार्थियों में से आधार से जुड़े खातों का प्रतिशत	1.1 कितने (%)लाभार्थियों के खातों को आधार से जोड़ा गया	100	1. आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी	1.1 वित्तीय वर्ष 24-25 में कितने प्रतिशत लाभार्थियों ने संतुष्टि की सूचना दी[186]।	80
	2. निर्धारित समय-सीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	2.1. समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	80			

[186] *जहां तक परिणाम संकेतक 1.1 का संबंध है अर्थात वित्त वर्ष 2024-25 में संतुष्टि की रिपोर्ट करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत, इसे मापने के लिए विभाग के पास कोई प्रणाली नहीं है। हालाँकि, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) द्वारा वार्षिक सर्वेक्षण करते समय, कार्यक्रम के प्रदर्शन का मूल्यांकन उक्त संकेतक के आधार पर किया जाता है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) रिपोर्ट में दी गई जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष के लिए है और इस प्रकार इस संकेतक के लिए जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष से संबंधित अवधि के लिए वार्षिक आधार पर इस विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	3. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित डीबीटी लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	3.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित डीबीटी लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	16			
	ख. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (आईजीएनडब्ल्यूपीएस)					
	1. इस योजना के अंतर्गत आने वाले लाभार्थियों में से उन लाभार्थियों का % जिनके खाते आधार से जोड़े गए हैं	1.1 आधार से जोड़े गए लाभार्थियों के खातों का प्रतिशत	100	1. आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी	1.1 वित्तीय वर्ष 24-25 में संतुष्ट लाभार्थियों का प्रतिशत[187]	80
	2. निर्धारित समयसीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	2.1. समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	80			
	3. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण लेनदेनॉ की संख्या (करोड़ में)	3.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण लेनदेनॉ की संख्या (करोड़ में)	4.73			
	ग. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना (आईजीएनडीपीएस)					

[187] जहां तक परिणाम संकेतक 1.1 का संबंध है अर्थात वित्त वर्ष 2024-25 में संतुष्टि की रिपोर्ट करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत, इसे मापने के लिए विभाग के पास कोई प्रणाली नहीं है। हालाँकि, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) द्वारा वार्षिक सर्वेक्षण करते समय, कार्यक्रम के प्रदर्शन का मूल्यांकन उक्त संकेतक के आधार पर किया जाता है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) रिपोर्ट में दी गई जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष के लिए है और इस प्रकार इस संकेतक के लिए जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष से संबंधित अवधि के लिए वार्षिक आधार पर इस विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
	1. योजना के अंतर्गत आने वाले लाभार्थियों में से उन लाभार्थियों का % जिनके खाते आधार से जोड़े गए हैं	1.1 आधार से जोड़े गए लाभार्थियों के खातों का प्रतिशत	100	1. आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी	1.1 वित्तीय वर्ष 24-25 में संतुष्ट लाभार्थियों का प्रतिशत[188]	80
	2. निर्धारित समयसीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	2.1. समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	80			
	3. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण लेनदेनॉ की संख्या (करोड़ में)	3.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण लेनदेनॉ की संख्या (करोड़ में)	0.62			
	घ. राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना (एनएफबीएस)					
	1. योजना के अंतर्गत आने वाले लाभार्थियों में से उन लाभार्थियों का % जिनके खाते आधार से जोड़े गए हैं	1.1 आधार से जोड़े गए लाभार्थियों के खातों का प्रतिशत	100	1. आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी	1.1 वित्तीय वर्ष 24-25 में संतुष्ट लाभार्थियों का प्रतिशत[189]	80

[188] जहां तक परिणाम संकेतक 1.1 का संबंध है अर्थात वित्त वर्ष 2024-25 में संतुष्टि की रिपोर्ट करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत, इसे मापने के लिए विभाग के पास कोई प्रणाली नहीं है। हालाँकि, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) द्वारा वार्षिक सर्वेक्षण करते समय, कार्यक्रम के प्रदर्शन का मूल्यांकन उक्त संकेतक के आधार पर किया जाता है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) रिपोर्ट में दी गई जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष के लिए है और इस प्रकार इस संकेतक के लिए जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष से संबंधित अवधि के लिए वार्षिक आधार पर इस विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी।

[189] जहां तक परिणाम संकेतक 1.1 का संबंध है अर्थात वित्त वर्ष 2024-25 में संतुष्टि की रिपोर्ट करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत, इसे मापने के लिए विभाग के पास कोई प्रणाली नहीं है। हालाँकि, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) द्वारा वार्षिक सर्वेक्षण करते समय, कार्यक्रम के प्रदर्शन का मूल्यांकन उक्त संकेतक के आधार पर किया जाता है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) रिपोर्ट में दी गई जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष के लिए है और इस प्रकार इस संकेतक के लिए जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष से संबंधित अवधि के लिए वार्षिक आधार पर इस विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. निर्धारित समय-सीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	2.1. समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	80			
	ङ. अन्नपूर्णा योजना					
	1. निर्धारित समय-सीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	1.1 समय पर खाद्यान्न प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	80	1. खाद्य सुरक्षा के लिए आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी	1.1 वित्तीय वर्ष 24-25 में कितने प्रतिशत लाभार्थियों ने संतुष्टि की सूचना दी[190]	80
	2. योजना के अंतर्गत शामिल लाभार्थियों में से आधार से जुड़े खातों का प्रतिशत	2.1. आधार लिंकेज वाले पात्र लाभार्थियों का प्रतिशत.	100			

[190] जहां तक परिणाम संकेतक 1.1 का संबंध है अर्थात वित्त वर्ष 2024-25 में संतुष्टि की रिपोर्ट करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत, इसे मापने के लिए विभाग के पास कोई प्रणाली नहीं है। हालाँकि, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) द्वारा वार्षिक सर्वेक्षण करते समय, कार्यक्रम के प्रदर्शन का मूल्यांकन उक्त संकेतक के आधार पर किया जाता है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की निगरानी (एनएलएम) रिपोर्ट में दी गई जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष के लिए है और इस प्रकार इस संकेतक के लिए जानकारी पिछले वित्तीय वर्ष से संबंधित अवधि के लिए वार्षिक आधार पर इस विभाग द्वारा प्रदान की जाएगी।

भूमि संसाधन विभाग

1. प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना के वाटरशेड विकास घटक (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,501	1. वाटरशेड परियोजना में बारानी/ अवक्रमित भूमि का विकास	1.1. अवक्रमित आच्छादित भूमि / विकसित बारानी क्षेत्र (हेक्टर में)	4,07,501	1. वाटरशेड परियोजनाओं की बेहतर दक्षता	1.1. फसल क्षेत्र में वृद्धि (लाख हेक्टर में) (YoY)	84,745
		1.2. मिट्टी और नमी संरक्षण गतिविधियों से आच्छादित क्षेत्र (हेक्टर में)	2,83,746		1.2. कृषकों की वार्षिक आय मे वृद्धि (%)(प्रतिवर्ष)	7.7%
		1.3. वृक्षारोपण के अंतर्गत लाया गया क्षेत्र (वनरोपण/बागवानी आदि) (हेक्टर में)	85,150		1.3. लाभान्वित किसानों की संख्या	13,60,313
		1.4. सृजित/नवीनीकृत जल संचयन संरचनाओं की संख्या (लाख में)	70,492			
		1.5. विविध फसलों के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र/फसल प्रणालियों में परिवर्तन (हेक्टर में)	71,531		1.4. सुरक्षात्मक सिंचाई के अंतर्गत लाया गया क्षेत्र (हेक्टर में)	1,75,380
		1.6. शून्य/एकल फसल से दुगनी या अधिक फसल के लिए लाया गया क्षेत्र (हेक्टर में)	56,595			
					1.5. सृजित रोजगार की संख्या (व्यक्ति- दिनों मे)	1,57,63,173

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थागत एवं मानव क्षमता निर्माण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
900	**क. इंस्पायर-मानक**					
	1. स्कूली छात्रों के बीच नवाचार और मौलिक सोच की संस्कृति का पोषण।	1.1. जागरूकता के सृजन हेतु आयोजित कार्यशालाओं की सं.	30	1. स्कूली स्तर पर प्रसार	1.1 मानक के अंतर्गत अपनी नवोन्मेषी उद्भावनाएं प्रस्तुत करने वाले छात्रों की सं.	10,00,000
		1.2. इंस्पायर मानक पुरस्कारों के लिए चयनित नवोन्मेषी उद्भावनाओं की सं.	50,000		1.2 स्कूलों की संख्या	5,00,000
					1.3 दाखिल पेटेंटों की संख्या	60
	ख. विश्वविद्यालयी अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन (पर्स)					
	1. विश्वविद्यालयों में अनुसंधान एवं विकास के बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण	1.1 सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या	20	1. शिक्षण और अनुसंधान गुणवत्ता में सुधार	1.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	400
		1.2 सहायता प्राप्त उपकरण/कम्प्यूटेशनल/बुनियादी ढांचागत सुविधाओं की संख्या	150		1.2 सुविधाओं का उपयोग करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या	5,000
		1.3 आयोजित क्षमता वर्धन कार्यक्रम / कार्यशाला की संख्या	80		1.3 स्थापित सुविधाओं के माध्यम से प्रशिक्षित मानव संसाधन की संख्या	200
	ग. विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में एसएंडटी अवसंरचना सुधार निधि (फिस्ट)					
	1. कॉलेजों, शिक्षण और शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों में अनुसंधान एवं	1.1 सहायता प्राप्त विभागों/पीजी कॉलेजों की संख्या	100	1. शिक्षण और अनुसंधान गुणवत्ता में सुधार	1.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	5,500
		1.2 सुदृढ़ीकृत अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं की संख्या	800		1.2 प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करने वाले शोधकर्ताओं अंत: प्रतिष्ठान और बाह्य संस्थान	5,000

	विकास बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण				की संख्या	
					1.3 स्थापित सुविधाओं के माध्यम से प्रशिक्षित मानव संसाधनों (वैज्ञानिक/शोधकर्ता/संकाय आदि) की संख्या	3,000
	घ. अत्याधुनिक विश्लेषण यंत्र सुविधाएं (सैफ)					
	1. देश मे अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीरकण	1.1 आयोजित क्षमता वर्धन कार्यक्रम/कार्यशालाओं की संख्या	60	1. विश्लेषण यंत्रों की गुणवत्ता में सुधार।	1.1 शोध प्रकाशनों की संख्या	2,200
					1.2 सुविधाओं तक अभिगम वाले वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं/छात्रों की संख्या	30,000
		1.2 विभिन्न केंद्रों में संवर्धित उपकरणों/सुविधाओं की संख्या	20		1.3 विश्लेषित नमूनों की संख्या	90,000
					1.4 सुविधाओं के उपयोग से आय। (करोड़ में)	10
	ङ. अत्याधुनिक विष्लेषण एवं तकनीकी सहायता संस्थान (साथी)					
	1. देश में अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीरकण	1.1 सहायता प्राप्त साथी केंद्रों की संख्या	3	1. विश्लेषण यंत्रों की गुणवत्ता में सुधार।	1.1. प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	60
					1.2. मेजबान संस्थान और बाहरी केंद्रों दोनों से उपयोगकर्ताओं की संख्या	540
					1.3. विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	15
					1.4. विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या	950
					1.5. सुविधाओं के उपयोग से	300

					राजस्व अर्जन (लाख में)	
					1.6. स्थापित सुविधाओं से प्रशिक्षित मानव संसाधनों (वैज्ञानिक, शोधकर्ता, प्रौद्योगिकीविदों आदि) की संख्या	160
					1.7. उद्योगों, एमएसएमई, स्टार्ट-अप आदि से उपयोगकर्ताओं की संख्या।	150
	च. राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन सूचना प्रणाली (एनएसटीएमआईएस)					
	1. राष्ट्रीय एसटीआई परितंत्र के मानचित्रण हेतु आंतरिक एवं बाह्य प्रतिष्ठान परियोजनाओं के माध्यम से एस एंड टी संसाधनों की मात्रा का निर्धारण	1.1. किए गए अध्ययन (नए और जारी)	25	1. एनएसटीएमआईएस सूचना संसाधनों तक उपयोगकर्ता की पहुंच	1.1. उपयोगकर्ताओं की संख्या	600

	छ. इंस्पायर अध्येतावृत्ति					
	1. एस एंड टी, चिकित्सा शास्त्र, कृषि, फार्मेसी और पशु चिकित्सा विज्ञान के सभी क्षेत्रों में डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने में छात्रों को बढ़ावा देना	1.1 सहायता प्राप्त इंस्पायर अध्येतावृत्तियों (नए और चालू) की संख्या	3,500	1. मेधावी छात्रों को पीएचडी करने के लिए प्रोत्साहित करने संबंधी कार्यक्रम	1.1. अध्येतावृत्ति समयावधि पूरा करने वाले अध्येताओं की संख्या	130
	ज. इंस्पायर प्रशिक्षुतावृत्ति					
	1. प्रतिष्ठित विज्ञानियों के साथ छात्रों के अंतर्व्यवहार में सुधार।	1.1 आयोजित प्रशिक्षुतावृत्ति विज्ञान शिविरों की संख्या	100	1. विज्ञान और अनुसंधान में करियर बनाने वाले छात्रों की संख्या में सुधार।	1.1. लाभार्थियों की संख्या	15,000
	झ. इंस्पायर संकाय सदस्य					
	1. देश में अनुसंधान के लिए परितंत्र को सक्षम बनाना	1.1 सहायता प्राप्त इंस्पायर संकाय (नए और चालू) की संख्या	400	1. अभिनव और प्रभावशाली शोध	1.1. प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	100
	ञ. इंस्पायर - उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति (शी)					
	1. विज्ञान गहन	1.1 सहायता प्राप्त एसएचई छात्रवृत्ति की	32,000	1. एम. एससी./डॉक्टोरल	1.1. इंस्पायर कार्यक्रम के तहत	4,000

	कार्यक्रम में उच्च शिक्षा हेतु युवाओं को बढ़ावा देना	संख्या (नई और जारी)		कार्यक्रमों में शामिल होने वाले एसएचई छात्र	प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम में शामिल होने वाले एसएचई छात्रों की संख्या	
					1.2. इंस्पायर कार्यक्रम के तहत प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में पीएच.डी. कार्यक्रम में शामिल होने वाले एसएचई छात्रों की संख्या।	250
	ट. राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्यक्रम					
	1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का सुदृढ़ीकरण	1.1 सहायता प्राप्त राज्य एस एंड टी परिषदों की संख्या	30	1. व्यवस्थित हस्तक्षेपों के माध्यम से राज्य स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पारितंत्र का सुदृढ़ीकरण	1.1. दर्ज किए गए पेटेंट की संख्या	80
		1.2 सहायित पेटेंट सूचना केंद्रों की संख्या (नए और चालू)	27		1.2. प्रसारित और व्यवस्थित प्रौद्योगिकियों की संख्या	40
					1.3. प्रकाशित पत्रों/रिपोर्टों/मैनुअलों की संख्या	40
	ठ. वाइज़-किरन (विज्ञान एवं इंजीनियरी में महिलाएं - किरन)					
	1. महिलाओं के लिए एस एंड टी	1.1 सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या (नई और जारी)	20	1. एस एंड टी आधारित उपायों के माध्यम से महिलाओं का क्षमता वर्धन और सशक्तीकरण	1.1 एस एंड टी उपायों के माध्यम से लाभान्वित महिलाओं की संख्या	800
	2. अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	2.1 सहायता प्राप्त अध्येतावृत्तियों की संख्या (नई और जारी)	500	2. अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	2.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	400

	3. संस्थागत सहायता	3.1 गति कार्यक्रम में भाग लेने वाले संस्थानों की संख्या	30	3. संस्थागत सहायता	3.1 गति के तहत मान्यता प्राप्त संस्थानों की संख्या	12
		3.2 क्यूरी के तहत सहायता प्राप्त संस्थानों की संख्या	20			
	4. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण	4.1 आयोजित क्षमता वर्धन कार्यक्रमों की संख्या	05		3.2 प्रशिक्षित महिला वैज्ञानिकों की संख्या	100
	ड. बोधनशील विज्ञान और अनुसंधान पहल (सीएसआरआई)					
	1. बोधनशील विज्ञान में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं और क्षमता वर्धन में सहायता	1.1 सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या (नई और जारी)	60	1. प्रयोगात्मक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न ज्ञान	1.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	55
		1.2 सहायता प्राप्त पोस्ट-डॉक्टोरल अध्येताओं की संख्या	10			
		1.3 आयोजित सम्मेलन/सेमिनार/संगोष्ठी /कौशल उन्नयन कार्यक्रम/कार्यशालाओं की संख्या	5		1.2 लाभार्थियों की संख्या	300
	ढ. नीति अनुसंधान प्रकोष्ठ (पीआरसी)					
	1. साक्ष्य आधारित अनुसंधान और नीति अनुसंधान क्षमता वर्धन के माध्यम से एसटीआई नीति अनुसंधान परितंत्र का सुदृढ़ीकरण	1.1 सहायता प्राप्त नीति अनुसंधान केंद्रों (नए और चालू) की संख्या	8	1. नीति अनुसंधान में सुधार	1.1 प्रकाशित नीति सार / नीति शोध पत्रों की संख्या	15
		1.2 सहायता प्राप्त नीति अध्येताओं की संख्या	5		1.2 प्रशिक्षित नीति वृत्तिकों की संख्या	10
	ण. प्रशिक्षण प्रकोष्ठ					

	1. 'सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम' और इसके महिला घटक योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम	1.1 वैज्ञानिकों/प्रौद्योगिकीविदों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	34	1. 'सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम' और इसके महिला घटक के तहत प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की संख्या	1.1 उन्नत क्षमता वाले वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों की संख्या	780

2. नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास और परिनियोजन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	**निर्गम 2024-25**				**परिणाम 2024-25**	
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
536.61	**क. जल प्रौद्योगिकी पहल (डब्ल्यूटीआई)**					
	1. जल प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और नवीन परियोजनाओं को सहायता	1.1 सहायता प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	110	1. प्रौद्योगिकी का विकास	1.1 व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों की तैनाती से लाभान्वित बस्तियों की संख्या	10
					1.2 विकसित/प्रदर्शित प्रौद्योगिकी अग्रणी की संख्या	14
		1.2 सहायता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	3		1.3 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	180
					1.4 दर्ज किए गए पेटेंट की संख्या	20
	ख. स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान पहल (सीईआरआई)					
	1. बेहतर व्यवसायीकरण	1.1 सहायता प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	150	1. प्रौद्योगिकियों का विकास।	1.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	140

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25				परिणाम 2024-25	
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	और श्रमशक्ति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए अवधारणाओं के प्रमाण पर आधारित नई प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए परितंत्र को सक्षम बनाना।	1.2 सहायता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	40		1.2 दर्ज किए गए पेटेंट की संख्या	24
					1.3 उद्भूत अग्रणी प्रौद्योगिकी की संख्या	23
					1.4 उन्नत कुशल मानव शक्ति संख्या	490
	ग. एस एंड टी संचार और लोकप्रियता					
	1. संचार के विभिन्न तरीकों के माध्यम से विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष को लोकप्रिय बनाना।	1.1 आयोजित छात्र केंद्रित गतिविधियों की संख्या	650	1. वैज्ञानिक रूप से जागरूक समाज का निर्माण करना	1.1 लाभान्वित स्कूली छात्रों की संख्या	2,54,000
		1.2 शोधकर्ता केंद्रित गतिविधियों की संख्या	10		1.2 लोकप्रिय/तकनीकी लेखन में शामिल शोधकर्ताओं की संख्या	2,000
		1.3 जनता के लिए एसटीईएमएम प्रदर्शन गतिविधियों की संख्या	120		1.3 भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या	10,00,000
					1.4 प्रशिक्षित विज्ञान संचारकों की संख्या	1,000
		1.4 आयोजित औद्योगिक परिदर्शन की संख्या	40			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25				परिणाम 2024-25	
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.5 विज्ञान संचारकों के लिए क्षमता वर्धन कार्यशाला की संख्या (कम लागत वाली शिक्षण सहायता आदि)	60			
	घ. विज्ञान और समाज कार्यक्रम					
	1. आजीविका नवोन्मेष सुदृढ़ीकरण, उन्नयन और पोषण (सुनील)	1.1 सहायता प्राप्त परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	10	1. सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उद्यमिता और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए परितंत्र का निर्माण	1.1 परियोजना हस्तक्षेप के तहत लाभान्वित समुदाय समूहों की संख्या	0
		1.2 आयोजित कौशल उन्नयन कार्यक्रमों की संख्या	20		1.2 लाभान्वित लोगों की संख्या	200
					1.3 सामाजिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए विकसित/संशोधित और परिनियोजित प्रौद्योगिकियों की संख्या	6
	2. दिव्यंगों और वृद्धों के लिए प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप साधन (टाइड) कार्यक्रम	2.1 सहायित परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	45	2. दिव्यांगों और वृद्धों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी उत्पादों का विकास	2.1 विकसित सहायक प्रौद्योगिकी उत्पादों की संख्या	10
					2.2 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	10
					2.3 दर्ज किए गए पेटेंट की संख्या	3

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25				परिणाम 2024-25	
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	3. युवा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद् (एसवाईएसटी) योजना	3.1 सहायता प्राप्त,परियोजना की संख्या (नई और चल रही)	40	3. युवा वैज्ञानिकों के लिए सामाजिक रूप से प्रासंगिक चुनौतियों पर काम करने और विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद/सेवा प्रदान करने के लिए पर्यावरण को सक्षम बनाना।	3.1 विकसित/या प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की संख्या	10
	4. अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) जनसंख्या के लिए एस एंड टी कार्यक्रम	4.1 सहायता प्राप्त परियोजना की संख्या (नई और चल रही)	100	4. एससी/एसटी के लिए एस एंड टी के इनपुट के साथ सामाजिक कार्यक्रम	4.1 विकसित या प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की संख्या	100
		4.2 सृजित हब/केंद्रों की संख्या	50		4.2 लाभान्वित लोगों की संख्या	1,00,00
					4.3 प्रकाशित रिपोर्टों/नियमावली/पत्रों की संख्या	50
		4.3 आयोजित जागरूकता/क्षमता वर्धन कार्यक्रमों की संख्या	100			
	ङ. प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम (टीडीपी)					
	1. उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी (ए.	1.1 सहायता प्राप्त परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	240	1. देश में प्रौद्योगिकी विकास	1.1 विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	50

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25				परिणाम 2024-25	
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	एम. टी.)/जैव चिकित्सा उपकरण/प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम/अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकी/उपचारात्मक रसायनों के तहत प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए परितंत्र को बढ़ावा देना।					
	च. राष्ट्रीय स्थानिक डेटा अवसंरचना (एनएसडीआई)					
	1. शासन और निर्णय लेने में स्थानिक डेटा अवसंरचना (एस. डी. आई.) निर्माण और उपयोग के लिए भू-स्थानिक डेटा और प्रौद्योगिकियों का विकास और मानकीकरण।	1.1 राष्ट्रीय डेटा रजिस्ट्री (एनडीआर) में पंजीकृत एजेंसियों की संख्या	20	1. आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए शासन और निर्णय लेने के लिए उपलब्ध आधिकारिक और एकीकृत भू-स्थानिक डेटा की सीमा और दायरा बढ़ाना।	1.1 विकसित और तैनात भू-स्थानिक डेटा परिसंपत्तियों/प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों/मानकों की संख्या	10
		1.2 एनएसडीआई की राष्ट्रीय और राज्य साझीदारी एजेंसियों द्वारा आयोजित भू-स्थानिक डेटा सेवाओं की संख्या	50		1.2 शोध पत्रों/प्रकाशित लेखों की संख्या	10
		1.3 सहायता प्राप्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	10			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25				परिणाम 2024-25	
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	छ. एस एंड टी आधारित नवोन्मेष और उद्यमिता विकास					
	1. संस्थागत तंत्रः निधि-नवोन्मेष को सुविधाजनक बनाना, उद्भवन केंद्र (टीबीआई/सीओई/ आईटीबीआई) और प्रयास केंद्र बनाना।	1.1 सहायता प्राप्त टीबीआई/सीओई/आईटीबीआई (नई और चल रही) की संख्या	30	1. उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए परितंत्र को सक्षम बनाना	1.1 लाभान्वित नवोन्मेषकों/उद्यमियों की संख्या	600
		1.2 सहायता प्राप्त प्रयास केंद्रों (पीसी) (नई और चल रही) की संख्या	50			
	2. स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने के लिए बीजन और त्वरण कार्यक्रमः निधि-सीड सहायता प्राप्त और त्वरक के तहत सहायता	2.1 सीड सहायता से सहायता प्राप्त उद्भवकों की संख्या (नई और चल रही)	25			
	ज. राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी)					
	1. भू-स्थानिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उत्पाद/सेवा, नवोन्मेष और उद्यमिता में शासन के सभी	1.1 सहायता प्राप्त परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	40	1. भू-स्थानिक विज्ञान, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय विकास प्राथमिकता के लिए भू-स्थानिक	1.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	40
					1.2 विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	10
		1.2 सहायता प्राप्त क्षमता वर्धन कार्यक्रमों की संख्या	20		1.3 भू-स्थानिक उपकरणों और तकनीकों के लिए प्रशिक्षित/प्रभावित हितधारकों की संख्या	500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25				परिणाम 2024-25	
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	स्तरों पर सतत सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एनजीपी 2022 (नीति) के साथ संरेखण में राष्ट्रीय भू-स्थानिक परितंत्र को उत्प्रेरित करना।			उत्पाद/सेवा, मानव संसाधन विकास और भू-स्थानिक उद्यमिता में विकास।		
	झ. तकनीकी अनुसंधान केंद्र (टीआरसी)					
	1. डी. एस. टी. ए. आई. और नेटवर्क ज्ञान भागीदार संस्थानों में अंतरणात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना।	1.1 सहायता प्राप्त अनुवादकीय अनुसंधान परियोजनाओं (नई और चल रही) की संख्या	150	1. अनुवादकीय अनुसंधान विकास और व्यावसायीकरण	1.1 प्रशिक्षित तकनीकी कार्मिकों की संख्या	200
		1.2 ज्ञान भागीदार (नए और चल रहे) के रूप में नेटवर्क किए गए शैक्षणिक/अनुसंधान और विकास संस्थानों की संख्या	50		1.2 एससीआई पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	200
		1.3 सहायता प्राप्त स्टार्ट-अप्स/टीबीआई की संख्या	10		1.3 व्यावसायीकृत प्रौद्योगिकियों/उत्पादों की संख्या	10
					1.4 दर्ज किए गए पेटेंट की संख्या	20
					1.5 टीआरसी सुविधाओं से राजस्व सृजन (रु. लाख)	150
	ञ. प्रदर्शनी प्रकोष्ठ					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25				परिणाम 2024-25	
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	1. प्रदर्शनी और मेलेः विभिन्न सूचना/प्रौद्योगिकी का आयोजन	1.1 भाग लिए गए/आयोजित प्रदर्शनियों और मेलों की संख्या।	10	1. प्रदर्शनी और मेलेः विभिन्न सूचना/प्रौद्योगिकी का आयोजन	1.1 दर्शकों/ई-आगंतुकों/ई-प्रतिभागी लोगों की संख्या	1,00,000
	ट. विज्ञान और विरासत अनुसंधान पहल (श्री)					
	1. वैज्ञानिक हस्तक्षेप के माध्यम से मूर्त और अमूर्त भारतीय विरासत का सुदृढीकरण	1.1 सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या (नई और चल रही)	35	1. भारतीय विरासत के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना	1.1 प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	10
		1.2 सहायता प्राप्त उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या	06		1.2 दर्ज किए गए पेटेंट की संख्या	05
		1.3 सहायता प्राप्त कार्यशालाओं/ सम्मेलनों/ संगोष्ठियों की संख्या	10			

3. राष्ट्रीय अंतर्विधा साइबर भौतिक प्रणाली मिशन (एनएम-आईसीपीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
564.46	**क. प्रौद्योगिकी विकास**					
	1. प्रौद्योगिकी नवोन्मेष केंद्र (टीआईएच) के	1.1 सहायता प्राप्त प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं की संख्या	1,100	1. उन्नत प्रौद्योगिकी विकास	1.1 विकसित प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकी उत्पादों की संख्या	315
		1.2 निष्पादित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की संख्या	20		1.2 एससीआई द्वारा प्रकाशित शोध	250

	माध्यम से साइबर-भौतिक प्रणालियों और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना।				पत्रों की संख्या	
					1.3 सीपीएस अनुसंधान आधार में शामिल शोधकर्ताओं की संख्या	500
					1.4 दर्ज किए गए पेटेंट की संख्या	50
	ख. नवोन्मेष, उद्यमिता और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र					
	1. प्रौद्योगिकी नवोन्मेष केंद्रों (टीआईएच) के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देना।	1.1 सहायता प्राप्त टीबीआई (नए और चल रहे) की संख्या	25	1. प्रौद्योगिकी और उद्यमिता का पोषण करने के लिए	1.1 लाभान्वित स्टार्ट-अप्स की संख्या	200
		1.2 सीपीएस (नए और चालू) के तहत समर्थित उद्यमियों की संख्या	25		1.2 लाभान्वित उद्यमियों की संख्या	100
		1.3 आयोजित भव्य चुनौतियों और प्रतियोगिताओं की संख्या	13			
	ग. मानव संसाधन विकास					
	1. प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्रों (टीआईएच) के माध्यम से मानव संसाधन विकास	1.1 स्नातक और स्नातकोत्तर फैलोशिप के तहत समर्थित विद्वानों की संख्या	600	1. अगली पीढ़ी के मानव संसाधन का पोषण करना	1.1 कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से लाभार्थियों की संख्या	5,000
		1.2 डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरल अध्येतावृत्तियों के तहत सहायता प्राप्त विद्वानों की संख्या	60			
		1.3 सहायता प्राप्त संकाय अध्येतावृत्तियों और अध्यक्ष प्रोफेसरों की संख्या	40			

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

1. **बायोटेक्नोलॉजी अनुसंधान तथा विकास (सीएस)** [191]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1100	**क. जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं विकास**					
	1. अनुसंधान तथा विकास का संवर्धन.	1.1. वर्तमान वर्ष की 1 अप्रैल को जारी परियोजनाओं की संख्या	2,607[192]	1. जैवप्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान तथा नवाचार में विकास	1.1 वर्तमान वर्ष में पूरी की गई परियोजनाओं की सं.	668
		1.2. वर्तमान वर्ष के दौरान संस्वीकृत नई परियोजनाओं की संख्या	538		1.2 वर्तमान वर्ष में पूरी की गई परियोजनाओं के परिणामस्वरूप प्रकाशनों की संख्या	659
					1.3 वर्तमान वर्ष में पूरी की गई परियोजनाओं के परिणामस्वरूप विकसित/अंतरित/वाणिज्यिकृत उत्पादों अथवा प्रौद्योगिकियों (सॉफ्टवेयर तथा डाटाबेस सहित) की	59

[191] नोट: बायोटेक्नोलॉजी विभाग केन्द्रीय क्षेत्र की दो अम्ब्रेला योजनाओं, क्रमश: (*i)* जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान तथा विकास तथा (*ii)* औद्योगिक तथा उद्यमशीलता विकास को क्रियान्वित करता है। वित्त वर्ष *2024-25* से ईएफसी ने उपर्युक्त योजनाओं को एक योजना में शामिल करने की अनुशंसा की है जिसे जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान नवाचार तथा उद्यमशीलता विकास (बायो-राइड) का नाम दिया गया है। हालांकि अभी तक मंत्रिमंडल द्वारा इसका अनुमोदन प्रतीक्षित है। निष्पादन परिणाम निगरानी तंत्र संकेतक अनुमोदित ई.एफ.सी. दस्तावेज पर आधारित है।

[192] कृपया ध्यान दें: वार्षिक-*2607* का तात्पर्य है कि संकेतक की आवृत्ति 'वार्षिक' है तथा संकेतक का लक्ष्य *'2607'* है। इसी प्रकार सभी टिप्पणियों को पिछली पंक्ति में समझा जा सकता है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
					संख्या	
					1.4 वर्तमान वर्ष में पूरी की गई परियोजनाओं के परिणामस्वरूप दायर/प्रदत्त/वाणिज्यिकृत पेटेंटों की सं.	36
	ख. जैवसूचना उपकरण तथा प्रोद्योगिकी और जीनोमिक					
	1. सूचना प्रणालियां तथा जैवसूचना	1.1 डाटाबेस/सॉफ्टवेयर	50	1. जीनोमिक्स में उन्नत अनुसंधान	1.1. सृजित जीनोम संपादित कार्यक्रम/मॉडल जीव/कोशिकीय प्रणालियां	1
		1.2 समर्थित जैवसूचना केंद्र	50			
	ग. स्वास्थ्य देखभाल तथा चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी					
	1. किफायती स्वास्थ्य देखभाल (दुर्लभ तथा आनुवांशिक विकार)	1.1 उम्मीद पहल के तहत स्थापित/समर्थित निदान केंद्रों की संख्या	20	1. किफायती स्वास्थ्य देखभाल (दुर्लभ तथा आनुवांशिक विकार)	1.1 उम्मीद पहल के तहत (महत्वाकांक्षी जिलों में) आनुवांशिक रोगों के संबंध में जांचे गए नवजात की संख्या	50,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.2 दुर्लभ आनुवांशिक विकारों के संबंध में गर्भवती महिलाओं तथा नवजात शिशुओं की जांच हेतु शामिल महत्वाकांक्षी जिलों की संख्या	20		1.2 उम्मीद पहल के तहत (महत्वाकांक्षी जिलों में) आनुवांशिक रोगों की जांच	1,00,000
	2. राष्ट्रीय जैवफार्मा मिशन	2.1 किफायती जैव भेषजीकीय (वैक्सीन/बायोसिमिलर) के विकास हेतु समर्थित नई परियोजनाओं की संख्या	6	2. राष्ट्रीय जैवफार्मा मिशन	2.1 विकसित निदान किटों/चिकित्सा उपकरणों की संख्या	2
		2.2 किफायती जैव भेषजीकीय (वैक्सीन/बायोसिमिलर) के विकास हेतु समर्थित जारी परियोजनाओं की संख्या	8		2.2 प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	40
		2.3 किफायती निदान किटों/उपकरणों के विकास हेतु समर्थित पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	6			
		2.4 वैज्ञानिक अनुसंधान के तहत नई परियोजनाओं की संख्या	3			
		2.5 वैज्ञानिक अनुसंधान के तहत संस्वीकृत जारी परियोजनाओं की संख्या	5			
		2.6 आयोजित कार्यशालाओं/प्रशिक्षणों की संख्या	2			
	घ. उन्नत जैव ईंधन तथा निरंतरता					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
				1. क्षमता निर्माण तथा वैज्ञानिक प्रगति	1.1 सतत उड्डयन ईंधन (एसएएफ) अनुसंधान, विकास तथा प्रदर्शन हेतु प्रायोगिक स्तर की सुविधाओं की संख्या	1
					1.2 एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) के विकल्प हेतु स्थापित अत्याधुनिक अनुसंधान, विकास तथा प्रदर्शन केंद्रों की संख्या	1
					1.3 उन्नत जैवईंधन तथा सततता के क्षेत्र में स्थापित उद्योग अकादमिक संघ की संख्या	1
	ङ. कृषि जैवप्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्र: आर एण्ड डी वैज्ञानिक उन्नयन का समर्थन					
	1. कृषि जैवप्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्र: आर एण्ड डी वैज्ञानिक उन्नयन का समर्थन करता है।	1.1 संशोधित किस्मों/विकसित प्रजातियों की संख्या संख्या सं.	1			
		1.2 नए प्राप्त हुए सूत्रों की संख्या (प्रौद्योगिकी/उत्पाद/प्रक्रिया)	1			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	2. पशु जैवप्रौद्योगिकीः आर एण्ड डी तथा वैज्ञानिक अनुसंधान का समर्थन करती है।	2.1 डीबीटी द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं में आयोजित कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/वैचारिक मंथन बैठकों/प्रशिक्षणों की संख्या	4	2. पशु जैवप्रौद्योगिकी: नवीन नैदानिक तथा वैक्सीन	2.1 नई/संशोधित पशु नैदानिक किट/परीक्षणों/उत्पादों/जैविक /उपकरणों/ प्रौद्योगिकीयों की संख्या	4
					2.2 पशुधन तथा पशुरोगों के लिए नई संशोधित पशु वैक्सीन/वैक्सीन कैंडीडेट की संख्या	2
	च. मानव संसाधान एवं विकास					
	1. मानव संसाधन विकास (एचआरडी): स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रमों, एसटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जेआरएफ, आरए के लिए स्टार कॉलेजो को समर्थन देता है।	1.1 स्टार कॉलेज योजना के अंतर्गत समर्थित कॉलेजों की संख्या	120	1. कुशल जनशक्ति का सृजन	1.1 स्टार कालेजों से पीजी पाठ्यक्रमों को चुनने वाले छात्रों की संख्या	1,000
		1.2 प्रशिक्षित पीजी छात्रों की संख्या	1,200	2. शिक्षण तथा शोध के लिए ज्ञान और उच्च प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन, पहचान तथा शोधकर्ताओं का पोषण	2.1 बीआईटीपी/प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रोजगार पाने वाले छात्रों की संख्या	20
		1.3 वर्तमान वर्ष में प्रदान की गई डीबीटी - जेआरएफ अध्येतावृतियों की संख्या	500			
		1.4 वर्तमान वर्ष में प्रदान की गई डीबीटी-आरए अध्येतावृतियों की संख्या	100			
		1.5 वर्तमान वर्ष में डीबीटी-जेआरएफ-एसआरएफ समर्थित शोधार्थियों की सं.	1,200	3. एचआरडी: शोधकर्ताओं की पहचान और उनका पोषण: विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए कार्यकलापों का समर्थन	3.1 सीटीईपी क्रियाकलापों से लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या	3,000
	2. विज्ञान कौशल कार्यक्रम के लिए समर्थित	2.1 आयोजित संकाय विकास /प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	12			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	कार्यकलाप	2.2 बीआईटीपी के अंतर्गत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	100			
		2.3 छात्र प्रशिक्षण/तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	100			
	3. मानव संसाधन विकास: जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीन शोध तथा विकास कार्यकलापों को करने के लिए शोधकर्ताओं को दिया गया समर्थन	3.1 बायोकेयर के अंतर्गत समर्थित परियोजनाओं/महिला वैज्ञानिकों की कुल संख्या	50			
		3.2 रामालिंगास्वामी पुन: प्रवेश अध्येतावृत्ति के लिए चयनित अभ्यर्थियों की संख्या	50			
		3.3 एमके भान युवा शोध अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	50			
	4. एचआरडी: शोधकर्ताओं की पहचान और उनका पोषण; विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए क्रियाकलापों का समर्थन	4.1 सीटीईपी क्रियाकलाप: सम्मेलनों की संख्या	150			
		4.2 सीटीईपी क्रियाकलाप: यात्रा अनुदान की संख्या	415			
		4.3 सीटीईपी क्रियाकलाप: रोचक व्याख्यान की संख्या	25			
		4.4 सीटीईपी क्रियाकलाप: प्रदर्शनियों की संख्या	10			
	छ. जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान संसाधन एवं सुविधाएं					
	1. अवसंरचना विकास के लिए समर्थित कार्यकलाप	1.1 डीबीटी-सहज के तहत स्थापित राष्ट्रीय सुविधाओं की संख्या	5	1. अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा कार्यक्रम	1.1 सुविधाओं (शैक्षिक एवं बाह्य प्रयोक्ता) का उपयोग करने वाले प्रयोक्ताओं की कुल संख्या	3,000
		1.2 डीबीटी-बिल्डर के तहत समर्थित	10			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		विश्वविद्यालयों की संख्या				
	ज. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग					
	1. अनुसंधान एवं विकास कार्यकलाप	1.1 वर्तमान वर्ष में घोषित प्रस्तावों के लिए कुल अंतर्राष्ट्रीय आमंत्रण	3	1. अनुसंधान एवं विकास कार्यकलाप	1.1 वर्तमान वर्ष में समर्थित नए अनुसंधान कार्मिक की संख्या	15
		1.2 वर्तमान वर्ष में वित्तपोषित नए अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं की कुल संख्या	12			
		1.3 वर्तमान वर्ष में आयोजित/समर्थित कार्यशालाओं की कुल संख्या	5			
	झ. जैव चिकित्सा अनुसंधान जीवनवृत्ति कार्यक्रम/डीबीटी-डब्ल्यूटी इंडिया एलांएस (आईसी)					
	1. मजबूत विश्वस्तरीय जैव चिकित्सा अनुसंधान मानव संसाधन का निर्माण	1.1 वित्तीय संरक्षण और विशिष्ट प्रतिभा को समर्थन - वर्तमान वित्त वर्ष में वित्तीय समर्थन के साथ प्रदान किया गया जारी अनुसंधान अनुदान/ अध्येतावृत्ति की संख्या	300	1. भारत में उच्च-गुणवत्ता जैव चिकित्सा अनुसंधान को उत्प्रेरित करना और अनुसंधान क्षमता का निर्माण	1.1 वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या	100
					1.2 वर्तमान वर्ष (डीबीटी-डब्ल्यूटी इंडिया एलांएस) में आयोजित/समर्थित कार्यशालाओं की संख्या	2
	ञ. जैवप्रौद्योगिकी आधारित सामाजिक विकास					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	1. ग्रामीण जैव संसाधन काम्प्लेक्स/प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र/इकाईयों (अवसंरचना विकास के लिए समर्थित कार्यकलाप) का विस्तार	1.1 महत्वाकांक्षी जिलों में समर्थित ग्रामीण जैव-संसाधन काम्प्लेक्स/ग्रामीण प्रौद्योगिकी समूह की संख्या	20	1. प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप	1.1 अनुप्रयोग के लिए शुरू किए गए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों की संख्या	10
	2. प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं विस्तार कार्यकलापों के माध्यम से प्रमाणित एवं क्षेत्र-परीक्षित प्रौद्योगिकियों का प्रचार	2.1 प्रायोगिक प्रशिक्षण/कार्यशाला/की गई जागरूकता की संख्या	250			
		2.2 प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या जिन्होंने प्रशिक्षण/कार्यशाला में भाग लिया	2500			
	3. बायोटेक किसान	3.1 समर्थित बायोटेक-किसान हब की संख्या	52	2. बायोटेक किसान	2.1 किसान लाभार्थियों की संख्या (प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों, दोनों के तहत)	70,000
		3.2 किए गए प्रदर्शनों की सं.	400			
		3.3 की गई मध्यस्थताओं की संख्या	45		2.2 महिलाओं एवं जनजातीय किसान लाभार्थियों की संख्या	9,000
		3.4 किसानों के लिए आयोजित प्रायोगिक कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	120		2.3 केवीके तथा राज्य कृषि विभागों द्वारा किए गए उन्नत कार्यकलाप	40
		3.5 जैव उद्यमिता विकास के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	30		2.4 विकसित सफल जैव-उद्यमियों की संख्या	20
		3.6 शामिल किए गए जिलों की संख्या	150			
	ट. पूर्वोत्तर क्षेत्र के कार्यक्रम (पूर्वोत्तर क्षेत्र)					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	1. आर एण्ड डी वैज्ञानिक प्रगति का समर्थन	1.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र (जारी परियोजनाओं सहित) में समर्थित बायोटेक हब की संख्या	30	1. आर एण्ड डी द्वारा संबोधित पूर्वोत्तर क्षेत्र विशिष्ट चुनौतियां	1.1 क्षेत्रीय/राष्ट्रीय भंडार गृह में एकत्रित और जमा किए गए पूर्वोत्तर विशिष्ट जर्मप्लाज्म/जैव संसाधन नमूनों की संख्या	150
		1.2 नेटवर्क परियोजनाओं चालू परियोजनाओं के माध्यम से संबोधित पूर्वोत्तर क्षेत्र की विशिष्ट चुनौतियों (कृषि/चिकित्सा/पर्यावरण और संबंधित क्षेत्रों में) की संख्या	2		1.2 विकसित उत्पादों/प्रौद्योगिकियों की संख्या (नई फसल किस्में या प्रकार, प्रजनन प्रोटोकॉल, नैदानिक किट, वैक्सीन, मूल्यवर्धित उत्पाद आदि)	3
		1.3 पूर्वोत्तर क्षेत्र (चालू परियोजनाओं सहित) में आजीविका सृजन के लिए मध्यस्थताओं हेतु लक्षित स्थानिक जैव संसाधनों की संख्या	10	2. पूर्वोत्तर क्षेत्र: क्षेत्र की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मानव संसाधन विकास	2.1 आयोजित प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों (जारी परियोजनाओं सहित) की संख्या	50
					2.2 लाभान्वित यूजी/पीजी/पीएचडी छात्रों (जारी परियोजनाओं सहित) की संख्या	500
				3. पूर्वोत्तर क्षेत्र में आजीविका सुरक्षा के सृजन और उद्यमिता के लिए जैव संसाधन विकास	3.1 शुरू की गई प्रौद्योगिकी मध्यस्ताओं/उन्नत कार्यकलापों/किए गए क्षेत्र प्रदर्शनों (जारी परियोजनाओं सहित) की संख्या	10

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
					3.2 लाभार्थियों/किसानों/प्रशिक्षित उद्यमियों (जारी परियोजनाओं सहित) की संख्या	300
	ठ. औद्योगिक एवं उद्यमिता विकास*					
	1. देश में बायोटेक उद्योग के विकास के लिए जैवप्रौद्योगिकी पार्क को बढ़ावा देना	1.1 वर्तमान वर्ष में स्थापित नए बायोटेक पार्क की संख्या	1	1. सूचना परिवर्तनीय पारिस्थितिकी तंत्र के सृजन और सार्वजनिक निजी भागीदारी नवाचार कार्यक्रमों के प्रचार और समर्थन के लिए बायोटेक क्षेत्र में नवाचार में वृद्धि और उद्यमियों का प्रचार करना	1.1 दायर/स्वीकृत पेटेंट की कुल संख्या	50
		1.2 वर्तमान वर्ष में समर्थित बायोटेक पार्क की संख्या	5		1.2 विकसित/व्यवसायिकृत उत्पादों/प्रौद्योगिकी की कुल संख्या	60
	2. विश्वविद्यालयों अनुसंधान संस्थानों एवं उद्योगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देना	2.1 मौजूदा समर्थित जैव-समूह की कुल संख्या	1		1.3 समूह में स्थापित संसाधनों का उपयोग करने वाले लाभार्थियों की संख्या	375
		2.2 समर्थित स्टार्टअप/उद्यमियों की कुल संख्या और स्थापित उद्योग-शैक्षणिक समुदाय संपर्क	5		1.4 समर्थित उद्यमियों, स्टार्टअप/एसएमई/उद्योगों की कुल संख्या	2250
		2.3 विकसित नई सुविधाओं की कुल संख्या	4		1.5 अनुवर्ती वित्तपोषण प्राप्त करने वाले स्टार्टअप की कुल संख्या	50
	3. सार्वजनिक निजी भागीदारी नवाचार कार्यक्रमों को प्रोत्साहित और समर्थन प्रदान करना	3.1 वर्तमान वर्ष में समर्थित उद्यमियों, स्टार्टअप की संख्या	2,338			
		3.2 जैव-इन्क्यूबेटर की संख्या	100			
		3.3 वर्तमान वर्ष में समर्थित उद्यम परियोजनाओं में शैक्षिक अनुसंधान परिवर्तन (पीएसीई) को बढ़ावा देने की संख्या	53			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		3.4 वर्तमान वर्ष में समर्थित लघु व्यापार नवाचार अनुसंधान पहल (एसबीआईआरआई) की संख्या	43			
		3.5 वर्तमान वर्ष में समर्थित जैवप्रौद्योगिकी प्रज्वलन अनुदान (बीआईजी) अनुदेयी की संख्या	325			
		3.6 वर्तमान वर्ष में समर्थित जैवप्रौद्योगिकी उद्योग भागीदारी कार्यक्रम (बीआईपीपी) परियोजनाओं की संख्या	41			

1. कुशल भारत कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,685.64	**क. कौशल विकास हेतु जन शिक्षण संस्थानों (एनजीओ) को सहायता की स्कीम**					
	1. कौशल प्रशिक्षण	1.1 कुल प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या	4,93,000	1. प्रशिक्षित उम्मीदवारों का प्रमाणीकरण	1.1 प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.2 कुल प्रशिक्षित महिला उम्मीदवारों की संख्या	3,45,100		1.2 प्रमाणित महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.3 कुल प्रशिक्षित एससी उम्मीदवारों की संख्या	1,15,250		1.3 प्रमाणित एससी उम्मीदवारों का प्रतिशत	92
		1.4 कुल प्रशिक्षित एसटी उम्मीदवारों की संख्या	55,420		1.4 प्रमाणित एसटी उम्मीदवारों का प्रतिशत	88
		1.5 कुल प्रशिक्षित ओबीसी उम्मीदवारों की संख्या	1,50,600		1.5 प्रमाणित ओबीसी उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.6 कुल प्रशिक्षित पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों की संख्या	1,052		1.6 प्रमाणित पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
	ख. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना (पीएमएनएपीएस)					
	1. कार्यस्थल पर शिक्षुता प्रशिक्षण	1.1 पंजीकृत प्रतिष्ठानों की संख्या	5,000	1. नामांकित प्रशिक्षुओं की संख्या में वृद्धि	1.1 नामांकित प्रशिक्षुओं की संख्या में % वृद्धि, पिछले वर्ष की तुलना में	5
		1.2 नए शिक्षुता अनुबंधों की संख्या	9,80,000		1.2 सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	60
		1.3 नए महिला शिक्षुता अनुबंधों की संख्या	1,96,000		1.3 सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले महिला प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	60

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	ग. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)					
	1. कौशल प्रशिक्षण	1.1 अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या	4,50,335	1. प्रशिक्षित उम्मीदवारों का प्रमाणीकरण	1.1 अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) में प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.2 विशेष परियोजनाओं (एसपी) में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या	2,54,903		1.2 विशेष परियोजना (एसपी) में प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.3 पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) में उन्मुख उम्मीदवारों की कुल संख्या	42,60,674		1.3 पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) में प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.4 भावी जॉब रोलों में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या	1,10,000		1.4 भावी जॉब रोलों में में प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.5 पीएम जनमन, नल जल आदि उप-स्कीमों के अंतर्गत प्रशिक्षित	1,10,000		1.5 पीएम जनमन, नल जल आदि उप-स्कीमों के अंतर्गत प्रमाणित प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	90

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

1. एससी हेतु मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
6,359.98	1. अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदान की गई छात्रवृत्ति	1.1 चालू वर्ष में कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	72.93	1. छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों की संवर्धित संख्या	1.1 छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जाति के नामांकित छात्र (लाख में)	31
		1.2 छात्रवृत्ति का लाभ उठाने वाली छात्राओं की संख्या (लाख में)	34.28		1.2 छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के बाद अगली कक्षा में प्रोन्नत किए गए अनुसूचित जाति के छात्रों का %	100

2. प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम अजय) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
2,140	1. चयनित अनुसूचित जाति बहुल गांवों का एकीकृत सामाजिक-आर्थिक विकास	1.1 डीएलसीसी द्वारा अनुमोदित ग्राम विकास योजनाएं (वीडीपीएस)	6,000	1. गांवों का आदर्श ग्राम के रूप में विकास	1.1 50 मॉनीटर योग्य संकेतकों के आधार पर सुधार किए गए चयनित गांवों की संख्या।	5,000
		1.2 पूरे किए गए चिन्हित कार्यों की संख्या	6,000		1.2 आदर्श ग्राम के रूप में घोषित गांवों की संख्या	7,000
	2. अनुसूचित जाति के बालक एवं बालिकाओं के लिए छात्रावासों का निर्माण	2.1 संस्वीकृत छात्रावासों की संख्या	30	2. छात्रावास सुविधाओं की उपलब्धता में वृद्धि	2.1 गत वर्षों में प्रचालनरत छात्रावासों के छात्रों के लिए आवास क्षमता में बढ़ोतरी करना	3000
		2.2 प्रचालनरत छात्रावासों की कुल संख्या	20			

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	3. इस स्कीम के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्यों को अनुदान दिया जाता है	3.1 जीआईए घटक के अंतर्गत सभी परियोजनाओं के लिए जारी कुल राशि(करोड़)	400	3. अनुसूचित जाति के लाभार्थी / परियोजनाओं के लिए उपलब्ध कराई गई वित्तीय सहायता	3.1. जीआईए घटक के अंतर्गत अनुसूचित जाति के लाभान्वित लाभार्थियों की कुल संख्या।	1,10,000
		3.2 जीआईए घटक के कौशल विकास इंटरवेंशन के अंतर्गत संवितरित कुल राशि।	150		3.2. जीआईए घटक के कौशल विकास इंटरवेंशन के अंतर्गत लाभान्वित अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की कुल संख्या।	50,000
		3.3 जीआईए घटक के आय सृजन इंटरवेंशन के अंतर्गत संवितरित कुल राशि।(करोड़)	250		3.3. जीआईए घटक के आय सृजन इंटरवेंशन के अंतर्गत लाभान्वित अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की कुल संख्या।	60,000
		3.4 कौशल विकास इंटरवेंशन के अंतर्गत वित्त पोषित परियोजनाओं की संख्या	500		3.4. अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की संख्या जिन्होंने राष्ट्रीय फ्रेमवर्क के अनुसार कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है	50,000

3. ओबीसी, ईबीसी तथा डीएनटी के लिए वाइब्रेंट इंडिया हेतु पीएम यंग अचीवर्स स्कॉलरशिप अवार्ड स्कीम (पीएम यशस्वी) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,836	**क. ओबीसी, ईबीसी तथा डीएनटी के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति**					

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
	1. ओबीसी, ईबीसी तथा डीएनटी छात्रों को छात्रवृत्ति के माध्यम से मैट्रिकोत्तर शिक्षा पूरी करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।	1.1 पात्र लाभार्थियों को जारी की गई निधि (रुपये करोड़ में)	921	1. मैट्रिकोत्तर अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ओबीसी छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के बाद अगली कक्षा में प्रोन्नत किए गए ओबीसी छात्रों का **%**	95
		1.2 चालू वित्तीय वर्ष में कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	40		1.2 इस स्कीम के अंतर्गत गत वर्ष की तुलना में वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ओबीसी छात्रों का **%**	82
	ख. ओबीसी, ईबीसी तथा डीएनटी के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति					
	1. ओबीसी, ईबीसी तथा डीएनटी छात्रों को छात्रवृत्ति के माध्यम से मैट्रिक-पूर्व शिक्षा पूरी करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।	1.1 पात्र लाभार्थियों को जारी की गई निधि (रुपये करोड़ में)	210	1. मैट्रिकोत्तर अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ओबीसी छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 गत वर्ष के व्यय के अनुरूप निधियों के संवितरण में परिवर्तन का %	95
		1.2 चालू वित्तीय वर्ष में कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	95		1.2 इस स्कीम के अंतर्गत गत वर्ष की तुलना में वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ओबीसी छात्रों का %	82
	ग. ओबीसी बालक एवं बालिकाओं हेतु छात्रावास (सीएसएस)					
	1. छात्रावासों का निर्माण	1.1 उस वर्ष विशेष में मंजूर छात्रावासों की संख्या	10	1. सामाजिक और शैक्षिक रूप से	1.1 इस स्कीम के अंतर्गत छात्रावास सुविधा का लाभ उठाने वाले	800

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		1.2 पूर्ण किए गए छात्रावासों की संख्या	10	पिछड़े वर्गों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित छात्रों को छात्रावास की सुविधा प्रदान करना, ताकि उन्हें माध्यमिक और उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद की जा सके।	ओबीसी छात्रों की संख्या	

4. एससी एवं अन्य के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति स्कीम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
500	1. अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदान की गई छात्रवृत्ति	1.1 चालू वर्ष में कवर किए गए लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	27.00	1. छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों की संवर्धित संख्या	1.1. छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए नामांकित अनुसूचित जाति के छात्र(लाख में)	11.60
		1.2 छात्रवृत्ति का लाभ उठाने वाली छात्राओं की संख्या (लाख में)	12.69		1.2 छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के बाद अगली कक्षा में प्रोन्नत किए गए अनुसूचित जाति के छात्रों का %	100

अंतरिक्ष विभाग

1. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
10,087.52	1. गगनयान - भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम	1.1 मानव अनुकूलित प्रमोचक रॉकेट/कर्मीदल बचाव प्रणाली के विकास के लिए उड़ान परीक्षणों की संख्या	4	1. मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का विकास एवं वैज्ञानिक अनुसंधान को समर्थ बनाना	1.1 भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए तैयारी का प्रतिशत (%)	76
		1.2 मंदन प्रणाली सहित कक्षीय मॉड्यूल की तैयारी के लिए अर्हता परीक्षणों की संख्या	17			
		1.3 मिशन हेतु कर्मीदल प्रशिक्षण के लिए पूर्ण किए गए पाठ्यक्रम मॉड्यूलों की संख्या	5		1.2 गगनयान मिशन के लिए विज्ञान परीक्षणों की तैयारी का प्रतिशत (%)	74
	2. प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं/उन्नत अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों की प्रतिबद्धता	2.1 वर्ष के दौरान प्रारंभ किए गए नए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	210	2. संवर्धित क्षमता के साथ ई.ओ. की सातत्यता और अवस्थितिक सेवाएँ मुहैया कराने के लिए अंतरिक्ष अवसंरचना का संवर्धन	2.1 भारत सरकार के समर्थित मंत्रालयों/विभागों के कार्यक्रमों/गतिविधियों की संख्या	16
		2.2 वर्ष के दौरान पूर्ण की गई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	260	3. घरेलू और विदेशी उपग्रहों के लिए प्रचालनात्मक प्रमोचन सेवाएँ सुनिश्चित करना	3.1 वर्ष के दौरान पी.एस.एल.वी. द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	24
	3. उपग्रहों का डिजाइन, विकास	3.1. वर्ष के दौरान प्रमोचित भू प्रेक्षण (ई.ओ.) उपग्रहों की	4		3.2 वर्ष के दौरान जी.एस.एल.वी. द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	एवं प्रमोचन	संख्या			संख्या	
		3.2. वर्ष के दौरान प्रमोचित नौवहन उपग्रहों की संख्या	1		3.3 वर्ष के दौरान एल.वी.एम.-3 द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	1
		3.3. वर्ष के दौरान प्रमोचित वैज्ञानिक/वाणिज्यिक/ प्रयोक्ता वित्त पोषित अंतरिक्ष यानों की संख्या	24		3.4 वर्ष के दौरान एस.एस.एल.वी. द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	3
		3.4. वर्ष के दौरान प्रमोचित प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशनों की संख्या	1			
	4. अनुसंधान एवं विकास तथा प्रमोचक रॉकेटों का साकारीकरण	4.1 वर्ष के दौरान प्रमोचित ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (पी.एस.एल.वी.) उपग्रहों की सं.	4	4. अन्य उद्देश्यों के लिए सेवाओं का उपयोग	4.1. वाणिज्यिक प्रमोचन सेवाएँ उपलब्ध करवाकर अर्जित राजस्व (करोड़ रु. में)	650
		4.2 वर्ष के दौरान प्रमोचित भूतुल्यकाली उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (जी.एस.एल.वी.) की संख्या	2	5. आत्म- निर्भरता की दिशा में प्रौद्योगिकी क्षमताएँ और कार्य	5.1 सामाजिक/वाणिज्यिक/ अन्य उद्देश्यों के लिए हस्तांतरित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों की संख्या	20
		4.3 वर्ष के दौरान प्रमोचित एल.वी.एम.-3 रॉकेटों की संख्या	1		5.2 वर्ष में आयात निर्भरता में प्रतिशत कमी का %	1
		4.4 वर्ष के दौरान प्रमोचित लघु उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (एस.एस.एल.वी.) की संख्या	1	6. देश में अंतरिक्ष पारिस्थितिकी को समर्थ बनाना	6.1. उद्योग के जरिए उत्पादन हेतु हस्तांतरित प्रचालनात्मक प्रणालियों की संख्या	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	5. देश में अंतरिक्ष पारिस्थितिकी को समर्थ बनाना	5.1. अंतरिक्ष क्रियाकलाप करने के लिए इसरो समर्थित गैर- सरकारी इकाइयों की संख्या	150			

2. अंतरिक्ष अनुप्रयोग (सी.एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,611.71	1. ई.ओ., नौवहन, संचार, आपदा प्रबंधन सहायता हेतु नीतभारों/अनुप्रयोगों का डिजाइन एवं विकास	1.1. मानी गई ई.ओ./संचार/ नौवहन/नीतभारों की संख्या	5	1. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, प्राकृतिक आपदाओं, कृषि योजना, अवसंरचना योजना तथा ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सेवाओं की पहुँच हेतु सूचना सहायता	1.1 आपदा सहायता प्रदत्त प्रमुख आपदा घटनाओं का %	85
		1.2. आई.जी.बी.पी./डीएम एस एन.एन.आर.एम.एस./एन.आई.सी.ई.एस. जैसे कार्यक्रमों तथा मिशनों हेतु उपयोगिता कार्यक्रमों के तहत वर्ष के दौरान किए गए भू-प्रेक्षण अनुप्रयोगों की संख्या	20		1.2 सहायता प्रदत्त सरकारी योजनाओं/महत्वपूर्ण कार्यक्रमों/परियोजनाओं की संख्या	16
		1.3. प्रयोक्ताओं द्वारा	14,00,000		1.3 उद्योग मानकीकरण के	0

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		डाउनलोड करने हेतु रखे गए आँकड़ों/मूल्य संवर्धित आँकड़ा उत्पादों की संख्या			माध्यम से नाविक सेवाओं का उपयोग करने हेतु समर्थित क्षेत्रों की संख्या	
		1.4. आँकड़ों/मूल्य संवर्धित आँकड़ा उत्पादों के डाउनलोड की संख्या	20,00,000			
	2. भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में क्षमता निर्माण	2.1. भू-स्थानिक डोमेन (अंतः परिसर कार्यक्रम) में प्रदान किए गए डिग्री/डिप्लोमा (एम.एस.सी./ एम.टेक/पी.जी. डिप्लोमा की संख्या	50			

1. क्षमता विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
543.87	1. आईसीटी और उन्नत सर्वेक्षण क्षमताओं का उपयोग	1.1. चालू वित्तीय वर्ष में संचालित सीएपीआई/जीआईएस/अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके प्रारंभ किए गए सर्वेक्षणों की संख्या।	3	1. रिपोर्ट/सर्वेक्षण परिणाम का समय से प्रकाशन और सटीक रिपोर्ट किए गए डेटा की उपलब्धता।	1.1. चालू वित्तीय वर्ष में (संदर्भ अवधि की समाप्ति से 6 माह के समय अंतराल के भीतर) प्राथमिक डेटा का उपयोग करके जारी की गई रिपोर्टों की संख्या।	7
					1.2. एन.एस.एस.ओ. के घरेलू सर्वेक्षणों का प्रतिशत जहां अखिल भारतीय स्तर पर प्रमुख संकेतकों के सांख्यिकीय अनुमान सापेक्ष मानक त्रुटि (आर.एस.ई.) की निर्धारित सीमा के भीतर रहते हैं।.	2
	2. सांख्यिकी कार्मिकों का प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण	2.1 चालू वित्तीय वर्ष में राजकीय सांख्यिकी (केन्द्र+राज्य) पर सांख्यिकी अधिकारियों के लिए संचालित वैयक्तिक प्रशिक्षण की संख्या।	22	2. विस्तृत सांख्यिकीय क्षमताएं	2.1. चालू वित्त वर्ष में राजकीय सांख्यिकी पर वैयक्तिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सांख्यिकीय अधिकारियों का प्रतिशत |	100
		2.2 चालू वित्तीय वर्ष में सांख्यिकीय अधिकारियों के लिए नई तकनीक जैसे ए.आई. / एम.एल. पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।	4		2.2. चालू वित्तीय वर्ष में ए.आई / एम.एल. जैसी नई तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सांख्यिकीय अधिकारियों का प्रतिशत।	100
	3. राजकीय सांख्यिकी की	3.1. राष्ट्रीय एसडीजी संकेतकों का प्रतिशत	96	3. नीति में साक्ष्य-	3.1. चालू वित्तीय वर्ष में एसडीजी-	3

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	बेहतर गुणवत्ता	जिसके लिए डेटा उपलब्ध है		आधारित निर्णय लेने के माध्यम से प्रभावी एसडीजी निगरानी	राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क के आधार पर जारी रिपोर्टों की संख्या	
	4. एसएसएस उप-योजना के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता	4.1. एसएसएस उप-योजना के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के उपरांत निधियों को प्राप्त कर चुके अथवा प्राप्त कर रहे राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या |[193]	29	4. राज्यों की क्षमताओं में वृद्धि	4.1. एसएसएस उप-योजना के तहत समर्थित राज्य/उप-राज्य स्तरीय आंकड़े नियमित रूप से जारी करने और अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या |[194]	8

[193] *यह संकेतक संचयी प्रकृति के है जिसे केवल अंतिम तिमाही में रिपोर्ट किया जाना है ।*

[194] *यह संकेतक संचयी प्रकृति के है जिसे केवल अंतिम तिमाही में रिपोर्ट किया जाना है ।*

1. अपैरल/गारमेंट्स और मेड-अप्स के निर्यात पर राज्य और केंद्रीय करों और लेवियों में छूट योजना (आरओएससीटीएल) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
9,246	1. अपैरल/गारमेंट्स और मेड अप्स के निर्यात पर राज्य और केंद्रीय करों और लेवियों में छूट का प्रावधान	1.1 संसाधित प्राप्त दावा का मूल्य (करोड़ रुपए में)	9,245	1. अपैरल/गारमेंटस और मेड-अप्स के निर्यात में वृद्धि	1.1 अपैरल/गारमेंट्स और मेड अप्स का कुल निर्यात (यूएसडी बिलियन)	26

2. मूल्य समर्थन योजना के तहत कपास निगम द्वारा कपास की खरीद (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
600	1. किसानों को सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य दिलाने में सहयोग करना	1.1 न्यूनतम समर्थन मूल्य अभियान के तहत कच्चे कपास की अपेक्षित खरीद मात्रा (टन में)	27,50,000	1. किसानों को लाभ	1.1 एमएसपी अभियान से लाभान्वित किसानों की संख्या	10,00,000
		1.2 उन राज्यों की संख्या जहां एमएसपी अभियान चलाया गया	11			

3. केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणामम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
900	1. अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी का उपयोग, कौशल उन्नयन, बीज उत्पादन, गुणवत्ता प्रमाणन प्रणाली	1.1 शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	35	1. उत्पादकता, गुणवत्ता में सुधार, रेशम उत्पादन और रोजगार में वृद्धि तथा आयात में कमी	1.1 उत्पादकता (कच्चे रेशम में किग्रा. प्रति हेक्टेयर)	114
		1.2 बीज उत्पादन-मलबरी (लाख संख्या)	427.54		1.2 एक किलो कच्ची रेशम (रेंडिटा) का उत्पादन करने के लिए किलोग्राम रेशम कोकून की आवश्यकता होती है	6.2
		1.3 बीज उत्पादन वान्या-तसर, एरी, मुगा (लाख संख्या)	62.67		1.3 उपज प्रति 100 डिसीज फ्री लेयिंग (डीएफएल)	70.75
		1.4 कच्ची रेशम का उत्पादन (एमटी)	44,400		1.4 वर्ष के दौरान कुल रोजगार सृजन (लाख संख्या)	105.6
		1.5 आयात स्थानापन्न कच्चे रेशम का उत्पादन (एमटी)	11,150		1.5 वर्ष के दौरान सिल्क मार्क लेबल की बिक्री के माध्यम से अर्जित राजस्व (मूल्य के संदर्भ में) (करोड़ रुपये में)	1.45
		1.6 क्षमता निर्माण: इस वर्ष के दौरान प्रशिक्षित किये जाने वाले लोगों की संख्या	11,120			
		1.7 गुणवत्ता प्रमाणन: बिक्री हेतु सिल्क मार्क लेबल (लाख में)	29			
		1.8 परीक्षण किए जाने वाले कोकून/कच्चे रेशम के नमूनों की संख्या	12,500			

1. विशिष्ट थीमों के चारों ओर पर्यटक सर्किटों का एकीकृत विकास (स्वदेश दर्शन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1,750	1. स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी) के तहत गंतव्यों का विकास	1.1. स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत चिह्नित गंतव्यों की संख्या	57	1. रोजगार सृजन	1.1. वर्ष के दौरान स्वीकृत परियोजनाओं के माध्यम से सृजित प्रत्यक्ष रोजगार	5,000
		1.2. स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	29			
		1.3. स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत विकसित परियोजनाओं के उप घटकों की संख्या।	100			
		1.4. एसडी 2.0 के तहत पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या।	02			
	2. सोशल मीडिया पोस्ट एवं कार्यकलाप	2.1. स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत चिह्नित किए गए गंतव्यों पर सोशल मीडिया पोस्ट/कार्यकलापों की संख्या	2,000	2. सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़ाव	2.1. सोशल मीडिया पर वार्षिक रूप से जुड़ाव (लाइक, शेयर,इत्यादि)	40,000

1. एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
6,399	1. जनजातीय बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की स्थापना	1.1 कार्यात्मक ईएमआरएस की कुल संख्या (संचयी)	425	1. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच और पाठ्येतर गतिविधियों के साथ सर्वोत्तम अवसर	1.1 उस कक्षा में नामांकित छात्रों में से कक्षा 10 में उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत	90
		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में अजजा छात्रों के नामांकन में प्रतिशत वृद्धि	10		1.2 उस कक्षा में नामांकित छात्रों में से 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत	85
		1.3 सीबीएसई से संबद्ध ईएमआरएस की संख्या (संचयी)	320		1.3 वित्त वर्ष के दौरान 10वीं कक्षा में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का %	10
		1.4 आयोजित खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों/टूर्नामेंटों की संख्या	1		1.4 वित्तीय वर्ष के दौरान 12वीं कक्षा में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का %	10

2. अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए कार्यक्रम (पीएम वनबन्धु कल्याण योजना) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
4,300	**क. अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए कार्यक्रम - जनजातीय शिक्षा (मैट्रिक-पूर्व और मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति)**					
	1. उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पात्र जनजातीय छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई[195]	1.1 मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति के अंतर्गत सहायता प्राप्त छात्रों की संख्या	11.5	1. पाठ्यक्रम पूरा करने वाले स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र ।	1.1 10वीं कक्षा में पदोन्नत छात्रों का प्रतिशत जिन्होंने 9वीं कक्षा में छात्रवृत्ति प्राप्त की थी	85
		1.2 मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति के तहत सहायता प्राप्त छात्रों की संख्या (XI, XII, स्नातक और स्नातकोत्तर सहित)	16		1.2 10वीं कक्षा में छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत	85
					1.3 12वीं कक्षा में छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत	80
	ख. प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई)					
	1. गांव में बुनियादी ढांचा प्रदान कराना	1.1 बुनियादी ढांचे को शामिल करने के लिए विशेष देखभाल के साथ अंत्योदय मिशन डेटा के आधार पर बुनियादी ढांचे और अन्य अंतरों के लिए चयनित गांवों की संख्या	5,000	1. ग्राम विकास प्लान की तैयारी और अनुमोदन	1.1. स्वीकृत ग्राम विकास हस्तक्षेपों की संख्या।	5,000

[195] *उन छात्रों के आंकड़ें लिए गए हैं जिन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
	ग. जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता					
	1. जनजातीय अनुसंधान अध्ययन को मजबूत करना	1.1. सहायता प्राप्त शोध अध्ययनों की संख्या	50	1. जनजातीय क्षेत्रों में समस्याओं की पहचान	1.1 प्रकाशित शोध अध्ययन रिपोर्ट की संख्या	25
		1.2. सहायता प्राप्त आयोजनों/संगोष्ठी/कार्यशाला की संख्या	25		1.2 उन सेक्टोरल क्षेत्रों की संख्या जिनके अंतर्गत प्रशिक्षण/कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।[196]	5
	घ. प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)					
	1. पीवीटीजी बस्तियों/गांवों में बहु उद्देश्यीय केंद्रों का निर्माण और संचालन और समुदाय को सेवाएं	1.1 स्वीकृत बहु उद्देश्यीय केन्द्रों की संख्या	178	1. अन्य के बीच में कौशल प्रशिक्षण, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं, प्रौढ़ शिक्षा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विविध गतिविधियों और सेवाओं के लिए एमपीसी के	1.1 समुदायों को सेवाएं प्रदान करने वाले या समुदाय द्वारा उपयोग किए जाने वाले बहु उद्देश्यीय केंद्रों की संख्या	75

[196] *नीति आयोग द्वारा सुझाए गए लोगों के कौशल उन्नयन की मात्रा परिमाणित नहीं की जा सकती। इसलिए, इसे सेक्टोरल क्षेत्रों से बदला जा रहा है जिनमें प्रशिक्षण/कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	प्रदान की गई।	1.2 बहु उद्देश्यीय केंद्रों की संख्या जिनका निर्माण पूरा हो गया है	75	माध्यम से पीवीटीजी समुदाय के सदस्यों के कल्याण में वृद्धि।	1.2 सेवाओं का लाभ उठा रहे/लाभित पीवीटीजी लाभार्थियों की संख्या।	7,500
	ड. योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रशासनिक लागत (सीएसएस)					
	1. जनजातीय कल्याण योजनाओं और पहलों की निगरानी	1.1 एसपीएमयू की स्थापना के लिए शामिल होने वाले राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों	25	1. जनजातीय कल्याण योजनाओं और पहलों की निगरानी	1.1 राज्यों में स्थापित होने वाले एसपीएमयू की संख्या	25

3. राष्ट्रीय जनजातीय कल्याण कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
590.32	**क. अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए काम करने वाले स्वैच्छिक संगठनों को सहायता।**					
	1. अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को सुदृढ़ करना	1.1 गैर-सरकारी संगठनों/स्वैच्छिक संगठनों (एनजीओ/वीओ) को समर्थित परियोजना	250	1. जनजातीय लोगों के कल्याण में सुधार।	1.1 गैर सरकारी संगठनों/वीओ को सहायता के माध्यम से लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	5,00,000
	ख. प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन					
	1. विभिन्न जनजातियों से संबंधित लोगों को सहायता प्रदान करना	1.1. ट्राइफेड द्वारा आयोजित उत्सव प्रदर्शनी में भागीदार कारीगरों की संख्या	1,100	1. जनजातीय समूहों के लिए आर्थिक गतिविधि और आजीविका सृजन गतिविधियों में वृद्धि	1.1 परिवारों की संख्या जो सहायता से लाभान्वित हुए हैं[197]	1,00,000
		1.2. स्व-रोज़गार के लिए सहायता प्राप्त व्यक्तियों की संख्या	5,00,000		1.2 एमएफपी की खरीद से लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	1,00,000
		1.3. वस्तुओं की बिक्री से उत्पन्न कुल राजस्व (करोड़ रुपये)	50			
	2. वन धन विकास केंद्रों के तहत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण	2.1 संचालित वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) की संख्या (संचयी)	2,100			
	ग. निगरानी, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और सामाजिक लेखा परीक्षा					
	1. योजना के लाभ के प्रति	1.1 आयोजित जागरूकता सृजन	10	1. एमओटीए की योजनाओं की	1.1 पीएमयू द्वारा निगरानी की गई	10

[197] *नीति आयोग द्वारा सुझाए गए संकेतक को संशोधित किया गया है क्योंकि उन परिवारों का पता लगाना संभव नहीं है जिनकी वित्तीय आय 5% के विशिष्ट प्रतिशत से बढ़ी है। हालाँकि, इसके स्थान पर 'सहायता से लाभान्वित परिवारों की संख्या' प्रदान की जाती है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	जागरूकता पैदा करना	गतिविधियों की संख्या।		वास्तविक निरीक्षण द्वारा प्रभावी निगरानी	योजनाओं की संख्या	
	2. डेटा गुणवत्ता और डेटा की पूर्णता में सुधार के लिए क्षमता निर्माण	2.1 राज्य अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	10			
	घ. अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति[198]					
	1. अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उच्च अध्ययन शिक्षा के लिए प्रदान की गई वित्तीय सहायता	1.1 उच्च अध्ययन के लिए पीएचडी अध्येतावृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संख्या	2,500	1. उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों का कुल प्रतिशत	1.1 यूजी/पीजी आदि पूरा करने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों का प्रतिशत	20
		1.2 उच्च अध्ययन (यूजी/पीजी आदि) के लिए छात्रवृत्ति पाने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संख्या	4,000		1.2 पीएचडी पूरी करने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों का प्रतिशत	25
	ङ. विदेश में अध्ययन के लिए अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति[199]					
	1. विदेश में उच्च शिक्षा के लिए अनुसूचित जनजाति के छात्रों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता	1.1 उच्च अध्ययन [मास्टर, डॉक्टोरल और पोस्ट-डॉक्टोरल) के लिए सहायता प्राप्त करने वाले अजजा	50	1. विदेश में अध्ययन के माध्यम से छात्रों के कौशल को बढ़ाना	1.1 पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों का प्रतिशत [मास्टर, डॉक्टोरल	40

[198] *उन छात्रों के आंकड़ें लिए गए हैं जिन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी है।*

[199] *उन छात्रों के आंकड़ें लिए गए हैं जिन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		छात्रों की संख्या (संचयी)			और पोस्ट-डॉक्टोरल) (संचयी)	
	च. अनुसूचित जनजातियों हेतु उद्यम पूंजी निधि					
	1. जनजातीय उद्यमियों को वित्तीय सहायता	1.1 अजजा उद्यमियों को स्वीकृतियां (करोड़ रूपये में)	20	1. अनुसूचित जनजाति उद्यमियों को सहायता	1.1 सहायता प्राप्त अनुसूचित जनजाति के उन्नत उद्यमियों की संख्या[200]	15
	छ. जनजातीय अनुसंधान सूचना, शिक्षा, संचार और कार्यक्रम (टीआरआई-ईसीई)					
	1. जनजातीय कार्य मंत्रालय ने प्रतिष्ठित संगठन/संस्थान/ विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में मान्यता दी	1.1 सहायता प्राप्त सीओई की संख्या	5	1. जनजातियों से संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान करने में सहायता करना।	1.1 नीति और कार्यक्रम सुधार में प्रदत्त अनुसंधान रिपोर्टों की संख्या	5

[200] *नीति आयोग द्वारा सुझाए गए संकेतकों को संशोधित किया गया है क्योंकि वीसीएफ-एसटी सहायता का कार्यकाल 2-3 साल की रोक (मोहलत) के साथ 10 साल की अवधि के लिए है।*

1. सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 (वृहद आईसीडीएस - आंगनबाड़ी सेवाएं, पोषण अभियान, किशोरियों के लिए योजना) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2024-25**
21,200	1. आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से कुपोषण की समस्या का समाधान करना	1.1 प्रतिवर्ष सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्रों के रूप में उन्नत किए गए कुल आंगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या	40,000	1. 6 माह से 72 माह तक के आयु समूह के बच्चों और गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की उन्नत पोषण और स्वास्थ्य स्थिति	1.1 वेस्टिंग बच्चों (समान समूह में) में कमी का प्रतिशत (आधार: पोषण ट्रैकर जनवरी 2024)	2
		1.2 प्रतिवर्ष सभी बुनियादी सुविधाओं (बिजली, शौचालय, रसोईघर, पेयजल) वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या	6,00,000		1.2 अल्पवजन वाले बच्चों (समान समूह में) में कमी का प्रतिशत (आधार: पोषण ट्रैकर जनवरी 2024)	2
		1.3 पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत कुल बच्चों में से मासिक और सामूहिक आधार पर ऊंचाई और मापे गए बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष की आयु) का प्रतिशत	100		1.3 गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त वजन प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत (आधार: पोषण ट्रैकर जनवरी 2024)	50[201]
		1.4 पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत कुल बच्चों में से समूह के आधार पर पूरक-पोषण प्राप्त करने वाले बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष की आयु) का प्रतिशत	100			
		क. टीएचआर प्राप्त करने वाले बच्चों (6 माह				

[201] *कम से कम 50*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		से 3 वर्ष की आयु) का प्रतिशत ख. एचसीएम प्राप्त करने वाले बच्चों (3 वर्ष से 6 वर्ष की आयु) का प्रतिशत				
		1.5 पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत कुल पी डब्ल्यू एल एम में से समूह के आधार पर पूरक-पोषण प्राप्त करने वाले पीडब्ल्यूएलएम का प्रतिशत	100			

2. मिशन शक्ति (महिला संरक्षण और सशक्तिकरण मिशन) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
3,145.97	**क. संबल**					
	i. वन स्टॉप सेंटर (ओ एस सी)					
	1. कठिन परिस्थितियो में महिलाओं की सहायता करने के लिए देश के प्रत्येक जिले में वन स्टॉप सेंटर	1.1. कार्यशील वन स्टॉप सेंटर की संख्या	923[202]	1. ओ एस सी स्कीम के तहत दी जाने वाली आपातकालीन	1.1. ओ एस सी में विभिन्न प्रकार की सेवाएं देकर सहायता की गई महिलाओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[202] *जैसा कि वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए मिशन शक्ति के दिशनिर्देशों में अधिदेशित है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
				और गैर-आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच, जिसमें संकटग्रस्त महिलाओं के साथ हिंसा और भेदभाव का समाधान करने के लिए आश्रय और उपाय शामिल हैं		
	ii. महिला हेल्पलाइन					
	1. मदद चाहने वाली महिलाओं के लिए सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में महिला हेल्पलाइन्स का कार्यान्वयन	1.1. उन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां महिला हेल्पलाइन्स कार्यशील हैं	36	1. संकटग्रस्त या जरूरतमंद महिलाओं के लिए आपातकालीन और गैर-आपातकालीन सहायता (रिस्पॉन्स)	1.1. डब्ल्यू एच एल सेवाओं (आपातकालीन और गैर-आपातकालीन) के माध्यम से सहायता प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या[203]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[203] *लक्ष्य आपातकालीन + गैर आपातकालीन के लिए निर्धारित नहीं किए जा सकते हैं। ऐसी सेवाओं के प्रतिशत में वृद्धि परिणामी नहीं होती और प्रतिशत बिंदु की तुलना में लक्ष्य में वृद्धि नहीं की जा सकती। इसके अतिरिक्त विभिन्न राज्यों में डब्ल्यूएचएल कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। जिससे लक्ष्य के रूप में किसी प्रकार का प्रतिशत बिंदु निर्धारित करना कठिन है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
				तंत्र तक पहुंच।		
	iii. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ					
	1. बाल लिंग अनुपात में सुधार के लिए जिलों में बहु-क्षेत्रीय पहलें	1.1. उन जिलों की संख्या जहां कार्यकलाप संचालित किए गए	785	1. बाल लिंग अनुपात मे सुधार के लिए कार्यकलाप संचालित करने वाले जिले	1.1. जिलों द्वारा शुरू किए गए जागररूकता सुजन कार्यकलापों की संख्या	1,57,00[204]
	ख. सामर्थ्य					
	i. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना					
	1. स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओ के पहुंच में सुधार के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रावधान	1.1. नामांकन की संख्या - पहला बच्चा	40,00,000	1. नकद प्रोत्साहन के संदर्भ में मजदूरी हानि के लिए आंशिक मुआवजे का प्रावधान ताकि महिला पहले	1.1. इस अवधि के दौरान कोई भी किस्त का प्राप्त करने वाली लाभार्थियों की संख्या[205] - पहला बच्चा	40,00,000
		1.2. नामांकन की संख्या - दूसरा बच्चा	10,00,000		1.2. इस अवधि के दौरान कोई भी किस्त प्राप्त करने वाली लाभार्थियों की संख्या[206] - दूसरा बच्चा	10,00,000

[204] (एल जी डी के अनुसार जिलों की कुल संख्या 785 है। प्रत्येक जिले को प्रति वर्ष 20 कार्यकलाप संचालित करना है।)

[205] धनराशि प्राप्त करने वाली लाभार्थियों में वे भी शामिल हो सकती हैं जिन्हें पिछले वर्ष नामांकित किया गया था, किंतु चालू वर्ष में भुगतान की शर्तें पूरी कर ली हैं

[206] धनराशि प्राप्त करने वाली लाभार्थियों में वे भी शामिल हो सकती हैं जिन्हें पिछले वर्ष नामांकित किया गया था, किंतु चालू वर्ष में भुगतान की शर्तें पूरी कर लीहैं।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
				जीवित बच्चे के जन्म से पहले और बाद में पर्याप्त खर्च कर सके। प्रदान किए गए नकद प्रोत्साहन से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार होगा।		
	ii. **पालना गृह (क्रेच)**					
	1. छोटे बच्चों (6 माह-6 वर्ष) के लिए प्रभावी डे केयर का प्रावधान	1.1. स्वीकृत आंगनवाड़ी-सह-क्रेच की संख्या[207]	3,000	1. आंगनवाड़ी-सह-क्रेच के माध्यम से	1.1. कार्यशील आंगनवाड़ी-सह-क्रेच की संख्या	3,000

[207] *मंत्रालय की प्राथमिकता मिशन शक्ति दिशानिर्देशों के अनुसार आंगनवाड़ी सह क्रेच (एडब्ल्यूसीसी) अनुमोदित करना है ताकि इसे कार्यशील बनाया जा सके और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा शीघ्र देखभाल सेवाएं प्रदान की जा सके। मंत्रालय लगातार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से शीघ्र अति शीघ्र एडब्ल्यूसीसी के संचालन के संबंध में बातचीत कर रहा है। तदनुसार यह मंत्रालय यह मानता है कि वर्तमान वित्त वर्ष के लिए वर्तमान निर्देशांक परिणाम (अनुमोदित आंगनवाड़ी सह क्रेच की संख्या) तथा परिणाम निर्देशांक (कार्यशील आंगनवाड़ी सह क्रेच की संख्या) को पालना योजना में जारी रखा जाए।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
				बाल देखभाल सुविधा का प्रावधान		
	iii. शक्ति सदन (स्वाधार उज्ज्वला और विधवा गृह)					
	1. शक्ति सदन की स्थापना कर सेवाएं उपलब्ध कराना	1.1. अतिरिक्त स्थापित शक्ति सदन की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. तस्करी की शिकार महिलाओं सहित संकटग्रस्त महिलाओं के लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण का निर्माण।	1.1. इस स्कीम के माध्यम से सहायता प्राप्त करने वाली महिलाओं की कुल संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[208]
		1.2. शक्ति सदन में कुल निवासियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		1.3. अपने बैंक खातों में 500 रुपये प्राप्त करने वाली महिलाओं की कुल संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	iv. सखी निवास (कामकाजी महिला हॉस्टल)					
	1. सखी निवास स्थापित कर सेवाएं उपलब्ध कराना	1.1. अतिरिक्त स्थापित सखी निवास की संख्या[209]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा	1. महिलाओं को कार्यबल में	1.1. सखी निवास के माध्यम से सहायता और सुरक्षित	लक्ष्य निर्धारित

[208] शक्ति सदन एक मांग आधारित केंद्र प्रायोजित स्कीम है जिसमें राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्थानीय जरूरतों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार आकलन की गई आवश्यकता के आधार पर प्रस्ताव आगे बढ़ाते हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ चर्चा के बाद प्रस्तावों को मंजूरी दी जाती है। इसे देखते हुए, विशिष्ट तिमाही लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।

[209] सखी निवास एक मांग आधारित केंद्र प्रायोजित स्कीम है जिसमें राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्थानीय जरूरतों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार आकलन की गई आवश्यकता के आधार पर प्रस्ताव आगे बढ़ाते हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ चर्चा के बाद प्रस्तावों को मंजूरी दी जाती है। इसे देखते हुए विशिष्ट तिमाही लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
			सकते	प्रवेश करने / शामिल रहने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित, संरक्षित और कार्यशील सखी निवास।	आवास प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या।	नहीं किए जा सकते[210]

3. मिशन वात्सल्य (बाल संरक्षण सेवा और बाल कल्याण सेवा) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
1472.17	1. जिला स्तर पर बच्चों के लिए देखभाल और सुरक्षा सेवाओं की उपलब्धता	1.1. स्वीकृत सी सी आई में से संचालित बाल देखभाल संस्थानों (सी सी आई) का प्रतिशत।	100	1. जिलों में बाल देखभाल सेवाओं की मज़बूती और	1.1. संस्थागत देखभाल और गैर-संस्थागत देखभाल (प्रायोजन, पालन-पोषण देखभाल और पश्चात देखभाल) के अंतर्गत शामिल	1,80,450

[210] *सखी निवास एक मांग आधारित केंद्र प्रायोजित स्कीम है जिसमें राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्थानीय जरूरतों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार आकलन की गई आवश्यकता के आधार पर प्रस्ताव आगे बढ़ाते हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ चर्चा के बाद प्रस्तावों को मंजूरी दी जाती है। इसे देखते हुए विशिष्ट तिमाही लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	बढ़ाना			बच्चों की कवरेज को बढ़ाना	किए गए बच्चों की संख्या	
		1.2. स्वीकृत बाल कल्याण समितियों (सी डब्ल्यू सी) में से कार्यशील सी डब्ल्यू सी का प्रतिशत	100		1.2 पहचान किए गए सभी बच्चों को गैर-संस्थागत देखभाल (प्रायोजन, पालन-पोषण देखभाल और पश्चात देखभाल) के अंतर्गत प्रदान किए गए विविध लाभ	100
		1.3. स्वीकृत किशोर न्याय बोर्ड (जे जे बी) में से कार्यशील जेजेबी का प्रतिशत	100		1.3 केयरिंग्स पर गैर-संस्थागत देखभाल (पालन-पोषण देखभाल और दत्तकग्रहण) के लिए एसएए से जुड़े सीसीआई का प्रतिशत	100

खेल विभाग

1. **खेलो इंडिया (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
900	1. राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता/भागीदारी	1.1 आयोजित किए गए राष्ट्रीय स्तर के खेलो इंडिया गेम्स की कुल संख्या	4	1. देश भर में प्रतिभावान एथलीटों को प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करना	1.1. राष्ट्रीय स्पर्धा के दौरान टूटे रिकॉर्डों (राष्ट्रीय रिकॉर्ड और/या खेल रिकॉर्ड) की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	3
		1.2 राष्ट्रीय स्तर के खेलो इंडिया गेम्स में कुल एथलीटों की प्रतिभागिता	11,000		1.2. खेलो इंडिया स्कीम के तहत वित्तपोषित राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले एथलीटों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	20
		1.3 राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) / अन्य निकायों द्वारा आयोजित खेलो इंडिया वित्तपोषित प्रतियोगिताओं की कुल संख्या	520			
		1.4 राष्ट्रीय खेल परिसंघों/अन्य निकायों द्वारा आयोजित खेलो इंडिया वित्तपोषित प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले एथलीटों की कुल संख्या	50,000			
	2. पर्याप्त खेल अवसंरचना तक पहुंच	2.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, विश्वविद्यालयों, अन्य पात्र निकायों में अनुमोदित/संस्वीकृत नई खेल अवसंरचना परियोजनाओं की कुल संख्या	20	2. सार्वजनिक उपयोग के लिए खेल सुविधाओं की संख्या में वृद्धि	2.1. चालू वर्ष में जीआईएस के माध्यम से पोर्टल पर खोजी गई खेल सुविधाओं की संख्या	20,000
	3. प्रतिभा विकास पहलों को सुदृढ़ करने के लिए	3.1. सहायता प्रदत्त अकादमियों और केंद्रों की कुल संख्या	1,624	3. खेलों में सफलता को बढ़ावा देने के	3.1. खेलो इंडिया एथलीटों द्वारा राष्ट्रीय चैंपियनशिप में संबंधित	1,500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
	अकादमियों/ केंद्रों को सहायता (प्रत्यायन सहित)	(संचयित)		लिए दीर्घकालिक एथलीट विकास (एलटीएडी) पर आधारित पहल	खेल विधा में जीते गए पदकों की संख्या	
		3.2 अकादमियों और केंद्रों में सहायता प्रदत्त एथलीटों की कुल संख्या (संचयित)	20,000		3.2. अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए संबंधित खेल विधा में क्वालिफाई करने वाले खेलो इंडिया एथलीटों की संख्या	200
		3.3 अभिज्ञात की गई और छात्रवृत्ति प्रदत्त नई प्रतिभाओं की कुल संख्या (आउट ऑफ पॉकेट भत्ता-ओपीए)	600		3.3. खेलो इंडिया एथलीटों द्वारा संबंधित खेल विधा में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीते गए पदकों की संख्या	100
	4. नागरिकों की शारीरिक फिटनेस	4.1. फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित स्पर्धाओं की कुल संख्या	10,000	4. फिटनेस और शारीरिक कार्यकलाप के महत्व के बारे में बढ़ी हुई जागरूकता	4.1. फिट इंडिया मोबाइल ऐप उपयोगकर्ताओं के प्रतिशत में वृद्धि	10
		4.2. फिट इंडिया की विभिन्न स्पर्धाओं में शामिल प्रतिभागियों की कुल संख्या (करोड़)	5		4.2. शारीरिक फिटनेस के लिए चयनित बच्चों की संख्या के प्रतिशत में वृद्धि	10
		4.3. शारीरिक फिटनेस के लिए चयनित बच्चों की संख्या (लाख)	20		4.3. शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के नए नामांकनों के प्रतिशत में वृद्धि	10
		4.4. प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की संख्या (ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड सहित)	15,000			
	5. खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देना	5.1. सहायता प्रदत्त महिला प्रतियोगिताओं की कुल संख्या	520	5. सभी नागरिकों के लिए खेल के अवसरों में सुधार और समान पहुंच	5.1. ग्रामीण/देशज स्पर्धाओं में भागीदारी में प्रतिशत वृद्धि	10
		5.2. महिला प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की कुल	50,000		5.2. प्रतियोगिताओं में महिलाओं की भागीदारी के प्रतिशत में वृद्धि	20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2024-25			परिणाम 2024-25		
2024-25	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2024-25
		संख्या				
		5.3. प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से सहायता प्रदत्त पैरा-एथलीटों की कुल संख्या (संचयित)	100		5.3. पैरा खेल विधाओं में पैरा-एथलीटों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	20
		5.4. ग्रामीण/देशज खेल विधाओं में सहायता प्रदत्त एथलीटों की कुल संख्या (संचयित)	325		5.4. उग्रवाद प्रभावित और अन्य अशांत क्षेत्रों से प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले एथलीटों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	20
		5.5. एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत सहायता प्रदत्त प्रतियोगिताओं की कुल संख्या	36			
		5.6. उग्रवाद प्रभावित और अन्य अशांत क्षेत्रों में आयोजित स्पर्धाओं की कुल संख्या	20			